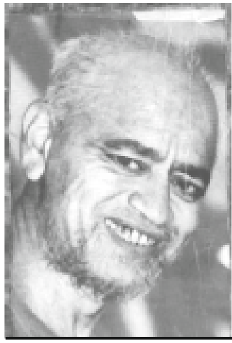

संस्कार सागर रजत वर्ष 27वाँ चातुर्मास विशेषांक

संस्कार सागर

• वर्ष : 25 • अंक : 316 • अगस्त 2025
• वीर नि.संवत 2551-52 • विक्रम सं. 2082 • शक सं. 1945

लेख

• बदलती जीवनशैली में योगमय दिनचर्या 08
• **वर्षायोग चातुर्मास सूची- 2025** 13
• **दीक्षाएँ** 52
• **समाधिमरण** 56
• **एक वर्ष के दौरान प्रदत्त नये पद** 57
• **श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक ट्रस्ट गतिविधियाँ** 58
• साहित्य की सूची 61
• पथरी दवाई सम्पर्क 65
• नैनागिरि जैन तीर्थ 78
• असली माँ 79
• सिद्धांत चक्रवर्ती आचार्य श्री विद्यानंद जी महाराज शताब्दी वर्ष पर 81
• वरिष्ठ नागरिकः अपने आप को कभी फालतू न समझे 92

बाल कहानी

• धीरज खोया 95

कविता

• विनय की महिमा 10
• युग दृष्टा प्रभु अंतरयामी 12
• खुल जाये शिव द्वारा 66
• जयति जयति जय पार्श्वनाथजी 77
• उपकार 80
• कुण्डलिया-छंद 84
• प्राचीन है दिगम्बर 91

कहानी

• दसवीं फेल 85

पाती पाठकों की : 5 • भक्ति तरंग : 6 • संस्कार प्रवाह : 7 • संयम स्वास्थ्य योग : 11
चलो देखें यात्रा : 66 • आगम दर्शन :67 • माथा पच्ची : 69 • पुराण प्रेरणा : 70 • कैरियर गाइड : 71
दुनिया भर की बातें : 72 •दिशा बोध : 76 • इसे भी जानिये: 77 • हमारे गौरव : 90
• वरिष्ठ नागरिक : 92 • हास्य तरंग-शरीर विकास के कुछ खेल : 94
• बाल संस्कार डेस्क : 95 • संस्कार गीत व बाल कविता : 96

प्रतियोगिताएं : वर्ग पहेली : 97, संस्कार सागर सदस्यता फार्म : 98

प्रेरणा – परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के प्रियाग्र शिष्य
एलक श्री सिद्धांतसागरजी महाराज

प्रधान संपादक
ब्र. जिनेश मलैया, इन्दौर–89895 05108

प्रबंध संपादक
ब्र. जयकुमार निशांत टीकमगढ़–94251 41697

कार्यकारी संपादक
ब्र. सुदेश जैन कोठिया इन्दौर–9826548159

सलाहकार संपादक
श्री हुकुमचंद सांवला, इन्दौर–9425053111
पं. विनोदकुमार जैन, रजवांस–9575634411
डॉ. मुकेश जैन 'विमल', दिल्ली–9818855130

महिला संपादक
डॉ. ज्योति जैन, खतौली–94128 89449
डॉ.ब्र. समता जैन मारौरा, इन्दौर–8989845294

अतिथि सम्पादक
डॉ. सुनील जैन 'संचय', ललितपुर–97938 21108
अभिनंदन सांधेलीय, पाटन–9425863244
डॉ. पंकज जैन, भोपाल–9584201103
विनीत जैन प्राचार्य, साढ़ूमल–9721419696
अक्षय अलया, ललितपुर – 9453031432

संयोजना
इंजी. अभिषेक जैन 'रिंकू', इन्दौर–9827282170

प्रकाशक
श्री दिगंबर जैन युवक संघ, इन्दौर (म.प्र.)

❊ आंतरिक सज्जा ❊
आशीष कुशवाह, इन्दौर 9179169060

कृपया, संस्कार सागर मासिक पत्रिका का
बाकी सदस्यता शुल्क
जो पत्रिका के लिफाफे पर चिपकी पते की स्लिप पर छपा है, अविलंब भेजकर सहयोग करें । बकाया राशि में त्रुटि हो तो सुधार हेतु हमें सूचित करें।

सदस्यता शुल्क

-आजीवन	: **2100/-**	(15 वर्ष)
-संरक्षक	: **5001/-**	(सदैव)
-परम सम्मानीय	: **11000/-**	(सदैव)
-परम संरक्षक	: **15001/-**	(सदैव)

अपने शहर के
- स्टेट बैंक ऑफ इंडिया –**संस्कार सागर**
  खाता क्र. 63000704338 (IFSC : SBIN0030463)
- भारतीय स्टेट बैंक –**ब्र. जिनेश मलैया**
  खाता क्र. 30682289751 (IFSC : SBIN0011763)
- आईसीआईसीआय बैंक
  श्री दिगम्बर जैन युवक संघ
  खाता क्र. 004105013575 (IFSC : ICIC0000041)

में भी अपने पूर्ण पते सहित राशि जमा कर हमारे कार्यालय को सूचित कर सकतेहैं।

कार्यालय –संस्कार सागर
श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति मंदिर,
सत्यम् गैस के सामने, ए.बी. रोड़, इन्दौर –10
फोन नं. : 0731–2571851, 4003506
मो. : 89895–05108, 6232967108
website :www.sanskarsagar.org
e-mail : sanskarsagar@yahoo.co.in

◆ लेखक के विचारों से संपादक मंडल का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
◆ संस्कार सागर में प्रकाशित रचनाएँ बिना आज्ञा, किसी भी प्रकार से उद्धृत नहीं की जाना चाहिए।
◆ कथा–साहित्य में नाम संस्था काल्पनिक होतेहैं। किसी से समानता मिलना संयोग मात्र है।
◆ पत्रिका संबंधी प्रकरण में न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा।

•श्री दिगम्बर जैन युवक संघ द्वारा श्री दिगंबर जैन पंचबालयति मंदिर, ए.बी. रोड़, इन्दौर–10 से प्रकाशित एवं मोदी प्रिंटर्स (76, बी–1, पोलोग्राउंड, इन्दौर) द्वारा मुद्रित।

पाती पाठकों की....

• सम्पादक महोदय, विगत दिनों ईरान और इजरायल की जंग में अमेरिका कूँदा और उसने ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर बमबारी की परंतु अमेरिका का बीच में कूँदने का औचित्य समझ से बाहर रहा क्योंकि इस तरह से अमेरिका का निर्णय हमेशा दुनिया को खटकने वाला लगता रहा है जिस तरह से भारत पाक ने युद्ध विराम की घोषणा कर डोनाल्ड ने अपनी चौधराहट सिद्ध करने का प्रयास किया परंतु भारत ने स्पष्ट कर दिया कि भारत-पाक की चर्चा सीधी ही होगी इसमें किसी भी देश का मध्यस्थ होना भारत को स्वीकार नहीं क्योंकि भारत अपनी सम्प्रभुता की रक्षा करना वह स्वयं जानता है। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोक तांत्रिक राष्ट्र है। उसे अपने स्वाभिमान से नीति निर्धारण का अधिकार है।

दिलीप जैन, इंदौर

• सम्पादक महोदय, संस्कार सागर के जुलाई अंक में प्रकाशित कहानी काम बिना बैचेन कहानी को पढ़ा कहानी की कथावस्तु सीधी सपाट नजर आयी। श्रम निष्ठा जिसको पसंद है खाली बैठने से परेशान हो जाता है। काम की जिसकी पूजा होती है वह अकर्तृत्व बुद्धि से फल की चाह बिना कर्म करता ही हैं। भोग साधना और सुविधा कर्मठ व्यक्ति को आकर्षित नहीं कर पाते हैं। कहानी से यही शिक्षा मिलती है कि जब तक हाथों में काम नहीं मिले तब तक चैन से नहीं बैठना चाहिए। कर्तव्य ही धर्म है और धर्म ही पहला पुरुषार्थ है। सफलता पुरुषार्थी को मिलती है आलसी को नहीं।

कहानी में पात्रों का चरित्र चित्रण बहुत ही सूझबूझ से किया गया है। भाषा सरल और सुबोध है शिक्षाप्रद कहानी का लाभ पाठकगण अवश्य लेंगे।

आशा जैन, अहमदाबाद

• सम्पादक महोदय, संस्कार सागर का जुलाई माह का अंक पण्डित रतललाल जी शास्त्री बनाम आत्मनंदी जी को समर्पित रहा अंक में समाहित लेख कविताओं ने बेजोड़ प्रस्तुति करण दिया पंडित जी कार्य प्रणाली उनकी समता शक्ति का परिचय प्राप्त हुआ विपरीत परिस्थिति में भी स्वाध्याय को प्रधानता देना एक अच्छे साधक की सबसे बड़ी खूबी होती है। दोनों में सबसे बड़ा पंडित जी आहार दान मानते थे वे आगम के प्रति ईमानदार और निष्पक्ष विवेचना करते थे। उनकी स्वाभिमानीवृत्ति हर साधक के लिए आज के समय में अनुकरणीय है। संस्कार सागर ने उन पर विशेष सामग्री परोसकर हम सब पाठकों का बड़ा ही उपकार किया है।

राजकुमार जैन, इंदौर

भक्ति तरंग

तेरे घट में जानन हारा

और ठौर क्यों हेरत प्यारा, तेरे हि घट में जाननहारा ।। टेक ।।
चलन हलन थल वास एकता, जात्यान्तरतै न्यारा न्यारा ।। और.।।
मोह उदय रागी द्वेषी है, क्रोधादिक का सरजन हारा ।
भ्रमत फिरत चारों गति भीतर, जनम मरन भोगत दुख भारा ।। और.।।1।।
गुरु उपदेश लखै पद आपा, तबहिं विभाव करै परिहारा ।
ह्वै एकाकी बुधजन, निश्चल पावै शिवपुर सुखद अपारा ।। और.।।2।।

हे प्रिय ! तू क्यों अन्य स्थान ढूँढ रहा है ? अरे तेरे ही घट में, तेरे ही भीतर, इस देह में ही जानने वाला, ज्ञाता आत्मा विद्यमान है, मौजूद है। तेरे शरीर के साथ ही उसका हलन-चलन है, गति है और निवास है, सब एक साथ हैं । फिर भी वह जाति से, स्वरूप से भिन्न है अर्थात् यह शरीर जड़ है आत्मा चेतन है।

मोहनीय कर्म के उदय से यह जीव रागी व द्वेषी हो रहा है और कषायों को उत्पन्न कर रहा है। इनके कारण ही यह चारों गतियों में भ्रमण करता है और जन्म व मरण के भारी दुखों को सहन करता है, भोगता है।

अब तू सत्गुरु का उपदेश सुन, उस पर ध्यान दे और अपने आपको पहचान। तभी विभावों से छुटकारा होकर स्वपद की स्थिति हो सकेगी। यह विचारकर कि तू सदा अकेला है, एकाकी है। बुधजन कहते हैं तब ही तू सिद्ध समान स्थिर, अचल होकर मोक्ष की धरा पर अवस्थित हो अपार सुख व आनंद को प्राप्त कर सकेगा।

संस्कार प्रवाह

वास्त्र वादियों के द्वारा महावीर चित्रों में साजिश

जैन धर्म दर्शन ने अहिंसा अपरिग्रह और अनेकांत के माध्यम से विश्वशांति का प्रभावी संदेश जनमानस को दिया परंतु महावीर के निर्वाणोपरान्त जैन धर्म 250 वर्ष बाद दो संघों में विभाजित हो गया जिसका मुख्य कारण रहा वस्त्रवाद एक पक्ष ने भगवान महावीर को नग्न रूप से साधक तो माना परंतु उनको अपने वस्त्रवाद के समर्थन में प्रस्तुत करने के लिए कुछ साजिश अवश्य रचता रहा उनमें कुछ साजिशें प्रमुख जिन्हें दिगम्बर पक्ष अभी तक नहीं समझ पाया।

साजिश नं. 1- चंडकेशी नाग के भगवान महावीर के चरणों में विष वमन करते एक चित्र प्रसिद्ध है जिसमें भगवान महावीर को नग्न तो दिखाया गया परंतु उनकी नग्नता को संदिग्ध बनाने के लिए उनके दिगम्बरत्व (लिंग) के सामने एक डाली चित्रकार द्वारा बनवायी गई जिससे यह कहना स्पष्ट रूप से अशक्य हो गया कि भगवान महावीर नग्न हैं अथवा नहीं ।

साजिश नं. 2- भगवान महावीर की नग्नता को छुपाने या संदिग्ध बनाने के लिए चित्र के माध्यम से एक और साजिश की गई जिसमें भगवान महावीर पर कान में कीले ठोकते हुए उपसर्ग कर्ता को दिखाया गया है और उपसर्ग का उत्तरीय वस्त्र उनके दिगम्बरत्व को सामने उड़ता हुआ दिखाकर नग्नता को संदिग्ध बनाने का कुत्सित प्रयास किया गया है।

साजिश नं. 3- भगवान महावीर को कायोत्सर्ग मुद्रा में तप करते हुए दिखाया गया चित्र भी एक साजिश का अंग है इस चित्र में भगवान की नग्नता को छुपाने के लिए एक रंग का वृत्त डाला गया है। जिससे भगवान महावीर का प्रकृति रूप निर्दोष अचेलक रूप की स्पष्टता ओझल करने का प्रयास किया गया है।

साजिश नं. 4- एक और भगवान महावीर का चित्र प्रकाशित किया गया है जिसमें भगवान महावीर को गवासन पर बैठाकर उनकी नग्नता को छुपाने की गहरी साजिश रची गई।

साजिश नं. 5- भगवान महावीर के चित्रों के माध्यम से साजिशों दौर और नहीं थमा एक चित्र की कल्पना सामने आयी जिसमें भगवान महावीर को सिंहासन पर बैठाकर उनके पैर लटका दिये जिससे उनकी नग्नता विलुप्त करने की साजिश रची।

साजिश नं. 6- गोम्मटेश्वर बाहुबली श्रवणबेलगोला की मूर्ती के सामने मानस्तंभ का काल्पनिक चित्र बनाकर उनकी नग्नता छुपाने की एक साजिश रची गई है।

इन सभी साजिशों का उद्देश्य मात्र वस्त्रवाद के औचित्य सिद्ध करने की दिशा में साजिश पूर्ण कृत्य है इसे समझकर यह भी समझना होगा कि नग्नता असभ्यता की श्रेणी में आती है। 25 अक्टूबर 2024 को एक अहं फैसले में मुंबई उच्च न्यायालय ने कहा कि प्रत्येक नग्न चित्र अश्लील नहीं होते हैं। इस आशय का समाचार लोकमत अकोला के फ्रंट पेज पर छपा था।

दिगम्बरत्व प्रकृति का निर्दोष रूप ही काम कषाय को जीतने सक्षम होता है भगवान महावीर की अहिंसा, अपरिग्रह, अनेकांत सिद्धांत दिगम्बर साधना के बिना साकार होना संभव नहीं अतः इन सब साजिशों से ऊपर उठकर भगवान महावीर के अचेलक धर्म को अपनाने से ही सच्चे सुख की प्राप्ति हो सकती है।

बदलती जीवनशैली में योगमय दिनचर्या

❋ डॉ. सुनील जैन संचय, ललितपुर ❋

योग की उत्पत्ति प्राचीन समय में, योगियों द्वारा भारत में हुई थी। योग शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के शब्द से हुई है, जिसके दो अर्थ हैं, जोड़ना और दूसरा अर्थ है- अनुशासन। योग का अभ्यास हमें शरीर और मस्तिष्क के जुड़ाव द्वारा शरीर और मस्तिष्क के अनुशासन को सिखाता है। योग आपको स्वस्थ और सुंदर बनाता है। योग भारतीय संस्कृति की हजारों -लाखों वर्ष पुरानी अमूल्य विरासत है लेकिन जब कोरोना संक्रमण का कोहराम मचा तो यह सेहत का ऐसा मंत्र हो गया जिसे सभी चिकित्सा पद्धतियों के महारथियों ने दोहराया। सभी ने माना कि घर पर रहकर भी प्राणायाम, आसन और ध्यान करके सुरक्षा कवच हासिल कर सकते हैं।

करें योग, रहें निरोग: आज के दौर में जिस तरह से हमारी जीवनशैली और खानपान में निरंतर बदलाव हो रहा है उसने कई नई बीमारियों को जन्म दिया है जिससे व्यक्ति में तनाव और थकान का स्तर बढ़ रहा है। इससे निकलने के लिए हमारे पास एक बहुत ही बढ़िया इलाज है जिसे हम सब योग कहते हैं। आज लोगों ने योग शक्ति अपनाकर कई रोगों को दूर किया है और अपनी जिन्दगी को खुशहाल बनाया है इसी का नतीजा है जो आज योग ने पूरे विश्व में अपनी एक मजबूत जगह बना ली है। कोविड के दौर में तो लाखों लोगों ने योग से जीवन में नई दिशा पायी है। कोरोना काल में लोगों में योग का क्रेज तेजी से बढ़ा। लोगों ने स्वस्थ और निरोगी रहने के लिए योग को चुना। अपने घरों के अलावा शुद्ध ऑक्सीजन लेने के लिए बागों में पहुंचकर योग किया। लाखों लोगों ने योग से जुड़कर अपनी इम्युनिटी बढ़ाई।

शरीर, मन और आत्मा के मध्य संतुलन: पिछले पचास सालों में योग न सिर्फ अंतर्राष्ट्रीय घटना बन चुका है। योग में जो शक्ति है वह दुनिया के और किसी भी व्यायाम में नहीं है।

योग की सबसे खासियत यही है कि योग के लिए आपको किसी भी प्रकार के यंत्र की आवश्यकता नहीं हे। साथ ही योग एक ऐसी शारीरिक क्रिया है जिससे बिना किसी औषधि के सभी रोगों से मुक्ति पायी जा सकता है। योग के लिए आप प्रतिदिन सुबह बस 20-30 मिनट दें और दिन भर की थकावट से दूर रहें।

बच्चों के लिए भी योग एक बेहतर व्यायाम है जिससे बच्चे स्वस्थ रहते हैं और साथ ही इससे उनका दिमाग शांत और मजबूत बनता है।

यह एक ऐसी पद्धति है जिसके माध्यम से शरीर, मन और आत्मा के मध्य संतुलन स्थापित किया जा सकता है। यह हमें शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रखने का एक स्वाभाविक तरीका है। योग को अपनी दिनचर्या का अंग बना लेने से हम स्वयं को स्वस्थ महसूस करते हैं। योग के जरिए न सिर्फ बीमारियों का निदान किया जाता है, बल्कि स्वयं के अंदर एक नयी ऊर्जा का संचार किया जा सकता है। शरीर को सही आकार में लाने के लिए यह बहुत सुरक्षित आसान और कारगर तरीका है।

आत्म-अनुशासन और आत्म-जागरूकता का विकास : योग एक व्यावहारिक दर्शन

की तरह है जो नियमित अभ्यास के माध्यम से हमारे भीतर आत्म-अनुशासन और आत्म-जागरूकता विकसित करता है। योग का किसी भी उम्र में किसी के भी द्वारा अभ्यास किया जा सकता है क्योंकि यह उम्र, धर्म या स्वास्थ्य परिस्थितियों से परे है। योग के लिए बस अनुशासन और दृढ़ संकल्प ही आवश्यक शर्तें हैं। साथ ही यह जीवन में परिवर्तन, शारीरिक और मानसिक समस्याओं के बिना स्वस्थ्य जीवन प्रदान करता है।

योग के प्रवर्तक भगवान ऋषभदेव: यह एक आध्यात्मिक अभ्यास है, जो शरीर और मस्तिष्क के संतुलन के साथ ही प्रकृति के करीब आने के लिए ध्यान के माध्यम से किया जाता है। यह पहले समय में, हिन्दू बौद्ध और जैन धर्म के लोगों द्वारा किया जाता था। जैन धर्म में योग अत्यंत प्राचीन है। जैन धर्म के अनुसार योग के प्रवर्तक भगवान ऋषभदेव जी है, वे संसार के प्रथम योगी थे। जैन धर्म में तीर्थंकर महाप्रभु पद्मासन और खड्गासन मुद्राओं में नजर आते है। पुरातात्विक साक्ष्यों के अनुसार सिंधु घाटी सभ्यता में मिली जैन तीर्थंकरों की मूर्तियाँ कार्योत्सर्ग योग मुद्रा में थी। सभी जैन मुनि योग अभ्यास करते हैं।

मिलता है दीर्घ जीवन: यह शरीर और मन को नियंत्रित करके जीवन को बेहतर बनाता है। योग हमेशा स्वस्थ जीवन जीने का एक विज्ञान है। यह एक दवा ही तरह है, जो हमारे शरीर के अंगों के कार्य करने के ढंग को नियमित करके विभिन्न बीमारियों को धीरे-धीरे ठीक करता है। योग और ध्यान को आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टि से हमारे शरीर को स्वस्थ बनाने के लिए अनिवार्य माना गया है। योग सिर्फ को तोड़ने-मरोड़ने का दूसरा नाम नहीं हैं। सनातन योग के अद्‌भुत फायदों का लोहा सिर्फ भारत ही नहीं पूरे विश्व को लोगों ने माना है क्योकि योग के माध्यम से मस्तिष्क और शरीर का संगम होता है। दैनिक जीवन में योग का अभ्यास शरीर को आन्तरिक और बाहरी ताकत प्रदान करता है। यह शरीर के प्रतिरोधी प्रणाली को मजबूती प्रदान करने में मदद करता है, इस प्रकार यह विभिन्न और अलग-अलग बीमारियों से बचाव करता है। यदि योग को नियमित रूप से किया जाये तो यह दवाईयों का दूसरा विकल्प हो सकता है। यह प्रतिदिन खाई जाने वाली भारी दवाईयों को दुष्प्रभावों को भी कम करता है। प्राणायाम और कपाल भांति जैसे योगों को करने का सबसे अच्छा समय सुबह का समय है, क्योंकि यह शरीर और मन पर नियंत्रण करने के लिए बेहतर वातावरण प्रदान करता है।

बेहतर जीवन जीने में सहायक: हम योग से होने वाले लाभों की गणना नहीं कर सकते हैं, हम इसे केवल एक चमत्कार की तरह समझ सकते हैं जिसे मानव प्रजाति को भगवान ने उपहार के रूप में प्रदान किया है। यह शारीरिक तंदरूस्ती को बनाए रखता है, तनाव को कम करता है भावनाओं को नियंत्रित करता है, नकारात्मक विचारों को नियंत्रित करता है और भलाई की भावना, मानसिक शुद्धता आत्म समझ को विकसित करता है साथ ही प्रकृति से जोड़ता है।

नियमित योग करने वाले व्यक्तियों के लिए योग बहुत अच्छा अभ्यास है। यह स्वस्थ्य जीवन शैली और हमेशा के लिए बेहतर जीवन जीने में सहायता करता है।

तनाव और चिंता का प्रबंधन: योग के अभ्यास की कला शक्ति से मन, शरीर और आत्मा को नियंत्रित करने में मदद करती हैं। यह भौतिक और मानसिक संतुलन करके शांत शरीर और मन

प्राप्त करवाता हैं। तनाव और चिंता का प्रबंधन करके आपको राहत देता है। यह शरीर में लचीलापन, मांसपेशियों को मजबूत करने और शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ाने में भी मदद करता है। यह श्वसन, ऊर्जा, और जीवन शक्ति में सुधार लाता है। योग का अभ्यास करने से ऐसा लगता है कि जैसे यह शरीर को खींचने या तानने तक ही सीमित है, लेकिन आप जैसा देखते हैं महसूस और गतिविधि करते हैं उससे कहीं अधिक यह आपके शरीर को सक्रिय करने में सक्षम करता हैं।

योग आसन शक्ति, लचीलापन और आत्मविश्वास का निर्माण करते हैं। योग का नियमित अभ्यास करने से वजन में कमी, तनाव से राहत, प्रतिरक्षा में सुधार एक स्वस्थ जीवन शैली बनाए रखने में मदद प्राप्त हो सकती है।

आधुनिक जटिल जिंदगी में सहायकः आधुनिक मनुष्य के लिए योग ध्यान बहुत ही जरूरी हो गया है। आज की आधुनिक दुनिया और जटिल जिंदगी में यदि आप मानसिक तनाव मुक्त जीवन के साथ ही शारीरिक रूप से स्वस्थ रहना चाहते हैं तो योग-ध्यान को अपनाने की बहुत आवश्यकता है।

आधुनिक युग में प्रायः हर आदमी जिंदगी की व्यस्तताओं, जटिलताओं, पर्यावरण प्रदूषण, शोरगुल तथा विभिन्न आधुनिक मशीनों से निकलने वाले सूक्ष्म तरंगों के प्रभाव से शारीरिक, मानसिक तनाव तथा थकान अनुभव करता है। योग-ध्यान से इसके दुष्प्रभाव से बचा जा सकता। निरंतर योग-ध्यान करते रहने से शरीर-मस्तिष्क में नई सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। जो जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में सफलता में सहयोगी है।

योग-ध्यान करने से शरीर की प्रत्येक कोशिका के भीतर प्राण शक्ति, जीवन्तता का संचार होता है। जिससे शरीर स्वस्थ, सबल महसूस होता है। शरीर में प्रतिरोधक क्षमता का विकास होता है। हमें योग को जीवनशैली का अटूट हिस्सा बनाना होगा। आसन, प्राणायाम, सकारात्मक जीवन में बहुत मददगार हैं। लॉकडाउन के कारण लोगों को पता चला कि हमें घर में बस तीन फुट की जगह चाहिए, जहाँ बैठकर हम योग कर सकते हैं।

कविता

विनय की महिमा

✲ संस्कार फीचर्स ✲

अहं से सहयोगी नहीं बिरोधी ही बन सकता है
प्रेम और विनय से कोई भी सहयोगी बन सकता है
विनय से पत्थर भी तैरने लगते हैं पर मूर्ख
विनय को कमजोरी मानते हैं
भय के बिना प्रीति कहाँ भय बिना मूर्ख नहीं मानते हैं
अहंकारी औरों को कम और कमजोर ही आँकते हैं।

संयम स्वास्थ्य योग

आरोग्य का राजा सेब

खाँसी- पके हुए सेब का एक गिलास रस निकालकर मिश्री मिलाकर प्रातः पीते रहने से पुरानी खांसी ठीक हो जाती है।

सूखी खाँसी- जब तक खाँसी रहे, सेब पर काली मिर्च और मिश्री डालकर खाते रहें। गले में खरखरी चलकर आने वाली खाँसी व बार-बार उठने वाली खाँसी में लाभ होगा। 2. नित्य पके हुए पीठे सेब खाते रहने से सूखी खाँसी में लाभ होता है।

आंत्रज्वर (Typhoid)- आंत्रज्वर में सेब का रस बहुत लाभदायक है।

हृदय शक्तिवर्धक- सेब का मुरब्बा 15-20 दिन खाने से हृदय की दुर्बलता, दिल बैठना ठीक हो जाता है।

उच्च रक्तचाप (High Blood Pressure)- उक्त रक्तचाप होने पर दो सेब नित्य खाने से लाभ होता है। उच्च रक्तचाप में सेब खाने से पेशाब अधिक व जल्दी-जल्दी आता है। इससे शरीर का नमक बाहर निकल जाता है। गुर्दो को आराम मिलता है।

स्मरण शक्तिवर्धक- जिन व्यक्तियों के मस्तिष्क और स्नायु दुर्बल हो गये हों, विद्यार्थियों को याद नहीं रहता हो, उन्हें सेब खाना चाहिए। सेब के सेवन से नाड़ियों की शक्ति व लाभ होता है। इसके लिए एक या दो सेब बिना छीले चबा-चबाकर भोजन से पन्द्रह मिन्ट पहले खायें।

पथरी- गुर्दे और मूत्राशय में पथरियाँ बनती रहती हैं। ऑपरेशन करके निकाल देने के पश्चात् भी प्रायः पथरी बन जाती है। सेब का रस पीते रहने से पथरी बनना बंद हो जाता है। तथा बनी हुई पथरी घिस-घिसकर मूत्र द्वारा बाहर आ जाती है। यह वृक्कों तथा मूत्राशय को शुद्ध करता है, गुर्दे का दर्द दूर करता है। यदि कुछ दिन केवल से बही खाकर रहें तो पथरी निकल जाती है। अधिक भूख लगे तो अन्य शाक, फल खायें।

बहूमूत्र- सेब ,खाने से रात को बार-बार मूत्र जाना कम हो जाता है।

सिरदर्द- सेब पर नमक व कालीमिर्च लगाकर 20-25 दिन खाने से सिरदर्द में लाभ होता है। एक या दो सेब नमक व कालीमिर्च लगाकर प्रातः भूखे पेट चबा-चबाकर नित्य खायें। इसके बाद गर्म दूध पियें।

अनिद्रा (Insomnia)- 1. अनिद्रा होने पर सेब का मुरब्बा खाने से निद्रा आने लगती है। सेब खाकर सोना भी नींद लाने में सहायक है। 2. एक सेब के छोटे- छोटे टुकड़े करके दो गिलास पानी में उबालें। फिर ठंडा करके सेब को मसल कर पानी छानकर स्वादानुसार नमक मिलाकर पीने से नींद आती है।

बच्चों को दस्त- जब बच्चों को दूध नहीं पचता हो, दूध पीते ही (उल्टी) और दस्त जाते

हों तो उनका दूध बंद करके थोड़े-थोड़े समय बाद सेब का रस पिलाने से कै (उल्टी) और दस्तों में आराम आ जाता है। पुराने दस्तों में सेब का रस लाभदायक है। मरोड़ लगकर होने वाले बड़े लोगों के दस्तों में भी यह लाभदायक है।

सेब का रस खून के दस्तों को बंद करता है। दस्तों में सेब बिना छिलके के होनी चाहिए। दस्तों में सेब का मुरब्बा भी लाभदायक है। सेब के छिलके उतारकर छोटे-छोटे टुकड़े करके दूध में उबालें। इस दूध का आधा कप प्रति घंटे से पिलाने से दस्त बंद हो जाते हैं।

उल्टी- सेब के रस में स्वाद के अनुसार नमक मिलाकर पीने से उल्टी होना बंद हो जाती है।

गर्भावस्था की उल्टी- सेब के बीज आधा चम्मच, दो कप पानी में डालकर उबालें। एक कप पानी रहने पर छानकर सुबह-शाम पियें। गर्भावस्था में होने वाली उल्टियाँ बंद हो जायेगी।

ई-कोलाई- सेब व दालचीनी में एंटी ऑक्सीडेंट प्रचुर मात्रा में होते हैं। उबला सेव दालचीनी उल्टी-दस्त के रोगियो के लिये लाभकारी है क्योंकि इनमें ई-कोलाई नाम के बैक्टीरिया को मारने की क्षमता होती है। क्रीम न मिलाएँ तो रोगियों को तुरंत आराम मिलेगा।

यकृत (Liver)- सेव यकृत रोगों में लाभदायक है। इससे यकृत को शक्ति मिलती है।

गैस- सेब का रस पाचन अंगो पर एक पतली तह चढ़ा देता है जिससे वे संक्रमण और बदबू से बचे रहते हैं वायु उत्पन्न होना बंद हो जाता है।

कविता

युग दृष्टा प्रभु अंतरयामी

संस्कार फीचर्स

ऋषभदेव प्रभु आदि विधाता, दुखिया जग को शिवपथ दाता
ज्ञान रश्मि मय प्रभु स्वयंभू, विश्व चक्षु प्रभु, तुम हो शम्भू
आदिनाथ प्रभु प्रजापति तुम, असिमसि शिक्षा आदि गुरु तुम
वेद ऋचाएँ तुम गुण गायें, सुर नर मुनि गण तुमको ध्यायें
तीर्थ विधाता शिव सुखदाता, हरो अमंगल मंगलदाता
भारत जनक भारत के स्वामी, आदिनाथ प्रभु अंतरयामी
आशाम्बर दिग्वासी प्रभु, वीतरागी गुणधारी हो प्रभु
ब्राह्मी लिपि चलाई तुमने, विद्या अंकपढ़ाई तुमने,
ब्राह्मी सुंदरी सुता तुम्हारे, परिजन छोड़ दीक्षाधारी
वसुधा तुम बिन सति रही थी, तुम वियोग में विलख रही थी
माघ कृष्ण चौदस दिन आया, अष्टापद शिवपद पाया
जय जय आदिनाथ प्रभु स्वामी, युग दृष्टा प्रभु अंतरयामी

वर्षायोग : चातुर्मास-2025

साहित्यमनीषी ज्ञानवारिधि दिगम्बर जैनाचार्य श्री ज्ञानसागरजी महाराज के द्वारा शिक्षित–दीक्षित जैन श्रमण–परंपरा के आदर्श, संत शिरोमणि जैनाचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के शिष्यगण एवं आचार्य श्री समयसागरजी महाराज के आशीर्वाद से वीर निर्वाण संवत् 2551 विक्रम संवत् 2082 सन् 2025 का चातुर्मास विवरण:

(1) आचार्य श्री समयसागरजी महाराज : मुनि श्री विनीतसागर जी महाराज, मुनिश्री प्रशस्तसागरजी महाराज, मुनि श्री चंद्रप्रभसागरजी महाराज, मुनिश्री मल्लिसागरजी महाराज, मुनिश्री आनंदसागरजी महाराज,मुनि श्री निर्ग्रन्थ सागर जी महाराज, मुनिश्री निर्भांतसागरजी महाराज, मुनि श्री निरालस सागर जी महाराज, मुनिश्री निराश्रवसागरजी महाराज, मुनि श्री निराकारसागर जी महाराज, मुनि श्री निर्माणसागर जी महाराज, मुनि श्री निशंकसागर जी महाराज, मुनि श्री निर्लेपसागर जी महाराज, एलक श्री औचित्यसागर जी महाराज, एलक श्री गहनसागर जी महाराज, एलक श्री कैवल्यसागर जी महाराज, एलक श्री सुदृढ़सागर जी महाराज, एलकश्री समकितसागर जी महाराज, एलक श्री उचितसागर जी महाराज, एलक श्री अथाहसागर जी महाराज, एलक श्री उत्साहसागर जी महाराज, एलक श्री अमापसागर जी महाराज। कुल : 23 (1आचार्य, 13 मुनिराज, 9 एलक ब्रह्मचारीगण)

✻ आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज के द्वारा दीक्षित प्रायः सभी साधुगण बाल ब्रह्मचारी हैं। जैन श्रमण परंपरा के ज्ञात इतिहास–जानकारी में यह प्रथम संघ हो सकता है, जिसमें दीक्षित 131 मुनि, 172 आर्यिका, 61 एलक, 141 क्षुल्लक, 3 क्षुल्लिका कुल 508 साधु एवं आर्यिकाएँ भी प्रायः बाल ब्रह्मचारिणी हैं। आपकी समाधि 18 फरवरी 2024 को डोंगरगढ़ छत्तीसगढ़ में होने के पश्चात 16 अप्रैल 2024 मंगलवार श्री सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर में समस्त संघ की उपस्थिती में आचार्य पद श्री निर्यापक श्रमण श्री समयसागर जी महाराज को दिया गया।

✻ आचार्यश्री की आज्ञानुसार देश के विभिन्न नगरों में लगभग 400 बाल ब्रह्मचारी भाई एवं 800 बाल ब्रह्मचारिणी बहनें भी साधनारत हैं।

✻ आचार्यश्रीजी प्रतिदिन संघस्थ साधुओं के लिए दोप. 2 से 3 बजे धवला पुस्तक 6 तथा दोप. 3 से 4 बजे ब्रह्मचारी कक्षा होती है।

✻ 3 से 4 मुनि श्री विनीतसागर जी द्वारा श्रावकों के लिए कर्मकाण्ड की कक्षा लगाई जाती है।

✻ प्रतिदिन प्रातः 8.30 बजे कार्तिकेयानुप्रेक्षा, स्वाध्याय, आचार्य श्री की पूजन तथा प्रवचन होते है।

✻ वर्तमान में आचार्यश्री से दीक्षित शिष्यों के मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, महाराष्ट, उत्तरप्रदेश, राजस्थान, झारखंड, हरियाणा, दिल्ली आदि राज्यों में चातुर्मास हो रहेहैं।

✻ चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन लाखा भवन बड़ा फुव्वारा जबलपुर (म.प्र.)
सम्पर्कः विनय भैया 9425453667

(2) पूज्य निर्यापक श्रमण मुनिश्री योगसागरजी महाराज, मुनि श्री निरोगसागरजी महाराज, मुनि श्री निर्मोहसागर जी महाराज, मुनि श्री निरामयसागर जी महाराज, मुनि श्री निर्भीकसागर जी महाराज, एलक श्री सुधारसागरजी महाराज एलक श्री चैत्यसागर जी महाराज, एलक श्री अपारसागर जी महाराज, एलकश्री तन्मयसागर जी महाराज, एलक श्री स्वागतसागरजी, एलक श्री आगत सागरजी, क्षुल्लक श्री भास्वतसागरजी, क्षुल्लकश्री स्वस्तिकसागर,
कुल : 14 (1 निर्यापक, 4 मुनिराज,5 एलक, 2 क्षुल्लक ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर चौधरी मौहल्ला गुना (म.प्र.)
सम्पर्क : अशोक भैयाः 9595100108, संजय 9425134847

(3) पूज्य निर्यापक श्रमण मुनिश्री नियमसागरजी महाराज : मुनिश्री वृषभसागरजी महाराज, मुनि श्री अभिनंदनसागरजी महाराज, मुनि श्री सुपार्श्वसागरजी महाराज कुल : 4 (1 निर्यापक 3 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री पार्श्वनाथ ब्रह्मचर्य आश्रम जैन गुरुकुल एलोरा (बैलूर) तह. खुलताबाद जिला छत्रपती संभाजी नगर महाराष्ट्र 431102
सम्पर्कः 8308766979, 9021815069

(4) मुनिश्री गुप्तिसागरजी महाराज
(उपाध्याय पद आचार्यश्री विद्यानंदजी महाराज)
कुल : 1 मुनिराज (ब्रह्मचारीगण) 45वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सेक्टर 15 सोनीपथ हरियाणा 131001
सम्पर्कः 9812021559

(5) पूज्य निर्यापक श्रमण मुनिश्री सुधासागरजी महाराज : वर्णी क्षुल्लक श्री गंभीर सागरजी, क्षुल्लक श्री वरिष्ठसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री विदेहसागरजी महाराज
कुलः4 (1 मुनिराज, 3 क्षुल्लक, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर सुभाषगंज रेल्वे स्टेशन के पास अशोकनगर (म.प्र.)
सम्पर्कः राकेश अमरोदः 9425131933

(6) निर्यापक श्रमण मुनिश्री समतासागरजी महाराज : मुनि श्री पवित्रसागर जी महाराज, एलक श्री निश्चय सागरजी महाराज, एलक श्री निजानंदसागरजी

महाराज, क्षुल्लक श्री संयमसागरजी महाराज
कुल : 5 (1 निर्यापक, 1 मुनिराज, 2 ऐलक, 1 क्षुल्लक ब्रह्मचारी गण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र गुणायतन मधुवन सम्मेदशिखर जिला गिरिडीह झारखंड
सम्पर्क: 9006785272

(7) मुनिश्री सरलसागरजी महाराज
कुल : 1 मुनिराज (1 मुनि)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र भौरासा जिला विदिशा (म.प्र.)
सम्पर्क : 6261122349, अरविन्द बरबाई 9575155903, योगेश 7987313347

(8) मुनिश्री प्रमाणसागरजी, मुनि श्री संधानसागरजी महाराज, क्षुल्लकश्री आदरसागरजी, क्षुल्लकश्री समादरसागर, क्षुल्लकश्री चिद्रूपसागर, क्षुल्लकश्री स्वरूपसागर, क्षुल्लकश्री सुभगसागर कुल : 8 (3 मुनिराज, 5 क्षुल्लक ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर विद्या प्रमाण गुरुकुलम अवधपुरी भोपाल (म.प्र.)
सम्पर्क : ब्र. अशोक भैया 9424595445, ब्र. अभय भैया 9425948562

(9) मुनिश्री आर्जवसागरजी महाराज : (आचार्यपद सीमन्धरसागरजी) मुनिश्री भाग्यसागरजी, मुनिश्री महतसागरजी, कुल: 3 (3 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली :श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर उदयनगर इंदौर (म.प्र.)
सम्पर्क : भरत: 9926041963, पीसी जैन 9893240966

(10) मुनिश्री मार्दवसागरजी महाराज
कुल : 1 (1 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सेटेलाईट जंक्शन पैलोद हाला इंदौर (म.प्र.)
सम्पर्क : सुनील भैया: 9425963722

(11) मुनि श्री उत्तमसागर जी महाराज(निर्यापक आचार्य) मुनिश्री सुलभसागरजी महाराज (37वाँ)
कुल :2 (2मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र श्रीधरगिरि पूर्व पायठा कुंभारगांव रोड एम.एस.ई.बी ऑफिस के नजदीक मु.पो. कुंडल तह. तलूम जिला सांगली महाराष्ट्र
सम्पर्क: 9752339632

(12) मुनिश्री पावनसागरजी महाराज, मुनिश्री सुभद्रसागरजी कुल: 2 (2 मुनि, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर महारानी फार्म गायत्रीनगर जयपुर राजस्थान
सम्पर्क:

(13) मुनिश्री सुखसागरजी महाराज, मुनिश्री
कुल : 2 (2 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर अभाना जिला दमोह (म.प्र.) 470611
सम्पर्क: सुकमाल 9399609668

(14) मुनिश्री निर्णयसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री अटलसागर जी महाराज (27वाँ)
कुल : 2 (1 मुनिराज, 1 क्षुल्लक ब्रह्मचारीगण) 28वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर शुजालपुर मंडी (म.प्र.)
सम्पर्क : 9926669367, 8989452944

(15) मुनि श्री निर्वेगसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री जागृतसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री सविनयसागरजी महाराज, क्षुल्लक समन्वयसागरजी महाराज कुल : 4 (1 मुनिराज, 3 क्षुल्लक ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर भानपुरा भोपाल
सम्पर्क : 9425951126

(16) मुनि प्रबुद्धसागरजी महाराज, मुनि श्री निर्दोषसागर जी महाराज (28वाँ)
कुल : 2 (2 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन पंचायती मंदिर श्रीधाम गोटेगांव जिला नरसिंहपुर (म.प्र.) 487118
सम्पर्क: राजकुमार: 9303051151

(17) मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज (आचार्य पद कुंथुसागरजी महाराज)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर मैसूर कर्नाटक
सम्पर्क :

(18) मुनि श्री पुराणसागर जी महाराज
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर हैचीएल बेंगलोर कर्नाटक
सम्पर्क :

(19) निर्यापक श्रमण श्री प्रसादसागर जी महाराज , मुनि श्री शीतलसागर जी महाराज
कुल :2 (1 निर्यापक, 1 मुनि, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर अमरपाटन तह मैहर जिला सतना (म.प्र.)
सम्पर्क: 9424318636

(20) मुनिश्री पायसागरजी महाराज
कुल :1 (1 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री चन्द्रप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर तेइनकटे त ह. पोरहागिरे जिला तिमकूर कर्नाटक
सम्पर्क: शीतल जैन 9743488653

(21) निर्यापक श्रमण मुनिश्री अभयसागरजी महाराज, मुनिश्री प्रभात सागरजी महाराज, मुनि श्री चंद्रसागरजी महाराज, मुनिश्री निरीहसागरजी महाराज, एलक श्री उद्यमसागरजी महाराज, एलक श्री गरिष्ठसागरजी महाराज 25वाँ वर्षायोग
कुल : 6 (1 निर्यापक, 3 मुनिराज, 2 एलक ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र

पटनागंज रहली जिला सागर (म.प्र.)
संपर्क:गोलू भैया 7879544118, रजनीश भैया 9977710011, राकेश चांदपुर: 9300480960, सुरेश: 9301316131

(22) मुनि श्री अक्षयसागर जी महाराज, एलक श्री उपशम सागर जी महाराज 27वाँ वर्षायोग
कुल:2 (1 मुनिराज, 1 एलक ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली :श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर बाजार सिहोर (म.प्र.)
सम्पर्क : अध्यक्ष अजय जैन 9893432005

(23) मुनिश्री प्रयोगसागर जी, कुल : 1 (1 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण) 27वाँ
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर तेन्दूखेडा जिला दमोह (म.प्र.) 470335
सम्पर्क :महेश भूसा 6264771736, 9893753270

(24) मुनिश्री प्रबोधसागर जी, मुनि श्री शैलसागरजी महाराज, मुनि श्री अचलसागरजी महाराज, कुल :3 (3 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण) 27वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली :श्री दिगम्बर जैन मंदिर बंडा जिला सागर (म.प्र.)
सम्पर्क:

(25) मुनिश्री प्रणम्यसागरजी महाराज, मुनि श्री विश्वाक्षसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री सुनयसागर जी, कुल : 3 (2 मुनिराज, 1 क्षुल्लक ब्रह्मचारीगण) 27वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन लाल मंदिर चांदनी चौक दिल्ली
सम्पर्क: नीरज जैन: 9810035356

(26) मुनिश्री अजितसागरजी, मुनिश्री निरागसागरजी महाराज, एलक विवेकानंदसागरजी, कुल : 3 (2 मुनिराज, 1 ऐलक) 26वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर मदार सूरत गुजरात
सम्पर्क : रविन्द्र भैया 7014931319, 9617641008

(27) निर्यापक श्रमण मुनिश्री संभवसागरजी महाराज, मुनि श्री निस्सीमसागर जी महाराज, मुनिश्री श्रमणसागरजी महाराज, मुनिश्री संस्कारसागर जी महाराज, मुनिश्री ओमकारसागर जी महाराज, एलक श्री गौरवसागर, कुल : 6 (5 मुनिराज, 1 एलक ब्रह्मचारीगण) 26वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन महावीर विहार गंजबासौदा जिला विदिशा (म.प्र.)
सम्पर्क : सतीश जैन मंत्री 9826433303, संजू बाबा 9425371705

(28) मुनि श्री पद्मसागरजी महाराज
चातुर्मास स्थली : श्री चेतनोदय तीर्थ क्षेत्र केलवारा खुर्द झुरी गौशाला कटनी (म.प्र.)
सम्पर्क : नवीन जैन 9425158631

(29) मुनिश्री श्रेयांससागरजी महाराज, क्षुल्लक निजात्मसागर जी कुल : 2 (1 मुनिराज, 1 क्षुल्लक) 26वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सुल्तानगंज जिला रायसेन (म.प्र.)
सम्पर्क:7999301553

(30) मुनि पूज्यसागर जी महाराज, मुनि श्री अतुलसागरजी कुल : 2 (2 मुनिराज)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र गुणायतन मधुवन सम्मेदशिखर जिला गिरिडीह झारखंड
सम्पर्क: 9006785272

(31) मुनिश्री विमलसागरजी महाराज, मुनिश्री अनंतसागरजी महाराज, 26वाँ वर्षायोग
कुल : 2 (2 मुनि, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन भाग्योदय तीर्थ सागर (म.प्र.)
सम्पर्क : मुकेश ढाना 9425171196

(32) मुनिश्री धर्मसागरजी महाराज, मुनिश्री भावसागरजी महाराज कुल : 2 (2 मुनि, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर सिवनी (म.प्र.)
सम्पर्क :

(33) मुनिश्री कुंथुसागरजी महाराज
कुल 1(1 मुनिराज) 26वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन चैत्यालय जय जिनेन्द्र सोसायटी बाकड पूणे महाराष्ट्र 411057
सम्पर्क: अमित: 9922904011, गुरुदयाल 9801872575 विवेक 7030789698

(34) मुनिश्री अरहसागरजी महाराज
कुल 1(1 मुनिराज) 26वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सेक्टर 8 प्रतापनगर जयपुर राजस्थान
सम्पर्क: जिनेन्द्र 9829864876

(35) निर्यापक श्रमण मुनिश्री वीरसागरजी महाराज, मुनिश्री विशाल सागरजी महाराज, मुनिश्री धवलसागरजी महाराज, मुनिश्री उत्कृष्टसागरजी महाराज, क्षुल्लकश्री मंथनसागर जी महाराज, क्षुल्लकश्री मननसागरजी महाराज, क्षुल्लकश्री विचारसागरजी महाराज, क्षुल्लकश्री मगनसागरजी महाराज, क्षुल्लकश्री विरलसागर जी महाराज कुल : 9 (1 निर्यापक, 3 मुनि, 5 क्षुल्लक ब्रह्मचारीगण) 21वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र कुंथलगिरि जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र
सम्पर्क : 9923010111, 9171665396

(36) मुनिश्री आगमसागरजी महाराज, मुनिश्री पुनीतसागरजी महाराज, एलक श्री धैर्यसागरजी

महाराज, एलक श्री स्वागतसागरजी महाराज कुल : 4 (2 मुनिराज, 2 एलक ब्रह्मचारीगण) 21वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर जगदलपुर छत्तीसगढ़
सम्पर्कः

(37) मुनिश्री महासागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री सुधर्मसागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री स्वेतसागरजी महाराज
कुल : 3 (1 मुनिराज, 2 क्षुल्लक ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर छिन्दवाड़ा (म.प्र.)
सम्पर्कः

(38) मुनिश्री विराटसागरजी महाराज, मुनि श्री निस्संगसागर जी महाराज
कुल : 2 (2 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली :
सम्पर्कःश्री दिगम्बर जैन मंदिर इतवारिया नागपुर महाराष्ट्र

(39) मुनिश्री अविचलसागरजी महाराज
कुल : 2 (1 मुनिराज, 1 क्षुल्लक ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र सांवलिया पार्श्वनाथ करगुंवा झांसी (उ.प्र.)
सम्पर्कः 9795682269

(40) मुनि श्री विशदसागर जी महाराज, मुनि श्री शिवसागर जी महाराज, मुनि श्री विभोरसागरजी महाराज, एलक श्री वैराग्यसागर जी महाराज, कुल : 4 (3 मुनिराज, 1 एलक ब्रह्मचारीगण) 21वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन चंद्रोदय तीर्थ क्षेत्र चांदखेडी खानपुर राजस्थान

(41) मुनि श्री सौम्य सागर जी महाराज, मुनिश्री निश्चलसागरजी महाराज, मुनिश्री निरापद सागरजी महाराज, कुल : 3 (3 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण) 21वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर छीपीटोला आगरा (उ.प्र.)
संपर्कः

(42) मुनिश्री दुर्लभसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री निर्धूम सागरजी महाराज कुल : 2 (1 मुनिराज, 1 क्षुल्लक ब्रह्मचारीगण) 21वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन बडा मंदिर आरोन जिला गुना (म.प्र.)
संपर्कः विजय 9179206161, संजय 9926236994

(43) मुनि श्री विनम्रसागरजी महाराज, मुनि श्री निःस्वार्थसागरजी महाराज, मुनि श्री निसर्गसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री हीरकसागरजी महाराज कुल 4 (3 मुनिराज, 1 क्षुल्लक ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर बागीदौरा जिला बांसवाडा राजस्थान
सम्पर्कः 9783256327, 9575817377

(44) मुनि श्री सहजसागर जी, मुनि श्री मोक्षसागरजी महाराज कुल : 2 (2 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण) 26वाँ
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर सेनगांव बुलढाणा महाराष्ट्र
सम्पर्क :

(45) मुनिश्री निर्दोषसागरजी महाराज, मुनिश्री निर्लोभ सागरजी महाराज, मुनिश्री निरूपम सागर जी महाराज, कुल : 3 (3 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर गुदरी बाजार कंदेली नरसिंहपुर (म.प्र.)
सम्पर्क प्रदीपः 9424301254, संजय 9425171598

(46) मुनिश्री निष्पक्षसागरजी महाराज, मुनि श्री निष्पृहसागरजी महाराज, कुल :2 (2 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर भवानी मंडी राजस्थान
संपर्कः 9460518399, 9887267508

(47) मुनि श्री निस्कंपसागरजी महाराज, मुनि श्री निष्कामसागरजी महाराज कुल :2 (2 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री प्राचीन दिगम्बर जैन गुरहा जी का मंदिर खुरई जिला सागर (म.प्र.)
सम्पर्कः प्रवीण भैयाः 7987641891 श्रेयांस जैनः 7049249542

(48) मुनि श्री निरापदसागरजी महाराज कुल :1 (1 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर खनियाढाना जिला शिवपुरी (म.प्र.)
सम्पर्कः 9039391401

(49) मुनिश्री निराकुलसागरजी महाराज, मुनि श्री अजयसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री तत्त्वार्थ सागरजी महाराज कुल :3 (2 मुनिराज, 1 क्षुल्लक ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर खातेगांव जिला देवास (म.प्र.)
सम्पर्कः 7898814755

(50) मुनिश्री नीरजसागर जी महाराज, मुनि श्री निर्मदसागरजी महाराज, कुल : 2 (2 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर पिण्डरई जिला मंडला (म.प्र.)
सम्पर्कः

(51) मुनि श्री निश्चिंतसागरजी महाराज
चातुर्मास स्थलीः श्री चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन मंदिर आदर्शनगर सरधना जिला मेरठ (उ.प्र.)

सम्पर्कः

(52) मुनि श्री निरंजनसागरजी महाराज
चातुर्मास स्थलीः श्री दिगम्बर जैन मंदिर लटेरी जिला विदिशा (म.प्र.)

(53) आर्यिकाश्री गुरुमति माताजी, आर्यिकाश्री दृढ़मतिजी : आर्यिका श्री गुणमति माताजी आर्यिकाश्री पावनमतिजी, आर्यिका श्री विलक्षणमति माताजी, आर्यिका श्री धारणामति माताजी, आर्यिका श्री चिंतनमति माताजी, आर्यिका श्री वैराग्यमति माताजी, आर्यिका श्री आलोकमति माताजी, आर्यिका श्री अनुभवमति माताजी आर्यिकाश्री अकलंकमति माताजी, आर्यिकाश्री निकलंकमतिजी, आर्यिका श्री आगममति माताजी, आर्यिका श्री प्रसन्नमति माताजी, आर्यिका श्री प्रशममति माताजी, आर्यिका श्री मुदितमति माताजी, आर्यिका श्री सहजमति माताजी, आर्यिका श्री सकलमती माताजी, आर्यिका श्री संयममति माताजी, आर्यिका श्री सारमति माताजी, आर्यिका श्री सिद्धमतिमाताजी, आर्यिका श्री सौम्यमति माताजी, आर्यिकाश्री समुन्नतमति माताजी, आर्यिका श्री शास्त्रमति माताजी, आर्यिका श्री अमूल्यमति माताजी, आर्यिका श्री आराध्यमति माताजी, आर्यिका श्री अचिन्त्यमति माताजी, आर्यिका श्री अलोलमति माताजी, आर्यिका श्री अनमोलमति माताजी, आर्यिका श्री उचतमति माताजी, आर्यिका श्री आज्ञामति माताजी, आर्यिका श्री तथ्यमति माताजी,आर्यिका श्री वात्सल्यमति माताजी, आर्यिका श्री पथ्यमति माताजी, आर्यिका श्री जागृतमति माताजी,आर्यिका श्री संस्कारमति माताजी, आर्यिका श्री विजितमति माताजी, आर्यिका श्री ध्येयमति माताजी, आर्यिका श्रीआत्ममति माताजी, आर्यिका श्री चैत्यमति माताजी, आर्यिका श्री आप्तमति माताजी, आर्यिका श्री उपशममति माताजी, आर्यिका श्री संयतमति माताजी, आर्यिका श्री परमार्थमति माताजी, आर्यिका श्री पारमति माताजी, आर्यिका श्री आगतमति माताजी, आर्यिका श्री स्वभावमति माताजी, आर्यिका श्री ध्यानमति माताजी, आर्यिका श्री समितिमति माताजी, आर्यिका श्री मननमति माताजी,
कुल : 50 (50 आर्यिकाएँ एवं बाल ब्रह्मचारिणी बहनें) 37वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र गुणायतन मधुवन सम्मेदशिखर जिला गिरिडीह झारखंड
सम्पर्क : हेमलता दीदीः 9977376500

(54) आर्यिका श्री मृदुमतिजी, आर्यिकाश्री निर्णयमति जी, कुल : 2 (2 आर्यिकाएँ, बाल ब्रह्म. बहनें)
37वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर रांझी जबलपुर (म.प्र.)
सम्पर्क : डॉ. मनीष 8085571364

(55) आर्यिकाश्री ऋजुमतिजी : आर्यिकाश्री सरलमतिजी, आर्यिकाश्री शीलमतिजी, आर्यिकाश्री असीममतिजी, आर्यिकाश्री गौतममतिजी, आर्यिकाश्री निर्वाणमतिजी, आर्यिकाश्री मार्दवमतिजी, आर्यिकाश्री मंगलमतिजी, आर्यिकाश्री चारित्रमतिजी, आर्यिकाश्री श्रद्धामतिजी, आर्यिकाश्री उत्कर्षमति माताजी। कुल : 11 (11 आर्यिकाएँ, बाल ब्रह्म. बहनें) 37वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर छतरपुर (म.प्र.)

(56) आर्यिका तपोमतिजी : आर्यिका नम्रमतिजी, आर्यिकाश्री विनम्रमतिजी, आर्यिकाश्री अतुलमतिजी, आर्यिकाश्री अनुगममतिजी, आर्यिका श्री लक्ष्यमति माताजी। 37वाँ वर्षायोग
कुल : 6 (6 आर्यिकाएँ, बाल ब्रह्मचारिणी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर कटंगी जिला जबलपुर (म.प्र.)
सम्पर्क : प्रसन्न जैनः 9425861104, पिंकी दीदी 7000794008

(57) आर्यिका सत्यमतिजी, आर्यिका हेमश्रीजी,
कुल : 2 (2 आर्यिका, बाल ब्रह्मचारिणी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन खंडेलवाल आश्रम चौगान गेट बूंदी राजस्थान 324006
सम्पर्क : आस्था दीदी

(58) आर्यिकाश्री प्रशांतमतिजी : आर्यिकाश्री विशुद्धमतिजी कुल : 2 (2 आर्यिकाएँ, बाल ब्रह्म.बहनें) 34वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर सहजपुर जिला जबलपुर (म.प्र.)
सम्पर्कः

(59) आर्यिका श्री पूर्णमतिजी, आर्यिकाश्री शुभ्रमतिजी, आर्यिकाश्री विशदमतिजी, आर्यिकाश्री विपुलमतिजी, आर्यिकाश्री मधुरमतिजी, आर्यिकाश्री कैवल्य मतिजी, आर्यिकाश्री सतर्कमतिजी,34वाँ वर्षायोग
कुल : 7 (7 आर्यिकाएँ, बाल ब्रह्म.बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर सूर्यनगर गाजियाबाद (उ.प्र.)
सम्पर्क : दीपक भैयाः 7000607461

(60) आर्यिकाश्री अनंतमति माताजी, आर्यिकाश्री शुक्लमतिजी, आर्यिकाश्री संवेगमतीजी, आर्यिका श्री शोधमतिजी, आर्यिकाश्री सुशीलमति जी, आर्यिकाश्री सुसिद्धमति जी, आर्यिकाश्री उदारमति जी, आर्यिकाश्री संतुष्टमतिजी,
कुल : 8 (8 आर्यिका, ब्रह्मचारिणी बहनें)

चातुर्मास स्थली : श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन पंचायती मंदिर चावडी वार्ड गाडरवाडा जिला नरसिंहपुर (म.प्र.)

सम्पर्क : राजकुमार वकील 9424327956, 9755801457

(61) आर्यिकाश्री विमलमतिजी, आर्यिकाश्री निर्मल मतिजी, आर्यिका श्री निर्वेगमतिजी, आर्यिकाश्री सविनयमतिजी, आर्यिकाश्री शाश्वतमति जी, आर्यिकाश्री निकटमतिजी, आर्यिकाश्री अमितमति जी, कुल : 7 (7 आर्यिका, ब्रह्मचारिणी बहनें)

चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर मंडला (म.प्र.)

सम्पर्क :

(62) आर्यिका श्री साधुमति माताजी, आर्यिकाश्री साधनामतिजी, कुल :2 (2 आर्यिका माताजी, ब्रह्मचारी बहनें)

चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर नरयावली जिला सागर (म.प्र.)

सम्पर्क : 9424422246

(63) आर्यिका श्री भावनामति माताजी, आर्यिका श्री सदयमति माताजी, आर्यिकाश्री भक्तिमतिमाताजी, कुलः 3 (3 आर्यिकाएँ एवं बाल ब्रह्मचारिणी बहनें)

चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर बारा सिवनी जिला बालाघाट (म.प्र.)

सम्पर्कः

(64) आर्यिकाश्री आदर्शमतिजी, आर्यिका संवरमति माताजी, आर्यिका श्री विनीतमति माताजी कुल : 3 (3 आर्यिकाएँ, बाल ब्रह्म.बहनें)+ 406 प्रतिभामंडल की ब्रह्मचारिणी बहनें

चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चंद्रगिरि डोंगरगढ़ छत्तीसगढ़

सम्पर्कः सोनाली 7987897282

(65) आर्यिका श्री कुशलमति माताजी, आर्यिकाश्री दुर्लभमतिजी, आर्यिक श्री अमूर्तमति माताजी, आर्यिका श्री पृथ्वीमति माताजी, आर्यिका श्री अगाधमति माताजी, आर्यिका श्री गतंव्यमति माताजी, कुल : 6 (6 आर्यिकाएँ, बाल ब्रह्म.बहनें)

चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर दुर्ग छत्तीसगढ़

सम्पर्कः संध्या दीदीः 8770105505

(66) आर्यिका श्री अंतरमति,आर्यिकाश्री अनुग्रहमति माताजी, आर्यिका श्री विनतमति माताजी, आर्यिकाश्री शैलमतिजी, आर्यिका श्री उद्योतमति माताजी, आर्यिकाश्री अदूरमति माताजी,34वाँ वर्षायोग

कुल :6 (6 आर्यिकाएँ, बाल ब्रह्म.बहनें)

चातुर्मास स्थली : श्री पद्मप्रभु दिगम्बर जैन मंदिर लाभांडी रायपुर छत्तीसगढ़

सम्पर्क :

(67) आर्यिकाश्री अक्षयमति माताजी, आर्यिकाश्री निर्मदमति माताजी,कुल : 2 (2 आर्यिकाएँ, बाल ब्रह्म.बहनें)

चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर नेहरूनगर भिलाई छत्तीसगढ़

सम्पर्कः

(68) आर्यिकाश्री अखण्डमति जी , आर्यिकाश्री अभेदमतिजी, 37वाँ वर्षायोग

कुल : 2 (2 आर्यिकाएँ, बाल ब्रह्म.बहनें)

चातुर्मास स्थली :श्री दिगम्बर जैन मंदिर पोरवा छत्तीसगढ़

सम्पर्कः

(69) आर्यिकाश्री अपूर्वमतिजी, आर्यिकाश्री अनुत्तरमतिजी, आर्यिका श्री अनुपमति माताजी, आर्यिका श्री अमन्दमति माताजी, आर्यिका श्री मेरूमति माताजी, आर्यिकाश्री अवायमति माताजी, आर्यिका श्री अधिगममति माताजी, आर्यिका श्री ध्यानमति माताजी

कुल : 8 (8 आर्यिकाएँ, बाल ब्रह्म.बहनें) 32वाँ

चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर अकलतरा छत्तीसगढ़

सम्पर्कः

(70) आर्यिका श्री अनर्घ्यमति माताजी, आर्यिका श्री स्वस्थ्यमति माताजी, आर्यिका श्री समयमति माताजी, आर्यिका श्री साकारमति माताजी, आर्यिका श्री स्वाध्यायमति माताजी

कुल : 5 (5 आर्यिकाएँ, बाल ब्रह्म.बहनें)

चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर बिलासपुर छत्तीसगढ़

सम्पर्कः

(71) आर्यिका श्री सिद्धांतमति माताजी, आर्यिका श्री पुनीतमति माताजी, आर्यिका श्री विनयमति माताजी कुल : 3 (3 आर्यिकाएँ, बाल ब्रह्म.बहनें) 32वाँ वर्षायोग

चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर तेंदूखेड़ा जिला नरसिंहपुर (म.प्र.)

सम्पर्कः महेश जैनः 9425496773

(72) आर्यिकाश्री सूत्रमतिजी,आर्यिकाश्री शीतलमतिजी, आर्यिकाश्री कर्त्तव्यमति, कुल : 3 (3 आर्यिका माताजी, ब्रह्मचारी बहनें)

चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर मालथौन जिला सागर (म.प्र.)

सम्पर्कः सुबोधसत भैया 9893976180

(73) आर्यिका श्री श्वेतमति माताजी, आर्यिका श्री विदेहमति माताजी, कुल :2 (2 आर्यिका माताजी, ब्रह्मचारी बहनें)

चातुर्मास स्थलीः श्री दिगम्बर जैन मंदिर डोंगरगढ़ जिला रायपुर छत्तीसगढ़

(74) आर्यिका श्री सुशांतमति माताजी, आर्यिका श्री तथामति माताजी, कुल : 2 (2 आर्यिका माताजी, ब्रह्मचारी बहनें)

चातुर्मास स्थलीः श्री दिगम्बर जैन मंदिर राजनांद गांव छत्तीसगढ़ (म.प्र.)

(75) आर्यिकाश्री पुराणमति माताजी, आर्यिका दिव्यमति जी कुल : 2 (2 आर्यिका, ब्रह्मचारिणी बहनें)

चातुर्मास स्थली :श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मधुवन तेरापंथी कोठी पुष्पदंत जिनालय सम्मेदशिखर जी जिला गिरिडीह झारखंड

सम्पर्कः

(76) आर्यिकाश्री उपशांतमतिजी, आर्यिकाश्री ओंकारमतिजी, आर्यिका परममतिजी, आर्यिका श्री चेतनमति माताजी 26वाँ वर्षायोग

कुल : 4 (4 आर्यिकाएँ, ब्रह्मचारिणी बहनें) 26वाँ वर्षायोग

चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर घनसौर जिला सिवनी (म.प्र.)

सम्पर्कः

(77) आर्यिका श्री अकम्पमति माताजी, आर्यिकाश्री अचलमति माताजी कुल : 2 (2 आर्यिकाएँ, ब्रह्मचारिणी बहनें)

चातुर्मास स्थली : श्री नेमिश्वर धाम विद्या ज्योर्तिमय तीर्थ सतना (म.प्र.)

सम्पर्क : अध्यक्ष राहुल जैन 8770119971 प्रभात जैन 9827093384

(78) आर्यिकाश्री निष्काममति, आर्यिकाश्री विरतमतिजी, आर्यिकाश्री उपशममतिजी, कुल : 3 (3 आर्यिका माताजी, ब्रह्मचारी बहनें)

चातुर्मास स्थली : श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर अम्बड़ जिला जालना महाराष्ट्र

सम्पर्कः जीवराज 8956878100

(79) ✲आर्यिका श्री निसर्गमति माताजी

चातुर्मास स्थलीः

सम्पर्कः

(80) एलक श्री दयासागरजी महाराज, कुल : 1 (1 ऐलक, ब्रह्मचारीगण)

चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर नेहानगर मकरोनिया सागर (म.प्र.)

सम्पर्क :

(81) एलकश्री सिद्धांतसागरजी महाराज, कुल : 1 (1 ऐलक, ब्रह्मचारीगण)

चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर रिसोड जिला वाशिम महाराष्ट्र

सम्पर्क : डॉ. अभयः 9421793080, पारसः 9834417232

(82) एलकश्री संपूर्णसागरजी महाराज

कुल : 1 (1 ऐलक, ब्रह्मचारीगण)

चातुर्मास स्थली : श्री श्रेयांसनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सारनाथ बनारस (उ.प्र.)

सम्पर्क : अध्यक्ष कृष्णकुमार 9415221869 सुषमा दीदीः 9559127397

(83) एलकश्री नम्रसागरजी महाराज

कुल : 1 (1 ऐलक, ब्रह्मचारीगण)

चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर परोपकार धाम नई पिपरिया तह. धनौरा जिला सिवनी (म.प्र.) 480999

सम्पर्क : चंदा दीदी 9406747865

(84) एलक श्री क्षीरसागरजी महाराज

कुल : 1 (1 ऐलक, ब्रह्मचारीगण)

चातुर्मास स्थली : श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर पार्श्वनाथ कॉलोनी वैशालीनगर अजमेर राजस्थान 305001

सम्पर्क :बंटी गदिया 9588017400 नेमिचंद्र पाटनी 9414003270

(85) क्षुल्लक श्री ध्यानसागरजी महाराज

कुल : 1 (1 क्षुल्लक, ब्रह्मचारीगण)

चातुर्मास स्थली : श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर श्यामनगर जयपुर राजस्थान

सम्पर्कः 9411025124

(86) क्षुल्लक श्री नयसागरजी महाराज

कुल : 1 (1 क्षुल्लक, ब्रह्मचारीगण)

चातुर्मास स्थली :श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर पंडित दीनदयाल नगर (गौरनगर) मकरोनिया सागर (म.प्र.) 470004

सम्पर्क : 8643032167, ब्र. महेन्द्र 9340584604

(87) क्षुल्लक श्री स्वाध्यायसागरजी महाराज, क्षुल्लकश्री मौन सागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री निकटसागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री परीतसागर जी महाराज

कुल : 4 (4 क्षुल्लक, ब्रह्मचारीगण)

चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र नेमावर जिला देवास (म.प्र.)

सम्पर्क : मुकेश 9399192672, सेलू 8878581005

(88) क्षुल्लक श्री तत्त्वसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री तात्पर्य सागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री वर्धनसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री क्षुल्लक श्री अनुग्रहसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री उपकार सागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री सहयोग सागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री उपयोगसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री सुगमसागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री प्रशमसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री परमसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री साम्यसागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री संगतसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री औचित्य सागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री भाग्यसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री आरोग्य सागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री विनय सागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री विरतसागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री अपारसागर जी महाराज,

क्षुल्लक श्री शमदमसागरजी महाराज
कुल : 19 (19क्षुल्लक, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन पूर्णो दय तीर्थ तिलवारा घाट जबलपुर (म.प्र.)
संपर्क: कमलेश 9907265800, अमित 8770498287

(89) मुनिश्री समाधिसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री तारणसागरजी महाराज कुल : 2 (1 मुनिराज, 1 क्षुल्लक ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन तीर्थधाम मंदिर गणेशपूर हस्तिनापुर जिला मेरठ (उ.प्र)
सम्पर्क: 9897419445

(90) मुनिश्री मंगलानंदसागरजी महाराज, मुनिश्री मंगल सागरजी महाराज, कुल: 2 (2 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर कोलारस जिला शिवपुरी (म.प्र.)
सम्पर्क : प्रमोद 7000757442

(91)मुनिश्री विलोकसागरजी, मुनिश्री विवोधसागर जी, (गुरु आर्जवसागर जी महाराज)कुल : 2 (2 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर मुरैना (म.प्र.)
सम्पर्क: अजय भैया 8815991534, संजय भैया 6263372257

(92) ✲मुनिश्री विदितसागर जी महाराज (गुरु आर्जवसागर जी महाराज) कुल : 1 (1 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर हरस्तीर्थ तालुका सागर जिला शिमोगा कर्नाटक

(93)मुनि श्री नमितसागर जी, मुनि श्री भास्वतसागर जी (गुरु आर्जवसागर जी महाराज)
कुल : 2 (2 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र कुंथलगिरि जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र

(94)मुनिश्री विशोध सागरजी, (गुरु आर्जवसागर जी महाराज)
कुल: 1 (1 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली :श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर चिखली जिला बुलढाणा महाराष्ट्र
सम्पर्क: 9823026719

(95)मुनिश्री महानसागरजी महाराज (गुरु आर्जवसागर जी महाराज)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर मजगांव जिला बेलगांव कर्नाटक
सम्पर्क:दीपक 9302398227

(96) मुनिश्री सजगसागरजी, मुनिश्री सानंदसागरजी, (गुरु आर्जवसागर जी महाराज)
चातुर्मास स्थली :श्री दिगम्बर किला मंदिर आष्टा जिला सिहोर (म.प्र.)
सम्पर्क: महेन्द्र जादूगर 9993367539

(97)आर्यिकाश्री विज्ञानमती माताजी, आर्यिकाश्री आदित्यमती माताजी, आर्यिका श्री वरदमती माताजी, आर्यिकाश्री शरदमति माताजी, आर्यिका श्री चरणमतिजी, आर्यिकाश्री सुवीरमतिजी, आर्यिका श्री सुयषमतिजी, (गुरु आचार्य विवेकसागर जी महाराज)
कुल : 7 (7 आर्यिकाएँ) बाल ब्रह्मचारिणी बहनें.
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर परतापुर राजस्थान
सम्पर्क: नीरज पंचोली: 9414497555, 9893745354

(98) आर्यिकाश्री शरणमतिजी, आर्यिका श्री उदितमति माताजी, आर्यिकाश्री रजतमति माताजी,कुल : 3 (3 आर्यिका) बाल ब्रह्मचारिणी बहनें
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर भिण्डर जिला उदयपुर (राजस्थान)
सम्पर्क:कांती मामा: 9414900846

(99)आर्यिकाश्री पवित्रमती माताजी, आर्यिकाश्री गरिमामाति माताजी आर्यिका श्री करणमति माताजी, (गुरु आर्यिका विज्ञानमति माताजी) कुल : 3 (3 आर्यिका) बाल ब्रह्मचारिणी बहनें
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर अरथूना जिला बांसवाड़ा (राजस्थान)
सम्पर्क: संजय: 9828087385

(100)आर्यिकाश्री प्रतिभामतिजी आर्यिकाश्री सुयोगमति जी, आर्यिकाश्री मार्मिकमतिमाताजी, (गुरु आर्जवसागर जी महाराज)
कुल : 3 (3 आर्यिका, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर कोपरगांव महाराष्ट्र

(101) क्षुल्लकश्री हर्षितसागर जी महाराज (गुरु आर्जवसागर जी महाराज)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर सिहोरा गुहानी तह. गाडरवारा जिला नरसिंहपुर (म.प्र.)
सम्पर्क: हर्षित जैन: 7746071799

(102)क्षुल्लक श्री नैगमसागरजी महाराज (गुरु आर्जवसागर जी महाराज)
चातुर्मास स्थली :

(103)क्षुल्लक श्री कमलसागरजी (गुरु मंगलानंदसागर जी महाराज)
चातुर्मास स्थली : श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर कन्नौज (उ.प्र.)

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज से दीक्षित शिष्यगणों का आचार्य समयसागर जी के आशीर्वाद से
1 आचार्य, 8 निर्यापक श्रमण, 93 मुनिराज, 152 आर्यिका माताजी, 29 एलक, 51 क्षुल्लक, कुल: 334
अन्य : 22 मुनिराज + 18 आर्यिका माताजी + 4 क्षुल्लक कुल: 44
(1 आचार्य, 8 निर्यापक श्रमण, 115 मुनिराज, 170 आर्यिका, 29 एलक, 55 क्षुल्लक कुल : 379

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	आचार्य		
(1)	**आचार्यश्री अनेकांतसागरजी महाराज** मुनिश्री अनुपमसागरजी महाराज मुनिश्री आत्मीयसागरजी महाराज आर्यिकाश्री अभेदमति माताजी आर्यिकाश्री अजितमति माताजी क्षुल्लिक श्री अर्हमसागरजी महाराज	आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज आचार्यश्री अनेकान्तसागरजी महाराज आचार्य श्री अनेकान्तसागर जी महाराज आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर इचलकरंजी महाराष्ट्र मो. 8290886514 कुल 6 1 आचार्य, 2 मुनि, 2 आर्यिका 1 क्षुल्लक
	मुनि अनुकरणसागर जी महाराज	आचार्य अनुभवसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कैलाशनगर गली नं. 2 दिल्ली
	मुनि अनुचरणसागर जी महाराज	आचार्य अनुभवसागरजी महाराज	श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर लकड्वास उदयपुर राजस्थान
	आर्यिकाश्री चैत्यमति माताजी आर्यिकाश्री सुहर्षमति माताजी आर्यिकाश्री प्रशस्तमति माताजी	आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज	श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर कानपुर उदयपुर राजस्थान महावीर 9829916711
	मुनि श्री पुज्यसागर जी महाराज संघ 9460155006	आचार्य अभिनंदनसागरजी महाराज मो. 9009358605	श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर परिवहन नगर इंदौर (म.प्र.)
	मुनि श्री अनुशरणसागर जी महाराज मुनिश्री अनुशासनसागरजी महाराज क्षुल्लिकाश्री अनुसारमति माताजी	आचार्यश्री अनुभवसागर जी महाराज आचार्यश्री अनुभवसागर जी महाराज आचार्यश्री अनुभवसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सेक्टर 27 नोएडा (उ.प्र.)
✲	आर्यिका अनुप्रेक्षामति माताजी आर्यिका अनुश्रुतमति माताजी	आचार्य अनुभवसागरजी महाराज आचार्य अनुभवसागरजी महाराज	
(2)	**आचार्यश्री आदित्यसागरजी महाराज** एलकश्री आनंदसागरजी महाराज एलक श्री धर्मदत्तसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री सिद्धसागरजी महाराज	आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज मुनिश्री आदित्यसागरजी महाराज मुनिश्री आदित्यसागरजी महाराज मुनिश्री आदित्यसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर जैकमपुरा गुडगांव हरियाणा
	मुनिश्री आज्ञासागरजी महाराज आर्यिका सुप्रज्ञश्री माताजी आर्यिका स्वर्णश्री माताजी	आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज मुनिश्री आज्ञासागरजी महाराज आचार्यश्री सुकमालनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर चावड़ जिला सलूम्बर राजस्थान
	आर्यिकाश्री प्रसन्नमति माताजी	आचार्यश्रीअभिनंदनसागरजी महाराज खुशीलाल 9414162322	श्री दिगम्बर जैन मंदिर अयाड उदयपुर राजस्थान
(3)	**आचार्यश्री आनंदसागरजी म. 'मौनप्रिय'**	आचार्यश्री मुनिसुव्रतसागरजी महाराज मो. 9826871359	श्री दिगम्बर जैन मंदिर ध्यान तीर्थ बसंत कुंज नई दिल्ली 110070
(4)	**आचार्यश्री अनुभवनंदीजी महाराज**	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर विकासनगर गाजियाबाद (उ.प्र.)
(5)	**आचार्य श्री भारतभूषणजी महाराज** मुनिश्री भव्यभूषणजी महाराज मुनिश्री निर्वाणभूषणजी महाराज मुनिश्री भावभूषणजी महाराज आर्यिका श्री भव्याभूषणमति माताजी क्षुल्लकश्री हर्षसागरजी महाराज	आचार्यश्री धर्मभूषणजी महाराज आचार्य श्री भारतभूषणजी महाराज आचार्यश्री भारतभूषणजी महाराज आचार्यश्री भारतभूषणजी महाराज आचार्यश्री भारतभूषणजी महाराज आचार्यश्री भारतभूषणजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मुज्ज़फरनगर (उ.प्र.) मो. 8755191331 1आचार्य, 3 मुनि, 1 क्षुल्लक कुल–5
(6)	**आचार्य चंद्रसागरजी महाराज** आर्यिकाश्री शांतिमति माताजी आर्यिका यादश्रीजी माताजी क्षुल्लकश्री सुज्ञानसागरजी	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री सन्मतिसागर जी महाराज आर्यिका श्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्यिका श्री शुभमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नरवाली जिला उदयपुर राजस्थान सलोनी दीदी: 63505358184
	आर्यिकाश्री चिन्तनश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री चैतन्यमति माताजी	आचार्यश्री चंद्रसागरजी महाराज आचार्यश्री चंद्रसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पिड़ावा राजस्थान 326034 मो. 9414194419
	एलक आदर्शसागरजी महाराज विक्की 9826801324,	आचार्यश्री चंद्रसागरजी महाराज मो. 832667378	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरी जिला बैतूल (म.प्र.)
(7)	**आचार्यश्री चैत्यसागरजी महाराज** आर्यिका श्री शाश्वतश्री माताजी आर्यिकाश्री स्वात्ममति माताजी आर्यिका श्री पुरूर्षार्थमति माताजी एलकश्री उत्सवसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री अरतिसागरजी महाराज क्षुल्लिका सुजानश्री माताजी क्षुल्लिका सुज्ञानश्री माताजी	आचार्यश्री विमलसागरजी महाराज आचार्यश्री चैत्यसागरजी महाराज आचार्यश्री चैत्यसागरजी महाराज आचार्यश्री चैत्यसागरजी महाराज आचार्यश्री चैत्यसागरजी महाराज आचार्यश्री चैत्यसागरजी महाराज आचार्यश्री चैत्यसागरजी महाराज आचार्यश्री चैत्यसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नसिया जी आगरा (उ.प्र.) छोटू 8791021266 कुल –8
✲	**आचार्यश्री चिदानंदसागर जी महाराज**	आचार्यश्री विमलसागरजी महाराज	

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(8)	**आचार्यश्री दयासागरजी महाराज**	आचार्यश्री नेमीसागरजी महाराज राधा दीदी 7389522093	श्री नेमिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर नेम गिरि तीर्थ बण्डा जिला सागर (म.प्र.) 470335
✻	मुनिश्री पार्श्वसेन जी महाराज	आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज	
(9)	**आचार्यश्री शांतिसेन जी महाराज** आचार्यश्री धर्मसेनजी महाराज आचार्य जिनसेनजी महाराज मुनिश्री वृषभसागर जी महाराज मुनिश्री सुपार्श्वसेन जी महाराज आर्यिका अजितमति माताजी आर्यिका सुमतिमती माताजी आर्यिका सुवर्णमति मातजी आर्यिका दिव्यमति माताजी आर्यिकाश्री विशालमति माताजी आर्यिकाश्री सक्षमश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री वृषभमति माताजी क्षुल्लिकाश्री जिनमति माताजी	आचार्यश्री देवसेनजी महाराज आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज आचार्यश्री धर्मसेन जी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्य श्री बाहुबलीसागरजी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज	श्री शांतिसागर अनाथ छात्रावास रत्नत्रयपुरी सेडवाल तह कागवाड़ जिला बेलगांव कर्नाटक 13 पिच्छी मो. 9113689737
	मुनिश्री समुद्रसेनजी महाराज मुनिश्री वृषभसेनजी महाराज	आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर ओलपुर जिला बेलगांव कर्नाटक
(10)	**आचार्यश्रीअमितसेन जी महाराज** मुनिश्री मल्लिसेन जी महाराज आर्यिका श्री विशालमति माताजी आर्यिका श्री निस्प्रहमति माताजी एलक श्री भद्रसेन जी महाराज क्षुल्लकश्री अक्षयसेनजी महाराज क्षुल्लकश्री अनंतसेन जी महाराज क्षुल्लकश्री अकलंकसेन जी महाराज	आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री अमितसेन जी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका सरस्वती माताजी आचार्यश्री अमितसेन जी महाराज आचार्यश्री अमितसेन जी महाराज आचार्यश्री अमितसेन जी महाराज आचार्यश्री अमितसेन जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर हल्लूर जिला बागसेट कर्नाटक
	मुनिश्री महिमासागरजी महाराज मुनिश्री दिव्यसेन जी महाराज मुनिश्री परमसागरजी महाराज आर्यिका श्री सुग्रीवमति माताजी आर्यिका श्री सुभद्रामति माताजी क्षुल्लिका श्री सम्मेदश्री माताजी	आचार्यश्री वरदत्तसागरजी महाराज आचार्यश्री देवसेन जी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आर्यिका श्री श्रेयांसमति माताजी आचार्य श्री बाहुबलीसागरजी महाराज मुनि श्री महिमासागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मांगीतुंगी तह. सटाणा जिला नासिक महाराष्ट्र 423302 मो. 9632445817 पंडित शैलेष 9421443513 मो. 942100015
	मुनिश्री ज्ञानभूषण जी महाराज गणिनी आर्यिका श्री श्रेयांसमति माताजी आर्यिका श्री सुरत्नमति माताजी आर्यिका श्री श्रद्धेयमति माताजी आर्यिका श्री सुज्ञानश्री माताजी ऐलक श्री तत्त्वार्थसागर जी महाराज ऐलक श्री स्वस्तिसागरजी महाराज क्षुल्लिका श्री सुभिक्षमति माताजी क्षुल्लिका श्री सुमैत्रीश्री माताजी क्षुल्लिका श्री श्रमणमति माताजी क्षुल्लिका श्री चैतन्यमति माताजी क्षुल्लिका श्री विमोहमति माताजी क्षुल्लिका सुश्री माताजी	मुनिश्री अर्हद् बलीजी महाराज आचार्यश्री पार्श्वसागर जी महाराज आचार्य श्री धर्मसागरजी महाराज आर्यिका श्री श्रेयांसमति माताजी आचार्य श्री वैराग्यनंदी महाराज जी आचार्य विशल्यसागरजी महाराज मुनि श्री समन्वयसागरजी महाराज आचार्य श्री सुविधिसागरजी महाराज आचार्य श्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्य श्री श्रेयांसमति माताजी आचार्य श्री कुंथुसागर जी महाराज आचार्य श्री निर्भयसागरजी महाराज आचार्य श्री सुज्ञानश्री महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र बीसपंथी कोठी मधुवन सम्मेदशिखर जिला गिरिडीह झारखंड मो. 8107341108 मो. 9108558103 कुल–15 2मुनि , 1ग.आर्यिका, 3 आर्यिका 2 एलक, 2क्षुल्लक, 6 क्षुल्लिका
	गणिनी आर्यिका सरस्वती माताजी आर्यिकाश्री अनंतमति माताजी आर्यिकाश्री महोत्सवमति माताजी	आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री वरदत्तसागरजी महाराज	श्री चन्द्रप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर दुर्गापुरा जयपुर राजस्थान मो. 835258418
(11)	**आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज** मुनिश्री सिद्धकीर्तिजी महाराज मुनिश्री श्रुतकीर्तिजी महाराज मुनिश्री शांतिकीर्ति जी महाराज मुनिश्री अध्यात्मकीर्तिजी महाराज मुनि श्री आर्षकीर्ति जी महाराज	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज आचार्य देवनंदीजी महाराज आचार्य देवनंदीजी महाराज आचार्य देवनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर णमोकारतीर्थ जैन नॉलेज सिटी मालखेनी चांदवाड हाइवे नं.3 जिला नासिक महाराष्ट्र 423101 मो. 9420079319 क्रमशः पेज 23

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	मुनिश्री पावनकीर्तिजी महाराज आर्यिका श्री संयोगश्री माताजी क्षुल्लिका सुशीलश्री माताजी क्षुल्लिका सुपद्मश्री माताजी क्षुल्लिका चारित्र्यश्री माताजी क्षुल्लिका सुयोगश्री माताजी क्षुल्लिका संयोगश्री माताजी क्षुल्लिका सुगुणश्री माताजी क्षुल्लिका सुमणश्री माताजी क्षुल्लिका शुद्धिश्री माताजी क्षुल्लिका सिद्धम् श्री माताजी मुनिश्री उत्कर्षकीर्तिजी महाराज मुनि श्री श्रुतधरनंदी जी महाराज आर्यिकाश्री आगममति माताजी	आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज आचार्य देवनंदीजी महाराज आचार्य देवनंदीजी महाराज आचार्य देवनंदीजी महाराज आचार्य देवनंदीजी महाराज आचार्य देवनंदीजी महाराज आचार्य देवनंदीजी महाराज आचार्य देवनंदीजी महाराज आचार्य देवनंदीजी महाराज आचार्य देवनंदीजी महाराज आचार्य देवनंदीजी महाराज आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	शेष पेज 22 वैशाली दीदी पहाड़े 9404006108 राकेशः 9015967108 44वाँ कुल–18 1आचार्य, 5मुनि, 1आर्यिका क्षुल्लिका7 श्री दिगम्बर जैन मंदिर ईडर जिला सावरगाठा गुजरात
✻	मुनिश्री सहजसागरजी महाराज	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	
	मुनिश्री तत्वार्थनंदी जी महाराज	आचार्य देवनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बेडकी हॉल जिला बेलगांव कर्नाटक
	मुनिश्री सिद्धांतकीर्ति जी महाराज	आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मधुवन सम्मेदशिखर जिला गिरीडीह झारखंड
	मुनिश्री शुभम्कीर्तिजी महाराज	आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पारले पाइंट सूरत गुजरात
	मुनिश्री अनुपमकीर्ति जी महाराज	आचार्यश्री देवनंदी जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्रवण बेलगोल जिला हासन कर्नाटक
	मुनिश्री दिव्यसागरजी महाराज	मुनिश्री जयकीर्तिजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर तुमकुर कर्नाटक
	क्षुल्लकश्री मल्लिसागरजी महाराज	आचार्य श्री सुपार्श्वसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मान्डया कर्नाटक
	मुनिश्री अमरकीर्तिजी महाराज मुनिश्री अमोघकीर्तिजी महाराज	आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर गुलालबाडी मुंबई
	मुनिश्री जयकीर्तिजी महाराज क्षुल्लिका सुविक्षमति माताजी	आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र महावीर जी जिला सवाईमाधोपुर राजस्थान 9414623520
	मुनिश्री अर्चितसागरजी महाराज	आचार्य श्री देवनंदी जी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन पार्श्वनाथ भवन नाटाणियों का रास्ता जयपुर राजस्थान मो. 9314501235
	मुनिश्री सकलकीर्तिजी महाराज क्षुल्लक अर्ककीर्तिजी महाराज मो. 9480613108	आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज मो. 7798935737	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कीर्तिधाम क्षेत्र ऐडेनिपानी तह बालवा जिला सांगली महाराष्ट्र
	आर्यिका सम्यकश्री माताजी क्षुल्लिका विनयश्रीमाताजी	आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर महासिरस जिला सोलापुर महाराष्ट्र स्वप्निल गांधी 9890866834
	गणिनी आर्यिका कांतिश्री माताजी आर्यिका स्वस्ति श्री माताजी	आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र देवपुरी गुजरात
	आर्यिकाश्री सुज्ञानश्री माताजी आर्यिकाश्री प्रज्ञाश्री माताजी	आचार्य देवनंदीजी महाराज आचार्य देवनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पर्वत पाटिया सूरत गुजरात
(12)	**आचार्य सिद्धसेनजी महाराज**	आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बछलापुर जिला बेलगांव कर्नाटक
	मुनिश्री संयमसागरजी महाराज	आचार्य श्री जिनसेनजी महाराज पंडित संतोष 9584260501	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र अम्बाला वाली धर्मशाला सोनागिर जिला दतिया (म.प्र.)475686
	गणिनी आर्यिकाश्री मुक्तिलक्ष्मी माताजी आर्यिका श्री सुप्रभामति माताजी	आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज आचार्यश्री धर्मसेन जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर रूकडी जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र
	आर्यिकाश्री निर्वाणलक्ष्मी माताजी	आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर धर्मनगर जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र
	गणिनी आर्यिका जिनदेवी माताजी क्षुल्लक चन्द्रसागरजी महाराज क्षुल्लिका मंगलमती माताजी	आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज आचार्य श्री देवसेनसागरजी महाराज आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज	श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर शिरढोल तालुका सिरोल जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र मो. 6360774591

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	आर्यिकाश्री सुज्ञानी माताजी	आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज समीक्षा दीदीः 8076392458	श्री दिगम्बर जैन मंदिर लोधी रोड़ दिल्ली
(13)	**आचार्य श्री ज्ञानभूषणजी महाराज** क्षुल्लकश्री ऋजुभूषण माताजी क्षुल्लिका ज्ञानवर्षा माताजी क्षुल्लिका ज्ञानवाणी माताजी क्षुल्लिकाश्री ज्ञानगंगा माताजी	आचार्यश्री शांतिसागरजी महाराज आचार्यश्री ज्ञानभूषणजी महाराज आचार्य श्री ज्ञानभूषणजी महाराज आचार्य श्री ज्ञानभूषणजी महाराज आचार्य श्री ज्ञानभूषणजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर हस्तिनापुर ज़िला मेरठ (उ.प्र.) मो. 9412551909 भारती दीदी 96546076
(14)	**आचार्यश्री ज्ञेयसागरजी महाराज** मुनिश्री नियोगसागरजी महाराज क्षुल्लिका श्री क्षयोपशममति माताजी	आचार्यश्री ज्ञानसागरजी महाराज आचार्य श्री ज्ञेयसागरजी महाराज आचार्य श्री ज्ञेयसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र सराक भवन मधुवन सम्मेदशिखर जी जिला गिरीडीह झारखंड मो.9917874166 मंजुला दीदीः7737016300
	मुनिश्री ज्ञातसागरजी महाराज आर्यिकाश्री कुमुदमति माताजी	आचार्यश्री ज्ञेयसागरजी महाराज आचार्य ज्ञानसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर विश्वासनगर दिल्ली
	क्षुल्लक सहजसागरजी महाराज क्षुल्लिकाश्री ज्ञानमोति माताजी	आचार्यश्री ज्ञानसागरजी महाराज आचार्यश्री ज्ञानभूषणसागरजी	
	गणिनी आर्यिकाश्री आर्षमति माताजी आर्यिका श्री अमोघमति माताजी आर्यिका श्री अर्पणमति माताजी आर्यिका श्री अंशमति माताजी क्षुल्लिकाश्री अक्षतमति माताजी	आचार्य ज्ञानसागरजी महाराज आचार्य श्री ज्ञेयसागरजी महाराज आचार्य श्री ज्ञेयसागरजी महाराज आचार्य श्री ज्ञेयसागरजी महाराज आचार्यश्री ज्ञानसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रानीला हरियाणा मो. 8502907408 मो. 9720471212
	गणिनी आर्यिकाश्री अंतसमति माता जी	आचार्यश्री ज्ञानसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर खेकड़ा जिला बागपात (उ.प्र.)
	आर्यिका श्री प्रशममति माताजी	आचार्य श्री ज्ञेयसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सिंगोली जिला नीमच (म.प्र.)
	आर्यिका श्री उपशममति माताजी	आचार्य श्री ज्ञेयसागरजी महाराज	
	आर्यिका श्री सुज्ञानमति माताजी आर्यिका श्री दर्शनमति माताजी	आचार्य श्री ज्ञेयसागरजी महाराज आचार्य श्री ज्ञेयसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर विवेक विहार दिल्ली
	आर्यिका श्री दयामति माताजी	आचार्य श्री ज्ञेयसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर त्यागी व्रती आश्रम बड़ागांव खेकडा जिला बागपत (उ.प्र.)
(15)	**आचार्यश्री गुलाबभूषणजी महाराज**	आचार्यश्री विद्याभूषण सन्मतिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मूलबद्री कर्नाटक
	आर्यिका श्री चंद्रमति माताजी	आचार्यश्री सुमतिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन चन्द्राचल आश्रम बड़ा गांव खेकड़ा जिला बागपत (उ.प्र.)
(16)	**ऐलाचार्य त्रिलोकभूषणजी महाराज** गणिनी आर्यिका श्री मुक्तिभूषण माताजी गणिनी आर्यिका श्री अनुभूतिभूषण माताजी गणिनी आर्यिका श्री दृष्टिभूषण माताजी	आचार्यश्री विद्याभूषण सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्रीविद्याभूषण सन्मतिसागरजी महाराज आचायश्रीविद्याभूषण सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्रीविद्याभूषण सन्मतिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र त्रिलोक तीर्थ धाम बडागांव तह. खेकड़ा जिला बागपत (उ.प्र.) नवीन भैयाः 7982979423 मो. 8394841885
(17)	**ऐलाचार्यश्री प्रभावनाभूषणजी महाराज**	आचार्यश्री विद्याभूषण सन्मतिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर गांधीनगर दिल्ली
(18)	**आचार्य अतिवीरजी महाराज**	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंजलिश पार्क आदर्श नगर दिल्ली
	गणिनी आर्यिकाश्री सरस्वतीभूषण माताजी	आचार्यश्री विद्याभूषण सन्मतिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मॉडल टाउन रोहतक हरियाणा
	गणिनी आर्यिकाश्री सृष्टिभूषणमति माताजी आर्यिका विश्वयशमति माताजी क्षुल्लिका आप्तमति माताजी	आचार्यश्री विद्याभूषण सन्मतिसागरजी महाराज आचार्य श्री वर्धमानसागरजी महाराज गणिनी आर्यिकाश्री अंतसमति माताजी	श्री चन्द्रप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर मंगल वारा भोपाल 462001
	गणिनी आर्यिकाश्री लक्ष्मीभूषणमति माताजी	आचार्यश्री विद्याभूषण सन्मतिसागरजी महाराज रिंकी दीदीः 8889975669	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सिंघाना जिला धार (म.प्र.)
	गणिनी आर्यिकाश्रीस्वस्तिभूषणमतिमाताजी क्षुल्लक श्री परिणामसागरजी महाराज क्षुल्लिका अर्हतमति माताजी क्षुल्लिका संस्कृतिभूषण माताजी क्षुल्लिका श्री सर्वेन्द्रश्री माताजी मनीष भैयाः 7000199237	आचार्यश्रीविद्याभूषणसन्मतिसागरजीमहाराज आचार्य श्री विशदसागरजी महाराज आचार्यश्री ज्ञानसागरजी महाराज गणिनी आर्यिकाश्री स्वस्तिभूषण माताजी आचार्य श्री सौभाग्यसागरजी महाराज प्रिया दीदी 9782063107	श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र सन्मतिनगर स्वस्तिधाम जहाजपुर जिला भीलवाडा राजस्थान 311201 प्रियंका दीदीः 8118806460

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	क्षुल्लक योगभूषणजी महाराज मो. 9211881008	आचार्यश्री विद्याभूषण सन्मतिसागरजी महाराज मो. 9911071008	श्री दिगम्बर जैन मंदिर दिल्ली एम.सी.आर
	क्षुल्लिका पूजाभूषण माताजी क्षुल्लिका भक्तिभूषण माताजी	आचार्यश्री विद्याभूषण सन्मतिसागरजी महाराज आचायश्री विद्याभूषण सन्मतिसागरजी महाराज मो. 8799770070	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र चौबीस समवशरण मंदिर सोनागिर जिला दतिया (म.प्र.)
(19)	**आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज** गणिनी आर्यिका श्री कुलभूषणमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री गुरुवाणीमति माताजी गणिनी आर्यिका श्री सौरभमति माताजी आर्यिकाश्री नम्रमति माताजी आर्यिकाश्री नूतनमती माताजी आर्यिकाश्री नवीनमती माताजी आर्यिकाश्री नीतिमती माताजी आर्यिकाश्री नम्रमती माताजी आर्यिकाश्री नवमति माताजी क्षुल्लकश्री नमितसागरजी महाराज क्षुल्लिकाश्री नमनमति माताजी क्षुल्लिकाश्री नयचक्रमती माताजी क्षुल्लिका श्री नित्यममती माताजी	गणधराचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्य श्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्य श्री कुशाग्रनंदी जी महाराज आचार्य श्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज आचार्य श्री गुणधरनंदी जी महाराज आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज आचार्य श्री गुणधरनंदी जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नवग्रह तीर्थ बरूर जिला हुबली कर्नाटक 581207 मो. 9389400927 मो. 8669079894 कुल–10 1आचार्य, 6आर्यिका, 1क्षुल्लक 2 क्षल्लिका
(20)	**आचार्यश्री गुप्तिनंदीजी महाराज** मुनिश्री विमलगुप्तसागर जी महाराज	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर माणिकबाग पूणे महाराष्ट्र
	मुनिश्री वीरगुप्तजी महाराज	गणिनी आर्यिकाश्री आस्थाश्री माताजी	
	गणिनी आर्यिकाश्री आस्थाश्री माताजी	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	संघः 9021854385
	क्षुल्लकश्री शांतिगुप्तजी महाराज क्षुल्लिका धन्यश्री माताजी क्षुल्लिका तीर्थश्री माताजी	आचार्यश्री गुप्तिनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुप्तिनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुप्तिनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र धर्मतीर्थ कचनेर जिला छत्रपती संभाजी नगर महाराष्ट्र
(21)	**आचार्यश्री सुयशगुप्तजी महाराज** आर्यिका ज्ञाननिधिश्री माताजी आर्यिका गुणनिधिश्री माताजी	आचार्यश्री गुप्तिनंदीजी महाराज आचार्यश्री सुयशगुप्तजी महाराज आचार्यश्री सुयशगुप्तजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कोल्हापुर महाराष्ट्र वैशाली दीदीः 8600368108
(22)	**आचार्य चन्द्रगुप्त जी महाराज**	आचार्यश्री गुप्तिनंदीजी महाराज मो. 8669078107	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बाहुबली कॉलोनी बांसवाडा राजस्थान
*	आर्यिकाश्री क्षमाश्री जी आर्यिकाश्री सुखदश्री माताजी	आचार्यश्री कुथुसागरजी महाराज आचार्यश्री गुप्तिनंदीजी महाराज	
(23)	**आचार्यश्री गिरनारसागरजी महाराज** लक्ष्मी दीदीः 6305369306	आचार्यश्री भरतसागरजी महाराज मो. 9620141569	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र बीसपंथी कोठी मधुवन सम्मेद शिखर जिला गिरिडीह झारखंड
(24)	**आचार्य श्री गुणभद्रनंदी जी महाराज** गणिनी आर्यिका आदित्यश्री माताजी आर्यिका दिशाश्री माताजी आर्यिका दीप्तिश्री माताजी आर्यिका नित्यश्री माताजी आर्यिका मैत्रीश्री माताजी	आचार्य श्री गुणनंदी जी महाराज आचार्य श्री गुणभद्रनंदी जी महाराज आचार्य श्री गुणभद्रनंदी जी महाराज आचार्य श्री गुणभद्रनंदी जी महाराज आचार्य श्री गुणभद्रनंदी जी महाराज आचार्य श्री गुणभद्रनंदी जी महाराज	कुल–6, 1आचार्य, 1 ग.आर्यिका 4 आर्यिका
(25)	**आचार्य श्री हेमसागरजी महाराज**	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सीपुर जिला छत्रपति संभाजीनगर महाराष्ट्र
(26)	**आचार्यश्री इंद्रनंदीजी महाराज** मुनि श्री क्षमानंदी जी महाराज मुनि श्री निर्भयनंदी जी महाराज मुनि श्री उत्कृष्टनंदी जी महाराज	आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री इंद्रनंदीजी महाराज आचार्यश्री इंद्रनंदीजी महाराज आचार्यश्री इंद्रनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर दिग्गी जिला टोंक राजस्थान 304504 मो. 9782415222 मनोरमा दीदी 8696376131

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(27)	**बालाचार्य श्री निपुणनंदी जी महाराज** मुनिश्री निर्भयनंदी जी महाराज मुनिश्री मार्दवनंदी जी महाराज मुनि श्री निर्मलनंदीजी महाराज मुनि श्री नाभिनंदी जी महाराज गणिनी आर्यिकाश्री कनकनंदीश्री माताजी आर्यिका श्री शुद्धश्री माताजी आर्यिका श्री जयश्री माताजी क्षुल्लिका श्री संयमश्री माताजी	आचार्यश्री इंद्रनंदीजी महाराज आचार्यश्री इंद्रनंदीजी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदी जी महाराज बालाचार्यश्री निपुणनंदी जी महाराज बालाचार्यश्री निपुणनंदी जी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदी जी महाराज बालाचार्य श्री निुपणनंदी जी महाराज बालाचार्य श्री निुपणनंदी जी महाराज बालाचार्य श्री निुपणनंदी जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर देई जिला सवाई माधोपुर राजस्थान कुल–7, 1आचार्य, 2मुनि, 2आर्यिका 1क्षुल्लक, 1क्षुल्लिका
✻	आर्यिकाश्री कमलश्री माताजी आर्यिकाश्री सुतिकाश्री माताजी	बालाचार्य श्री निुपणनंदी जी महाराज बालाचार्य श्री निुपणनंदी जी महाराज	
(28)	**आचार्यश्री जयसागरजी महाराज** आर्यिकाश्री पवित्रश्री माताजी आर्यिकाश्री पावनश्री माताजी	आ.सन्मतिसागरजी म. (तपस्वी सम्राट) आचार्यश्री जयसागरजी महाराज आचार्यश्री जयसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बेडिया जिला पंचमहल गुजरात 251201 मो. 9909055505
(29)	**गणधराचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज** बालाचार्य शांतिनंदीजी महाराज एलाचार्य समंतभद्र जी महाराज मुनिश्री प्रभाचंदनंदी जी महाराज मुनि श्री अमरनंदी जी महाराज गणिनी आर्यिकाश्री कुंदश्री माताजी गणिनी आर्यिका क्षेमश्री माताजी गणिनी आर्यिका श्री कीर्तिवाणी माताजी आर्यिकाश्री उद्धारमति माताजी आर्यिका श्री दिशाश्री माताजी आर्यिका श्री दीप्तिश्री माताजी आर्यिका श्री नयनमति माताजी आर्यिकाश्री कुसुमश्री माताजी आर्यिका श्री दर्शनश्री माताजी आर्यिका श्री सुमतश्री माताजी आर्यिकाश्री रिद्धिश्री माताजी आर्यिकाश्री सिद्धिश्री माताजी आर्यिकाश्री गुणश्री माताजी आर्यिका श्री भावश्री माताजी क्षुल्लक श्री हर्षसागर जी महाराज क्षुल्लकश्री वर्धमाननंदी जी महाराज क्षुल्लकश्री शीतलनंदी जी महाराज क्षुल्लकश्री आर्यनंदी जी महाराज क्षुल्लिका श्री सर्वज्ञश्री माताजी क्षुल्लिका श्री सुमैत्रीश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री चंद्रश्री माताजी क्षुल्लिका भव्यश्री माताजी	आचार्यश्री महावीरकीर्तिजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्य श्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागर जी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागर जी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागर जी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्य श्री कुशागनंदी जी महाराज आचार्यश्री विमलसागर जी महाराज आचार्य श्री गुणनंदी जी महाराज आचार्य श्री गुणनंदी जी महाराज आचार्य श्री गुणधरनंदी जी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्य श्री देवनंदी जी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामलिंग रोड़ दहन श्रीनगर कुंथु गिरि जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र 416123 ब्र. विमल भैया 992415108 माताजी: 6369500523 क्षुल्लक आर्यनंदी 9461055390 1गणधराचार्य, 1बालाचार्य 12 आर्यिका, 4क्षुल्लक, 4 क्षुल्लिका 1 एलाचार्य, 3मुनि, 4ग. आर्यिका कुल–28
	मुनि श्री दयाऋषि जी महाराज	आचार्यश्री कुंथुसागर जी महाराज	
	मुनिश्री श्रमणनंदी जी महाराज आर्यिका श्री मुक्तिश्री माताजी क्षुल्लिका श्री सुविधाननंदी जी महाराज क्षुल्लिका सुभावनामति माताजी	आचार्यश्री कुंथुसागर जी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्य श्री सौभाग्यसागरजी महाराज	
	आर्यिकाश्री पुण्यश्री माताजी	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कुण्डल सांगली महाराष्ट्र
	गणिनी आर्यिका क्षमाश्री माताजी आर्यिकाश्री सुखदमति माताजी आर्यिकाश्री विकुंदरश्री माताजी क्षुल्लिका श्री विश्वरत्नश्री माताजी	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री सुविधीसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पार्श्वगिरी बड़वानी (म.प्र.)
✻	क्षुल्लिका काव्यश्री माताजी क्षुल्लिका निकांक्षाश्री माताजी	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका क्षमाश्री माताजी	
✻	क्षुल्लक श्री अभिनंदननंदी जी महाराज	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
✻	क्षुल्लिका सुधर्मश्री माताजी	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	
	आर्यिका श्री सुदीक्षाश्री माताजी क्षुल्लक श्री सुनिश्चय नंदी जी महाराज	गणिनी आर्यिकाश्री सौभाग्यमति माताजी आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ पद्मावती धाम जैन मंदिर तिजारा राजस्थान सौरभ सेन: 9166686975
✻	मुनिश्री सच्चिदानंदजी महाराज	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	
(30)	**आचार्य कीर्तिसागरजी महाराज** क्षुल्लकश्री विनयनंदी जी महाराज	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन महावीर चैत्यालय सेक्टर 14 उदयपुर राजस्थान
	मुनिश्री श्रुतधरनंदी जी महाराज मुनिश्री उत्कर्षसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री सुप्रभातसागरजी महाराज	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री शशांकसागरजी महाराज	पुष्पकरजी 9829233787
(31)	**आचार्य श्री कर्मविजयनंदी जी महाराज** क्षुल्लक श्री सुविधि सागर जी महाराज	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर णमोकार तीर्थ जैन नॉलेज सिटी मालखेनी चांदवाड हाइवे नं. 3 जिला नासिक महाराष्ट्र 423101
	गणिनी आर्यिका सम्मेदशिखर माताजी क्षुल्लिका संयममति माताजी	आचार्यश्री कुंथुसागर जी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बाहुबली कॉलोनी बासवाडा राजस्थान मो. 6306493145
	गणिनी आर्यिका चिन्मयश्री माताजी	आचार्य श्री कुंथुसागर जी महाराज	
(32)	**आचार्य श्री नवीनसागर जी महाराज** मो. 8503884360	आचार्य श्री सिद्धांतसागर जी महाराज मो. 9829147921	श्री दिगम्बर जैन लादीदेवी चौथमल पाटनी अतिथि भवन महावीर नगर दहमीकला बगरू जयपुर राजस्थान
(33)	**आचार्यश्री कुमुदनंदीजी महाराज** क्षुल्लक श्री चेतननंदी जी महाराज	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर णमोकार तीर्थ जैन नॉलेज सिटी मालखेनी चांदवाड हाइवे नं. 3 जिला नासिक महाराष्ट्र 423101 मो. मो. 9826955911
(34)	**आचार्यश्री कंचनसागरजी महाराज**	आचार्यश्री कनकसागरजी महाराज	
(35)	**आचार्यश्री कनकनंदीजी महाराज** मुनिश्री अध्यात्मनंदीजी महाराज मुनिश्री सुविज्ञसागरजी महाराज आर्यिकाश्री सुवात्सल्यमति माताजी क्षुल्लिकाश्री भक्तिश्री माताजी	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कनकनंदीजी महाराज आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज आचार्यश्री कनकनंदीजी महाराज आचार्यश्री कनकनंदी जी महाराज	शिवगौरी सेवा संस्थान गणेशपुरी भिलोडा जिला बांसवाडा राजस्थान 42वाँ मो. 9928058345 कुल–5
(36)	**आचार्यश्री कुशाग्रनंदीजी महाराज** मुनिश्री अज़यऋषिजी महाराज मुनिश्री बाहुबलिसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री दर्शनकीर्तिजी महाराज क्षुल्लकश्री अचलसागरजी महाराज क्षुल्लिकाश्री विज्ञानमति माताजी	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुशाग्रनंदीजी महाराज आचार्यश्री कल्पवृक्षनंदी जी महाराज आचार्यश्री कल्पवृक्षनंदी जी महाराज आचार्यश्री विप्रणतसागरजी महाराज आचार्यश्री कल्पवृक्षनंदी जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन कल्याण तीर्थ मंदिर सापुर राजस्थान मो. 6369500523 कुल–6 1आचार्य, 2मुनि, 2क्षुल्लक 1 क्षुल्लिका
	मुनिश्री गौतमऋषि जी महाराज	आचार्य श्री कुशाग्रनंदी जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर शंकेश्वर जिला बेलगांव कर्नाटक
(37)	**आचार्य नयनसागर जी महाराज**	आचार्य श्री निर्मलसागर जी महाराज मो. 9412061126	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बडौत (उ.प्र.)
	मुनिश्री धरसेनसागरजी महाराज मुनि श्री अजितसेनजी महाराज	आचार्यश्री निर्मलसागरजी महाराज आचार्य श्री बाहुबलीजी सागर महाराज ब्र. सुमत भैया 9426717901	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र विश्वशांती निर्मल ध्यान केन्द्र रूपायतन रोड़ भावतलेटी गिरनारजी जिला जूनागढ़ सौराष्ट्र 362004
	क्षुल्लकश्री समर्पणसागरजी	आचार्यश्री निर्मलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर अमरोह उत्तराखंड मो.9258058060
(38)	**आचार्यश्री मयंकसागरजी महाराज** मुनि श्री चन्द्रसागरजी महाराज मुनिश्री अपर्णसागरजी महाराज मुनिश्री पूर्णचंदजी महाराज आर्यिकाश्री आदिमति माताजी एलकश्री मंगलसागरजी महाराज	आचार्यश्री रयणसागरजी महाराज आचार्य मंयकसागरजी महाराज आचार्य मंयकसागरजी महाराज आचार्य मंयकसागरजी महाराज आचार्य मंयकसागरजी महाराज आचार्य मंयकसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र पावागढ़ तालुका हलोल जिला पंचमहल गुजरात सुनील 8758148693 क्रमशः पेज 28

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	क्षुल्लकश्री नम्रसागरजी महाराज क्षुल्लिकाश्री नम्रमति माताजी क्षुल्लिका श्री सर्वज्ञमति माताजी क्षुल्लिका श्री सुदिव्यमति माताजी	आचार्यश्री मंयकसागरजी महाराज आचार्यश्री मंयकसागरजी महाराज आचार्यश्री मंयकसागरजी महाराज आचार्यश्री मंयकसागरजी महाराज	शेष पेज 27 कुल–8 1आचार्य,3मुनि, 1क्षुल्लक, 3क्षुल्लिका
(39)	**आचार्यश्री निर्भयसागरजी महाराज**	आचार्यश्री निर्मलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कलोल जिला गांधीनगर गुजरात
	आर्यिकाश्री विरागमति माताजी	आचार्यश्री निर्भयसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र उमटा गुजरात
(40)	**आचार्य निर्भयसागरजी महाराज** **उपाध्याय श्रीसूदत्तसागरजी महाराज** मुनिश्री भूदत्तसागरजी महाराज मुनिश्री पद्मदत्तसागरजी महाराज मुनिश्री शिवदत्तसागरजी महाराज मुनिश्री वृषभदत्तसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री चंद्रदत्तसागरजी महाराज क्षुल्लक श्री श्रीदत्तसागरजी महाराज	आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज आचार्य निर्भयसागरजी महाराज आचार्य निर्भयसागरजी महाराज आचार्य निर्भयसागरजी महाराज आचार्य निर्भयसागरजी महाराज आचार्य निर्भयसागरजी महाराज आचार्य निर्भयसागरजी महाराज आचार्य निर्भयसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अटा मंदिर ललितपुर (उ.प्र.) 8989045590, 9425452366
	मुनि श्री गुरुदत्तसागर जी महाराज मुनिश्री मेघदत्तसागर जी महाराज	आचार्य निर्भयसागरजी महाराज आचार्य निर्भयसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर महरौनी (उ.प्र.)
	मुनि श्री हेमदत्त सागर जी महाराज मुनिश्री इन्द्रदत्तसागरजी महाराज	आचार्य निर्भयसागरजी महाराज आचार्य निर्भयसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पन्ना (म.प्र.)
	मुनिश्री सौम्यदत्तसागरजी महाराज	आचार्य निर्भयसागरजी महाराज संतोष 9405019939	श्री पद्मप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर दाहोद गुजरात
(41)	**आचार्य नमोस्तु सागरजी महाराज**	आचार्यश्री पुण्यसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर होपुड(उ.प्र.) 201206
(42)	**आचार्यश्री नेमिसागरजी महाराज**	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण	श्री दिगम्बर जैन मंदिर दण्डकरण्ड जिला सांगली महाराष्ट्र 416406
(43)	**आचार्यश्री निरंजनसागर महाराज** मुनिश्री अजितसेन जी महाराज मुनिश्री दिव्यसेन जी महाराज मुनिश्री परमसागरजी महाराज मुनि श्रीअमितान्जयसागरजी महाराज मुनि श्री विश्वमित्रसागरजी महाराज मुनिश्री विश्वविजयसागरजी महाराज मुनि श्री आदिसागरजी महाराज आर्यिका श्री सुरत्नश्री माताजी आर्यिका श्री सिद्धार्थमति माताजी आर्यिका श्री सुज्ञानमति माताजी आर्यिकाश्री सफलमति माताजी क्षुल्लकश्री वीरसागरजी महाराज क्षुल्लिका श्री विमोहमति माताजी क्षुल्लिका श्री चेतनमति माताजी क्षुल्लिकाश्री यतिन्द्रकीर्ति माताजी	आचार्यश्री विमलसागरजी महाराज मुनिश्री जिनसेन जी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्य श्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्य श्री जयकीर्तिजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजीमहाराज आचार्यश्री विरागसागरजीमहाराज आचार्य श्री विप्रणतसागरजी महाराज आचार्य श्री वैराग्यसागरजी महाराज आचार्यश्री कल्याणसागरजी महाराज आचार्यश्री कीर्तिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र बीसपंथी कोठी मधुवन सम्मेदशिखर जिला गिरीडीह झारखंड 825329 कुल–15, 1आचार्य, 7मुनि 4आर्यिका, 1 क्षुल्लक, 3 क्षुल्लिका
(44)	**आचार्यश्री प्रसन्नऋषि जी महाराज** मुनिश्री प्रभातचंद्र जी महाराज आर्यिकाश्री पुण्यमति माताजी आर्यिकाश्री पूज्यमति माताजी आर्यिका श्री कीर्तिश्री माताजी क्षुल्लिका श्री प्रज्ञामति माताजी क्षुल्लिका श्री भरतेश्वरी माताजी क्षुल्लिकाश्री प्रभुमति माताजी क्षुल्लिका श्री प्रखरमति माताजी क्षुल्लिका प्रवेशमति माताजी	आचार्यश्री कुशाग्रनंदी जी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नऋषि जी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नऋषि जी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नऋषि जी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नऋषि जी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नऋषि जी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नऋषि जी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नऋषि जी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नऋषि जी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नऋषि जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर ऋषी तीर्थ डकाच्या जिला इंदौर (म.प्र.) दिलीपः 9009101008 कुल–8
(45)	**आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज** मुनिश्री तात्पर्यनंदी जी महाराज मुनिश्री तत्वार्थनंदी जी महाराज आर्यिका श्री पावनश्री माताजी आर्यिकाश्री पवित्रश्री माताजी	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदी जी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर फल्टन महाराष्ट्र मो. 8880681008, 9482128282 पं. महीपाल 9324348191 41वाँ क्रमशः पेज 29

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	आर्यिका श्री व्याख्या श्री माताजी आर्यिका श्री वार्तिक श्री माताजी आर्यिकाश्री विजयश्री माताजी आर्यिकाश्री धैर्यश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री कुन्दनश्री माताजी	आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदीजी महारा आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज	शेष पेज 28 कुल–10 1आचार्य, 2मुनि, 6आर्यिका 1 क्षुल्लिका
(46)	**आचार्यश्री पवित्रसागरजी महाराज** मुनिश्री प्रशांतसागरजी महाराज मुनिश्री प्रभावसागरजी महाराज मुनिश्री प्रभातसागरजी महाराज	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्यश्री पवित्रसागरजी महाराज आचार्यश्री पवित्रसागरजी महाराज आचार्यश्री पवित्रसागरजी महाराज	श्री नेमिनाथ अतिशय क्षेत्र नवागढ़ उखलद पोस्ट पिपरी देशमुख जिला परभणी महाराष्ट्र 431503 कुल–4
(47)	**गणाचार्य श्री पुष्पदंतसागरजी महाराज** मुनिश्री प्रभावसागर जी महाराज आर्यिका श्री पूर्णमति माताजी आर्यिका श्री पवित्रमति माताजी क्षुल्लकश्री पर्वसागरजी महाराज क्षुल्लिका प्रशांतश्री माताजी	आचार्यश्री विमलसागरजी महाराज आचार्यश्री पुष्पदंतसागर जी महाराज आचार्यश्री पुष्पदंतसागर जी महाराज आचार्यश्री पुष्पदंतसागर जी महाराज आचार्यश्री पुष्पदंतसागर जी महाराज आचार्यश्री पुष्पदंतसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर तीर्थक्षेत्र पुष्पगिरि सोनकच्छ जिला देवास (म.प्र.)465669 संघः 7676910521 48वाँ
(48)	**आचार्यप्रज्ञासागरजी महाराज** मुनिश्री शांतितीर्थ जी महाराज मुनिश्री प्रियतीर्थजी महाराज क्षुल्लक श्री साम्ययोग्यगसागरजी क्षुल्लक श्री दिव्यतीर्थसागरजी क्षुल्लिका शांतप्रज्ञाश्री माताजी क्षुल्लिका असीमप्रज्ञाश्री माताजी क्षुल्लिका अनंतप्रज्ञाश्री माताजी	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रज्ञासागरजी महाराज आचार्यश्री प्रज्ञासागरजी महाराज आचार्यश्री प्रज्ञासागरजी महाराज आचार्यश्री प्रज्ञासागरजी महाराज आचार्यश्री प्रज्ञासागरजी महाराज आचार्यश्री प्रज्ञासागरजी महाराज आचार्यश्री प्रज्ञासागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर महावीर नगर कोटा राजस्थान अजित जैन 9414576882 कुल–6 1आचार्य, 2मुनि, 2क्षुल्लक 1 क्षुल्लिका
*	क्षुल्लक श्री प्रमेयसागरजी महाराज	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज	
(49)	**आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज** उपाध्याय पियूषसागरजी महाराज निर्यापक नवपद्मसागरजी महाराज प्रवर्तक मुनिश्री सहजसागरजी महाराज मुनिश्री आप्तप्रमत्तसागरजी महाराज मुनिश्री परिमलसागरजी महाराज आर्यिकाश्री ज्ञानप्रभा माताजी आर्यिकाश्री चारित्रप्रभा माताजी आर्यिकाश्री पुण्यप्रभा माताजी क्षुल्लकश्री नैगमसागर वर्णी महाराज क्षुल्लक श्री सम्यकसागर वर्णी महाराज क्षुल्लकश्री अर्घसागर वर्णी महाराज क्षुल्लिका दर्शनप्रभा माताजी क्षुल्लिका वचनप्रभा माताजी क्षुल्लिकाश्री धर्मप्रभा माताजी क्षुल्लिका श्री व्रतप्रभा माताजी क्षुल्लिका श्री तपप्रभा माताजी	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर तरूणसागर धाम मुरादनगर (उ.प्र.) मो. 7000947723 शिवमः 7019129473 तरूण भैयाः 9424425522 कृष्ण रतलामी 9303094921 1आचार्य, 1 उपाध्याय, 1 निर्यापक 3 मुनि, 3 क्षुल्लक, 5 क्षुल्लिका कुल–14 34वाँ
(50)	**आचार्य अरुणसागरजी महाराज**	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर देववंद उ.प्र.
(51)	**आचार्यश्री सौरभसागरजी महाराज**	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज मो. 8178197152	श्री दिगम्बर जैन मंदिर देहरादून उत्तराखंड
(52)	**आचार्यश्री पुलकसागरजी महाराज** मुनिश्री प्रणीतसागरजी महाराज मुनिश्री पुलकितसागरजी महाराज मुनिश्री प्रमुदितसागरजी महाराज मुनिश्री पुर्वांगसागरजी महाराज एलकश्री प्रशमितसागरजी महाराज	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज आचार्यश्री पुलकसागरजी महाराज आचार्यश्री पुलकसागरजी महाराज आचार्यश्री पुलकसागरजी महाराज आचार्यश्री पुलकसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सर्वतो रितु विलास उदयपुर राजस्थान राजकुमार जैन 9441410036 शिरीष जैनः 9827055123 कुल–6 1आचार्य, 4मुनि, 1एलक
(53)	**आचार्य प्रमुखसागरजी महाराज** मुनिश्री प्रभाकरसागरजी महाराज आर्यिका प्रीतिश्री माताजी आर्यिका परीक्षाश्री माताजी आर्यिका प्रतिज्ञाश्री माताजी आर्यिका प्रेक्षाश्री माताजी क्षुल्लक श्री प्रगुणसागरजी महाराज	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रमुखसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रमुखसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रमुखसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रमुखसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रमुखसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रमुखसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बेलगछिया कोलकाता पश्चिमबंगाल मो. 9830928057 मो. 8979764508 क्रमशः पेज 30

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	क्षुल्लकश्री प्रगुणसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री परमानंदसागरजी क्षुल्लिका आराधनाश्री माताजी क्षुल्लिका परमाराध्याश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री परमशांता माताजी क्षुल्लिका श्री परमदिव्या माताजी क्षुल्लिकाश्री परमसाध्या माताजी	आचार्यश्री प्रमुखसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रमुखसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रमुखसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रमुखसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रमुखसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रमुखसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रमुखसागरजी महाराज	1 आचार्य, 1 मुनि, 4 आर्यिका 3क्षुल्लक, 5क्षुल्लिका कुल–14 शेष पेज 29
(54)	**आचार्यश्री प्रणामसागरजी महाराज** क्षुल्लकश्री प्रथमसागरजी महाराज	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रणामसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर छत्रपती संभाजी नगर महाराष्ट्र
(55)	**आचार्य प्रबलसागरजी महाराज**	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर आमोठ भरूच गुजरात
	मुनिश्री प्रतीकसागरजी महाराज	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन तीस चौबीसी मंदिर बडगांव तह. खेकड़ा जिला बागपत (उ.प्र.)
	मुनि प्रगल्भसागरजी महाराज	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र तेरापंथी कोठी मधुवन शिखर जी जिला गिरीडीह झारखंड 825329
	मुनिश्री प्रसंगसागरजी महाराज	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सप्तऋषि जिनालय महावीरधाम वेल्लूर जिला मंड्या कर्नाटक
	मुनिश्री प्रार्थनासागरजी	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज 7389346146	श्री दिगम्बर जैन अतिशयक्षेत्र महावीर जी जिला सवाईमाधोपुर राजस्थान
(56)	**आचार्यश्री संभवसागरजी महाराज** बालाचार्यश्री मोक्षसागरजी महाराज मुनिश्री समयसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका पुनीतचैत्यमति माताजी आर्यिका चेतनमति माताजी क्षुल्लक श्री संजयसागरजी महाराज	आचार्यश्री महावीरकीर्तिजी महाराज आचार्यश्री संभवसागरजी महाराज आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री संभवसागरजी महाराज आचार्य श्री कुमुदनंदी जी महाराज बालाचार्य मोक्षसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र त्रियोग आश्रम मधुवन सम्मेदशिखरजी जिला गिरीडीह झारखंड 825329 मो. 8780369409 58 वाँ कुल–6
(57)	**आचार्य विप्रणतसागर जी महाराज** मो. 9826048424	आचार्यश्री विवेकसागर जी महाराज मो. 9425054509	श्री दिगम्बर जैन मंदिर गुमास्तानगर इंदौर
	मुनि प्रमेयसागरजी महाराज मुनिश्री प्रज्ञेयसागरजी महाराज मुनिश्री प्रभासागरजी महाराज क्षुल्लक श्रुतसागर जी महाराज क्षुल्लक सौहार्दसागरजी महाराज	आचार्यश्री विप्रणतसागर जी महाराज आचार्यश्री विप्रणतसागर जी महाराज आचार्यश्री विप्रणतसागर जी महाराज आचार्य श्री सिद्धांतसागर जी महाराज आचार्य सिद्धांतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र त्यागीव्रती आश्रम मधुवन सम्मेदशिखर जिला गिरिडीह झारखंड 825329
(58)	**आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी महाराज**	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज मो. 8103280143	श्री दिगम्बर जैन महामृत्युंजय तीर्थ क्षेत्र चंबलतट उरी जिला ईटावा उ.प्र.
	आचार्य सुरत्नसागरजी महाराज पाठक मुनि स्वयंभूसागर क्षुल्लक अध्ययनसागरजी महाराज क्षुल्लिकाश्री सुमार्गश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री सुआर्याश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री अश्रेष्ठमति माताजी	आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी महाराज आचार्य श्री सौभाग्यसागरजी महाराज आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी महाराज आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी महाराज आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी महाराज आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर राधेपुरी कृष्णा नगर दिल्ली मो. 8103280143 कु–5, 1आचार्य, 2 आर्यिका 1मुनि, 2 क्षुल्लिका
	मुनिश्री सुतीर्थसागरजी महाराज	आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र बीसपंथी कोठी मधुवन सम्मेदशिखर जिला गिरिडीह झारखंड
(59)	**आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज** निर्यापक श्रमण मुनि श्री धर्मसागर जी महाराज निर्यापक श्रमण मुनिश्री विद्यासागरजी महाराज निर्यापक मुनि सिद्धांतसागरजी महाराज मुनिश्री प्रशांतसागरजी महाराज मुनिश्री सुधर्मसागरजी महाराज मुनि श्री गुणसागर जी महाराज मुनि श्री श्रुतसागर जी महाराज मुनि श्री निर्भयसागर जी महाराज मुनि श्री अजितसागरजी महाराज मुनिश्री अविचलसागर जी महाराज मुनिश्री वृषभसागरजी महाराज	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्यश्री वर्द्धमानसागर जी महाराज आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्द्धमानसागर जी महाराज आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्द्धमानसागर जी महाराज आचार्यश्री वर्द्धमानसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्रवण बेलगोल जिला हासन कर्नाटक राजू पाटिल 7790991008 1 आचार्य, 3 निर्यापक, 28 मुनि कुल–32 क्रमशः पेज 31

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	मुनिश्री शास्वतसागरजी महाराज मुनिश्री नमिसागरजी महाराज मुनिश्री निर्लोभसागरजी महाराज मुनिश्री सिद्धसागरजी महाराज मुनिश्री सुप्रभसागरजी महाराज मुनि श्री सुधर्मसागरजी महाराज मुनिश्री सुखसागर जी महाराज मुनिश्री अध्यात्मसागरजी महाराज मुनि श्री आगमसागरजी महाराज मुनि श्री विराटसागरजी महाराज मुनि श्री अनेकांतसागरजी महाराज मुनि श्री पार्श्वसागरजी महाराज मुनिश्री अभयसागर जी महाराज मुनिश्री नेमिसागरजी महाराज मुनिश्री पावनसागरजी महाराज मुनिश्री सुप्रभसागरजी महाराज मुनिश्री अध्यात्मसागरजी महाराज मुनि श्री सम्यक् सागरजी महाराज मुनि श्री निर्भयसागरजी महाराज मुनि श्री सुदेहसागरजी महाराज	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्द्धमानसागर जी महाराज आचार्यश्री वर्द्धमानसागर जी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्द्धमानसागर जी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्द्धमानसागर जी महाराज आचार्यश्री वर्द्धमानसागर जी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्य श्री सन्मतिसागर जी महाराज दक्षिण आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज	शेष पेज 30
	मुनि श्री आदिसागरजी महाराज	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र तेरापंथी कोठी मधुवन सम्मेदशिखर जिला गिरिडीह झारखंड
	मुनि श्री स्वभावसागर जी महाराज	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पट्टनडोली जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र
	मुनिश्री शिवसागरजी महाराज मुनिश्री अजयसागर जी महाराज	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्द्धमानसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर किशनगंज राजस्थान
(60)	**आचार्य चन्द्रप्रभसागरजी महाराज** मुनि श्री सरलसागर जी महाराज मुनिश्री वीरसागरजी महाराज आर्यिकाश्री श्रुतमति माताजी आर्यिकाश्री समतामति माताजी	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आचार्य चन्द्रप्रभ.सागर जी महाराज आचार्य सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्य श्री शीतलसागर जी महाराज आचार्य श्री शीतलसागर जी महाराज मो. 7666087863	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कोथली जयसिंहपुर जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र
(61)	**आचार्य श्री कुलरत्नभूषण जी महाराज** आर्यिका श्री दर्शनभूषणमति माताजी आर्यिका श्री ज्ञानभूषणमतिमाताजी आर्यिका श्री चारित्रभूषणमति माताजी एलक श्री शांतिधर्मभूषण जी महाराज	आचार्य श्री सन्मतिसागर जी महाराज आचार्यश्री कुलरत्नभूषण जी महाराज आचार्यश्री कुलरत्नभूषण जी महाराज आचार्यश्री कुलरत्नभूषण जी महाराज आचार्यश्री कुलरत्नभूषण जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर भद्रगिरि तेरदाल कर्नाटक मो. 7996030737 कुल–4, 1आचार्य, 3 आर्यिका
(62)	**आचार्य श्री शीतलसागरजी महाराज** मुनि श्री प्रशमसागर जी महाराज	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्य श्री शीतलसागर जी महाराज श्रद्धा दीदी: 7070165124	श्री दिगम्बर जैन मंदिर रंगोली तह. हथकल्लंगे जिला इचलकरंजी महाराष्ट्र 825329
	मुनि श्री विदेह सागर जी महाराज	आचार्य श्री वर्धमानसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर गिजवनी जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र
*	आर्यिकाश्री वात्सल्य मति माताजी आर्यिकाश्री सुव्रतमति माताजी	आचार्य श्री सन्मतिसागर जी महाराज आचार्य श्री सन्मतिसागर जी महाराज	
(63)	**आचार्यश्री सच्चिदानंदजी महाराज** मुनिश्री धैर्यनंदी जी महाराज	आचार्यश्री कनकनंदीजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र सिद्धांचलम् मधुवन सम्मेद शिखर जिला गिरीडीह झारखंड
(64)	**आचार्य सुवीरसागर जी महाराज** आर्यिका श्री सुपार्श्वमति माताजी क्षुल्लक श्री सुप्रयत्नसागर जी महाराज क्षुल्लकश्री सुज्ञानश्री महाराज क्षुल्लिका श्री सुधैर्यमति माताजी	आचार्य श्री कुंथुसागर जी महाराज आचार्य श्री सुवीरसागर जी महाराज आचार्य श्री सुन्दरसागर जी महाराज आचार्य श्री सुवीरसागर जी महाराज आचार्य श्री सुन्दरसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन पार्श्वोदय तीर्थ नाग ढाणा महाराष्ट्र कुल–5 1आचार्य, 1आर्यिका, 2 क्षुल्लक 1 क्षुल्लिका
(65)	**आचार्यश्री सूर्यसागरजी अरगकर** क्षुल्लकश्री सुशांतसागरजी महाराज क्षुल्लिकाश्री सुप्रभातमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सुनयमति माताजी	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री सूर्यसागरजी महाराज आचार्यश्री सूर्यसागरजी महाराज आचार्यश्री सूर्यसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर लीकुर जिला बेलगांव कर्नाटक मो. 8218144626 मो .8118126150

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(66)	**आचार्यश्री सुरदेवसागरजी महाराज** आर्यिका केवल्यश्री माताजी क्षुल्लिका कर्तव्यश्री माताजी	आचार्यश्री संभवसागरजी महाराज आचार्य श्री सुरदेवसागर जी महाराज आचार्य श्री सुरदेवसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन वर्धमान तीर्थ क्षेत्र आबू रोड़ सियावा जिला शिरोही राजस्थान मो. 9571345551
(67)	**आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज** मुनिश्री सौम्यसागरजी महाराज मुनिश्री संतोषसागरजी महाराज मुनिश्री सुलभसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका श्री सिद्धांतमतिमाताजी गणिनी आर्यिकाश्री समतामति माताजी आर्यिकाश्री संस्कारमति माताजी आर्यिकाश्री सूर्यमति माताजी आर्यिकाश्री समर्थमति माताजी आर्यिकाश्री सक्षममति माताजी क्षुल्लकश्री श्रीफलसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री सवेन्द्रसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री संवेगसागरजी महाराज क्षुल्लिकाश्री सुयशमती माताजी क्षुल्लिकाश्री सुनंदामति माताजी क्षुल्लिकाश्री सर्वेन्द्रमति माताजी	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी महाराज आचार्य श्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर गणधरतीर्थ बेला तह. पटेरा जिला दमोह (म.प्र.) 470772 मो. 7869880895 मो. 8750085808 1आचार्य, 3मुनि, 2 ग.आर्यिका 4आर्यिका, 3 क्षुल्लक, 3 क्षुल्लिका कुल 16 36वाँ
✻	क्षुल्लकश्री सुध्यातसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री सुद्धोहमसागरजी महाराज	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	
(68)	**आचार्यश्री समतासागरजी महाराज**	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज मो. 9828613614	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सीपुर तह. सेमारी जिला उदयपुर राजस्थान
(69)	**आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी महाराज** मुनिश्री शुभकीर्तिसागरजी महाराज आर्यिकाश्री सौभाग्यमती माताजी आर्यिकाश्री शुभमती माताजी आर्यिका श्री सौम्यमती माताजी क्षुल्लकश्री शुभकामनासागरजी महाराज क्षुल्लक शुभलाभसागर जी महाराज क्षुल्लिका श्री सुभाशीषमति माताजी क्षुल्लिका शुभमार्गमति माताजी क्षुल्लिका सुअवसरमति माताजी	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सौभाग्यसागर जी महाराज आचार्यश्री सौभाग्यसागर जी महाराज आचार्यश्री सौभाग्यसागर जी महाराज आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी महाराज आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी महाराज आचार्यश्री सौभाग्यसागर जी महाराज आचार्य श्री सौभाग्यसागर जी महाराज आचार्य श्री सौभाग्यसागर जी महाराज आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कर्मपुरा दिल्ली 9811227222 9953907792, 9425074522 सुन्दरलाल अध्यक्ष 9899552969 कुल– 13 1आचार्य, 2 मुनि, 2 आर्यिका 2 क्षुल्लक, 2 क्षुल्लिका
	मुनिश्री शुभचंदसागरजी महाराज क्षुल्लिका श्री शुभकामनामति माताजी	आचार्य श्री सौभाग्यसागरजी महाराज आचार्य श्री सौभाग्यसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मिलापनगर दिल्ली
	मुनिश्री शुभबाहुबलीसागरजी महाराज	आचार्यश्री सौभाग्यसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मुनिसुव्रत तीर्थ क्षेत्र वक्तावरपुर दिल्ली 9582221008
	क्षुल्लिका श्री शुभारंभमति माताजी	आचार्य श्री सौभाग्यसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर विश्वासपार्क दिल्ली मो. 9891394470
(70)	**आचार्यश्री शशांकसागरजी महाराज** मुनि श्री संदेशसागर जी महाराज मुनिश्री मार्दवनंदीजी महाराज	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्य श्री सिद्धांतसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन साधु सेवा तीर्थ पद्म पुरा वाड़ा जयपुर राजस्थान अनुज 9414054395
✻	मुनिश्री सुव्रतसागरजी महाराज	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	
✻	मुनिश्री सुदत्तसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री नैगमसागरजी महाराज	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	
✻	आर्यिका श्री शंशाकमति माताजी	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	
✻	आर्यिकाश्री सरसमति माताजी आर्यिकाश्री सुबोधमति माताजी	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	
	गणिनी आर्यिकाश्री संगममति माताजी आर्यिका संयोगमती माताजी क्षुल्लिका श्री सम्पर्कमति माताजी क्षुल्लिका श्री समर्पितमति माताजी क्षुल्लिका श्री सान्निध्यमति माताजी	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका संगममती माताजी गणिनी आर्यिका संगममती माताजी गणिनी आर्यिका संगममती माताजी गणिनी आर्यिका संगममती माताजी	श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति मंदिर चन्द्रप्रभ मांगलिक भवन अंजनी नगर इंदौर मो. 9425316970 मो. 9131354233

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	गणिनी आर्यिका सौभाग्यमति माताजी आर्यिका श्री शिक्षामति माताजी आर्यिकाश्री सक्षेपमति माताजी क्षुल्लिका श्री सक्षममति माताजी	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका सौभाग्यमति माताजी णिनी आर्यिका सौभाग्यमति माताजी गणिनी आर्यिका सौभाग्यमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर हैदराबाद तेलंगाना मो. 8854000212 मो. 9926182777
✻	आर्यिका श्री सौहार्दमति माताजी	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	
✻	आर्यिकाश्री सौरभमति माताजी आर्यिकाश्री सूक्ष्ममति माताजी आर्यिकाश्री सन्मतिमाताजी क्षुल्लिका बेलामति माताजी क्षुल्लिका तीर्थमति माताजी	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्य श्री सिद्धांतसागर जी महाराज गणिनी आर्यिकाश्री सन्मतिमतिजी गणिनी आर्यिकाश्री सन्मतिमतिजी	
✻	क्षुल्लकश्री श्रुतसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री सोपानसागरजी महाराज	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	
✻	क्षुल्लकश्री सुविधिसागरजी महाराज क्षुल्लिका संतोषमति माताजी	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्य सिद्धांतसागर जी महाराज	
(71)	**आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज** गणिनी आर्यिकाश्री सुविधिमति माताजी आर्यिकाश्री सुस्नेहमतिजी आर्यिका श्री सुतीर्थमति माताजी आर्यिका श्री सुलभ्यमति माताजी आर्यिका श्री सुलक्षमति माताजी क्षुल्लिका अमरज्योति माताजी क्षुल्लिका सुधेयमति माताजी क्षुल्लक श्री प्रज्ञांशसागरजी महाराज	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका श्री सुविधीमति माताजी गणिनी आर्यिका श्री सुविधीमति माताजी गणिनी आर्यिका श्री सुविधीमति माताजी आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज आचार्यश्रीसुविधिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्रवण बेलगोल जिला हासन कर्नाटक मो. 7499731007 सतीश जैनः 9944755221 कुल– 12
	मुनिश्री सुधेयसागरजी महाराज क्षुल्लक श्री सुशांतसागरजी महाराज क्षुल्लिका सुप्रभामति माताजी	आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र गांव मंदिर श्रवणबेलगोल जिला हासन कर्नाटक
	आर्यिका श्री सुयोगमति माताजी आर्यिका श्री शीतलमति माताजी आर्यिका श्री सुप्रज्ञमति माताजी आर्यिका श्री सुदिव्यमति माताजी क्षुल्लक श्री सुसोम्यसागर जी महाराज क्षुल्लक श्री सुचिन्हसागरजी महाराज क्षुल्लिका सुगुणमती माताजी क्षुल्लिका श्री सिद्धमति माताजी	आचार्यश्रीसुविधिसागरजी महाराज आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आर्यिका सुयोगमति माताजी आर्यिका सुयोगमति माताजी आर्यिका सुयोगमति माताजी आर्यिका सुयोगमति माताजी आर्यिका सुयोगमति माताजी आर्यिका सुयोगमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर समनेवाड़ी जिला बेलागांव कर्नाटक संघः 8329338288
	मुनि श्री सुवन्द्यसागरजी महाराज	आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज मो. 702062484	श्री नेमिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर बोरगांव मंजू जिला अकोला महाराष्ट्र
✻	आर्यिकाश्री सुनिधीमति माताजी आर्यिका श्री प्रशस्तमति माताजी	आचार्यश्री सुविधीसागरजी महाराज आचार्यश्री सुविधीसागरजी महाराज	
(72)	**आचार्यश्री संयमसागरजी महाराज**	आचार्यश्री सुमतिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर गुहाना पानीपत हरियाणा
(73)	**आचार्य श्री सुव्रतसागर जी महाराज** क्षुल्लिका सत्यमति माताजी	आचार्य श्री शिवसागर जी महाराज आचार्यश्री दर्शनसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सुमतिसागर त्यागीव्रती आश्रम मधुवन सम्मेदिशखर जिला गिरीडीह झारखंड
(74)	**आचार्यश्री श्रेयसागरजी महाराज** मुनिश्री सहजसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका श्रेयमति माताजी आर्यिकाश्री श्रेष्ठमति माताजी	आचार्यश्री वासुपूज्यसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री वासुपूज्यसागरजी महाराज आचार्यश्री वासुपूज्यसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मधुवन बीसपंथी कोठी सम्मेदशिखर जिला गिरीडीह झारखंड
(75)	**आचार्य श्री सुनीलसागरजी महाराज** मुनिश्री सुकुमालसागरजी महाराज मुनिश्री सिद्धार्थसागरजी महाराज मुनि श्री सर्वार्थसागर जी महाराज मुनिश्री सुध्यानसागरजी महाराज मुनि श्री समकितसागर जी महाराज मुनि श्री सम्पूज्यसागर जी महाराज मुनि श्री समप्रज्ञसागर जी महाराज मुनिश्री सुविवेकसागरजी महाराज मुनिश्री सुविशुद्धसागरजी महाराज मुनि श्री संकल्पसागर जी महाराज	आचार्यश्री तपस्वीसम्राट सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री तपस्वीसम्राट सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर गुजरात यूनिवर्सिटी जी.एम.डी ग्राउंड के सामने अहमदाबाद गुजरात नवराजः 6376043699 1 आचार्य, 16 मुनि, 12 आर्यिका 1 एलक 9 क्षुल्लक, 15 क्षुल्लिका कुल– 65 1आचार्य, 18मुनि, 19आर्यिका 13क्षुल्लक, 20 क्षुल्लिका क्रमशः पेज 34

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	मुनि श्री संतृप्तसागरजी महाराज	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	शेष पेज 33
	मुनि श्री शुभमसागर जी महाराज	आचार्य श्री सुनीलसागर जी महाराज	
	मुनि श्री सक्षमसागर जी महाराज	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	अमृता दीदी 9057554335
	मुनिश्री संविज्ञसागरजी महाराज	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	सौभाग्मल कटारिया
	मुनिश्री संकल्पसागरजी महाराज	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	9824091000
	मुनि श्री सुश्रुतसागरजी महाराज	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	मुनिश्री समबुद्धसागरजी महाराज	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	मुनिश्री सुध्यानसागरजी महाराज	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	आर्यिकाश्री आदेयमति माताजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	आर्यिकाश्री आकाशमति माताजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	आर्यिकाश्री संयतमति माताजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	आर्यिकाश्री संगीतमति माताजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	आर्यिकाश्री सम्पूर्णमति माताजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	आर्यिकाश्री सम्पन्नमति माताजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	आर्यिकाश्री संबलमति माताजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	आर्यिकाश्री अनुप्रेक्षामति माताजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	आर्यिका श्री सुलेखमति माताजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	आर्यिका सूत्रमति माताजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	आर्यिकाश्री आर्षमति माताजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	आर्यिकाश्री विनम्रमति माताजी	आर्यिका श्री विजयमति माताजी	
	आर्यिका श्री सुस्वरमति माताजी	आचार्य श्री सुनीलसागरजी महाराज	
	आर्यिका श्री सुदृढ़मति माताजी	आचार्य श्री सुनीलसागरजी महाराज	
	आर्यिका श्री आद्यमति माताजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	आर्यिका श्री आर्षमति माताजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	आर्यिका श्री आराध्यमति माताजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	आर्यिका श्री अनर्घमति माताजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	आर्यिका श्री सुतज्ञमति माताजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	आर्यिका श्री सुरतनमति माताजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	आयिका श्री आराध्यमति माताजी	आचार्य श्री सुनीलसागरजी महाराज	
	एलक श्री शान्तनुसागरजी महाराज	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	क्षुल्लक श्री सुराजसागर जी महाराज	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	क्षुल्लक श्री सुकांतसागर जी महाराज	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	क्षुल्लक श्री सुरतनसागर जी महाराज	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	क्षुल्लक श्री सुपुण्यसागर जी महाराज	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	क्षुल्लकश्री सुमित्रसागरजी महाराज	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	क्षुल्लकश्री विजयंतसागरजी महाराज	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	क्षुल्लकश्री सुखदसागरजी महाराज	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	क्षुल्लकश्री सुनिश्चितसागरजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	क्षुल्लकश्री संतुष्ठसागरजी महाराज	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	क्षुल्लकश्री संतोषसागरजी महाराज	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	क्षुल्लक श्री सुखदसागरजी महाराज	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	क्षुल्लक श्री सुरतसागरजी महाराज	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	क्षुल्लकश्री सम्प्रज्ञसागरजी महाराज	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	क्षुल्लिकाश्री अमोहमति माताजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	क्षुल्लिकाश्री अटलमति माताजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	क्षुल्लिकाश्री अजयमति माताजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	क्षुल्लिका श्री शुद्धात्ममति माताजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	क्षुल्लिकाश्री पद्ममति माताजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	क्षुल्लिका सद्दृष्टिमति माताजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	क्षुल्लिकाश्री सदबोधमति माताजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	क्षुल्लिकाश्री सदव्रतमति माताजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	क्षुल्लिका श्री सततपोमति माताजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	क्षुल्लिकाश्री समरक्षमति माताजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	क्षुल्लिकाश्री सूरजमति माताजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	क्षुल्लिकाश्री सुगंधमति माताजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	क्षुल्लिका श्री सुकृतमति माताजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	क्षुल्लिकाश्री सद्व्रतमति माताजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	क्षुल्लिकाश्री सुमनोमति माताजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	क्षुल्लिका श्री अलिप्तमति माताजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	क्षुल्लिका श्री शंक्तिमति माताजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	क्षुल्लिकाश्री सम्भावमति माताजी	आचार्य श्री सुनीलसागरजी महाराज	
	क्षुल्लिका श्री सुदृष्टमति माताजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	मुनि श्री सुयत्नसागर जी महाराज	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पनवेल मुंबई
(76)	**आचार्यश्री सुधिन्द्रसागर जी महाराज**	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र बंडीलाल धर्मशाला गिरनार जिला जूनागढ़ सौराष्ट्र

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	मुनि श्री श्रुतेशसागरजी महाराज मुनि श्री सुश्रुतसागरजी महाराज	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बकस्वाहा जिला छतरपुर (म.प्र.)
	मुनिश्री सुयत्नसागरजी महाराज आर्यिकाश्री शुद्धमति माताजी	आचार्य श्री सुनीलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर न्यू पनवेल नवी मुंबई
	मुनिश्री शुद्धसागरजी महाराज	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर शांतिनाथ प्रतापगढ़ राजस्थान
	मुनिश्री सुमंत्रसागरजी महाराज	आचार्य श्री सुनीलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर राणापुर झाबुआ (म.प्र.)
	आर्यिका श्री नमनश्री माताजी आर्यिका श्री विनयप्रभा माताजी	आचार्य श्री सन्मतिसागरजी महाराज	श्री पद्मप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर पहाड़ा उदयपुर राजस्थान प्रकाश जैन: 9414166262
	आर्यिकाश्री सुविज्ञमति माताजी क्षुल्लिका श्री अजितमति माताजी	आचार्य श्री सूर्यसागरजी महाराज आचार्य श्री सूर्यसागरजी महाराज	श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सेक्टर 11 उदयपुर राजस्थान पारस: 9460084487
	क्षुल्लक श्री सुमित्रसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री सुप्रकाशसागरजी महाराज	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुनीलसागरजी महारा	श्री दिगम्बर जैन मंदिर चंदूजी का गढा बासवांडा राजस्थान
(77)	**गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी**	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन क्लश मंदिर निहारिका के सामने मधुवन शिखरजी जिला गिरीडीह झारखंड 825329
	(गणिनी पद आचार्य सुनीलसागरजी)		
	मुनिश्री स्वर्णहर्षसागरजी महाराज	आचार्य श्री विहर्षसागरजी महाराज	
	मुनिश्री सुहर्षसागरजी महाराज	आचार्य श्री विहर्षसागरजी महाराज	
	गणिनी आर्यिकाश्री स्वस्तिमति माताजी	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज	
	आर्यिका श्री सुकाव्यमति माताजी	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी	शुभम भैया: 9108126803
	आर्यिका श्री सुभव्यमति माताजी	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी	मनाली दीदी: 8460664553
	आर्यिका श्री सुपर्वमति माताजी	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी	
	आर्यिकाश्री स्वर्णिममति माताजी	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी	
	आर्यिकाश्री स्वरूपमति माताजी	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी	कुल–34
	आर्यिका स्वयंभूमति माताजी	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी	2 मुनि, 2ग. आर्यिका, 13आर्यिका,
	आर्यिका स्वाध्यायमति माताजी	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी	17क्षुल्लिका
	आर्यिका श्री सिद्धांतमति माताजी	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी	
	आर्यिका श्री संभावनामति माताजी	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी	
	आर्यिका श्री सौरभमति माताजी	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी	
	आर्यिका श्री समतामति माताजी	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी	
	आर्यिका श्री सुलक्षणमति माताजी	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी	
	आर्यिका श्री साधनामति माताजी	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी	
	क्षुल्लिका श्री विप्रदाश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	
	क्षुल्लिकाश्री सुपवित्रमति माताजी	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी	
	क्षुल्लिकाश्री सुपावनमति माताजी	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी	
	क्षुल्लिका श्री सुहितमति माताजी	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी	
	क्षुल्लिका श्री सुईश्वरमति माताजी	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी	
	क्षुल्लिका श्री सुविश्वासमति माताजी	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी	
	क्षुल्लिका श्री सुधर्ममति माताजी	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी	
	क्षुल्लिका श्री सुविभूतिमति माताजी	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी	
	क्षुल्लिका श्री सुविशालमति माताजी	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी	
	क्षुल्लिकाश्री सुकल्याणमति माताजी	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी	
	क्षुल्लिकाश्री स्वतंत्रमति माताजी	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी	
	क्षुल्लिका श्री स्वागतमति माताजी	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी	
	क्षुल्लिकाश्री सुआनंदमती माताजी	गणिनी आर्यिका विशुद्धमती माताजी	
	क्षुल्लिकाश्री आदर्शमति माताजी	आर्यिकाश्री सुविधिमति माताजी	
	क्षुल्लिका श्री सौभाग्यमति माताजी	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी	
	क्षुल्लिका श्री संयममति माताजी	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी	
	क्षुल्लिका श्री सुकल्याणमति माताजी	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी	
	आर्यिकाश्री सुविज्ञमति माताजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सेक्टर 11 उदयपुर राजस्थान
	आर्यिकाश्री सुप्रज्ञमति माताजी आर्यिका श्री अनघमति माताजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर खेरवाड डूंगरपुर राजस्थान

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(78)	**आचार्यश्री सुन्दरसागरजी महाराज** मुनिश्री श्रेष्ठसागरजी महाराज मुनिश्री शुभमसागरजी महाराज मुनिश्री सुलक्ष्यसागरजी महाराज मुनिश्री सुज्ञेयसागर जी महाराज मुनिश्री सुज्ञानसागर जी महाराज मुनि श्री सुगमसागरजी महाराज मुनि श्री सुहितसागरजी महाराज आर्यिका श्री चिन्तनमति माताजी आर्यिकाश्री सदयमति माताजी आर्यिका श्री समयमति माताजी आर्यिकाश्री संस्कृतश्री माताजी आर्यिकाश्री सुकाव्यमति माताजी आर्यिका सुलक्ष्यमति माताजी क्षुल्लक सुपुण्यसागरजी महाराज क्षुल्लक अनुसरणसागरजी महाराज क्षुल्लक सुज्ञातसागरजी महाराज क्षुल्लक धर्मगुप्तसागरजी महाराज क्षुल्लिकाश्री सुदर्शमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सुधर्ममति माताजी क्षुल्लिकाश्री सुधन्यमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सुभव्यमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सुतथ्यमति माताजी क्षुल्लिका श्री सुगम्यमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सुनम्रमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सुपथ्यमति माताजी क्षुल्लिका श्री सुज्ञप्तिमति माताजी क्षुल्लिका श्री सुज्ञानीमति माताजी क्षुल्लिका श्री सुज्ञामीमति माताजी क्षुल्लिकाश्री संकल्पमति माताजी	आचार्यश्री तपस्वीसम्राट सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री चंद्रसागरजी महाराज आचार्यश्री तपस्वीसम्राट सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज	श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर चित्रकूट कॉलोनी सांगानेर जयपुर राजस्थान मो. 7568761949 उमंग भैया 7568761949 ब्रजु भैया 7906999288 विकास भैया 7007504708 कुल–28 1 आचार्य, 6 मुनि, 5 आर्यिका 4 क्षुल्लक, 12 क्षुल्लिका 24
	आर्यिकाश्री विष्णुप्रभा माताजी	आर्यिकाश्री विजयप्रभा माताजी	
	आर्यिका सुरम्यमति माताजी	आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर फागी जयपुर राजस्थान
(79)	**आचार्य सुयशसागरजी महाराज** आर्यिकाश्री सम्वृत्तिमति माताजी आर्यिका श्री अनुप्रेक्षामति माताज आर्यिका श्री अनुश्रुतमति माताजी आर्यिका शुद्धोहमश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री सुनम्रमति माताजी क्षुल्लिकाश्री समाधिमति माताजी	आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुयशसागरजी महाराज आचार्यश्री सुयशसागरजी महाराज आचार्यश्री सुयशसागरजी महाराज आचार्य श्री सुयशसागरजी महाराज आचार्यश्री सुयशसागरजी महाराज आचार्यश्री सुयशसागरजी महाराज	कुल–7 1आचार्य, 4 आर्यिका, 2 क्षुल्लक
✻	मुनिश्री सुलभसागरजी महाराज	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज	
	आर्यिकाश्री सुनयमति माताजी क्षुल्लक सुपर्वसागरजी महाराज क्षुल्लक श्री अनुश्रमणसागरजी महाराज क्षुल्लिका श्री साधनामति माताजी क्षुल्लिका श्री सुधन्यमति माताजी	आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज	श्री कुंथुनाथ दिगम्बर जैन मंदिर कुसुम्बा जिला धुलिया महाराष्ट्र
✻	आर्यिकाश्री समयमति माताजी	आचार्यश्री तपस्वीसम्राट सन्मतिसागरजी महाराज	
(80)	**आचार्यश्री श्रुतसागरजी महाराज**	आचार्यश्री विद्यानंदजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पश्चिम दिल्ली
(81)	**आचार्यश्री सम्मानसागरजी महाराज**	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कानपुर (उ.प्र.)
(82)	**आचार्य श्री सुवीरसागरजी महाराज**		श्री पार्श्वोदय तीर्थ नागढाणा महाराष्ट्र
(83)	**आचार्य श्री सुलभसागरजी महाराज** मुनिश्री सरलसागरजी महाराज		श्री दिगम्बर जैन मंदिर बहराईच उ.प्र.

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(84)	**आचार्य सुबल सागर जी महाराज** मुनि श्री अकम्प सागर जी महाराज मुनिश्री अगण्यसागरजी महाराज मुनि श्री अभेद सागर जी महाराज मुनिश्री अगर्भसागरजी महाराज मुनिश्री अचेलसागरजी महाराज मुनिश्री अनंगसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री अर्हमसागरजी महाराज क्षुल्लक श्री अपर्णसागरजी महाराज क्षुल्लक श्री अक्षोभसागरजी महाराज	आचार्य सन्मति सागर जी महाराज आचार्य सुबल सागर जी महाराज आचार्य सुबलसागर जी महाराज आचार्य सुबल सागर जी महाराज आचार्य सुबल सागर जी महाराज आचार्य सुबल सागर जी महाराज आचार्य सुबल सागर जी महाराज आचार्य सुबल सागर जी महाराज आचार्य सुबल सागर जी महाराज आचार्य सुबल सागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर चंपाबाग बगीची नई सड़क लश्कर ग्वालियर मो. 9827046354 श्रीपाल: 8720099958 गुंजा दीदी 8085615471 कुल–10 1आचार्य,6मुनि, 3क्षुल्लक
(85)	**आचार्यश्री तीर्थनंदीजी महाराज** मुनि श्री भावनंदी जी महाराज मुनिश्री विशेषसागरजी महाराज गणिनी आर्यिकाश्री पावनश्री माताजी आर्यिका श्री चिंतनश्री माताजी आर्यिकाश्री सुलोचनामति माताजी	आचार्यश्री वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्य श्री तीर्थनंदी जी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री सूर्यसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन कल्पवृक्ष तीर्थ फर्दापुर टांडा जिला जलगांव महाराष्ट्र कुल–6 1आचार्य, 2मुनि, 1ग.आर्यिका 2 आर्यिका
	आर्यिकाश्री सुनंदामति माताजी आर्यिका श्री सुबोधमति माताजी आर्यिकाश्री मोक्षमति माताजी क्षुल्लकश्री नमनसागरजी महाराज क्षुल्लक श्री चारित्रसागरजी महाराज	आचार्यश्री सुबाहुसागरजी महाराज आचार्य श्री सुबाहुसागरजी महाराज आचार्यश्री तीर्थनंदी जी महाराज मुनि श्री सुमित्रसागर जी महाराज आचार्य श्री देवनंदी जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मांगीतुंगी जिला सटाणा महाराष्ट्र मो. 9421443513 मो. 7588711766
(86)	**आचार्यश्री तन्मयसागरजी महाराज** मो. 9425072541	आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज मो. 9518646259	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र तन्मोदय साधना केन्द्र मधुवन सम्मेदशिखर जिला गिरीडीह झारखंड 825329
(87)	**आचार्यश्री युधिष्ठिरसागरजी महाराज**	आचार्यश्री योगेन्द्रसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर भुसावल महाराष्ट्र
(88)	**आचार्य यतिन्द्र सागर जी महाराज**	आचार्य श्री योगेन्द्र सागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र बीसपंथी कोठी मधुवन सम्मेदशिखर जिला गिरीडीह झारखंड
	मुनिश्री यादवेन्द्रसागरजी महाराज	आचार्य श्री योगेन्द्रसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर महावीर भवन सेक्टर 4 राजस्थान
(89)	**आचार्यश्री उदारसागरजी महाराज** मुनिश्री उपशांतसागरजी महाराज एलक उत्साहसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री उपकारसागरजी महाराज क्षुल्लिकाश्री उपासनामति माताजी क्षुल्लिकाश्री उत्तीर्णमति माताजी क्षुल्लिकाश्री उदितमति माताजी	आचार्य अभिनंदनसागरजी महाराज आचार्य उदारसागरजी महाराज आचार्य उदारसागरजी महाराज मुनिश्री उपशांतसागरजी महाराज आचार्य उदारसागरजी महाराज आचार्य उदारसागरजी महाराज आचार्य उदारसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर खरगापुर जिला टीकमगढ़ (म.प्र.) देवेन्द्र सोगानी संयोजक 9425314492 संघ 9907138025 राजेश वैद्य अध्यक्ष 9425316970 कुल–7, 1आचार्य, 1 मुनि, 1एलक 1क्षुल्लक, 3 क्षुल्लिका
	मुनिश्री उत्कर्षसागरजी महाराज	आचार्यश्री उदारसागरजी महाराज मो. 6363477033	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बामौरकलां जिला शिवपुरी (म.प्र.)
	क्षुल्लिका श्री सुंदरमति माताजी	आचार्य श्री सन्मतिसागरजी महाराज देशना दीदी: 6361357122	
(90)	**आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज** मुनिश्री चिन्मयसागरजी महाराज मुनिश्री हितेन्द्रसागरजी महाराज मुनिश्री प्रशमसागरजी महाराज मुनिश्री प्रभवसागरजी महाराज मुनिश्री चिंतनसागरजी महाराज मुनिश्री प्रबुद्धसागरजी महाराज मुनिश्री मुक्षुसागरजी महाराज मुनिश्री दर्शितसागरजी महाराज मुनि श्री प्रणीतसागरजी महाराज मुनि श्री धैर्यसागरजी महाराज मुनि श्री भवनसागरजी महाराज आर्यिकाश्री शुभमति माताजी	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज आचार्यश्री अजितसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्य श्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्य श्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्य श्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्य श्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर टोंक राजस्थान राजेश पंचोलिया:9926065065 मो. 9926065065 1 आचार्य, 23 मुनि, 11 आर्यिका 1 एलक, 2 क्षुल्लक कुल –38 55वाँ क्रमशः पेज 38

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	आर्यिकाश्री शीतलमति माताजी आर्यिकाश्री चैत्यमति माताजी आर्यिकाश्री वत्सलमति माताजी आर्यिकाश्री विलोकमती माताजी आर्यिकाश्री ज्योतिमती माताजी आर्यिकाश्री दिव्यांशुमति माताजी आर्यिकाश्री पूर्णिमामति माताजी आर्यिकाश्री मुदितमति माताजी आर्यिकाश्री विचक्षणमति माताजी आर्यिका श्री समर्पितमति माताजी आर्यिकाश्री निर्मुक्तमति माताजी आर्यिकाश्री विनम्रमति माताजी आर्यिकाश्री दर्शनामति माताजी आर्यिकाश्री देशनामति माताजी आर्यिका श्री महायशमति माताजी आर्यिकाश्री देवर्धिमति माताजी आर्यिकाश्री प्रणतमति माताजी आर्यिका श्री निर्मोहमति माताजी आर्यिका श्री पद्मयशमति माताजी आर्यिका श्री दिव्ययशमति माताजी आर्यिका श्री प्रेक्षामति माताजी आर्यिका श्री जिनेशमति माताजी एलक श्री हर्षसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री विशालसागरजी महाराज क्षुल्लक श्री प्राप्तिसागरजी महाराज	आचार्यक़ल्प श्री श्रुतसागरजी महाराज आचार्यश्री अजितसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्य वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आर्यिकाश्री प्रशांतमति माताजी आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज	शेष पेज 37
	मुनिश्री अपूर्वसागरजी महाराज मुनिश्री अर्पितसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री महोदयसागरजी महाराज	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर गींगला राजस्थान मो. 9549490898 ब्र. नमन 9960175319 मो. 9549490898
	मुनिश्री क्षेमसागरजी महाराज मुनिश्री पद्मेशसागरजी महाराज	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर शिरगुप्पी तालुका कागवाड जिला बेलगांव कर्नाटक 591242
	मुनिश्री अतिशयसागरजी महाराज मुनिश्री देवधरसागरजी महाराज	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर अक्कोल तालुका निप्पानी जिला बेलगांव कर्नाटक मो. 9633113628
	मुनिश्री सुप्रभसागरजी महाराज मुनिश्री वैराग्यसागरजी महाराज	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री सुमतिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बूंदी राजस्थान
	आर्यिकाश्री ज्ञानमतिमाताजी	आचार्यश्री तपसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मालसिरस जिला सोलापुर महाराष्ट्र
	आर्यिकाश्री चेतनामति माताजी मो. 9448636117	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज मो. 9480319529	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर गुरनाल तालुका रायबाग जिला बेलगांव कर्नाटक 591911
✲	आर्यिकाश्री विमुक्तमतिमाताजी	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज	
	आर्यिका श्री देवयशमति माताजी आर्यिका श्री देवगममति माताजी	आर्यिकाश्री प्रशांतमति माताजी आर्यिकाश्री प्रशांतमति माताजी	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सोला रोड अहमदाबाद गुजराज
(91)	**आचार्यश्री विद्यानंदजी महाराज**	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर भोज कर्नाटक
(92)	**आचार्यश्री विमलसागरजी महाराज**	आचार्यश्री पार्श्वसागरजी महाराज मो. 9414434750	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र कमल मंदिर गंभीर नदी के पास महावीर जी जिला करोली राजस्थान 322201
(93)	**आचार्यश्री विज्ञानभूषणजी महाराज** आचार्य पद आचार्य विमलसागरजी	आचार्यश्री धर्मभूषणजी महाराज	मो. 8077946180
	आर्यिकाश्री विकुन्दनश्री माताजी क्षुल्लिका विश्वरत्नाश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र बावनगजा जिला बड़वानी (म.प्र.)
✲	आर्यिका श्री विप्रभाश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(94)	**पट्टाचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज** मुनिश्री सुव्रतसागरजी महाराज मुनिश्री अनुत्तरससागरजी महाराज मुनिश्री प्रणेयसागरजी महाराज मुनि श्री प्रणवसागरजी महाराज मुनिश्री सर्वार्थसागरजी महाराज मुनिश्री साम्यसागरजी महाराज मुनिश्री संजयतसागरजी महाराज मुनि श्री यशोधरसागर जी महाराज मुनिश्री योगसागरजी महाराज मुनि श्री यतीन्द्रसागरजी मुनि श्री यत्नसागर जी महाराज मुनि श्री निर्ग्रंथसागर जी महाराज मुनि श्री निसंगसागर जी महाराज मुनि श्री निर्विकल्पसागर जी महाराज मुनिश्री जितेन्द्रसागरजी महाराज मुनिश्री सुभगसागरजी महाराज मुनि श्री सिद्धार्थसागरजी महाराज मुनि श्री सहर्षसागरजी महाराज मुनि श्री सत्यार्थसागरजी महाराज मुनि श्री सार्थकसागरजी महाराज मुनि श्री समकितसागरजी महाराज मुनि श्री सम्यक्सागरजी महाराज मुनि श्री नियोगसागरजी महाराज मुनि श्री अनुयोगसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन विरागोदय तीर्थ पथरिया जिला दमोह (म.प्र.) मो. 9329686850 मो. 8839119276 कुल– 26 1 आचार्य, 25 मुनि,
	मुनिश्री मनोज्ञसागरजी महाराज मुनिश्री विश्वलोकेशसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्य श्री विरागसागरजी महाराज	श्री सिद्धांचल सम्मेदशिखर जी जिला गिरिडीह झारखंड
	मुनिश्री प्रशमसागरजी महाराज मुनिश्री सुप्रभ सागरजी महाराज मुनिश्री प्रणतसागरजी महाराज क्षुल्लक श्री विप्रज्ञसागरजी महाराज	आचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्य श्री सुप्रभसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मोटे मंदिर त्यागी भवन नागपुर महाराष्ट्र मो. 9822193108 मो. 7415396441 मो. 8707548811
	मुनिश्री सुयशसागरजी महाराज मुनि श्री विध्रुवसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री श्रेयश सागरजी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्य श्री विमर्शसागरजी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर गांधीनगर इंदौर मो. 7000676108
	मुनिश्री अनुपम सागरजी महाराज मुनि श्री निर्मोहसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर न्यू हाउसिंह कालोनी भीलवाडा राजस्थान मो. 9352115402
	मुनिश्री अरिजितसागरजी महाराज क्षुल्लक श्री साम्ययोगसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर डीमापुर नागपुर मो. 8839565845
	मुनिश्री आदित्यसागरजी महाराज मुनिश्री अप्रमितसागरजी महाराज मुनिश्री सहजसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री श्रेयशसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कीर्तिनगर जयपुर राजस्थान मो. 9111727701
	मुनिश्री आस्तिक्यसागरजी महाराज मुनि श्री विनियोगसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्य श्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर जलगांव महाराष्ट्र प्रदीप जैनः 9372722111
	मुनि श्री आराध्यसागरजी महाराज मुनि श्री विराम्बरसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्य श्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नादगांव जिला नासिक महाराष्ट्र मो. 9423474171
	मुनिश्री प्रणितसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री विधेयसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर देवली जिला टोंक राजस्थान मो. 9636038039
	मुनिश्री प्रणुतसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री विनियोग सागरजी महाराज	आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर लक्ष्मीनगर उज्जैन मो. 8269290987
	मुनिश्री समत्वसागरजी महाराज मुनिश्री शीलसागरजी महाराज	आचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर शाहगढ़ जिला सागर (म.प्र.) मो. 7880016851

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	मुनि श्री विश्वसूर्यसागरजी महाराज मुनिश्री साध्यसागरजी महाराज	आचार्य श्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सनावद जिला खरगोन मो. 9826533049
	मुनिश्री संकल्पसागरजी महाराज	आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नेमीगिरि जिन्तूर
	मुनिश्री सौम्यसागरजी महाराज मुनिश्री जयंदसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बाजार चौक टीकमगढ (म.प्र.) मो. 8821894017
	मुनि श्री सारस्वत सागर जी महाराज मुनिश्री सिद्धसागरजी महाराज मुनि श्री जयेन्द्रसागर जी महाराज	आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नांद्रेय महाराष्ट्र मो. 9765880255
	मुनिश्री सद्भावसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री परमयोगसागरजी महाराज	आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्य श्रीविशुद्धसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर रतलाम (म.प्र) मो. 9827326307
	मुनि श्री संयतसागर जी महाराज क्षुल्लक नैगमसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्य श्री आर्जवसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर रावतभाटा राजस्थान मो. 941418210
	मुनि श्री साक्ष्यसागर जी महाराज मुनि श्री निवृत्तसागर जी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सिलवानी मो. 7509188772
(९५)	**आचार्य श्री विशदसागरजी महाराज** (आचार्य पद आचार्य भरतसागरजी द्वारा उपाध्याय श्री विशाल सागरजी महाराज मुनि श्री विश्वाक्षरसागरजी महाराज मुनिश्री विभोरसागरजी महाराज मुनिश्री विलक्षसागरजी महाराज मुनि श्री विपिनसागरजी महाराज आर्यिकाश्री भक्तिभारतीश्री क्षुल्लिका वात्सल्यभारतीश्री	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विशदसागरजी महाराज आचार्य श्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विशदसागरजी महाराज आचार्य श्री विशदसागरजी महाराज आचार्य श्री विशदसागरजी महाराज आचार्यश्री विशदसागरजी महाराज आचार्यश्री विशदसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सुदामा नगर इंदौर मो. 9660996425 मो. 9425054224 मो. 9406826850 कुल–8 1 आचार्य, 1 उपाध्याय, 4 मुनि 1 आर्यिका, 1 क्षुल्लिका
	मुनिश्री विश्वविजयसागरजी महाराज मुनि श्री विशुभसागरजी महाराज	आचार्य श्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विशदसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर औरवाडिया सलूम्बर राजस्थान मो. 9142447599
(९६)	**आचार्यश्री विभक्तसागरजी महाराज** क्षुल्लक श्री क्षेमंकरसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशदसागरजी महाराज मुनिश्री विभक्तसागरजी महाराज	श्री चन्द्रप्रभ नवदेवता मंदिर सन्मतिकुं संतनिवास बरकोला नगर मंदसौर म.प्र.
(९७)	**आचार्यश्री विबुद्धसागरजी महाराज** क्षुल्लक श्री विमोक्षसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशदसागरजी महाराज आचार्य श्री विबुद्धसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर एतहार जिला भिण्ड (म.प्र.)
	मुनिश्री विस्मितसागरजी महाराज	आचार्य श्री विबुद्धसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र तेरापंथी कोठी मधुवन सम्मेदशिखर जिला गिरिडीह झारखंड
	आर्यिका गायत्रीश्री माताजी	आचार्य श्री विबुद्धसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कटक उड़ीसा
(९८)	**आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज** मुनिश्री आचरणसागरजी महाराज मुनिश्री अध्ययनसागरजी महाराज मुनिश्री आवश्यकसागरजी महाराज मुनि श्री आचारसागरजी महाराज मुनि श्री शुद्धात्मसागरजी महाराज मुनि श्री सिद्धात्मसागर जी महाराज मुनिश्री सुखसागरजी महाराज आर्यिकाश्री ओमश्री माताजी आर्यिका श्री समितिश्री माताजी आर्यिका श्री स्वाध्याय श्री माताजी आर्यिका श्री अद्योमश्री माताजी आर्यिका श्री चर्याश्री माताजी आर्यिका श्री सत्यार्थ श्री माताजी क्षुल्लक श्री व्रतसागरजी महाराज क्षुल्लक श्री सफलसागरजी महाराज क्षुल्लक श्री सुभवसागरजी महाराज क्षुल्लक श्री समाचारजी महाराज क्षुल्लिका विजिताश्री माताजी क्षुल्लिका ह्रीं श्री माताजी क्षुल्लिका आराधनाश्री माताजी क्षुल्लिका संस्तुतिश्री माताजी क्षुल्लिका श्री साधनाश्री माताजी क्षुल्लिका रत्नश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्य श्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्य श्री विभवसागरजी महाराज आचार्य श्री विभवसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागर जी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्य श्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन नेमीनाथ मंदिर नेमी नगर जैन कॉलोनी इंदौर (म.प्र.) मो. 9425350981 मो. 9826061345 अजित भैया 9167037370 कुल–24 1 आचार्य, 7 मुनि, 6 आर्यिका 4 क्षुल्लक, 6 क्षुल्लिका

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	क्षुल्लकश्री विगुणसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशदसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नातेपोते महाराष्ट्र
	मुनि श्री विभास्वरसागर जी महाराज मुनिश्री शुद्धोपयोगसागरजी महाराज	आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मुनिसुव्रतनाथ मंदिर स्मृतिनगर इंदौर (म.प्र.) रूचि 6260731529
	मुनि श्री प्रक्षालसागर जी महाराज मुनिश्री रत्नत्रयसागरजी महाराज	आचार्य श्री विमदसागर जी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर परभणी महाराष्ट्र महेन्द्र 9422176094
	मुनि श्री शुद्धसागरजी महाराज क्षुल्लक श्री अकम्पसागरजी महाराज	आचार्य श्री विभवसागरजी महाराज मुनिश्री शुद्धसागरजी महाराज देवांश 9256689108	श्री दिगम्बर जैन मंदिर आदिनाथ जिनालय बडोदिया जिला बांसवाडा राजस्थान
	मुनिश्री श्रीसागरजी महाराज मुनिश्री श्रमसागरजी महाराज	आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन श्रेयांसनाथ मंदिर खांदू कॉलोनी बांसवाडा राजस्थान खुश भैया: 7339896351
	आर्यिकाश्री अर्हंश्री माताजी आर्यिका संस्कृतश्री माताजी आर्यिका अर्हंनश्री माताजी	आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर उत्तमनगर दिल्ली राखी दीदी 7974618401
	आर्यिका श्री सिद्धश्री माताजी आर्यिका श्री संघश्री माताजी आर्यिका श्री सभाश्री माताजी	आचार्यश्री विभवसागर जी महाराज आचार्यश्री विभवसागर जी महाराज आचार्यश्री विभवसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर समर्थ कॉलोनी इंदौर (म.प्र) ममता दीदी 7587101381
	आर्यिका श्री विश्वासश्री माताजी क्षुल्लिका सामायिकश्री माताजी	आचार्य श्री विरागसागरजी महाराज आचार्य श्री विभवसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर चितरी राजस्थान
	क्षुल्लिका सुनयमति माताजी क्षुल्लिका सुमनश्री माताजी	आचार्य श्री सूर्यसागरजी महाराज आचार्य श्री देवनंदी जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर गुप्तिसदन कालानी नगर इंदौर मो. 9424083262
(९९)	**आचार्यश्री विमर्शसागरजी महाराज** मुनिश्री विचिंत्यसागरजी महाराज मुनिश्री विजेयसागरजी महाराज मुनिश्री विश्वार्यसागरजी महाराज मुनि श्री विशुभ्रसागरजी महाराज मुनि श्री विश्वांकसागरजी महाराज मुनि श्री विश्वार्कसागरजी महाराज मुनि श्री विश्वाससागरजी महाराज मुनि श्री विगम्यसागरजी महाराज आर्यिका श्री विद्ययांतश्री माताजी आर्यिकाश्री विमलान्तश्री माताजी आर्यिकाश्री विश्वान्तश्री माताजी आर्यिकाश्री विजयान्तश्री माताजी आर्यिका श्री विनयान्तश्री माताजी आर्यिका श्री विजितान्तश्री माताजी आर्यिका श्री विमर्शिता श्री माताजी आर्यिका श्री विकृर्षिता श्री माताजी आर्यिका श्री विदर्शिता श्री माताजी आर्यिका श्री विवंदिता श्री माताजी आर्यिका श्री विनन्दिता श्री माताजी आर्यिका श्री विपशिता श्री माताजी आर्यिका श्री विज्ञर्षिता श्री माताजी आर्यिका श्री विदीपिका श्री माताजी आर्यिका श्री विवर्षिता श्री माताजी क्षुल्लक श्री विश्वाग्रसागरजी महाराज क्षुल्लिका विदेहान्तश्री माताजी क्षुल्लिका श्री विप्रान्तश्री माताजी क्षुल्लिका श्री विदिक्षान्तश्री माताजी क्षुल्लिका श्री विरोचिता श्री माताजी क्षुल्लिका श्री विकर्षिता श्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विमर्शसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सहारनपुर (उ.प्र.) कुल–34 1 आचार्य, 8 मुनि, 15 आर्यिका 1 क्षुल्लक, 5 क्षुल्लिका
	आर्यिकाश्री विक्रान्तश्री माताजी आर्यिकाश्री विध्वान्तश्री माताजी क्षुल्लिका श्री विमोचिता श्री माताजी	आचार्यश्री विमर्शसागरजी महाराज आचार्यश्री विमर्शसागरजी महाराज आचार्यश्री विमर्शसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मिलन बिहार मुज्ञफरनगर (उ.प्र.)
	मुनिश्री विश्वार्यसागरजी महाराज मुनिश्री विव्रतसागरजी महाराज	आचार्यश्री विमर्शसागरजी महाराज आचार्यश्री विमर्शसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर शामली (उ.प्र.)
	मुनि श्री विशमसागर जी महाराज	आचार्यश्री विमर्शसागरजी महाराज मो. 9810101912	श्री दिगम्बर जैन मंदिर जैन नगर न्यू उस्मानपुरा दिल्ली

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(100)	**आचार्यश्री विहर्षसागरजी महाराज** मुनिश्री विजयेषसागरजी महाराज मुनिश्री विश्वहर्षसागरजी महाराज मुनि श्री सर्वहर्षसागरजी महाराज मुनि श्री सिद्धहर्षसागरजी महाराज मुनिश्री शिखरहर्षसागरजी महाराज आर्यिका श्री विजेताश्री माताजी आर्यिकाश्री विजयाहर्ष श्री माताजी आर्यिका मौलीहर्ष श्री माताजी आर्यिका श्री विधिहर्ष श्री माताजी आर्यिका श्री अमृतहर्ष श्री माताजी एलक श्री नमनहर्षसागरजी महाराज क्षुल्लक श्री बोधिहर्षसागरजी महाराज क्षुल्लिका विदुहर्षश्री माताजी क्षुल्लिका गोडहर्ष श्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विहर्षसागरजी महाराज आचार्यश्री विहर्षसागरजी महाराज आचार्यश्री विहर्षसागरजी महाराज आचार्यश्री विहर्षसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विहर्षसागरजी महाराज आचार्यश्री विहर्षसागरजी महाराज आचार्यश्री विहर्षसागरजी महाराज आचार्यश्री विहर्षसागरजी महाराज आचार्यश्री विहर्षसागरजी महाराज आचार्यश्री विहर्षसागरजी महाराज आचार्यश्री विहर्षसागरजी महाराज आचार्यश्री विहर्षसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सलूम्बर राजस्थान रीना दीदी: 9818663765 कुल–15 1 आचार्य, 5 मुनि, 5 आर्यिका, 1एलक 1 क्षुल्लक, 2 क्षुल्लिका
(101)	**आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज** मुनिश्री प्रांजलसागरजी महाराज मुनिश्री प्रवीरसागरजी महाराज मुनिश्री प्रत्यक्षसागरजी महाराज क्षुल्लक श्री प्रमेशसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर रामगंज मण्डी राजस्थान कुल–5 1 आचार्य, 3 मुनि, 1 क्षुल्लक
(102)	**उपाध्यायश्री आदिशसागर जी महाराज**	आचार्य श्री विनिश्चयसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर लखनऊ (उ.प्र.)
	मुनिश्री संस्कारसागरजी महाराज मुनि श्री विकौशलसागर जी महाराज	आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नेमीनगर भोपाल
	मुनिश्री प्रवरसागरजी महाराज	आचार्य श्री विनिश्चयसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर अलीपुर आष्टा (म.प्र.)मो. 9993367539
	मुनिश्री प्रज्ञानसागरजी महाराज मुनिश्री प्रसिद्धसागरजी महाराज	आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नैनवा राजस्थान
	क्षुल्लकश्री प्रज्ञांशसागरजी महाराज	आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मठ श्रवणबेलगोला कर्नाटक
(103)	**आचार्य विनम्रसागरजी महाराज** निर्यापक मुनिश्री विज्ञसागरजी महाराज मुनिश्री विनिवेशसागरजी महाराज मुनिश्री विनुतसागरजी महाराज मुनिश्री विश्वकुंदसागरजी महाराज मुनिश्री विश्वधीरसागरजी महाराज आर्यिकाश्री विमलश्री माताजी आर्यिकाश्री विनेहश्री माताजी आर्यिकाश्री वितपश्री माताजी आर्यिकाश्री विशमश्री माताजी आर्यिकाश्री विपुलश्री माताजी आर्यिका श्री विमुदश्री माताजी आर्यिका श्री विभव्यश्री माताजी एलकश्री विनमितसागरजी महाराज क्षुल्लक श्री विक्षोभसागरजी महाराज क्षुल्लिका विसर्वश्री माताजी क्षुल्लिका प्रभाश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्य श्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्य श्री विनिश्चयसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति मंदिर विजयनगर (विद्यासागर नगर) इंदौर 10 (म.प्र.) मो. 8989505108 मो. 8959911401 कुल–17 1 आचार्य, 1 निर्यापक, 4 मुनि, 7 आर्यिका, 1 एलक, 1 क्षुल्लक 2 क्षुल्लिका
	मुनि श्री विनतसागर जी महाराज मुनिश्री विश्वदृगसागरजी महाराज	आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर आमला जि. बैतूल
	मुनि श्री विनयसागर जी महाराज	आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर डबरा जिला ग्वालियर
	मुनि श्री विनन्दसागरजी महाराज क्षुल्लक श्री विश्वगुणसागरजी महाराज	आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नेहरूनगर भोपाल
	आर्यिका श्री विश्रेयश्री माताजी	आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर भरतपुर राजस्थान
(104)	**आचार्य श्रीप्रज्ञसागरजी महाराज** (विकर्षसागर) मुनि श्री प्रथमानंद सागर जी महाराज क्षुल्लिकाश्री प्रयागमति माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्य श्री प्रज्ञसागरजी महाराज आचार्य श्री प्रज्ञसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बाहुबली एनक्लेव दिल्ली मो. 9313503128

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	मुनि श्री प्रतिज्ञानंद जी महाराज	आचार्य श्री प्रज्ञसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर जनकपुरी सी–2 दिल्ली
(105)	**उपाध्याय विशोकसागर जी महाराज** मुनिश्री विनिबोधसागरजी महाराज	आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर अशोका गार्डन भोपाल (म.प्र.)मो. 9399741661
(106)	**उपाध्याय विनिश्चलसागरजी महाराज** क्षुल्लक श्री विभद्रसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्य श्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर गुनौर जिला पन्ना (म.प्र.)
	गणधर मुनिश्री विवर्धनसागरजी महाराज प्रवर्तक मुनिश्री विश्वनायकसागरजी मुनिश्री विश्वदक्षसागरजी महाराज मुनिश्री विश्वहितसागरजी महाराज मुनि श्री विश्वभद्रसागर जी महाराज क्षुल्लक श्री विश्वसिद्धसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्य श्री विरागसागरजी महाराज आचार्य श्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्य श्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन बडा मंदिर नलखेड़ा जिला आगर–मालवा (म.प्र.) मो. 9425083243 मो. 9245980510
(107)	**उपाध्याय विश्रुतसागरजी महाराज** मुनिश्री निर्वेदसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर खण्डवा (म.प्र.) 7737024930
(108)	**उपाध्याय विहसंतसागरजी महाराज** मुनिश्री विश्वसाम्यसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन पवैया मंदिर भिण्ड (म.प्र.)
(109)	**उपाध्याय विभंजनसागरजी महाराज** मुनिश्री विश्वज्ञेयसगरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर धार मो. 9654793524,7000981172
(110)	**उपाध्याय विकसंतसागरजी महाराज** मुनिश्री विश्वमित्रसागर जी महाराज आर्यिका श्री विश्वनेहाश्री माताजी क्षुल्लिका श्री विकसित श्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजीमहाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्य श्री विरागसागरजी महाराज उपाध्याय श्री विकसंतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर पिडावा जिला झालावाड़ राजस्थान
(111)	**उपाध्याय विरंजनसागर जी महाराज** मुनिश्री विनिशोधसागरजी महाराज मुनि श्री विसौम्यसागरजी महाराज क्षुल्लिका श्री विशीला श्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्य श्री विरागसागरजी महाराज आचार्य श्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर देशमुखनगर छत्रपति संभाजी नगर महाराष्ट्र
	मुनिश्री विश्रांतसागरजी महाराज मुनिश्री सुमित्रसागरजी महाराज मुनि श्री सुयोग्यसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विश्रांतसागरजी महाराज आचार्यश्री विश्रांतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर चौरइ जिला छिन्दवाडा (म.प्र.)
	मुनिश्री विशल्यसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री विश्वमार्दवसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर आरा बिहार
	गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी आर्यिकाश्री विपश्यनाश्री माताजी आर्यिकाश्री विमुक्तश्री माताजी आर्यिकाश्री विदर्शनाश्री माताजी आार्यिकाश्री विशुद्धिश्री माताजी आार्यिकाश्री विसिद्धिश्री माताजी आार्यिकाश्री विशुचिश्री माताजी आार्यिकाश्री विश्रुतिश्री माताजी आर्यिका श्री सौम्याश्री माताजी आर्यिका श्री समता श्री माताजी आर्यिका समत्वश्री माताजी आर्यिका सार्थकश्री माताजी आर्यिका सार्थश्री माताजी आर्यिका समर्थश्री माताजी क्षुल्लिका श्री साम्यश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बड़नगर जिला उज्जैन (म.प्र.) मो. 8890400834 कुल–15 1 गणिनी आर्यिका, 13 आर्यिका 1 क्षुल्लिका
	गणिनी आर्यिकाश्री विभाश्री माताजी आर्यिकाश्री विनयश्री माताजी आर्यिका श्री सर्वश्री माताजी आर्यिका श्री शुभश्री माताजी आर्यिका श्री सिद्धिश्री माताजी आर्यिका श्री संयमश्री माताजी आर्यिका श्री साम्यश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर विज्ञाननगर कोटा राजस्थान मो. 7000258622 कुल–12 1 गणिनी आर्यिका, 9 आर्यिका, 2 क्षुल्लिका क्रमशः पेज 44

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	आर्यिका श्री समयश्री माताजी आर्यिकाश्री संकल्पश्री माताजी आर्यिकाश्री श्रुतश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री शीलश्री माताजी क्षुल्लिका श्री प्रभाश्री माताजी	गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज	शेष पेज 43
	गणिनी आर्यिकाश्री विंध्यश्री माताजी आर्यिकाश्री विद्वतश्री माताजी आर्यिकाश्री सुनंदनश्री माताजी क्षुल्लिका श्री सुचन्दनश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज गणिनी आर्यिकाश्री विंध्यश्री माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विंध्यश्री माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सलेहा जिला पन्ना (म.प्र.) मो. 9897027034
	गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी आर्यिकाश्री ज्ञेम्याश्री माताजी आर्यिकाश्री ज्ञापकश्री माताजी आर्यिका श्री ज्ञेयकश्री माताजी क्षुल्लिका श्री विज्ञप्तिश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी आचार्य श्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर रानिशकुंज कोलार रोड़ भोपाल(म.प्र.)
	गणिनी आर्यिकाश्री विशिष्टश्री माताजी आर्यिकाश्री विप्रभाश्री माताजी आर्यिकाश्री विदितश्री माताजी आर्यिकाश्री विभक्तश्री माताजी आर्यिकाश्री विजितश्री माताजी आर्यिका श्री विजिगीसाश्री माताजी आर्यिकाश्री विनिताश्री माताजी आर्यिका श्री विपथश्री माताजी आर्यिका श्री विजयंतिश्री माताजी क्षुल्लिका श्री विपद्माश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आर्यिका श्रीविशिष्टश्री माताजी आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर प्रतापगढ़ राज. मो. 8299659516 कुल–10 1 गणिनी आर्यिका, 8 आर्यिका 1 क्षुल्लिका
	आर्यिकाश्री विदुषीश्री माताजी आर्यिकाश्री विनीतश्री माताजी आर्यिकाश्री विकम्पाश्री माताजी आर्यिकाश्री विरत श्री माताजी आर्यिकाश्री विनोद श्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मनावर जिला धार (म.प्र.) मो. 9707023250
	आर्यिकाश्री विबोधश्री माताजी आर्यिकाश्री विवक्षाश्री माताजी आर्यिकाश्री विवक्षणा श्री माताजी आर्यिका श्री विरक्षणाश्री माताजी आर्यिकाश्री विसुव्रताश्री माताजी आर्यिका श्री विमोचनाश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री विभाषाश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री विभूषणाश्री माताजी क्षुल्लिका विक्षमाश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पर्वत पाटिया सूरत गुजरात
	आर्यिका विविक्तश्री माताजी आर्यिकाश्री विप्राश्री माताजी आर्यिका श्री वियोजनाश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मुणांवा राजस्थान
	आर्यिका श्री विनतश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री विमलांत श्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आर्यिकाश्री विनतश्री माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नंदानगर इंदौर मो. 9826929180
	आर्यिका श्री विशाखाश्री माताजी	आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज	श्री शीतलधाम मंदिर रतलाम (म.प्र.)
	आर्यिकाश्री विकक्षाश्री माताजी आर्यिका ज्ञाताश्री माताजी आर्यिका ज्ञप्तज्ञश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर अहिंसा खंड 2 इन्द्रापुरम गाजियाबाद (उ.प्र.)
	आर्यिकाश्री विदक्षाश्री माताजी आर्यिकाश्री सुवन्दनश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज गणिनी आर्यिकाश्री विंध्यश्री माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर क्लर्क कॉलोनी इंदौर (म.प्र.)9827268093
	आर्यिकाश्री विरम्याश्री माताजी आर्यिकाश्री विसंयोजनाश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर चिचोली जिला बैतूल (म.प्र.)
	आर्यिकाश्री विकाम्याश्री माताजी आर्यिकाश्री विगुंजनश्री माताजी क्षुल्लिका विचिन्तनश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आर्यिका श्री विकाम्याश्री माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सागवाड़ा जिला राजस्थान 8839017577
	आर्यिका श्री विदिताश्री माताजी क्षुल्लिका श्री विनतिश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर जावर जिला नीमच (म.प्र.)
	आर्यिका श्री विजिज्ञासा माताजी क्षुल्लिका विसुदृढ़श्री माताजी	आचार्य श्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर तिलकगंज सागर (म.प्र.)8420048579

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	आर्यिकाश्री ज्ञानश्री माताजी आर्यिकाश्री ज्ञायकश्री माताजी	गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी	श्री दिगम्बर अतिशय क्षेत्र सहस्त्रकूट विज्ञा तीर्थ गूंसी जिला टोंक राजस्थान
	आर्यिकाश्री ज्ञेयश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री विक्रमा माताजी क्षुल्लिकाश्री विकण्ठश्री माताजी	गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर तिलकनगर इंदौर मो. 7600122404
	क्षुल्लकश्री विदेहसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री विश्वरक्षसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर सिद्धक्षेत्र छात्रावास सोनागिरि जिला दतिया(म.प्र.)
	क्षुल्लिका विस्मिताश्री माताजी क्षुल्लिका विगम्याश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर हिम्मतनगर गुजरात
(112)	**आचार्यश्री विवेकसागरजी महाराज** **आचार्य श्री सुव्रतसागरजी महाराज** एलकश्री विप्रमाणसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री सुविधिसागरजी महाराज क्षुल्लक श्री अजेयसागरजी महाराज क्षुल्लक श्री वीरसागरजी महाराज क्षुल्लक श्री विभद्रसागरजी महाराज	आचार्यश्री सुमतिसागरजी महाराज आचार्य श्री शिवसागरजी महाराज आचार्यश्री विवेकसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री विवेकसागरजी महाराज आचार्यश्री विवेकसागरजी महाराज आचार्यश्री विवेकसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र सुमतिसागर त्यागीव्रती आश्रम मधुवन सम्मेदशिखर जिला गिरिडीह झारखंड 825329 मो. 8619445828 सरिता दीदी: 8878693806
	मुनिश्री अर्चितसागरजी महाराज	आचार्यश्री विवेकसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पार्श्वनाथ नगर फिरोजाबाद (उ.प्र.)
	मुनि श्री सुधर्मसागरजी महाराज मुनिश्री आदर्शसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका कीर्तिमति माताजी आर्यिकाश्री स्वर्णमति माताजी आर्यिका श्री भाग्यमति माताजी आर्यिका श्री श्रेष्ठमति माताजी	आचार्य श्री कुमुदनंदी जी महाराज आचार्यश्री विवेकसागरजी महाराज आचार्य श्री सुमतसागरजी महाराज आर्यिकाश्री ज्ञानमति माताजी आचार्य श्री सुमतसागरजी महाराज आर्यिकाश्री ज्ञानमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र सुमतिसागर आश्रम सोनागिरि जिला दतिया (म.प्र) मनीष: 9329829800 मो. 8619445828
	मुनि श्री आदिसागरजी महाराज	आचार्य श्री विप्रणतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नरवर जिला शिवपुरी (म.प्र.)
	आर्यिका विपुलमति माताजी आर्यिका विमुक्तमति माताजी क्षुल्लिका विशालमति माताजी	आचार्यश्री विवेकसागरजी महाराज आचार्यश्री विवेकसागरजी महाराज आचार्यश्री विवेकसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बाजना नगर औरंगाबाद
(113)	**आचार्यश्री विनीतसागरजी महाराज** मुनि श्री अर्पणसागरजी महाराज	आचार्यश्री विवेकसागरजी महाराज आचार्यश्री विनीतसागरजी महाराज मो. 9413678383	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर जैन गली मुजेरी वाली डींग राजस्थान मो. 9928280813
*	मुनि श्री अभिनंदनसागरजी महाराज	आचार्यश्री विनीतसागरजी महाराज	
(114)	**आचार्य वैराग्यनंदीजी महाराज** मुनिश्री सौरभनंदीजी महाराज मुनिश्री संयमनंदीजी महाराज मुनिश्री श्रमणनंदीजी महाराज मुनि श्री धैर्यनंदी जी महाराज मुनि श्री श्रीनंदी जी महाराज मुनिश्री श्रीकारनंदीजी महाराज मुनिश्री श्रीवत्सनंदी जी महाराज मुनिश्री सहर्षसागरजी महाराज मुनि श्री श्रमणसागरजी महाराज मुनिश्री विश्वलोकेशसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका कमलश्री माताजी आर्यिकाश्री दिव्यश्री माताजी आर्यिका श्री ऋद्धिश्री माताजी आर्यिकाश्री चिन्तनश्री माताजी आर्यिकाश्री जिनश्री माताजी आर्यिका श्री सौम्यश्री माताजी आर्यिका श्रुतिकाश्री माताजी आर्यिका श्रेयश्री माताजी आर्यिका श्री सम्यकश्री माताजी आर्यिकाश्री सोहमश्रीजी माताजी आर्यिका श्री विमुक्तिश्री माताजी आर्यिका श्री सर्वश्री माताजी क्षुल्लकश्री स्वभावनंदी जी महाराज क्षुल्लक श्री श्रीपालनंदी जी महाराज क्षुल्लिका श्री समताश्री माताजी क्षुल्लिका श्री सोख्यश्री माताजी क्षुल्लिका श्री सहजश्री माताजी क्षुल्लिका श्री साध्यमति माताजी	आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्यश्री वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्यश्री वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्यश्री वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्यश्री वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्यश्री वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्यश्री वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री वैराग्यनंदी जी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्यश्री वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्यश्री वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्यश्री वैराग्यनंदी जी महाराज आचार्यश्री वैराग्यनंदी जी महाराज आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आचार्य वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्य वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्यश्री वैराग्यनंदी जी महाराज आचार्य वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्य वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्य वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्य वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्य वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्य वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्य वैराग्यनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र सिद्धांचल मधुवन सम्मेदशिखर जिला गिरीडीह झारखंड 825329 दीदी: 9784567576 मो. 7340405610 कुल–29 1 आचार्य, 10 मुनि, 1 गणिनी आर्यिका 11 आर्यिका, 2 क्षुल्लक, 4 क्षुल्लिका

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
✲	**आचार्य श्री भद्रबाहुसागरजी महाराज** मुनि श्री भरतेशसागरजी महाराज मुनिश्री भावसागरजी महाराज	आचार्यश्री विपुलसागरजी महाराज आचार्यश्री विपुलसागरजी महाराज आचार्य श्री भद्रबाहुसागरजी महाराज	
(115)	**आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज** आचार्य पद आचार्यश्री विद्यानंदजी उपाध्याय प्रज्ञानंदजी महाराज मुनिश्री सर्वानंदसागरजी महाराज मुनिश्री आत्मानंदजी महाराज मुनिश्री निजानंदजी महाराज मुनि श्री सभ्यानंदजी महाराज मुनि श्री समग्रानंदजी महाराज आर्यिकाश्री वर्धस्वनंदनी माताजी आर्यिकाश्री वर्चस्व नंदनी माताजी आर्यिकाश्री श्रेयनंदनी माताजी आर्यिकाश्री सुरम्यनंदनी माताजी आर्यिकाश्री यशोनंदनी माताजी आर्यिका श्री तीर्थनंदनी माताजी आर्यिका श्री सुधर्मनंदनी माताजी आर्यिका श्री प्रशस्तनंदनी माताजी क्षुल्लक श्री बोधिनंदी माताजी क्षुल्लक श्री विशंकसागरजी महाराज क्षुल्लक श्री कृपानंद महाराज क्षुल्लक श्री दिव्यानंद महाराज क्षुल्लकश्री प्रबुद्धनंद महाराज क्षुल्लिका श्री परमनंदनी माताजी क्षुल्लिका श्री सुखनंदनी माताजी क्षुल्लिका श्री बोधीनंदनी माताजी क्षुल्लिका श्री सालनंदनी माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदी जी महाराज आचार्यश्री वसुनंदी जी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदी जी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र अहिक्षेत्र पार्श्वनाथ रामनगर (उ.प्र.) शुभाशीष भैया: 7042206609 ऋषभ भैया: 9929542301 अशोक जैन लाले 9837290631 संजय जैन 9414367560 कुल–25 1 आचार्य, 1 उपाध्याय, 5 मुनि 9 आर्यिका, 5 क्षुल्लक, 4 क्षुल्लिका
	उपाध्याय विज्ञानंदसागरजी महाराज मुनिश्री पुण्यानन्दजी महाराज मुनिश्री धौर्यानंदजी महाराज	आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर अलवर राजस्थान पवन चौधरी 9414020800
	मुनिश्री संयमानंदजी महाराज मुनिश्री शुभानंद जी महाराज	आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज मो. 9870595115	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र तिजारा जिला अलवर राजस्थान मो. 941463967
	उपाध्याय वृषभानंदसागरजी महाराज मुनिश्री सदानंद जी महाराज मुनिश्री शुद्धानंदजी महाराज क्षुल्लक श्री पुर्णानंदजी महाराज	आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर मान सरोवर कॉलोनी जोटवाड़ा जयपुर राजस्थान मो. 9331302142
	मुनिश्री नमिसागरजी महाराज ऐलक श्री विज्ञानसागर जी महाराज मो. 9690042294	आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज मो. 9311271565	श्री दिगम्बर जैन मंदिर विद्यासागर गौशाला जयशांति निकेतन ग्राम मंडोला जिला गाजियाबाद (उ.प्र.)
	मुनिश्री श्रद्धानंदजी महाराज मुनिश्री पवित्रानंदजी महाराज	आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर फरीदाबाद सेक्टर 16 हरियाणा हिमांशु 9024182930
	मुनिश्री शिवानंदजी महाराज मुनिश्री प्रशमानंदजी महाराज	आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर भजनपुरा दिल्ली मनोज 9212133423
	गणिनी आर्यिका गुरुनंदनी माताजी आर्यिकाश्री ब्रह्मनंदनी माताजी आर्यिकाश्री श्रीनंदनी माताजी आर्यिकाश्री प्रबोधनंदनी माताजी आर्यिकाश्री प्रकाम्यनंदनी माताजी आर्यिकाश्री प्रभानंदनी माताजी क्षुल्लिकाश्री लघुनंदिनी माताजी	आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर टिन्डीवनम् तमिलनाडु संजय भैया: 8178070451 संजय ठोलिया पांडुचेरी 9443616595 कुल–7 1ग.आर्यिका, 5आर्यिका, 1 क्षुल्लक
	गणिनी आर्यिकाश्री सौम्यनंदनी माताजी आर्यिका श्री वीरनंदिनीजी माताजी	आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर हथनी जिला दमोह (म.प्र.)

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	आर्यिकाश्री सुयोग्यनंदनी माताजी आर्यिका श्री श्रुतनंदिनी जी माताजी क्षुल्लिकाश्री शुद्धनंदिनी माताजी क्षुल्लिकाश्री शुभनंदिनी माताजी	आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज गणिनी आर्यिकाश्री सौम्यनंदनी माताजी गणिनी आर्यिकाश्री सौम्यनंदनी माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर चौरंगी कोलकाता पश्चिम बंगाल रानु दीदी: 9340927261 कुल–8
	आर्यिका श्री प्रशांतनंदिनी माताजी आर्यिका श्री स्वभावनंदिनी माताजी आर्यिका श्री विश्वासनंदिनी माताजी	आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदि धडी मार्केट जयपुर पंकज लुहाडिया 9351302142
	आर्यिका श्री विजितनंदिनी माताजी	आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पलकर जुरहरा हरियाणा
	आर्यिकाश्री समर्थश्री माताजी आर्यिकाश्री सार्थकश्री माताजी	आचार्यश्री विमदसागरजी महाराज आचार्यश्री विमदसागरजी महाराज	श्री शीतलधाम दिगम्बर जैन मंदिर रतलाम (म.प्र.)
	क्षुल्लकश्री क्षेमंकरनंदीजी महाराज	आचार्य श्री कर्मविजयनंदी जी महाराज	आशीष: 9340083145
	क्षुल्लक श्री नित्यानंद जी महाराज	आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर जयपुर राजस्थान
	आचार्य कल्पपुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री महोत्सवसागरजी महाराज मुनिश्री उदितसागरजी महाराज मुनिश्री मुदितसागरजी महाराज मुनि श्री उत्सवसागर जी महाराज मुनिश्री उपहारसागरजी महाराज आर्यिकाश्री सौरभमति माताजी आर्यिकाश्री प्रमोदमति माताजी आर्यिकाश्री हर्षितमति माताजी आर्यिकाश्री पर्वमति माताजी आर्यिकाश्री उत्साहमति माताजी आर्यिकाश्री निर्णयमती माताजी आर्यिकाश्री निश्चयमती माताजी	आचार्यश्री अजितसागरजी महाराज मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज मुनि श्री पुण्यसागर जी महाराज मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज मुनि श्री पुण्यसागर जी महाराज मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज आचार्यश्री अजितसागरजी महाराज मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सेक्टर 4 उदयपुर राजस्थान अमृतलाल 9461658874 वीणा दीदी 8709124939 9508427989 क्रमशः पेज 50 शेष पेज 49 कुल–19, 5 मुनि, 10 आर्यिका 2 क्षुल्लिक, 2 क्षुल्लिका
(116)	<u>एलाचार्य</u> **एलाचार्य विशुद्धसागरजी महाराज**	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	
(117)	**एलाचार्य कीर्तिसागरजी महाराज** आर्यिका श्री प्रणयश्री माताजी	आचार्यश्री कर्मविजयनंदीजी महाराज आचार्यश्री कर्मविजयनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर उदयपुर राजस्थान
(118)	<u>उपाध्याय</u> **उपाध्याय ऊर्जयंत सागरजी महाराज**	आचार्यश्री विमलसागरजी महाराज मो. 9667872547	श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर बरूड पथ मान सरोवर जयपुर राजस्थान
✲	**उपाध्याय श्री सुधर्मसागरजी महाराज** क्षुल्लकश्री सुविधिसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री सुमित्रसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री निरागसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री हर्षसागरजी महाराज	आचार्यश्री कुमुदनंदी जी महाराज आचार्यश्री कुंथसागरजी महाराज आचार्यश्री कुमुदनंदी जी महाराज आचार्यश्री कुमुदनंदी जी महाराज	
(119)	**उपाध्यायश्री दयाऋषि जी महाराज** मुनिश्री शैलनंदी जी महाराज	आचार्यश्री कुशाग्रश्री महाराज आचार्यश्री वैराग्यनंदी जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर वरूर जिला हुबली कर्नाटक
✲	**उपाध्याय श्री पुण्यनंदी जी महाराज**	आचार्यश्री पद्मनंदी जी महाराज	
	<u>मुनि</u> मुनिश्री अमितसागरजी महाराज मुनिश्री अमोघसागरजी महाराज मुनिश्री एकत्वसागरजी महाराज	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज मुनिश्री अमितसागरजी महाराज आचार्यश्री चैत्यसागरजी महाराज	धर्मश्रुत शोधपीठ शोध संस्थान श्री दिगम्बर जैन मंदिर पी.डी. जैन कॉलेज कोटला चुंगी रोड़ फिरोजाबाद उ.प्र. प्रवीण 9412266154
	मुनिश्री अनुमानसागरजी महाराज	आचार्यश्री श्रुतसागरजी महाराज	
	मुनिश्री मौनसागरजी महाराज मुनिश्री मुनिसागरजी महाराज मुनिश्री मुक्तिसागरजी महाराज	मुनिश्री भूतबलिसागरजी महाराज मुनिश्री भूतबलिसागरजी महाराज मुनिश्री भूतबलिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सुसनेर जिला आगर मालवा (म.प्र.) मंजूला दीदी 9131072151
✲	मुनिश्री वीरसागर जी महाराज	आचार्य श्री कल्याणसागर जी महाराज	
	मुनिश्री हर्षेन्द्रसागरजी महाराज मुनिश्री विश्वमित्रसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री समाधिसागरजी महाराज	मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र निहारिका मधुवन शिखरजी जिला गिरिडीह झारखंड सनत जैन 9324948062

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	मुनिश्री शाश्वतसागरजी महाराज	मुनिश्री .पुण्यसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कन्नोज (उ.प्र.)
	मुनिश्री स्वात्मनंदीजी महाराज दीपकः 9422372748	आचार्य आत्मनंदीजी महाराज मो. 8275381008	श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र सिल्लोड छत्रपति संभाजी नगर महाराष्ट्र
	मुनिश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	आचार्यश्री विमलसागरजी महाराज प्रदीप बडजात्या 877033122	श्री बड़जात्या फार्म हाउस मलयगिरी जैन मंदिर के सामने एयरपोर्ट रोड़ इंदौर 453112
	मुनिश्री सुयषसागरजी महाराज		श्री दिगम्बर जैन मंदिर झूमरीतलैया विहार
	मुनि श्री विदेहसागरजी महाराज	आचार्य श्री सन्मतिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर गिजबड़े 9730145108
	गणिनी आर्यिकाएँ गणिनी आर्यिका ज्ञानमती माताजी आर्यिकाश्री चंदनामति माताजी आर्यिकाश्री सुव्रतमती माताजी आर्यिकाश्री सुदृढ़मती माताजी आर्यिकाश्री स्वर्णमति माताजी आर्यिकाश्री मुदितमति माताजी आर्यिकाश्री भक्तिमति माताजी आर्यिकाश्री आर्षमति माताजी आर्यिकाश्री हर्षमति माताजी आर्यिकाश्री विनम्रमति माताजी आर्यिकाश्री अनंतमति माताजी आर्यिकाश्री विनीतमति माताजी क्षुल्लकश्री प्रशांतसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री जिनसागरजी महाराज क्षुल्लिका श्री भव्यमति माताजी क्षुल्लिका श्री वैराग्यमति माताजी	आचार्य वीरसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बड़े मूर्ति राय गंज अयोध्या जिला फैजाबाद उ.प्र. 222723 मो. 9520554185 मो. 9520554164 मो. 9450897666 जीवनप्रकाशः 9411025124 कुल–16 1ग.आर्यिका, 11 आर्यिका, 2क्षुल्लक 2 क्षुल्लिका
	आयिकाश्री विधाश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज इन्द्रकुमार 9412782716	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र विद्या श्री संस्थान रामराज्य रोड़ हस्तिनापुर रोड़ जिला मेरठ उ.प्र. 250404
	गणिनी आर्यिका सुप्रकाशमति माताजी आर्यिकाश्री सुहितमति माताजी आर्यिका भावनामती माताजी आर्यिका सुगीतमती माताजी आर्यिका सुवेगमति माताजी	मुनिश्री दयासागरजी महाराज आर्यिका सुप्रकाशमति माताजी आर्यिका सुप्रकाशमति माताजी आर्यिका सुप्रकाशमति माताजी आर्यिका सुप्रकाशमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन त्रिमूर्ति मंदिर अभिनंदन सोधना केन्द्र सेजपुर मोड जिला सलुम्बर राजस्थान 5 माताजी संघ 9928381803
	आर्यिकाश्री चेत्यमति माताजी आर्यिका श्री सुहर्षमति माताजी	आचार्य श्री अभिनंदनसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका सुप्रकाशमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कानपुर उदयपुर राजस्थान
	गणिनी आयिकाश्री सुभूषणमति माताजी आर्यिकाश्री सुआद्यमति माताजी आर्यिका श्री अंशभारती माताजी आर्यिकाश्री आर्षभारती माताजी आर्यिका श्री दक्षभारती माताजी	मुनिश्री दयासागरजी महाराज गणिनी आर्यिका सुभूषणमाताजी गणिनी आर्यिका सुभूषणमाताजी गणिनी आर्यिका सुभूषणमाताजी गणिनी आर्यिका सुभूषणमाताजी	श्री वासुपूज्य दिगम्बर जैन मंदिर गायरियानास संतोषनगर उदयपुर राजस्थान हितेषः 9413093791
	गणिनी आर्यिकाश्री विमलप्रभा माताजी आर्यिकाश्री विजयप्रभाश्री माताजी आर्यिकाश्री विष्णुप्रभाश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री विनतप्रभा माताजी क्षुल्लिका श्री विजितप्रभा माताजी	गणिनी आर्यिका श्री विजयमति माताजी आर्यिकाश्री विमलप्रभा माताजी आर्यिकाश्री विमलप्रभा माताजी आर्यिकाश्री विमलप्रभा माताजी आर्यिकाश्री विमलप्रभा माताजी	श्री दिगम्बर जैन पंचायती मंदिर अंजनी नगर इंदौर मो. 7354420492 मो. 9425317176

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	गणिनी आर्यिका नंगमति माताजी आर्यिका श्री विलक्षणमति माताजी	आचार्य श्री विमलसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका श्री नंगमति माताजी	श्री सुधर्मनंग अहिंसा टस्ट बीलवा जयपुर राजस्थान जितेन्द्र 9314805511
✲	आर्यिका श्री नमनप्रभा श्री माताजी आर्यिका श्री विनयप्रभा श्री माताजी	गणिनी आर्यिका श्री विजयमति माताजी आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज	
✲	आर्यिका श्री दक्षमतिजी माताजी	आचार्यश्री अजितसागरजी महाराज	
	गणिनी आर्यिका विशुद्धमति माताजी आर्यिकाश्री विज्ञमती माताजी आर्यिकाश्री विशोर्यमति माताजी आर्यिकाश्री विजितमती माताजी आर्यिकाश्री विराटमती माताजी आर्यिकाश्री विकर्षमती माताजी आर्यिका श्री विलोचनमति माताजी आर्यिकाश्री विदर्शमति माताजी आर्यिका श्री सुफलमति माताजी क्षुल्लिकाश्री विश्रुतमति माताजी क्षुल्लिकाश्री विपुलमति माताजी	आचार्यश्री निर्मलसागरजी महाराज गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर चमत्कार जी सवाईमाधोपुर राजस्थान मो. 8290346966 1 गणिनी आर्यिका, 8 आर्यिका 2 क्षुल्लक कुल–11
✲	आर्यिका श्री संयतश्री माताजी		
	गणिनी आर्यिकाश्री विशिष्टमति माताजी आर्यिकाश्री विभूषणमती माताजी आर्यिकाश्री विदितमती माताजी क्षुल्लिकाश्री विदूषीमति माताजी	गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर तेरापंथी कोठी मुधवन सम्मेदशिखर जिला गिरिडीह झारखंड 825329
✲	आर्यिका श्री विप्रभमति माताजी	गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी	
✲	आर्यिकाश्री विशेषमती माताजी	गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी	
✲	गणिनी आर्यिकाश्री विजयमति माताजी	गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी	
	गणिनी आर्यिका यशस्विनी माताजी आर्यिकाश्री मनस्विनीमाताजी	आर्यिका स्याद्वादमतिजी माताजी गणिनी आर्यिका यशस्विनी माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कालानीनगर इंदौर (म.प्र.) श्रद्धा दीदी:6200894648
	गणिनी आर्यिकाश्री भरतेश्वरमति माताजी आर्यिकाश्री गिरनारमति माताजी आर्यिकाश्री भव्यमति माताजी क्षुल्लिका श्री चित्तमति माताजी	आचार्यश्री भरतसागरजी महाराज आचार्यश्री भरतसागरजी महाराज गणिनी आर्यिकाश्री भरतेश्वरमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री भरतेश्वरमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर लुहारिया जिला बासवाडा राजस्थान
	आर्यिका श्री श्रेयांसमति माताजी क्षुल्लिका श्री पद्ममति माताजी	गणिनी आर्यिका गौरवमति माताजी गणिनी आर्यिका गौरवमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र बीसपंथी कोठी मधुवन सम्मेदशिखर जिला गिरीडीह झारखंड 825329
	आर्यिका श्री नंदीश्वरमति माताजी	आचार्य श्री भरतसागरजी महाराज अक्षय जैन9468593870	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर चोमुबाग जयपुर राजस्थान
	गणिनी आर्यिका सरस्वती माताजी	आचार्य सन्मतिसागरजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर निर्भय एनक्लेव बड़ागांव रोड़ रेलवे स्टेशन खेकड़ा जिला बागपत (उ.प्र.)
	गणिनी आर्यिकाश्री सुविश्वासमति माताजी	आचार्य श्री सन्मतिसागरजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर घाट की गुणी खानिया जयपुर राजस्थान
✲	आर्यिकाश्री नेमिमति माताजी		
✲	गणिनी आर्यिका सुविवेकमती माताजी		

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
✲	**आर्यिकाएँ** आर्यिकाश्री आगममति माताजी		
	आर्यिका श्री गंभीरमति माताजी आर्यिका श्री गरिमामति माताजी आर्यिकाश्री त्यागमति माताजी आर्यिकाश्री दयांशुमति माताजी आर्यिकाश्री विख्यातमति माताजी आर्यिका श्री चंदनमति माताजी आर्यिकाश्री रतनमति माताजी	आर्यिकाश्री सुपार्श्वमति माताजी आर्यिकाश्री सुपार्श्वमति माताजी आर्यिकाश्री गंभीरमति माताजी आर्यिकाश्री गंभीरमति माताजी आर्यिकाश्री गंभीरमति माताजी आर्यिकाश्री गंभीरमति माताजी आर्यिकाश्री गंभीरमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर डीमापुर नागालैंड
✲	आर्यिकाश्री विजयप्रभामति माताजी आर्यिका श्री नम्रश्री माताजी	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज	
✲	आर्यिकाश्री कुलभूषणमती माताजी आर्यिका श्री कीर्तिमति माताजी	आचार्यश्री केशवनंदी जी महाराज आचार्यश्री सुमतिसागरजी महाराज	
✲	आर्यिकाश्री शिवमति माताजी आर्यिकाश्री निर्मलमती माताजी क्षुल्लिकाश्री अमरज्योति माताजी	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका सुपार्श्वमती माताजी आर्यिका श्री जिनवाणी माताजी	
✲	आर्यिकाश्री सक्षममती माताजी	आर्यिकाश्री सर्वज्ञश्री माताजी	
	आर्यिका श्री सृष्टिमति माताजी	आचार्य श्री श्रेयांससागरजी महाराज	
	आर्यिका श्री श्रुतमति माताजी आर्यिका श्री सुबोधमति माताजी	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका आदिमति माताजी	
✲	आर्यिकाश्री श्रुतमति माताजी आर्यिकाश्री निवृत्तामति माताजी		
✲	आर्यिका कीर्तिश्री माताजी आर्यिका श्री सुनंदामति माताजी आर्यिका श्री मोक्षमति माताजी	आचार्यश्री कुंथु सागरजी महाराज आचार्य श्री सुबाहुसागरजी महाराज आचार्य श्री तीर्थनंदी जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मांगीतुंगी तह. सटाणा जिला नासिक महाराष्ट्र
	एलक एलकश्री विजयभूषणजी महाराज एलक श्री गौशलसागरजी महाराज	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज मुनिश्री सम्मेदसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बंथलालोनी उ.प्र. श्री दिगम्बर जैन मंदिर बंडील पश्चिम बंगाल मो. 7003924710
✲	**क्षुल्लक** क्षुल्लक श्री सुदर्शनसागर जी महाराज	आचार्य श्री शिवसागर जी महाराज	
	क्षुल्लकश्री तपसागरजी महाराज	आचार्य अभिनंदनसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र अजितनाथ मंदिर के पीछे मधुवन सम्मेदशिखर जिला गिरिडीह झारखंड 825329
	क्षुल्लकश्री यत्नकीर्ति जी महाराज	आचार्यश्री कीर्तिसागरजी महाराज	
	क्षुल्लक श्री महोदयसागरजी महाराज		श्री दिगम्बर जैन मंदिर धरियावद राजस्थान
✲	**क्षुल्लिकाएँ** क्षुल्लिका चंद्रमति माताजी	आचार्यश्री भरतसागरजी महाराज मो. 9427541210	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मांगतुंगगिरि धार (म.प्र.)
	क्षुल्लिका सरलमति माताजी	आचार्य सिद्धांतसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशयक्षेत्र करगुंवा झांसी (उ.प्र.)

वर्ष 2005 से वर्ष 2024 तक साधनारत श्रमण श्रमणियों का सांख्यिकिय विश्लेषण

वर्ष	पट्टाचार्य	गणाचार्य	गणा–चार्य	आचार्य	बालाचार्य	ऐलाचार्य	आचार्य कल्प	उपाध्याय	स्थविर	गणधर	प्रवर्तक	पाठक	निर्यापक श्रमण	मुनिराज	गणिनी आर्यिकाएँ	आर्यिकाएँ	एलक	क्षुल्लक	क्षुल्लिकाएँ	योग
2006	–	–	–	57	1	3	–	13	–	–	–	–	–	355	10	418	32	102	83	1075
2007	–	–	–	70	1	2	–	18	–	–	–	–	–	398	14	408	31	93	93	1129
2008	–	–	–	66	1	3	–	15	–	–	–	–	–	340	19	405	43	100	78	1070
2009	–	–	–	65	1	5	–	12	–	–	–	–	–	361	30	426	38	110	93	1141
2010	–	–	–	71	4	6	–	18	–	–	–	–	–	385	21	458	50	142	109	1266
2011	–	–	–	77	8	1	–	15	–	–	–	–	–	401	20	464	39	161	107	1295
2012	–	–	–	77	3	14	–	16	–	–	–	–	–	399	21	468	30	150	117	1295
2013	–	–	–	78	3	14	–	15	–	–	–	–	–	404	22	507	36	143	128	1350
2014	–	–	–	85	4	10	–	15	–	–	–	–	–	434	22	534	30	165	173	1472
2015	–	–	–	97	4	9	–	11	–	–	–	–	–	466	27	512	30	183	180	1519
2016	–	–	–	104	4	7	–	9	–	–	–	–	–	455	33	519	28	168	170	1497
2017	–	–	–	95	5	7	–	8	–	–	–	–	–	437	37	527	28	142	174	1460
2018	–	–	–	97	6	7	–	9	–	–	–	–	–	485	55	530	28	145	176	1538
2019	–	–	–	95	4	4	–	9	–	–	–	–	–	480	60	520	28	150	170	1520
2020	–	–	–	106	4	6	–	9	–	–	–	–	–	472	41	427	26	120	179	1391.
2021	–	–	–	101	5	4	–	7	–	–	–	–	–	484	45	510	27	148	190	152
2022	–	–	–	107	3	4	–	8	–	–	–	–	13	486	51	513	20	205	191	1601
2023	–	1	2	114	3	2	–	15	1	1	1	–	12	511	54	601	23	225	228	1794
2024	–	1	1	110	4	5	–	16	1	1	2	–	12	535	55	619	25	230	238	1855
2025	2	1	1	110	2	5	1	18	1	1	2	1	13	535	55	632	48	191	233	1852

दीक्षाएँ

दिगम्बर जैन श्रमण परंपरागत दीक्षाएँ वर्ष 2024-2025

आषाढ़ शुक्ल चतुर्दशी, शनिवार, 20 जुलाई 2023, वी.नि.सं. 2550, विक्रम संवत 2081, से
(आषाढ़ शुक्ल चतुर्दशी,बुधवार, 09 जुलाई 2025, वी.नि.सं. 2551, विक्रम संवत् 2082, से
दौरान संपन्न दीक्षाएँ ज्ञात जानकारियों के आधार पर विवरण

क्र.	दीक्षा उपरांत नामकरण	दीक्षार्थी का नाम	दीक्षा दिनांक	दीक्षा स्थान	दीक्षा प्रदाता
01	मुनिश्री सरलसागरजी	ब्र.चन्द्रेश, अशोकनगर	21.07.2024	राजाखेड़ा धौलपुर	आचार्य श्री सुलभसागरजी
02	क्षुल्लिका श्री सुगुणश्री जी	श्री गुणमाला बड़जात्या जी	21.07.2024	णमोकारतीर्थ, महा.	आचार्य श्री देवनंदी जी
03	क्षुल्लिका श्री सुमणश्री जी	श्रीमती मैनाबाई जी	21.07.2024	णमोकारतीर्थ महा.	आचार्य श्री देवनंदीजी
04	मुनि श्री अध्यात्मकीर्तिजी	श्री अजित कासलीवाल जी	21.07.2024	णमोकारतीर्थ महा.	आचार्य श्री देवनंदी जी
05	एलक श्री धर्मदत्तसागरजी	क्षुल्लक श्री धर्मदत्तसागरजी	21.07.2024	राधेपुरी, कृष्णनगर	आचार्य श्री आदित्यसागरजी
06	आर्यिका श्री दर्शनभूषणजी	श्री तायव्याजी, तमरही	21.07.2024	अब्दुललाट कोल्हापुर	आचार्य श्री कुलरत्नभूषणजी
07	आर्यिका श्री ज्ञानभूषणमतिजी	श्री धुलप्पाजी, चौगुले	21.07.2024	अब्दुललाट कोल्हापुर	आचार्य श्री कुलरत्नभूषणजी
08	आर्यिकाश्री चारित्रभूषणमति	श्री मालुताईजी, सिरडवाड	21.07.2024	अब्दुललाट कोल्हापुर	आचार्य श्री कुलरत्नभूषणजी
09	आर्यिका श्री ज्ञाननिधिजी	ब्र. श्री संध्या दीदीजी, चितरी	22.07.2024	सांगली, महाराष्ट्र	आचार्य श्री सुयशगुप्तजी
10	आर्यिका श्री गुणनिधि जी	ब्र. श्री सुशीला दीदी, चितरी	22.07.2024	सांगली, महाराष्ट्र	आचार्य श्री सुयशगुप्तजी
11	आर्यिका श्री आर्षमती जी	ब्र. शोभा पहाड़े, महाराष्ट्र	22.07.2024	अयोध्या, उत्तरप्रदेश	ग. आयिका श्री ज्ञानमतिजी
12	आर्यिका श्री हर्षमती जी	ब्र. इन्दु दीदी, टिकैतनगर	22.07.2024	अयोध्या, उत्तरप्रदेश	ग. आयिका श्री ज्ञानमतिजी
13	आर्यिका श्री विनम्रमती जी	ब्र. अलका दीदी, टिकैतनगर	22.07.2024	अयोध्या, उत्तरप्रदेश	ग. आयिका श्री ज्ञानमतिजी
14	आर्यिका श्री अनंतमती जी	ब्र. श्रेया जैन, फिरोजाबाद	22.07.2024	अयोध्या, उत्तरप्रदेश	ग. आयिका श्री ज्ञानमतिजी
15	आर्यिका श्री विनीतमती जी	श्रीमती मधुबाला जैन, सनावद	22.07.2024	अयोध्या, उत्तरप्रदेश	ग. आयिका श्री ज्ञानमतिजी
16	क्षुल्लिका श्री भव्यमती जी	श्रीमती राजबाला जैन,दिल्ली	22.07.2024	अयोध्या, उत्तरप्रदेश	ग. आयिका श्री ज्ञानमतिजी
17	क्षुल्लिका श्री वैराग्यमतीजी	श्रीमती रेखा जैन, दिल्ली	22.07.2024	अयोध्या, उत्तरप्रदेश	ग. आयिका श्री ज्ञानमतिजी
18	क्षुल्लिका श्री सुज्ञानमति जी	श्रीमति मैनादेवी, बगड़ा कोटा	25.07.2024	नागौर, राजस्थान	आचार्य श्री चैत्यसागरजी
19	क्षुल्लक श्री श्रीपालनंदीजी	श्री नेमिचंद जी, दिल्ली	25.07.2024	मधुवन झारखंड	आचार्य श्री वैराग्यनंदीजी
20	आर्यिका श्री सर्वश्री जी	क्षुल्लिका श्री सर्वश्रीजी	25.07.2024	मधुवन झारखंड	आचार्य श्री वैराग्यनंदीजी
21	क्षुल्लक श्री सभ्यानंद जी	ब्र. ब्रताशीष जैन, बरेल उ.प्र.	28.07.2024	फिरोजाबाद उ.प्र.	आचार्य श्री वसुनंदी जी
22	क्षुल्लक श्री कृपानंद जी	ब्र. धर्मप्रकाश, अहमदाबाद	28.07.2024	फिरोजाबाद उ.प्र.	आचार्य श्री वसुनंदी जी
23	आर्यिका श्री निरंजनमति जी	क्षुल्लिका श्री श्रेयांशमति जी	31.07.2024	वीलवा, जयपुर	ग.आर्यिका श्री नंगमतिजी
24	क्षुल्लक श्री अजेयसागरजी	श्री नरेन्द्र जैन, इटारसी	11.08.2024	मधुवन झारखंड	आचार्य श्री विवेकसागरजी
25	क्षुल्लक श्री वाङ्मयसागरजी	पं. शिवचरणलाल जैन, मैनपुरी	19.08.2024	कुलचारम, तेलंगना	आचार्य श्री प्रसन्नसागरजी
26	एलक श्री सुधारसागरजी	क्षुल्लक श्री सुधारसागरजी	19.08.2024	रहली सागर	नि. मुनि श्री योगसागर जी
27	एलक श्री चैत्यसागरजी	क्षुल्लक श्री अपारसागरजी	19.08.2024	रहली सागर	नि. मुनि श्री योगसागर जी
28	एलकश्री तन्मयसागरजी	क्षुल्लक श्री तन्मयसागरजी	19.08.2024	रहली सागर	नि. मुनि श्री योगसागर जी
29	एलक श्री स्वागतसागरजी	क्षुल्लक श्री स्वागतसागरजी	19.08.2024	रहली सागर	नि. मुनि श्री योगसागर जी
30	एलक श्री आगतसागरजी	क्षुल्लक श्री आगतसागरजी	19.08.2024	रहली सागर	नि. मुनि श्री योगसागर जी
31	एलक श्री भारतसागरजी	क्षुल्लक श्री भारतसागरजी	19.08.2024	रहली सागर	नि. मुनि श्री योगसागर जी
32	मुनि श्री शुभइन्दरसागरजी	डी.के. जैन नोएडा दिल्ली	21.08.2024	नोएडा सेक्टर 50	आचार्य श्री सौभाग्यसागरजी
33	आर्यिका श्री गुणनंदिनी जी	क्षुल्लिका गुणनंदिनी माताजी	21.08.2024	मुरैना	मुनि श्री शिवानंदसागरजी
34	क्षुल्लकश्री आर्यनंदी जी	ब्र. अनुभव भैया, बड़ागांव	22.08.2024	कुंथुगिरि महाराष्ट्र	आचार्य श्री कुंथुसागरजी
35	मुनि श्री वाङ्मयसागर जी	क्षुल्लक श्री वाङ्मयसागरजी	28.08.2024	कुलचारम तेलंगाना	आचार्य श्री प्रसन्नसागरजी
36	आर्यिका विलक्षणमति माताजी	ब्र. श्री मुन्नीदेवी जैन	25.08.2024	वीलवा जयपुर	ग. आर्यिका श्री नंगमति जी
37	क्षुल्लिका श्री सुजानश्री जी	श्रीमती मैनादेवी बगड़ाजी, राज.	25.08.2024	नागौर, राजस्थान	आचार्य श्री चैत्यसागरजी
38	मुनिश्री शंसागर जी	क्षुल्लक श्री शंसागरजी	06.09.2024	मुम्बई	आचार्य श्री विभवसागरजी
39	मुनि श्री प्रणितसागरजी	ब्र. श्री प्रदीप भैया, राज	06.09.2024	पारसोना प्रतापगढ़	आचार्य श्री वर्धमानसागरजी

40	आर्यिका श्री प्रेक्षामतिजी	ब्र.. श्रीमति शकुन्तला, धरियावद	06.09.2024	पारसोना प्रतापगढ़	आचार्य श्री वर्धमानसागरजी
41	क्षुल्लक श्री प्राप्तसागरजी	श्री दिलीप जी, अलास	06.09.2024	पारसोना प्रतापगढ़	आचार्य श्री वर्धमानसागरजी
42	आर्यिका श्री अचिन्त्यमतिजी	श्रीमती कमलादेवी जैन, महाराष्ट्र	14.09.2024	फिरोजाबाद	मुनि श्री अमितसागरजी
43	आर्यिका श्री चन्द्रजिनश्री जी	श्रीमती कुसुम शाहा जी, महाराष्ट्र	21.09.2024	बारामती पुणे	आचार्य श्री प्रणामसागरजी
44	क्षुल्लक श्री शुभक्रियासागरजी	श्री जवाहर लाल जैन, दिल्ली		नोएडा उ.प्र.	आचार्य श्री सौभाग्यसागरजी
45	मुनि श्री शुभक्रियासागरजी	क्षुल्लक श्री शुभक्रिया सागरजी	04.10.2024	नोएडा उ.प्र.	आचार्य श्री सौभाग्यसागरजी
46	क्षुल्लिका श्री आराधनाश्री	ब्र. पुष्पा जी	10.10.2024	नागपुर महाराष्ट्र	मुनि श्री आचरण सागरजी
47	मुनि श्री विलक्ष्यसागरजी	ब्र. मुकेश भैया जी	11.10.2024	झांसी उ.प्र.	आचार्य श्री विशदसागरजी
48	मुनि श्री शिखरहर्षसागरजी	श्री हरिशचंद जी इंदौर	12.10.2024	मुधवन झारखंड	आचार्य श्री विहर्षसागरजी
49	मुनि श्री सिद्धहर्षसागरजी	ब्र. संजय भैया, बैरसिया	12.10.2024	मुधवन झारखंड	आचार्य श्री विहर्षसागरजी
50	मुनि श्री सर्वहर्षसागरजी	रितिक भैया, भिण्ड	12.10.2024	मुधवन झारखंड	आचार्य श्री विहर्षसागरजी
51	मुनि श्री स्वर्णहर्षसागरजी	क्षुल्लक श्री गंभीरसागरजी	12.10.2024	मुधवन झारखंड	आचार्य श्री विहर्षसागरजी
52	मुनि श्री सुहर्षसागरजी	क्षुल्लक श्री सुतपसागरजी	12.10.2024	मुधवन झारखंड	आचार्य श्री विहर्षसागरजी
53	आर्यिका श्री सिद्धांतमति जी	क्षुल्लिका सुस्वरमति माताजी	12.10.2024	मुधवन झारखंड	ग. आर्यिका श्री शुभमति जी
54	आर्यिका श्री अमृतश्री जी	सुनीता दीदी, भिण्ड	12.10.2024	मुधवन झारखंड	आचार्य श्री विहर्षसागरजी
55	आर्यिका श्री मौलीहर्ष जी	प्रियंका दीदी, भिण्ड	12.10.2024	मुधवन झारखंड	आचार्य श्री विहर्षसागरजी
56	आर्यिका श्री निधिहर्षजी	शोभा दीदी, गुडगांव	12.10.2024	मुधवन झारखंड	आचार्य श्री विहर्षसागरजी
57	आर्यिका श्री विजयहर्षश्री जी	नीतू दीदी, बीना	12.10.2024	मुधवन झारखंड	आचार्य श्री विहर्षसागरजी
58	एलक श्री नमनहर्षसागरजी	राहुल भैया, ग्वालियर	12.10.2024	मुधवन झारखंड	आचार्य श्री विहर्षसागरजी
59	क्षुल्लक श्री बोधिहर्षसागरजी	सुनील सेठी, इंदौर	12.10.2024	मुधवन झारखंड	आचार्य श्री विहर्षसागरजी
60	क्षुल्लक श्री कृपाहर्षसागरजी	सुरजमल जी, भिण्ड	12.10.2024	मुधवन झारखंड	आचार्य श्री विहर्षसागरजी
61	क्षुल्लिका श्री बिदुहर्षश्री जी	चंपा देवी, शिखरजी	12.10.2024	मुधवन झारखंड	आचार्य श्री विहर्षसागरजी
62	क्षुल्लिका श्री गोडहर्ष श्री जी	भगवान देवी, शिखरजी	12.10.2024	मुधवन झारखंड	आचार्य श्री विहर्षसागरजी
63	एलक श्री शान्तनुसागरजी	क्षुल्लक श्री संकल्पसागरजी	13.10.2024	मदनगंज किशनगढ़	आचार्य श्री सुनीलसागरजी
64	क्षुल्लक श्री सुरत्नसागरजी	ब्र. श्री रतनलाल सोनी जी, राज.	13.10.2024	मदनगंज किशनगढ़	आचार्य श्री सुनीलसागरजी
65	क्षुल्लक श्री सुपुण्यसागरजी	श्री पन्नालाल जैन, धमाना राज.	13.10.2024	मदनगंज किशनगढ़	आचार्य श्री सुनीलसागरजी
66	क्षुल्लक श्री सुकान्तसागरजी	श्री रजनीकांत जी शाह, महाराष्ट्र	13.10.2024	मदनगंज किशनगढ़	आचार्य श्री सुनीलसागरजी
67	क्षुल्लिका श्री अलिप्तमतिजी	श्रीमती ललितादेवी जैन, राज.	13.10.2024	मदनगंज किशनगढ़	आचार्य श्री सुनीलसागरजी
68	मुनि श्री शुभचंदसागरजी	ब्र. अशोक भैया जी	17.10.2024	नोएडा सेक्टर 27 उ.प्र.	आचार्य श्री सौभाग्यसागरजी
69	आर्यिका श्री शुभचिंतनमति जी	क्षुल्लिका श्री शुभमार्गमति जी	17.10.2024	नोएडा सेक्टर 27 उ.प्र.	आचार्य श्री सौभाग्यसागरजी
70	आर्यिका शुभचर्यामति माताजी	ब्र. साधना दीदी जी	17.10.2024	नोएडा सेक्टर 27 उ.प्र.	आचार्य श्री सौभाग्यसागरजी
71	मुनिश्री अर्हमसागर जी	क्षुल्लक श्री अर्हमसागरजी	17.10.2024	समडोली महाराष्ट्र	आचार्य श्री अनेकांतसागरजी
72	मुनि श्री विवर्जितसागरजी	श्री प्रेमकुमार जैन, बूंदी राज.	21.10.2024	पारसोला राज.	आचार्य श्री वर्धमानसागरजी
73	आर्यिका श्री भव्याभूषण जी	क्षुल्लिका भव्याभूषण जी	22.10.2024	हस्तिनापुर उ.प्र.	आचार्य श्री भारतभूषण जी
74	आर्यिका श्री सुज्ञानमति जी	क्षुल्लिका श्री सुज्ञानमति जी	30.10.2024	नागौर, राजस्थान	आचार्य श्री चैत्यसागरजी
75	आर्यिका श्री विनेयश्री जी	श्रीमति हंसादेवी जै, भिण्ड	14.11.2024	भिण्ड म.प्र.	मुनि श्री विनयसागरजी
76	आर्यिका श्री विमर्शिताश्री	बा.ब्र. विशुदी दीदी, उ.प्र.	15.11.2024	कृष्णानगर दिल्ली	आचार्य श्री विमर्शसागरजी
77	आर्यिका श्री विहर्शिता श्री जी	बा.ब्र. नेहा दीदी	15.11.2024	कृष्णानगर दिल्ली	आचार्य श्री विमर्शसागरजी
78	आर्यिका श्री विदर्शिता श्री जी	बा.ब्र. रिया दीदी, कोलारस	15.11.2024	कृष्णानगर दिल्ली	आचार्य श्री विमर्शसागरजी
79	आर्यिका श्री विवन्दिताश्री जी	बा.ब्र. महिमा दीदी, टीकमगढ़	15.11.2024	कृष्णानगर दिल्ली	आचार्य श्री विमर्शसागरजी
80	आार्यिका श्री विनन्दिताश्री जी	बा.ब्र. गुंजन दीदी	15.11.2024	कृष्णानगर दिल्ली	आचार्य श्री विमर्शसागरजी
81	आर्यिका श्री विपर्शिता श्री जी	बा.ब्र. ज्योति दीदी, टीकमगढ़	15.11.2024	कृष्णानगर दिल्ली	आचार्य श्री विमर्शसागरजी
82	आर्यिका श्री विज्ञर्शिता श्री जी	बा.ब्र. सोनाली दीदी, खरगापुर	15.11.2024	कृष्णानगर दिल्ली	आचार्य श्री विमर्शसागरजी
83	आर्यिका श्री विदीपिता श्री जी	बा.ब्र.दीपा दीदी, शिवपुरी	15.11.2024	कृष्णानगर दिल्ली	आचार्य श्री विमर्शसागरजी
84	आर्यिका श्री विवर्षिता श्री जी	बा.ब्र. प्रतीज्ञा दीदी, उ.प्र.	15.11.2024	कृष्णानगर दिल्ली	आचार्य श्री विमर्शसागरजी
85	क्षुल्लक श्री विश्वाग्रसागरजी	बा.ब्र.प्रदीप भैया, गाजियाबाद	15.11.2024	कृष्णानगर दिल्ली	आचार्य श्री विमर्शसागरजी
86	क्षुल्लिका श्री विमोचिताश्रीजी	बा.ब्र. मित्रवत्री दीदी, शिवपुरी	15.11.2024	कृष्णानगर दिल्ली	आचार्य श्री विमर्शसागरजी

87	क्षुल्लिकाश्री विरोचिता श्रीजी	ब्र. रीता दीदी, गाजियाबाद	15.11.2024	कृष्णानगर दिल्ली	आचार्य श्री विमर्शसागरजी
88	क्षुल्लिका श्री विकर्षिता श्रीजी	ब्र. श्री सृष्टि दीदी, अशोकनगर	15.11.2024	कृष्णानगर दिल्ली	आचार्य श्री विमर्शसागरजी
89	क्षुल्लिका श्री सुबोधमती जी	श्रीमती विमला पाटनी रतलाम	17.11.2024	कुशलगढ़ बांसवाडा	मुनि श्री सुमंत्रसागरजी
90	मुनि श्री दीक्षासागरजी	श्री जिनेन्द्र कुमार जैन, सागर	23.11.2024	बण्डाबेलई, सागर	आचार्य श्री दयासागरजी
91	मुनि श्री दर्शनसागरजी		29.11.2024	सुसनेर आगर मालवा	
92	आर्यिका श्री जिनेशमती जी	श्रीमती विमलादेवी, गुवाहटी	05.12.2024	पारसोला प्रतापगढ़	आचार्य श्री वर्धमानसागरजी
93	क्षुल्लक अध्ययनसागरजी	मनोज भैया, बिलोन उ.प्र.	08.12.2024	हरिद्वार	आचार्य श्री सौभाग्यसागरजी
94	मुनि श्री अनंतसागरजी	एलक श्री आनंदसागरजी	19.01.2025	जनकपुरी दिल्ली	आचार्य श्री विनीतसागरजी
95	आर्यिकाश्री विश्वनीता श्री जी	क्षुल्लिका श्री विश्वनीता श्री	06.01.2025	विरागोदय पथरिया	ग. मुनि श्री विवर्धनसागरजी
96	आर्यिका श्री शांतिसमाधि	क्षुल्लिका शान्तिभूषणजी	19.01.2025	रोहिणी सेक्टर 11	ग. आर्यिका श्री सरस्वती जी
97	मुनि श्री वीरगुप्तजी महाराज	ब्र. श्री निर्मल पाटनी जी	19.01.2025	कृष्णानगर दिल्ली	आचार्य श्री गुप्तिनंदी जी महा.
98	क्षुल्लिका श्री नित्यमति जी	ब्र. सावित्री अम्मा जी	19.01.2025	कृष्णानगर दिल्ली	आचार्य श्री गुणधरनंदी जी महा
99	आर्यिका श्री सुज्ञानमति जी	ब्र. अनीता दीदी	20.01.2025	बडागांव उत्तरप्रदेश	आचार्य श्री ज्ञेयसागरजी
100	आर्यिका श्री दयामति जी	ब्र. मंजुला दीदी, मुरैना	20.01.2025	बडागांव उत्तरप्रदेश	आचार्य श्री ज्ञेयसागरजी
101	आर्यिका श्री दर्शनमति जी	ब्र. श्री चारू चक्रेश दीदी	20.01.2025	बडागांव उत्तरप्रदेश	आचार्य श्री ज्ञेयसागरजी
102	क्षुल्लिका विकसितश्री माता	श्रीमती रामबेटी जैन,समसाबाद	24.01.2025	समसाबाद आगरा	आचार्य श्री विकसंतसागरजी
103	आर्यिका पर्वश्री माताजी	क्षुल्लिका पर्वश्री माताजी	12.02.2025		ग. आर्यिका विध्यंश्री माताजी
104	एलक श्री औचित्यसागरजी	क्षुल्लक श्री औचित्यसागरजी	30.03.2025	कुण्डलपुर दमोह	आचार्य श्री समयसागरजी
105	एलक श्री गहनसागरजी	क्षुल्लक श्री गहनसागरजी	30.03.2025	कुण्डलपुर दमोह	आचार्य श्री समयसागरजी
106	एलक श्री कैवल्यसागरजी	क्षुल्लक श्री सुदृढ़सागर जी	30.03.2025	कुण्डलपुर दमोह	आचार्य श्री समयसागरजी
107	एलक श्री सुदृढ़सागरजी	क्षुल्लक श्री सुदृढ़सागरजी	30.03.2025	कुण्डलपुर दमोह	आचार्य श्री समयसागरजी
108	एलक श्री समुचितसागरजी	क्षुल्लक श्री समुचितसागरजी	30.03.2025	कुण्डलपुर दमोह	आचार्य श्री समयसागरजी
109	एलक श्री उचितसागरजी	क्षुल्लक श्री उचितसागरजी	30.03.2025	कुण्डलपुर दमोह	आचार्य श्री समयसागरजी
110	एलक श्री अथाहसागरजी	क्षुल्लक श्री अथाहसागरजी	30.03.2025	कुण्डलपुर दमोह	आचार्य श्री समयसागरजी
111	एलक श्री उत्साहसागरजी	क्षुल्लक श्री उत्साहसागरजी	30.03.2025	कुण्डलपुर दमोह	आचार्य श्री समयसागरजी
112	एलक श्री अमापसागरजी	क्षुल्लक श्री अमापसागरजी	30.03.2025	कुण्डलपुर दमोह	आचार्य श्री समयसागरजी
113	एलक श्री उद्यमसागरजी	क्षुल्लक श्री उद्यमसागरजी	30.03.2025	कुण्डलपुर दमोह	आचार्य श्री समयसागरजी
114	एलक श्री गरिष्ठसागरजी	क्षुल्लक श्री गरिष्ठसागरजी	30.03.2025	कुण्डलपुर दमोह	आचार्य श्री समयसागरजी
115	एलक श्री गौरवसागरजी	क्षुल्लक श्री गौरवसागरजी	30.03.2025	कुण्डलपुर दमोह	आचार्य श्री समयसागरजी
116	एलक श्री आनंदसागरजी	ब्र. राजू भैया जी	23.02.2025	शाहदरा, दिल्ली	आचार्यश्री आदित्यसागरजी
117	मुनि श्रीविश्वबंधुसागरजी	क्षुल्लक श्री विश्वबंधुसागरजी	23.02.2025	धूलिया, महाराष्ट्र	ग. मुनि श्री विवर्धनसागरजी
118	मुनि श्री नियोगसागरजी	बा.ब्र. श्री अंकुर भैया	02.03.2025	शिरसाड महाराष्ट्र	आचार्य श्री विशुद्धसागरजी
119	मुनि श्री अनुयोग सागरजी	बा.ब्र. मयंक भैया जी	02.03.2025	शिरसाड महाराष्ट्र	आचार्य श्री विशुद्धसागरजी
120	क्षुल्लक श्री विनियोग सागरजी	ब्र. गणेशीलाल जैन, गुनौर	02.03.2025	शिरसाड महाराष्ट्र	आचार्य श्री विशुद्धसागरजी
121	क्षुल्लक श्री परमयोगसागरजी	ब्र. यशवंत भैया, राजस्थान	02.03.2025	शिरसाड महाराष्ट्र	आचार्य श्री विशुद्धसागरजी
122	क्षुल्लक श्री साम्ययोगसागरजी	ब्र. अनिल भैया, असम	02.03.2025	शिरसाड महाराष्ट्र	आचार्य श्री विशुद्धसागरजी
123	क्षुल्लक श्री दिव्यतीर्थ जी	ब्र. देवेन्द्र भैया, गुजरात	02.03.2025	कोटा, राजस्थान	आचार्य श्री प्रज्ञासागरजी
124	क्षुल्लिका श्री असीमप्रज्ञा जी	ब्र. मीना दीदी, उज्जैन	02.03.2025	कोटा, राजस्थान	आचार्य श्री प्रज्ञासागरजी
125	क्षुल्लिका श्री अनन्तप्रज्ञा जी	ब्र. श्री प्रेमलता जी, इंदौर	02.03.2025	कोटा, राजस्थान	आचार्य श्री प्रज्ञासागरजी
126	एलक श्री हर्षसागरजी	ब्र. श्री झमकलाल जी	09.03.2025	धरियावद प्रतापगढ़	आचार्य श्री वर्धमानसागर
127	आर्यिका श्री दिव्यमति जी	ब्र. ममता दीदी, गुवाहटी	16.03.2025	बण्डाबेलई सागर	आचार्य श्री दयासागरजी
128	मुनि श्री भावसागरजी	ब्र. श्री अमित जैन, बुढ़ार	16.03.2025	अयोध्या उत्तरप्रदेश	आचार्य श्री भद्रबाहुतसागरजी
129	मुनि श्री शुद्धानन्द जी महाराज	एलक श्री दयानंद जी	30.03.2025	पदमपुरा जयपुर	आचार्य श्री वसुनंदी जी
130	क्षुल्लक श्री प्रबुद्धानंद जी	ब्र. श्री सहजप्रकाश जी	30.03.2025	पदमपुरा जयपुर	आचार्य श्री वसुनंदी जी
131	आर्यिका विपथ श्री	क्षुल्लिका श्री विपथश्री जी	30.03.2025	पदमपुरा जयपुर	ग. आर्यिकाश्री विशिष्टश्री जी
132	आर्यिका श्री विजयतिश्री जी	ब्र. जयश्री देवी जी, छतरपुर	30.03.2025	पदमपुरा जयपुर	ग. आर्यिकाश्री विशिष्टश्री जी
133	आर्यिका श्री सौम्यामती जी	बा.ब्र. दीक्षा दीदी	10.04.2025	स्टेट बैक, दिल्ली	आचार्य श्री सौभाग्यसागरजी
134	क्षुल्लक श्री श्रीमन्तसागरजी	ब्र. श्री अरविंद जी, गांधी गुजरात	10.04.2025	ईडर गुजरात	आचार्य श्री सुनीलसागरजी

135	क्षुल्लक श्री श्रीमद्सागरजी	मन्नू भाई शाह, तलोद	10.04.2025	ईडर गुजरात	आचार्य श्री सुनीलसागरजी
136	क्षुल्लिका सुनम्रमती जी	कांता बहन, टाका डुबरा,गुजरात	10.04.2025	ईडर गुजरात	आचार्य श्री सुनीलसागरजी
137	क्षुल्लिका श्री सुमैत्री जी	ताराबाई, बासवाडा, राजस्थान	10.04.2025	ईडर गुजरात	आचार्य श्री सुनीलसागरजी
138	मुनि श्री विपिनसागरजी	एलक श्री विपिनसागरजी	11.04.2025	इंदौर (म.प्र.)	आचार्य श्री विशदसागरजी
139	मुनि श्री ध्योयसगरजी	ब्र. राजेश भैया, राजस्थान	20.04.2025	बही पार्श्वनाथ मंदसौर	आचार्य श्री वर्धमानसागरजी
140	मुनि श्री भुवनसागरजी	श्री सुरेश शाह, जयपुर	20.04.2025	बही पार्श्वनाथ मंदसौर	आचार्य श्री वर्धमानसागरजी
141	क्षुल्लिका श्री शुभअवसरजी	ब्र. देवकी दीदी	20.04.2025	पश्चिम बिहार, दिल्ली	आचार्य श्री सौभाग्यसागरजी
142	आर्यिका श्री प्रशांतनंदिनीजी	बा.ब्र. सौम्या दीदी, बम्हौरी	23.04.2025	अजमेर राजस्थान	आचार्य श्री वसुनंदी जी
143	आर्यिका श्री प्रशस्तनंदिनीजी	बा.ब्र.प्रज्ञा दीदी, राजस्थान	23.04.2025	अजमेर राजस्थान	आचार्य श्री वसुनंदी जी
144	आर्यिका श्री स्वभावनंदिनीजी	बा.ब्र.गुणज्ञा दीदी, राजस्थान	23.04.2025	अजमेर राजस्थान	आचार्य श्री वसुनंदी जी
145	क्षुल्लिका श्री बोधिनंदिनी जी	बा.ब्र. सुविज्ञा दीदी,फिरोजाबाद	23.04.2025	अजमेर राजस्थान	आचार्य श्री वसुनंदी जी
146	क्षुल्लिका श्री सरलनंदिनीजी	ब्र. धर्मप्रभा दीदी, मुंबई	23.04.2025	अजमेर राजस्थान	आचार्य श्री वसुनंदी जी
147	क्षुल्लिका श्री विश्वासनंदिनी	ब्र. विनयप्रभा दीदी, बम्हौरी	23.04.2025	अजमेर राजस्थान	आचार्य श्री वसुनंदी जी
148	मुनिश्री विश्वतीर्णसागरजी	क्षुल्लक विश्वतीर्णसागरजी	01.05.2025	सुमतिधाम इंदौर	आचार्य श्री विशुद्धसागरजी
149	क्षुल्लकश्री विप्रज्ञसागरजी	ब्र. राकेश जैन, मडावरा	08.05.2025	इंदौर (म.प्र.)	मुनि श्री सुप्रभसागरजी
150	मुनि श्री निर्मलनंदी जी	क्षुल्लक श्री निर्मलनंदी जी	23.04.2025	अजमेर, राजस्थान	आचार्य श्री इन्द्रनंदी जी महा.
151	मुनि श्री नाभिनंदी जी	ब्र. महेन्द्र जैन, राजस्थान	23.04.2025	अजमेर, राजस्थान	आचार्य श्री इन्द्रनंदी जी महा.
152	आर्यिका सद्भावनामति जी	क्षुल्लिका श्री सुहितमति जी	28.05.2025	मधुवन गिरीडीह	ग. आर्यिका श्री शुभमति जी
153	आर्यिका सौरभमति माताजी	क्षुल्लिका श्री सुविशालमति जी	28.05.2025	मधुवन गिरीडीह	ग. आर्यिका श्री शुभमति जी
154	क्षुल्लिका समकितमति जी	श्री शशिप्रभा दीदीजी	28.05.2025	मधुवन गिरीडीह	ग. आर्यिका श्री शुभमति जी
155	क्षुल्लिका भव्यमति जी	श्री गेन्दाबाईजी	28.05.2025	मधुवन गिरीडीह	ग. आर्यिका श्री शुभमति जी
156	क्षुल्लिका समतामति जी	श्री सुलोचना दीदीजी	28.05.2025	मधुवन गिरीडीह	ग. आर्यिका श्री शुभमति जी
157	एलक श्री वैराग्यसागर जी	क्षुल्लक श्री वैराग्यसागरजी	30.05.2025	राघौगढ़ गुना	मुनि श्री विषदसागरजी
158	क्षुल्लक श्री अध्यात्मसागर	प्रदीप जैन, अहमदाबाद	08.07.2025	अहमदाबाद	आचार्य श्री सुनीलसागरजी
159	मुनिश्री अध्यात्मसागरजी	क्षुल्लक श्री अध्यातमसागरजी	12.07.2025	अहमदाबाद	आचार्य श्री सुनीलसागरजी

दीक्षाएँ

दिगम्बर जैन श्रमण परंपरागत दीक्षाएँ वर्ष 2023-2024

12 जुलाई 2023, श्री 20 जुलाई 2024 के बीच की विगत वर्ष की सूची में जिनका उल्लेख नहीं हो पाया था, इनका विवरण

क्र.	दीक्षा उपरांत नामकरण	दीक्षार्थी का नाम	दीक्षा दिनांक	दीक्षा स्थान	दीक्षा प्रदाता
01	मुनि श्री अक्षोभसागरजी	क्षुल्लक श्री अक्षोभसागरजी			आचार्य श्री सुबलसागरजी
02	मुनि श्री विराटसागरजी	श्री विद्याधर पाटील, महाराष्ट्र	12.06.2024	निमसिर कोल्हापुर	आचार्य श्री वर्धमानसागरजी
03	मुनि श्री अनेकांतसागरजी	श्री राजकुमार जैन, बीना	12.06.2024	निमसिर कोल्हापुर	आचार्य श्री वर्धमानसागरजी
04	आर्यिका श्री भरतभूषण जी	श्रीमती मेमोवती जैन गाजियाबाद	20.02.2024		आचार्य श्री भारतभूषण जी
05	क्षुल्लक श्री शुभक्रियासागरजी	श्री जवाहरलाल जैन, कामां		सेक्टर 23 नोएडा	आचार्य श्री सौभाग्यसागरजी

समाधिमरण

दिगम्बर जैन श्रमण परंपरागत साधकों का समाधिमरण- वर्ष 2024-2025

आषाढ़ शुक्ल चतुर्दशी, शनिवार, 20 जुलाई 2024, वी.नि.सं. 2550, विक्रम संवत 2081, से (आषाढ़ शुक्ल चतुर्दशी, बुधवार, 09 जुलाई 2025, वी.नि.सं. 2551, विक्रम संवत् 2082, के दौरान संपन्न समाधियाँ ज्ञात जानकारियों के आधार पर विवरण

क्र.	समाधिमरण साधक नाम	समाधिमरण का स्थान	समाधिमरण दिनांक	समाधिकर्ता के गुरु	निर्यापक/सान्निध्य
01	आर्यिका श्री विश्वासमश्री जी	कटक, ओडिशा	30.07.2024	आर्यिका श्री विदुषी श्री जी	आर्यिका श्री विदुषी श्री जी
02	क्षुल्लक श्री समकितसागरजी	दयोदय तीर्थ, जबलपुर	01.08.2024	आचार्य श्री विद्यासागरजी	क्षुल्लक महाराज संघ
03	आर्यिका श्री निरंजनमती जी	बीलवा जयपुर, राज.	02.08.2024	ग. आर्यिका श्री नंगमतीजी	ग. आर्यिका श्री नंगमतीजी
04	मुनि श्री क्षमानंदी जी	डिग्गी टोंक राजस्थान	04.08.2024	आचार्य श्री श्रुतनंदी जी	आचार्य श्री इंद्रनंदी जी
05	क्षुल्लक श्री चिंतनसागरजी	सिद्धोदय तीर्थ, नेमावर	12.08.2024	आचार्य श्री विद्यासागर जी	निर्यापक मुनि श्री वीरसागरजी
06	आर्यिका श्री गुणनंदिनी जी	मुरैना, म.प्र.	21.08.2024	मुनि श्री शिवानंद जी	मुनि श्री शिवानंद जी
07	मुनि श्री शुभइन्द्रसागरजी	सेक्टर 27 नोएडा उ.प्र.	22.08.2024	आचार्य श्री सौभाग्यसागरजी	आचार्य श्री सौभाग्यसागरजी
08	क्षुल्लिका श्री सुसंयममतिजी		04.09.2024	आर्यिका श्री श्रुतमतीजी	आर्यिका श्री श्रुतमतीजी
09	मुनि श्री शंसागरजी महाराज	मुम्बई	08.09.2024	आचार्य श्री विभवसागरजी	आचार्य श्री विभवसागरजी
10	मुनि श्री शंसतार जी महाराज	बोरीबली, मुंबई	09.09.2024	आचार्य श्री विभवसागरजी	आचार्य श्री विभवसागरजी
11	मुनि श्री वाङ्मयसागरजी	कुलचारम, तेलंगाना	09.09.2024	आचार्य श्री प्रसन्नसागरजी	आचार्य श्री प्रसन्नसागरजी
12	आर्यिका श्री सुधीरमति जी	नसलापुर बेलगांवी	00.09.2024	आर्यिका श्री सुयोग्यमतीजी	आर्यिका श्री सुयोग्यमती जी
13	मुनि श्री विश्वधीरसागरजी	अरिहंतनगर, औरंगाबाद	16.09.2024	आचार्य श्री विरागसागरजी	स्थावर मुनिश्री विहितसागरजी
14	मुनि श्री विश्वधीरसागरजी	अरिहंतनगर, औरंगाबाद	16.09.2024	आचार्य श्री विरागसागरजी	स्थावर मुनिश्री विहितसागरजी
15	आर्यिका श्री चन्द्रजिनश्री जी	बारामती पुणे, महाराष्ट्र	21.09.2024	आचार्य श्री प्रणामसागरजी	आचार्य श्री प्रणामसागरजी
16	आर्यिका श्री सुकुन्दमति जी	पोन्नूरमलई	22.09.2024	आर्यिका श्री सुविधिमति जी	आचार्य श्री सुविधिसागरजी
17	मुनि श्री अविचारसागरजी	फिरोजाबाद, उत्तरप्रदेश	22.09.2024	मुनि श्री अमितसागरजी	मुनि श्री अमितसागरजी
18	आर्यिका श्री क्षमानंदिनी जी	फिरोजाबाद, उत्तरप्रदेश	25.09.2024	आचार्य श्री वसुंनदी जी	आचार्य श्री वसुनंदीजी
19	आर्यिका श्री भव्याभूषण श्री जी	हस्तिनापुर मेरठ	25.09.2024	आचार्य श्री भारतभूषण जी	आचार्य श्री भारतभूषण जी
20	मुनि श्री शुभक्रियासागरजी	सेक्टर 23, नोएडा	04.10.2024	आचार्य श्री सौभाग्यसागरजी	आचार्य श्री सौभाग्यसागरजी
21	आर्यिका श्री अचिन्त्यमती जी	फिरोजाबाद, उत्तरप्रदेश	15.10.2024	मुनि श्री अमितसागरजी	मुनि श्री अमितसागरजी
22	ग.आर्यिका श्री चन्द्रमती जी	राजाबाजार, दिल्ली	18.10.2024	आचार्य श्री सुमतिसागरजी	मुनि श्री जयकीर्ति जी
23	आर्यिका श्री सुजानमती जी	नागौर, राजस्थान	30.10.2024	आचार्य श्री चैत्यसागरजी	आचार्य श्री चैत्यसागरजी
24	आर्यिका श्री प्रशांतमती जी	कुलचारम, तेलंगाना	00.10.2024	आचार्य श्री प्रसन्नसागरजी	आचार्य श्री प्रसन्नसागरजी
25	आचार्य श्री नेमिसागरजी	बेलगछिया, कोलकाता	02.11.2024	आचार्य श्री सुमतिसागरजी	आचार्य श्री विनिश्चयसागरजी
26	आर्यिका श्री विनेय श्री जी	भिण्ड, म.प्र.	19.11.2024	मुनि श्री विनयसागरजी	मुनि श्री विनयसागरजी
27	क्षुल्लक श्री सुयोग्यसागरजी	दयोदयतीर्थ, जबलपुर	24.11.2024	आचार्य श्री विद्यासागरजी	क्षुल्लक संघ
28	मुनि श्री दर्शनसागरजी	सुसनेर आगर-मालवा	01.12.2024		
29	एलक श्री भारतसागरजी	सागर, म.प्र.	08.12.2024	नि. मुनि श्री योगसागरजी	क्षुल्लक महाराज
30	आर्यिका श्री ज्योतिमती जी	पारसोला प्रतापगढ़	16.12.2024	आचार्य श्री वर्धमानसागरजी	आचार्य श्री वर्धमानसागरजी
31	प्रवर्तक मुनि श्री विहितसागरजी	सटाणा (नासिक) महा.	24.12.2024	आचार्य श्री विरागसागरजी	गणधर मुनि श्री विवर्धनसागर
32	आर्यिका श्री तपनमति जी	पारसोला प्रतापगढ़	26.12.2024	आचार्य श्री वर्धमानसागरजी	आचार्य श्री वर्धमानसागरजी
33	आर्यिका श्री शांतिसमाधि जी	सेक्टर 11 रोहिणी दिल्ली	19.01.2025	ग. आर्यिका श्री सरस्वतीभूषण	ग. आर्यिका सरस्वतीभूषण जी
34	आर्यिका श्री शरणमती जी	वस्तवाड कर्नाटक	12.02.2025	आचार्य श्री सन्मतिसागरजी	आर्यिका श्री सुयोग्यमती जी
32.	आर्यिका श्री श्रुतमती जी	दाहोद गुजरात	13.02.2025	आचार्य श्री सुनीलसागरजी	आचार्य श्री सुनीलसागरजी
35	आर्यिका श्री स्वर्णमती जी	धरियावद प्रतापगढ़	15.02.2025	मुनि श्री पुण्यसागरजी	मुनि श्री पुण्यसागरजी
36	आर्यिका श्री सुपर्वश्री जी	बहराईच, उत्तरप्रदेश	18.02.2025	ग. आर्यिका श्री विन्ध्यश्री	ग. आर्यिका श्री विन्ध्यश्री
37	मुनिश्री प्रभातसागरजी	चोपड़ा जलगांव महा.	01.03.2025	मुनि श्री प्रभावसागरजी	मुनि श्री प्रभावसागरजी
38	आर्यिका श्री सुबोधमती जी	मांगीतुंगी नासिक महा.	17.03.2025	आर्यिका श्री सुनन्दामतीजी	आर्यिका श्री सुनन्नदामति जी
39	मुनि श्री प्रशमसागरजी	धरियावद प्रतापगढ़	17.03.2025	आचार्य श्री वर्धमानसागरजी	आचार्य श्री वर्धमानसागरजी
40	मुनि श्री पूर्णसागरजी	धरियावद प्रतापगढ़	24.03.2025	मुनि श्री पुण्यसागरजी	मुनि श्री पुण्यसागरजी
41	आर्यिका श्री दर्शनप्रभाजी	अहिक्षेत्र रामनगर	29.04.2025	आचार्य श्री प्रसन्नसागरजी	प्रवर्तक मुनि श्री सहजसागरजी
42	मुनिश्री अक्षोभसागरजी	बरासो भिण्ड	28.04.2025	आचार्य श्री सुबलसागरजी	आचार्य विशुद्धसागरजी संघ
43	मुनि श्री सुखसागरजी	प्रतापगढ़ राजस्थान	29.04.2025	आचार्य श्री सुनीलसागरजी	आचार्य श्री सुनीलसागर
44	मुनि श्री विश्वस्तीरसागरजी	इंदौर (म.प्र.)	01.05.2025	आचार्य श्री विरागसागरजी	आचार्य श्री विशुद्धसागरजी
45	मुनि श्री सुज्ञानसागरजी	श्यामनगर जयपुर	07.05.2025	आचार्य श्री चैत्यसागरजी	आचार्य श्री चैत्यसागरजी
46	मुनिश्री अध्यात्मसागरजी	अहमदाबाद	08.07.2025	आचार्य श्री सुनीलसागजी	आचार्य श्री सुनीलसागरजी

एक वर्ष के दौरान प्रदत्त नये पद

क्र.	पद प्राप्तकर्ता	पद प्राप्ति स्थान	पद प्राप्ति दिनांक	पद प्रदाता	पद का नाम
01	मुनि श्री यशगुप्तजी	धर्मनगर औरंगाबाद		आचार्यश्री गुप्तिनंदीजी	आचार्य पद
02	मुनि श्री चन्द्रगुप्त जी	धर्मनगर औरंगाबाद		आचार्य श्री गुप्तिनंदीजी	आचार्य पद
03	मुनि श्री विशालसागरजी	झाँसी, उत्तरप्रदेश	11.10.2024	आचार्य श्री विशदसागरजी	उपाध्याय पद
04	मुनि श्री सुदत्तसागरजी	आंतरी डूंगरपुर राज.	06.11.2024	आचार्य श्री निर्भयसागरजी	उपाध्याय पद
05	मुनि श्री प्रज्ञानंद जी	फिरोजाबाद उत्तरप्रदेश	07.12.2024	आचपार्य श्री वसुनंदी जी	उपाध्याय पद
06	क्षुल्लक श्री गंभीरसागरजी	कटनी, मध्यप्रदेश	10.02.2025	निर्यापक मुनि श्री सुधासागरजी	वर्णी पद
07	मुनि श्री पुण्यसागरजी	वरूर धारवाड कर्नाटक	19.01.2025	आचार्य श्री कुंथुसागरजी	आचार्य पद
08	मुनि श्री कीर्तिसागरजी	वरूर धारवाड कर्नाटक	19.01.2025	आचार्य श्री कुंथुसागरजी	आचार्य पद
09	आर्यिका श्री आस्थाश्री	वरूर धारवाड कर्नाटक	19.01.2025	आचार्य श्री कुंथुसागरजी	गणिनी पद
10	आर्यिका श्री चिन्मयश्री	वरूर धारवाड कर्नाटक	19.01.2025	आचार्य श्री कुंथुसागरजी	गणिनी पद
11	आचार्य श्री विशुद्धसागरजी	सुमतिधाम, इंदौर	30.04.2025	आचार्य संघ	पट्टाचार्य पद
12	मुनि श्री स्वयंभूसागरजी	उदी इटावा उत्तरप्रदेश	12.05.2025	आचार्य श्री सौभाग्यसागरजी	पाठक मुनि पद
13	मुनि श्री पुण्यसागरजी	उदयपुर राजस्थान	12.05.2025	गुरु भक्तजन	आचार्य कल्प पद

पथरीधन चूर्ण

पथरी की अचूक दवा

सेवन विधि-

1) यह चूर्ण सुबह भोजन के बीच में लिया जायें।
2) पानी दिनभर अधिक मात्रा में लें, पेट खाली न हो।
3) प्रथम खुराक लेने के बाद, दूसरी खुराक एक दिन छोड़कर ही ली जाये।

नोट- यह औषधि निःशुल्क दी जाती है। ठीक होने पर औषधि निर्माण हेतु सहयोग कर सकते हैं।

प्राप्ति स्थान -**ब्र. जिनेश मलैया, संस्कार सागर**
श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति मन्दिर, बॉम्बेहास्पिटल के पास, इन्दौर (म.प्र.)
फोनः 0731-3193601 मो.:8989505108, 6232967108

दवा देने के विभिन्न स्थानों पर केन्द्र है आप भी अपने यहां केन्द्र चाहते हैं तो सम्पर्क करें

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक ट्रस्ट की प्रमुख गतिविधियाँ

मान्यवर,

हम श्री दि. जैन पंचबालयति मंदिर ही नहीं अपितु सद्ज्ञान संस्कार और श्रमण संस्कृति के उच्च आदर्शों को जन-जन में स्थापित करने का स्वप्न लेकर आपके सामने आये हैं जिन्हें साकार करने का महान कार्य आपको करना है।

संयम, साधना, ज्ञान जागरण, सेवा, सद् भावना को विस्तारित करने की योजना में संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के प्रिय शिष्य ऐलकश्री सिद्धांतसागरजी महाराज के आशीर्वाद एवं आप सभी के उदार सहयोग से तीन मंजिला 108 फुट उत्तुंग भव्य श्री पंचबालयति जिनालय जिसमें 5 वेदियां तथा सम्मेदशिखर की रचना तथा24 शिखरों में आचार्यों के चरण एवं शास्त्र स्थापित किये गये हैं। संत निवास, त्यागी व्रत आश्रम, अतिथि निवास, ध्यान केन्द्र एवं पुस्तकालय निर्मित हो चुका है।

दिव्यता, भव्यता और नव्यता से परिपूर्ण इस केन्द्र पर शीघ्र ही समस्त गतिविधियां विधिवत रूप से संचालित होने जा रही है। कृपया आप इन योजनाओं में अपनी सक्रिय सहभागिता प्रदान कर पुण्यार्जन करें।

आपके उदार तथा आत्मीय सहयोग से यहाँ तक आ गये हम...

1. वेदी क्र. एक

सुन्दर आकर्षक श्वेत पाषाण से 13 × 5 फीट आकार में निर्मित इस वेदी पर श्यामवर्णी पाषाण की भगवान पार्श्वनाथ की सहस्रफणी 7.5 फीट अवगाहना में श्री आजाद जीजैन बीड़ी वालों के अर्थ सौजन्य से प्रतिमा जी शोभायमान है।

2. वेदी क्र. दो

नयनाभिराम 13 5 फीट आकार में खड्गासन शुभ्र पाषाण से निर्मित पंचबालयति प्रतिमाएँ (श्रीमती चित्रा एस. के. जैन के अर्थसहयोग से वेदी तथा खडगासन प्रतिमाएँ श्री राजेन्द्र जी सुतवाला परिवार इन्दौर, श्री जगदीशजी शालीमार बाग दिल्ली, श्री मनोज बाकलीवाल इन्दौर के अर्थ सौजन्य से निर्मित) आत्मकल्याण की प्रेरणा दे रही है.

खड्गासन पंचबालयति प्रतिमाएँ

3 वेदी क्र. तीन

भूतल से 35 फुट ऊँचाई पर श्वेत पाषाण से निर्मित 108 फण युक्त श्री पार्श्वनाथ भगवान का जिनबिम्ब अन्य चार पद्मासन श्वेत पाषाण की प्रतिमाओं तथा चौबीसी सहित यहाँ विराजमान हैं। यह श्री खेमचंदजी सोंरईवालों, पं. श्री रतनलालजी, श्रीमती किरणजी, श्री राजेश जैन पुष्पक रेस्टॉरेंट के अर्थसौजन्य से निर्मित हैं।

4 मंदिर शिखर

भूतल से 108 फुट ऊँचा कलापूर्ण भव्य शिखर श्री सुरेश कस्तूरचंदजी जैन दोतड़ा वाले, रामगंज मंडी वालों द्वारा बनवाया गया है।

5. वेदी क्र. पांच

भूतल से 35 फुट ऊँचाई पर श्वेत पाषाण से निर्मित 108 फण युक्त श्री पार्श्वनाथ भगवान का जिनबिम्ब अन्य चार पद्मासन श्वेत पाषाण की प्रतिमाओं तथा चौबीसी सहित यहाँ विराजमान हैं। यहा श्री खेमचंदजी सोंरईवालों पं. श्री रतनलालजी, श्रीमती किरणजी, श्री राजेश जैन पुष्पक रेस्टोरेन्ट के अर्थ सौजन्य से निर्मित हैं।

मंदिर शिखर - भूतल से 108 फुट ऊँचा कलापूर्ण भव्य शिखर श्री सुरेश कस्तूरचंदजी जैन दोतड़ा वाले, रामगंज मंडी वालों द्वारा बनवाया गया है।

श्रुत सिद्धांत शोधपीठ - इस शोधपीठ से संस्कृत, प्राकृत और जैन दर्शन आदि भारतीय संस्कृति से संबद्ध शोधार्थियों को मार्गदर्शन दिया जा रहा है। यहाँ लगभग 35 शोध प्रबंध पूर्ण हो चुके हैं एवं एम. फिल उपाधि हेतु 20 शोधार्थियों के द्वारा लघु शोध प्रबंध लिखे जा चुके हैं। हस्तलिखित इस शोध प्रबंध पर शोध जारी हैं। प्राचीन पाण्डलिपियों का संपादन अनुवाद एवं प्रकाशन कार्य किया जा रहा है। विद्वत् संगोष्ठी, कार्यशाला, स्वाध्याय कक्ष, प्राकृत कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है। शोधपीठ के अध्यक्ष-अध्यक्ष पं. विनोदकुमार जैन रजवांस, उपाध्यक्ष डॉ. संगीता मेहता, सचिव ब्र. जिनेश मलैया, कोषाध्यक्ष डॉ. अरविन्द जैन, इन्दौर और निर्देशक डॉ. मुकेश जैन विमल हैं। ब्र. सुरेश मलैया का मार्गदर्शन सतत प्राप्त हो रहा है।

7. कार्यालय सत् साहित्य विक्रय केन्द्र एवं प्रकाशन केन्द्र

प्रकाशन केन्द्र - जन जन तक जिनवाणी का प्रचार करता सत् साहित्य प्रकाशन वितरण केन्द्र कम्प्यूटरीकृत कार्यालय सतत संचालित हैं । यहाँ प्रायः सभी जैन प्रकाशकों के प्रकाशन तथा अब तक स्वयं के प्रकाशित 450 ग्रंथों का आप अपने आयोजनों में इनका उपयोग कर धर्म संस्कृति की रक्षा कर पुण्यार्जित कर सकते हैं।

6. अकलंकदेव पुस्तकालय एवं निकलंकदेव वाचनालय

इसमें 30 हजार अमूल्य ग्रन्थ एवं पांडुलि पियों का अनुठा संकलन है। श्री आजाद जी जैन बीड़ी वालों के अर्थ सौजन्य से यह भवन निर्मितहै। इसके ऊपर की मंजिल बनाने का सौभाग्य श्री खेमचंदजी सौंरई वालों को प्राप्त हुआ है। इसमें लगभग 1 लाख ग्रन्थ रखने की योजना है।

8. संस्कार सागर (मासिक)

धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्कार, निर्माण की गंभीर जिम्मेदारी निभाती, संस्कार संस्कार सागर पत्रिका देश-विदेश में लगभग दो लाख पाठकों तक पहुँच रही है।

9. दो मंजिल संत निवास

साधु संतो के अनुकूल आवास एवं साधनों को दृष्टिगत रखते हुए आकार में संत निवास निर्मित हो चुका है।

10. आचार्य शुभचन्द्र ध्यान केन्द्र

योग के माध्यम से स्वास्थ्य लाभ हो, इस हेतु सभी आयुवर्ग के लोगों के लिये व्यवस्था करना। इस हेतु हॉल का निर्माण हो चुका है।

11. विशाल भव्य सभागार

130 ×50 फीट आकार में 3000 श्रोताओं की बैठक क्षमता वाला सभागार निर्मित हो चुका है।

15. अभयदान/पक्षियों को दाना-पानी

मूक पक्षियों के सुरक्षित आहार पानी की व्यवस्था हेतु करुणा दान, ग्रीष्म ऋतु में पशुओं को पानी की व्यवस्था भी की गई है।

12. आचार्य विद्यासागर त्यागीव्रती की आश्रम

आत्मकल्यार्ण त्यागी व्रती साधकों के लिए आवास, आहार, स्वाध्याय एवं साधना की सुविधा से संयुक्त आश्रम 50 × 60 फीट आकार में 8 कक्षों एवं भोजनालय का निर्माण हो चुका है। बाहर से आने वाले श्रावकों को शुद्ध भोजन की व्यवस्था है।

13. कुन्थुसागर गुरुकुल

सुदूर ग्रामीण अंचलों के प्रतिभावान छात्रों के जिनदर्शन -पूजन करने एवं शुद्ध आहार लेने की अनिवार्यता के साथ उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु सुविधा देने के उद्देश्य से 50 66 फीट आकार में 16 कक्षों से युक्त गुरुकुल होकर संचालित भी हो रहा है। छात्रों के लिए भोजन की भी व्यवस्था है।

14. सिद्धांतसागर अतिथि निवास

इन्दौर नगर में आरोग्य लेने के लिए आए रोगी के सहयोगियों को सुलभ आवास, आहार, जिनबिम्ब दर्शन, पूजादि का लाभ मिल सके, इस हेतु 50 ×60 फीट आकार में 13 कक्षों का निर्माण होकर अनेकों रोगी और सहयोगी व्यवस्था का लाभ उठा रहे हैं।

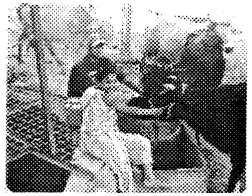

16. कुंदकुंद संस्कार केन्द्र

बच्चों में जैन धर्म के बहुआयामी संस्कार देने हेतु गतिविधियों का संचालन।

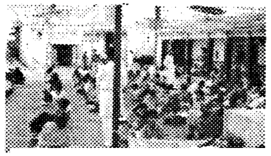

17. शीतल शुद्ध पेयजल

आम जन के लिये बारहों महीने शुद्ध छने हुए शीतल पेयजल की व्यवस्था श्रीमती माया। गजेन्द्र जैन, गिन्नी ग्रुप द्वारा की गई है।

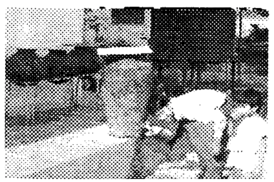

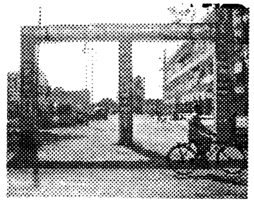

18. अहिंसा एवं संस्कार द्वार

मंदिर आश्रम से 200 मीटर दूर ए.बी. रोड के पार्श्व में जैन धर्म और संस्कृति संबंधी प्राणीमात्र के कल्याणकारी सिद्धांतों , उद्देश्यों सह महावीर वाणी को जन-जन तक पहुँचाने वाले संदेश अंकित भव्य द्वारों का निर्माण करना। अभी निर्माण की अनुमति मिल जाने पर अस्थायी द्वार का निर्माण हो चुका है।

19. प्रवचन प्रशिक्षण संस्थान

सर्व जीव कल्याणकारी जैन धर्म के प्रवचन निष्णात विद्वान तैयार कर पर्युषण आदि पर्वों प्रवचनार्थ भेजना। अभी हम प्रतिवर्ष लगभग 100 विद्वान देश के विभिन्न भागों में भेजते हैं।

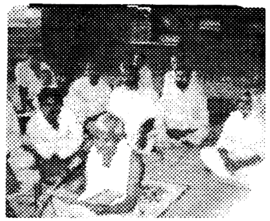

21 तीर्थंकर वाटिका

लगभग 20,000 हजार स्केयर फीट जमीन पर पाण्डुक शिला एवं तीर्थंकर वाटिका टीन सेट सहित बनायी गई हैं । इसमें धार्मिक आयोजन एवं विवाह शादी आदि का कार्यक्रम किया जाता है । कार्यक्रम हेतु कार्यालय में सम्पर्क करें ।

20. पंचबालयति ग्रीन बेल्ट

इन्दौर विकास प्राधिकरण के सौजन्य से 1500 60 फीट विशाल भूखंड प्राप्त हुआ है जिसमें तीर्थंकर उद्यान से लेकर फलदार और फूलदार वृक्षारोपण की योजना है । आप अपनी ओर से 2100 रु. जमा कर एक वृक्ष को रोपित करने का पुण्य अर्जित कर सकते हैं।

22 सम्मेद शिखर रचना

ऊपर छत पर विशाल फाइवर की सम्मेद शिखर जी की रचना की गई है।

23 विदेह क्षेत्र रचना

शिखर के नीचे वेदी में विद्यमान बीस तीर्थंकर एवं शान्तिनाथ भगवान को विराजमान किया गया।

24 ब्र. सुदेश कोठिया छात्रवृत्ति योजना

गरीब विद्यार्थियों को शिक्षण हेतु छात्रवृत्ति दी जाती हैं।

25 रिसाईक्लिंग योजना

पुराने शास्त्र जो जीर्णशीर्ण हो गये हैं । उनको एकत्रित करके शास्त्रों को अवनिय न हों इस दृष्टि से मील में नया कागज बनवाया जाता है । तथा जो ग्रंथ अच्छी हालत में होते हैं उन्हें पुस्तकालय में रखा जाता है।

दातार महानुभावों से सहयोग की अपेक्षा

सदस्य	मंदिर–टस्ट	साहित्य प्रकाशन	छात्रावास
शिरोमणि संरक्षक	5 लाख रु.	5 लाख रु.	1 लाख रु.
परम संरक्षक	1 लाख रु.	2.51 लाख रु.	51 हजार रु.
संरक्षक	51 हजार रु.	1 लाख रु.	31 हजार रु.
सम्मानीय सदस्य	25 हजा रु.	51 हजार रु.	21 हजार रु.
विशिष्ट सदस्य	11 हजार रु.	31 हजार रु.	11 हजार रु.

साहित्य प्रकाशन : सभी सदस्यों के नाम छपने वाले सभी ग्रन्थों में प्रकाशित होंगे तथा अभी तक जो भी साहित्य प्रकाशित हो चुका है या भविष्य में होगा, यह भेंट किया जाएगा।

26 स्वर्ण रथ योजना

संस्था द्वारा विशाल तीन स्वर्ण रथ बनाये गये हैं । रथ टेक्टर द्वारा खींचा जाता है एवं दो विशाल हाथी भी है । इसे पंचकल्याणक धार्मिक अनुष्ठान विधि विधान आदि में भेजने की व्यवस्था की जाती है।

समाधिकेन्द्र – सभी विद्वानों सुधि श्रावकों से निवेदन है कि पंचबालयति आश्रम में आकर योजनाओं को सफल बनायें तथा स्वयं की समाधि सफल बनावें । आपकी सेवा कर हम अपने आपको धन्य मानेंगे।

आभार

अभी तक आपको जो सहयोग मिला है उसके हम अभारी हैं तथा भविष्य में भी आप अपनी शक्तिनुसार योजनाओं को पूरा करने के लिए अवश्य ही सहयोग प्रदान करेंगे, ऐसा हमारा विश्वास है।

अपेक्षा

आप एक बार पंचबालयति मंदिर, इन्दौर पधारकर हमारे लघु प्रयासों को अपनी आँखों से अवश्य देखें, ऐसी हमारी अपेक्षा है। इसे अपनी संस्था समझकर आप हमें सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान करते रहेंगे, ऐसी अपेक्षा है।

भवदीय/निवेदक

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक ट्रस्ट

अध्यक्ष : पं. रतनलालजी (इंदौर), उपाध्यक्ष : ब्र. जयकुमार जी निशांत(टीकमगढ़), सचिव : अरविन्द जैन, कोषाध्यक्ष : ब्र. जिनेश मलैया, ट्रस्टी : ब्र. सुरेश मलैया (इंदौर), ब्र. पं. सुदेशचंद जैन (खुरई), रजनीश मलैया, मनोज जैन, मनोज बाकलीवाल (इन्दौर), गजेन्द्र जी, नरेन्द्र जैन जयपुर, दिनेश जैन(डी.एस.पी.) आजाद मोदी, भरत जैन, हर्ष जैन।

श्री दिगम्बर जैन युवक संघ प्रकाशन समिति से प्रकाशित साहित्य की सूची

क्र.	पुस्तक	मूल्य	क्र.	पुस्तक	मूल्य
(1)	पद्म पुराण हिन्दी वचनिका	500/-	(45)	व्यसन मुक्ति आह्वान	3/-
(2)	प्रागैतिहासिक प्रागवैदिक जैन धर्म और उसके सिद्धांत	100/-	(46)	लघीयस्त्रयी	25/-
			(47)	मतवाला (खंडकाव्य)	15/-
			(48)	भटकन (कहानी संग्रह)	5/-
(3)	जीवन्धर चरित्र	60/-	(49)	युक्तानुशासन	10/-
(4)	भद्रबाहु चरित्र	25/-			
(5)	केशरिया हत्याकांड	15/-	(50)	उद्घोष (स्लोगन)	2/-
(6)	जैन साहित्य में विकार	15/-	(51)	ध्यान शतक	5/-
(7)	विद्यासागर की लहरें	25/-	(52)	विचार सुधा (लेख संग्रह)	7/-
(8)	श्वेतांबर मत समीक्षा	25/-	(53)	प्रमाण संग्रह	30/-
(9)	स्वास्थ्य बोधामृत	201/-	(54)	सिद्धि विनिश्चय	30/-
(10)	आरोग्य संजीवनी (प्राण चिकित्सा पद्धति रेकी)	35/-	(55)	शांति विधान	10/-
			(56)	श्री शांतिनाथ विधान	20/-
(11)	स्वस्थ जीवन का आधार : आयुर्वेद	80/-	(57)	नंदीश्वर विधान (बावन पूजा)	60/-
(12)	प्रतियोगिता बिम्ब (नया संस्करण)	25/-	(58)	श्री भक्तामर विधान	30/-
(13)	छहढाला दर्पण	30/-	(59)	जैन पाँच पर्व व्रत पूजा	5/-
(14)	संस्कार प्रश्नोत्तरी (भाग-1)	20/-	(60)	णमोकार पैंतीसी मंडल विधान	10/-
(15)	संस्कार प्रश्नोत्तरी (भाग-2)	20/-	(61)	पंच परमेष्ठी पूजन विधान	10/-
(16)	तत्वार्थ सूत्र (मोक्ष शास्त्र)	20/-	(62)	दसलक्षण विधान	25/-
(17)	तत्त्वार्थ सूत्र (पं. कैलाशचंदजी कृत)	30/-	(63)	चौंसठ ऋद्धि पूजा विधान	20/-
(18)	रत्नकरंड श्रावकाचार	15/-	(64)	रविव्रत कथा पूजा	15/-
(19)	द्रव्यसंग्रह	10/-	(65)	कर्मदहन विधान	10/-
(20)	रयणसार	20/-	(66)	सोलह कारण विधान	25/-
(21)	जैन सिद्धांत प्रवेशिका	50/-	(67)	सुगंध दशमी व्रतोद्यापन विधान	10/-
(22)	जैन विद्या प्राथमिक (प्रथम भाग)	8/-	(68)	रविव्रत कथा उद्यापन विधान	10/-
(23)	जैन विद्या प्राथमिक (द्वितीय भाग)	8/-	(69)	कल्याण मंदिर विधान	20/-
(24)	जैन विद्या प्रा. प्रथम (अंग्रेजी संस्करण)	10/-	(70)	रत्नत्रय विधान	25/-
(25)	जैन विद्या प्रा. द्वितीय (अंग्रेजी संस्करण)	10/-	(71)	अतिशय भक्तामर चरित्र	10/-
(26)	शिष्टाचार (नया संस्करण)	5/-	(72)	यागमंडल पंचकल्याणक विधान	50/-
(27)	संस्कार गीत (नया संस्करण)	5/-	(73)	श्रुत स्कंध विधान	10/-
(28)	स्तोत्र पाठ संग्रह (भाग-1)	25/-	(74)	चौंसठ ऋद्धि विधान(आ. विज्ञानमती)	10/-
(29)	स्तोत्र पाठ संग्रह (भाग-2)	20/-	(75)	नवग्रह विधान	10/-
(30)	दृष्टांत मधुरिमा (भाग-1)	15/-	(76)	सौभाग्य दशमी विधान	7/-
(31)	दृष्टांत मधुरिमा (भाग-2)	15/-	(77)	समवशरण विधान	40/-
(32)	दृष्टांत मधुरिमा (भाग-3)	20/-	(78)	सिद्धचक्र विधान	100/-
(33)	दृष्टांत मधुरिमा (भाग-4)	20/-	(79)	श्री आदिनाथ विधान	10/-
(34)	दृष्टांत मालिका (भाग-5)	12/-	(80)	श्री अजितनाथ विधान	10/-
(35)	भजनांजलि संग्रह (भाग-1)	20/-	(81)	श्री संभवनाथ विधान	10/-
(36)	भजनांजलि संग्रह (भाग-2)	25/-	(82)	श्री अभिनंदननाथ विधान	10/-
(37)	जिन संस्कार भारती (जिनवाणी)	80/-	(83)	श्री सुमतिनाथ विधान	10/-
(38)	जिन पूजन भक्ति (पॉकेट साइज)	7/-	(84)	श्री पद्मप्रभ विधान	10/-
(39)	जिन पूजन भक्ति संग्रह	30/-	(85)	श्री सुपार्श्वनाथ विधान	15/-
(40)	जिन पूजन भक्ति	10/-	(86)	चन्द्रप्रभ विधान	10/-
(41)	शील मंजुषा	30/-	(87)	श्री सुविधिनाथ विधान	10/-
(42)	धार्मिक सिद्धांतों के वैज्ञानिक तथ्य	7/-	(88)	श्री शीतलनाथ विधान	20/-
(43)	धर्म और विज्ञान की दृष्टि में उपवास	7/-	(89)	श्री श्रेयांसनाथ विधान	10/-
(44)	तीर्थंकर 108 ज्ञातव्य	5/-	(90)	श्री वासुपूज्य विधान	10/-

क्र.	पुस्तक	मूल्य
(91)	श्री विमलनाथ विधान	10/-
(92)	श्री अनंतनाथ विधान	10/-
(93)	श्री धर्मनाथ विधान	10/-
(94)	श्री शांतिनाथ विधान	20/-
(95)	श्री कुंथुनाथ विधान	10/-
(96)	श्री अरनाथ विधान	20/-
(97)	श्री मल्लिनाथ विधान	10/-
(98)	श्री मुनिसुव्रतनाथ विधान	15/-
(99)	श्री नमिनाथ विधान	10/-
(100)	श्री नेमिनाथ विधान	15/-
(101)	श्री पार्श्वनाथ विधान	15/-
(102)	महावीर विधान	10/-
(103)	विद्यागुरु विधान	10/-
(104)	जिनसहस्रनाम विधान	12/-
(105)	बड़े बाबा विधान	10/-
(106)	नवग्रह विधान	10/-
(107)	तत्वार्थ सूत्र विधान	30/-
(108)	ऋषिमंडल विधान	12/-
(109)	श्री कल्पद्रुम विधान	75/-
(110)	श्री इन्द्रध्वज महामंडल विधान	75/-
(111)	णमोकार महामंत्र विधान	15/-
(112)	पंचमेरु विधान	15/-
(113)	श्री नेमीनाथ विधान	15/
(114)	श्री पंचबालयति महामंडल विधान	10/-
(115)	अनंत चतुर्दशी विधान	15/-
(116)	रक्षा बंधन विधान	25/
(117)	परछाइयाँ पथ प्रदर्शक की (चित्रावली : आ. विद्यासागरजी)	30/-
(118)	सत्य दर्शन	3/-
(119)	शारीरिक शिक्षा क्रम	5/
(120)	दिगंबर मुनि	3/-
(121)	दिगबर जैन युवक संघकी प्रस्तावित रुप रेखा	निःशुल्क
(122)	गुणस्थान चार्ट	5/-
(123)	जागो दिगंबर	2/-
(124)	भक्तामर मंगल गीता पाठ	15/-
(125)	गुरू भक्ति	5/-
(126)	विद्या भक्ति संग्रह	5/-
(127)	सिद्धवर कूट चालीसा	5/-
(128)	सामायिक विधि एवं प्रतिक्रमण	5/-
(129)	नित्य पाठ संग्रह	20/-
(130)	विद्यांजलि	10/-
(131)	मेरी भावना (पॉकेट साइज)	1/-
(132)	भक्तामर स्तोत्र (पॉकेट साइज)	1/-
(133)	सुदेश काव्याञ्जलि (कविता संग्रह)	60/-
(134)	नरक स्वर्ग की झाँकी (नाटक)	15/-
(135)	बाल कहानी	30/-
(136)	बाल खेल	20/-

क्र.	पुस्तक	मूल्य
(137)	बााल कविता	20/-
(138)	अंकों की महिमा	100/-
(139)	प्राचीन जैन साहित्य और संस्कृति	120/-
(140)	आगम की छाँव में	40/-
(141)	संस्कार सागर निर्देशिका	20/-
(142)	Step of Religion	10/-
(143)	समणं सुत्त (अंग्रेजी) जैन गीता	120/-
(144)	संस्कार मंजूषा (पूर्वाद्व)	35/-
(145)	संस्कार मंजूषा (उत्तरार्द्ध)	60/-
(146)	पुष्पांजलि	301/-
(147)	स्वतंत्रता संग्राम में जैन	301/-
(148)	प्रतिष्ठा पराग	120/-
(149)	वास्तु विज्ञान	40/-
(150)	ज्योतिष विज्ञान	90/-
(151)	वर्तमान चौबीसी विधान (अर्थ सहित)	40/-
(152)	सिद्धचक्र विधान (अर्थ सहित)	80/-
(153)	श्री जिनेन्द्र पूजा पाठ (अर्थ सहित)	45/-
(154)	आत्मा से परमात्मा का विज्ञान	100/-
(155)	पद्म पुराण के अमृत बिन्दु	15/-
(156)	शरद पूर्णिमा (कहानी संग्रह–1)	20/-
(157)	जय जिनेन्द्र (कहानी संग्रह–2)	20/-
(158)	क्षमा (कहानी संग्रह–3)	20/-
(159)	भारती (कहानी संग्रह–4)	20/-
(160)	अहिंसा की महिमा (नाटक)	20/-
(161)	सच्चे साथी (नाटक)	20/-
(162)	कुन्द कुन्द दर्शन	15/-
(163)	रत्नाञ्जलि	300/-
(164)	संकट चौथ व्रत कथा	5/-
(165)	संस्कार प्रश्नोत्तरी (भाग–3)	20/-
(166)	चंदन षष्ठी विधान	15/-
(167)	श्री मज्जिनार्चना	60/-
(168)	परीक्षण के सोपान	30/-
(169)	विवेक मंजूषा	50/-
(170)	आचार्य परम्परा (रंगीन एलबम)	150/-
(171)	चारित्र शुद्धि (मंत्र सहित)	30/-
(172)	चारित्र शुद्धि विधान	120/-
(173)	बहु कैसी	15/-
(174)	अच्छी सास	20/-
(175)	पलायन क्यों	20/-
(176)	शांति पथ प्रदर्शन	20/-
(177)	त्रिलोक सार	500/-
(178)	धर्म सत्ता	10/-
(179)	हे मृत्यु स्वागतम्	40/-
(180)	भोगोपभोग परिणाण	15/-
(181)	सात कोड़ी राज्य	10/-

क्र.	पुस्तक	मूल्य
(182)	ग्वाले का उद्धार (नाटक)	30/-
(183)	एक दिन का सच (नाटक)	30/-
(184)	अंजना सती (नाटक)	30/-
(185)	देश की आवाज (नाटक)	30/-
(186)	अत्याचार (नाटक)	30/-
(187)	दहेज दानव (नाटक)	30/-
(188)	सोन की ईंट (नाटक)	30/-
(189)	विश्वास दिगम्बर भेष में (नाटक)	30/-
(190)	नेमी वैराग्य (नाटक)	30/-
(191)	राग से वैराग्य (नाटक)	30/-
(192)	सत्ता के पार (नाटक)	30/-
(193)	अर्हंत प्रवचनम्	30/-
(194)	सिद्धांत सार	40/-
(195)	सुक्ति मुक्तावलि एवं सुभाषित संग्रह	40/-
(196)	आस्रव त्रिभंगी	30/-
(197)	वर्णी विचार	15/-
(198)	मर्यादा (कहानी)	40/-
(199)	अर्पणा (कहानी)	40/-
(200)	चारित्र चक्रवर्ती	300/-
(201)	अनर्थदण्ड क्या ?	40/-
(202)	सम्यक्त्व कौमदी	80/-
(203)	आदिपुराण भाग–1	500/-
(204)	आदिपुराण भाग–2	350/-
(205)	हरिवंशपुराण	500/-
(206)	सुदर्शन चरितम	150/-
(207)	पुराण सार संग्रह	120/-
(208)	प्रश्नोत्तर	120/-
(209)	अमरसेण चरिउ	150/-
(210)	मेरुमंदिर पुराण	220/-
(211)	अष्टपाहुड़	400/-
(212)	स्वाध्याय भाग–1	120/-
(213)	स्वाध्याय भाग–2	100/-
(214)	पांडव पुराण	180/-
(215)	नेमावर का जैन पुरातत्व	20/-
(216)	दीपावली पूजन	10/-
(217)	अंतिम संस्कार	50/-
(218)	जैन विवाह विधि	30/-
(219)	कुंदकुंद दर्शन	10/-
(220)	कुतर्क की कैंची से कटता समाज	निःशुल्क
(221)	बचे विस्फोट से (उत्तम क्षमा धर्म)	45/-
(222)	बचें मान के सम्मान से (उत्तम मार्दव धर्म)	55/-
(223)	बचे नागिन से (उत्तम आर्जव धर्म)	45/-
(224)	बचें पाप की जड़ से (उत्तम शौच धर्म)	45/-

क्र.	पुस्तक	मूल्य
(225)	करे सत्य का वरण (उत्तम सत्य धर्म)	30/-
(226)	अमृत का प्याला (उत्तम संयम धर्म)	80/-
(227)	तप से तपन दूर (उत्तम तप धर्म)	80/-
(228)	तरुवर बनो सरोवर नहीं (उत्तम त्याग धर्म)	60/-
(229)	मूर्च्छा त्यागो (उत्तम आकिंचन्य धर्म)	45/-
(230)	बड़े ब्रह्म की ओर (उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म)	60/-
(231)	इष्टोपदेश	20/-
(232)	परमार्थ देशना	45/-
(233)	व्रत पर्व पूजाञ्जलि	100/-
(234)	पत्र परीक्षा	30/-
(235)	दिशा-बोध (संस्मरण भाग-2)	30/-
(236)	भक्तामर स्तोत्र (अर्थ सहित)	10/-
(237)	श्रुत आराधना	30/-
(238)	दिग्दर्शन जैन न्याय दर्शन	100/-
(239)	पार्श्वनाथ विधान	10/-
(240)	ऋषिमंडल विधान	25/-
(241)	कल्याण मंदिर स्त्रोत (अर्थ सहित)	10/-
(242)	विषापहार स्तोत्र (अर्थ सहित)	20/-
(243)	काल चिंतन संस्कार प्रवाह (भाग-1)	
(244)	काल चिंतन संस्कार प्रवाह (भाग-2)	
(245)	जैन मनोविज्ञान	25/-
(246)	विद्यासागर (बाल कविता)	25/-
(247)	नये जूते (बाल कहानी)	25/-
(248)	गुलेल (कहानी)	25/-
(249)	सत्यमेव जयते (कहानी)	25/-
(250)	अभिषेक (कहानी)	25/-
(251)	मुमुक्षु (कहानी)	25/-
(252)	साक्षी (कहानी)	25/-
(253)	गुलगुला महाराज (कहानी)	25/-
(254)	क्या है ? राजवार्तिक में	20/-
(255)	दुनिया भर की बातें (भाग-1)	100/-
(256)	दुनिया भर की बातें (भाग-2)	100/-
(257)	दुनिया भर की बातें (भाग-3)	100/-
(258)	दुनिया भर की बातें (भाग-4)	100/-
(259)	कल्याणमंदिर विधान (प्रणम्यसागरजी)	20/-
(260)	इष्टोपदेश	20/-
(261)	न्याय विनिश्चय	100/-
(262)	कुरल काव्य	30/-
(263)	स्वयंभू स्तोत्र के विविध आयाम	50/-
(264)	विराट स्वरूप विद्यासागर	150/-
(265)	धर्म रत्नाकर	600/-
(266)	भरतेश वैभव	600/-

क्र.	पुस्तक	मूल्य
(267)	मूलाचार प्रदीप	500/-
(268)	संस्कार मंजूषा	300/-
(269)	पञ्चाध्यायी	400/-
(270)	लघु तत्वस्फोट	300/-
(271)	मरणकण्डिका (सल्लेखना)	300/-
(272)	बोधिवृक्ष	100/-
(273)	शांतिपथ प्रदर्शन	120/-
(274)	जिन सरस्वती	150/-
(275)	णमोकार ग्रंथ	280/-
(276)	धर्मामृत	100/-
(277)	धनकुमार चरित्र	100/-
(278)	प्रश्नोत्तर	120/-
(279)	चन्द्रप्रभ चरित्र	80/-
(280)	शांतिनाथ पुराण	150/-
(281)	पार्श्वपुराण	80/
(282)	छहढाला (शास्त्र)	100/-
(283)	मल्लिनाथ पुराण	100/-
(284)	महावीर पुराण	100/-
(285)	चौबीसी पुराण	100/-
(286)	श्रीपाल चरित्र	250/-
(287)	विवेक मंजूषा	120/-
(288)	सम्यक्त्व मंजूषा	150/-
(289)	प्रायश्चित (नाटक)	30/-
(290)	न्याय विनिश्चय	120/-
(291)	अपराजित शतक भाग-1	100/-
(292)	अपराजित शतक भाग –2	100/-
(293)	वरांग चरित्र	300/-
(294)	पुण्याश्रव कथा कोष	250/-
(295)	आराधना कथा कोष	250/-
(296)	संस्मरण	20/-
(297)	भक्तामर मंगल गीता	20/-
(298)	ध्यानोपदेश कोष	30/-
(299)	प्रकृति परिचय	22/-
(300)	कर्म विपाक	30/-
(301)	आचार्य छत्तीसी विधान	15/-
(302)	पार्श्वनाथ विधान	15/-
(303)	पंचपरमेष्ठी विधान	25/-
(304)	भक्तामर विधान	15/-
(305)	शांति विधान	25/-
(306)	नित्यपूजा संग्रह	60/-
(307)	तीर्थंकर विधान	60/-
(308)	चौंसठ ऋद्धि विधान	25/-
(309)	अर्हंत चक्र विधान	120/-
(310)	सिद्धचक्र विधान	100/-
(311)	तत्त्वार्थ सूत्र विधान	50/-
(312)	महावीर विधान	20/-
(313)	अष्टशती	200/-
(314)	भरतेश वैभव	600/-
(315)	सम्यग्दर्शन चंद्रिका	700/-
(316)	आप्तकाम उपन्यास	200/-
(317)	लघुतत्त्व स्फोट	300/-
(318)	सुभाषित रत्नावली	200/-
(319)	सुदर्शन चरित्र	150/-
(320)	भक्तामर अनुष्ठान	20/-
(321)	जैन व्रत पूजा कथायें	100/-
(322)	जैन व्रत पर्व पूजाजंलि	50/-
(323)	जैन व्रत कथायें (60 कथायें)	80/-
(324)	सी एण्ड नॉव (भाग-1) अंग्रेजी	40/-
(325)	सी एण्ड नॉव (भाग-2) अंग्रेजी	40/-
(326)	सी एण्ड नॉव (भाग-3) अंग्रेजी	50/-
(327)	आरती संग्रह	20/-
(328)	जैनः वाङ्मय एक नजर में	25/-
(329)	श्री पार्श्वनाथ स्तोत्र विधान	25/-
(330)	लघुजिन विधान	25/-
(331)	मूकमाटी	200/-
(332)	जैन गौरव	100/-
(333)	सोने की चिड़िया और लुटेरे अंग्रेज	80/-
(334)	अंग्रेजी माध्यम का भ्रमजाल	50/-

इसके अलावा अन्य प्रकाशनों का भी साहित्य उपलब्ध है। ✻

सहयोग हेतु दान राशि
श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक ट्रस्ट
स्टेट बैंक ऑफ इन्दौर : खाता क्रमांक 63000704350

संस्कार सागर
स्टेट बैंक ऑफ इन्दौर : खाता क्रमांक 63000704338

श्री दिगम्बर जैन युवक संघ
आईसीआईसीआई –खाता क्रमांक -004101045675

बैंक द्वारा ऑनलाईन भी जमा करा सकते हैं
भारतीय स्टेट बैंक में ब्र. जिनेश मलैया का खाता क्र. 30682289751

जिनवाणी के प्रचार प्रसार हेतु प्रकाशन में सहयोग देकर पुण्य अर्जित करें

श्री दिगम्बर जैन पंच बालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक ट्रस्ट
श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति मंदिर, विद्यासागर नगर, बॉम्बे हास्पिटल के पास, ए.बी. रोड़, इन्दौर –10
फोन नं. : 0731–2571851,4003506,8989505108

अपने आसपास निःशुल्क पथरी दवाई प्राप्त करने के लिए सम्पर्क करें

सुलभ जैन, कुरवाई (म.प्र.)	9893486384
अशोक कंठाली, सुसनेर (म.प्र.)	98425935470
प्रदीप जैन, आरोन (म.प्र.)	9425720763
मीना चौधरी, भोपाल (म.प्र.)	9827335626
ज्ञानचंद जैन, आष्टा (म.प्र.)	9926546221
शिखरचंद जैन,टीकमगढ़(म.प्र.)	9406756564
जय जिनेन्द्र किराना, कटनी (म.प्र.)	07622-504269
देवेन्द्रकुमार जैन, बीना (म.प्र.)	9425452825
राजेश मलैया, रहली (म.प्र.)	9303225656
देवेन्द्रसिंघई, सिलवानी (म.प्र.)	7898846011
मनोज जैन, भानपुरा (म.प्र.)	9300383124
सतीश गोहिल, सिरोंज (म.प्र.)	8978656675
देवेन्द्रकुमार जैन,बीना (म.प्र.)	9425452825
डॉ. प्रशांतकुमार जैन, राघौगढ़ (म.प्र.)	9425045179
डॉ. ए.के. जैन, विदिशा (म.प्र.)	9179127772
धनकुमार जैन, सीहोर (म.प्र.)	9425938201
डॉ. प्रदीप जैन, छतरपुर (म.प्र.)	9424923726
अरविंद जैन, मनासा (म.प्र.)	9425922233
कमल चौधरी, राहतगढ़ (म.प्र.)	9300004458
मनीष जैन, जबलपुर (म.प्र.)	9425382401
जवाहरलाल जैन, खंडवा (म.प्र.)	9424526349
सुमेरचंद सिंघई, तेंदूखेड़ा (म.प्र.)	9009527928
प्रेमनारायण जैन, बरेली (म.प्र.)	07486-230304
विद्या मूलचंद जैन, सोहागपुर (म.प्र.)	9993960266
प्रदीपकुमार जैन, आरोन (म.प्र.)	9425720763
शंभूकुमारबाक्लीवाल, खातेगांव (म.प्र.)	9893155967
राकेश सिंघई, मंडला (म.प्र.)	9826276108
विनोद चौधरी, गोटेगांव (म.प्र.)	9424997927
मुकेश जैन, वाड़ी (म.प्र.)	
मनीष जैन, टीकमगढ़ (म.प्र.)	9131998788
महेन्द्र सौंधिया, सागर (म.प्र.)	9425170745
संदीप जैन, तेंदूखेंडा (म.प्र.)	9424303646
सुखमाल जैन, जरूआखेड़ा (म.प्र.)	9039213877
पदम जैन,बांसा तारखेडा (म.प्र.)	9993967757
प्रदीप जैन,नरसिंहपुर (म.प्र.)	9424301254
संतीश गोयल, सिरोंज (म.प्र.)	8878656675
औषधालय द्रोणागिरि (म.प्र.)	
औषधालय कुण्डलपुर (म.प्र.)	
नीरज जैन, दिल्ली	9810035356
अशोकजी जमादार, दिल्ली	9810210357
अतुल जैन, दिल्ली	9910059332
मुकेश जैन, ऋषभविहार दिल्ली	9818855130
अजितप्रसाद, सब्जीमंडी दिल्ली	11-35350324
गोपाल लोड़ा, भीलवाड़ा (राज.)	9829604582
मुकेश जैन, गाजियाबाद (उ.प्र.)	8439570898
सुरेन्द्र जैन, मथुरा (उ.प्र.)	9412729442
डॉ.ज्योति जैन, खतौली (उ.प्र.)	9412889449
छोटे पहलवान, ललितपुर(उ.प्र.)	9451659168
डॉ. गरीबे, कारंजालाड़(उ.प्र.)	9850366891
अनमोल ट्रेडर्स, ललितपुर(उ.प्र.)	9450035330
रमेशचंद जैन, सहारनपुर(उ.प्र.)	9761225590
विभोर जैन, मेरठ (उ.प्र.)	9719114442
जिनेन्द्र जैन, मंडावरा (उ.प्र.)	9452622295
अनिल जैन, महरौनी (उ.प्र.)	7007822203
संजय चौधरी, झाँसी (उ.प्र.)	9415588959
डॉ. प्रतिभा पांडे, औरंगाबाद(महाराष्ट्र)	9860820784
मुनीश जैन एडवोकेट, मुंबई(महाराष्ट्र)	9323811455
सोमचंदजी, भुलेश्वर मुंबई(महाराष्ट्र)	9920296697
नरेन्द्रकुमार सा.शिरपुर (वाशिम)	8888117177
डॉ. नितिनजी, (परभणी)(महाराष्ट्र)	9552229680
निखिल पाटिल,कोल्हापुर (महाराष्ट्र)	9730626592
धन्यकुमार जैन, साबरमति(गुजरात)	7874530667
श्रेयांस जैन, अहमदाबाद(गुजरात)	9426544317
ओमप्रकाशजी, अहमदाबाद(गुजरात)	9227411031
सुरेश जैन, हिम्मतनगर(गुजरात)	0277-2240930
अशोक जैन, केकड़ी (राजस्थान)	9214528077
कनकमल जैन, परतापुर (राजस्थान)	9929217250
सुमतिलाल जैन, निंबाहेड़ा(राजस्थान)	9414832352
विमलचंद कंजोलिया,झालावाड़ा(राजस्थान)	9251487922
जिनेन्द्र जैन, सुमेरपुर (राजस्थान)	9414123025
कनकमल जैन,परतापुर (राजस्थान)	9929217250
पारस जैन, जयपुर (राजस्थान)	9414047506
संजय जैन, रामगंजमंडी (राजस्थान)	9269559099
संजय जैन, अम्बालाकैंट (हरियाण)	9215926605
राजकुमार चौधरी, नारनौल(हरियाणा)	9416704407
मोतीलाल जैन, नारनोल (हरियाणा)	9416939939
राजेन्द्र अजमेरा, धनबाद(बिहार)	9423180208
नवीनकुमार जैन,खड़गपुर(पं.बंगाल)	9474896686
संजय जैन, (मुम्बई)	9869403383
राजेन्द्र कुमार जैन, मेरठ	9837248579
जगदीश प्रसाद जैन, आगरा	9359906721
जितेन्द्र जैन,मण्डद्वीप (रायसेन)	9827583943
सुरेश लुहाडिया,बिजोलिया	9649031693
ब्र.अजित भैया,शिखरजी झारखंड	9472721531
केसी जैन, देवास	8962002693
मुकेश जैन, पिड़ावा	8058758111
दिलीप बड़जात्या, धमतरी	9425214790
गोपाल कृष्णवर्मा, जीरापुर राजगढ़	9754293058
जितेन्द्र जैन, मंडीबामोरा	9827583943
पीयुष जैन, कोटा	7737888778
सतीश रविन्द्र साखरे, भुसावल	8862005538
सुनील जैन, सौंरई	9935920373
सोना जैन, गेरतगंज	6260731288

चलो देखें यात्रा

नवोदित तीर्थ सोनगढ़

महत्व एवं दर्शनः छोटा सा कस्बा लेकिन कानजी स्वामी के कारण यह तीर्थक्षेत्र में बदल गया, सभी मंदिर भव्य एवं दर्शनीय है। यहाँ पर अनेक सुंदर मंदिर हैं जो मार्बल के बने हुए हैं। यहाँ के विशाल परिसर में महावीर परमागम मंदिर में आचार्य कुंदकुंद देव द्वारा रचित ग्रंथों के समयसार, नियमसार, प्रवचनसार, पंचास्तिकाय, अष्टपाहुड के 448 श्लोकों को दीवारों पर उत्कीर्ण किया है। जिनमें से स्वर्णिम आभा झलकती है। इसके अलावा सीमंधर स्वामी, समवशरण, स्वाध्याय मंदिर, पंचमेरू एवं नंदीश्वर मंदिर, कानजी स्वामी समाधि, चम्पाबेन समाधि तथा म्युजियम देखने लायक हैं।

मार्गदर्शनः सिहारे- धांजा स्टेशन के मध्य, सोनगढ़ स्टेशन है स्टेशन से शहर 1 किमी. एवं बस स्टैण्ड 1/2 किमी. है। सोनगढ़ 11, भापनगर 28, पालीताणा-22, तारंगा 306 किमी।

नाम एवं पताः श्री महावीर कुंदकुंद दिगंबर जैन परमागम मंदिर, सोनगढ़ जि. भावनगर फोन 02346-244334, 244692, संपर्क सूत्रः विराज जैन -09373294684

सुविधायें : प्राइवेट गेस्ट हाऊस है। नाश्ता, भोजन की व्यवस्था है। सर्व सुविधा से युक्त अतिथि गृह एवं धर्मशाला में 46 कमरे हैं।

कविता

खुल जाये शिव द्वारा

संस्कार फीचर्स

वाट जोहते कब आयेगा, वर्षायोग निराला
संत समागम कब पायेंगे, गुरु वचनामृत वाला
सच्चा श्रावक सदा सोचता, वर्षायोग मिले
ज्ञान ध्यान मय धर्म की बगिया, संयम फूल खिले
रिमझिम रिमझिम गिरें फुहारें, समता नीर बहे
मन का खेत हरित हो जावे, सूखा नहीं रहे
सम्यक् मोर पपीहा बोले, मिथ्या तपन मिटे
पाप मिटे मन पुण्य बढ़े नित, गुरु चरणन में सटे
ऐसा अवसर हमें मिले कब, जिन मंदिर में रमें
गुरु नौका में बैठ भविक या भव्यजन, भव दुख अंत करें
वर्षायोग मिटा दे ममता खुल जाये शिव द्वारा

आगम दर्शन

आचार्य जयसेन की दृष्टि में केवली भुक्ति

श्वेतांबरों ने अपने पात्र का औचित्य सिद्ध करने के लिए केवली भुक्ति का प्रकरण आगे बढ़ाया है क्योंकि वे जानते थे कि अगर केवली भगवान को भोजन करा दिया जाये तो केवली भगवान स्वयं समवशरण से उठकर जायेंगे नहीं और उनके लिये जो भोजन लायेगा वो बिना पात्र के नहीं ला सकेगा अतः केवली भगवान को भोजन कराने की प्रक्रिया प्रस्तुत की गयी हैं। इसी श्रृंखला में पुनः विषय को आगे बढ़ाते हुये आचार्य जयसेन जी ने प्रवचनसार की 19वीं गाथा की टीका लिखते हुए शंका प्रस्तुत है कि मिथ्यादृष्टी आदि से सयोग केवली गुणस्थान तक के जीव आहारक होते है। इस प्रकार आहारक मार्गणा में आगम में कहा गया है। अतः केवली ज्ञानी के आहार ग्रहण करने का प्रसंग आता है।

समाधानः अपने शिष्य की उठाई हुये शंका को अयुक्त (अनुचित) कहते हुये आचार्य श्री नो कम्म कम्म आहार इस प्रकार की गाथा से यह सिद्ध होता है िकि छह प्रकार के आहार होते हैं 1. कर्माहार 2. नो कर्म आहार 3. लेपाहार 4. ओजाहार 5. मानसिक आहार 6.कवलाहार केवली की नो कर्म आहार होता है। उस अपेक्षा से उन्हें आहारक कहा जाता है। किंतु उन्हें कवहाहार की अपेक्षा से आहारक नहीं कहा जाता। सूक्ष्म, सुरस, सुगंधित आहार के बिना साधारण मनुष्य जीवित नहीं रह सकता किंतु कोटीपूर्व आयु पर्यन्त अरिहंतों का शरीर रहता है कारण कि सप्तधातु से रहित परम औदारिक शरीर के नो कर्म आहार होता है किंतु लाभांतराय कर्म का पुर्ण रूपेण नाश हो जाने से प्रतिक्षण पुद्गल का आस्त्रव होता है। इस प्रकार नो कर्म लब्धि व्याख्यानकाल में कहा गया है। इससे ज्ञात होता है कि नो कर्म आहार अपेक्षा से केवली के आहारकपना कहा गया है।

पूर्वमत- आपकी कल्पना से नो कर्म की अपेक्षा से आहार अनाहारकपना होता है। किंतु केवली के कवलाहार नहीं होता है यह आपने कैसे जाना।

समाधानः तत्वार्थसूत्र में **एकंद्वौत्रिन्वानाहारकः** इस प्रकार का सूत्र पाया जाता है। इस सूत्र का अर्थ है कि भवांतर अर्थात् दूसरे भव में जाते समय विग्रहगति में शरीर का अभाव होता है। नये शरीर को धारण करने के लिए 6 पर्याप्ति और तीन शरीर के पुद्गलपिंड के ग्रहण करने को नो कर्म आहार कहते हैं और उसी विग्रहगति में कर्महार विद्यमान होने पर भी 1,2 और 3 समय तक वह नो कर्महार नहीं होता है। अतः नो कर्म आहार की अपेक्षा से आगम में आहार, अनाहारकपना कहा गया है। यदि पुनः कवलाहार की अपेक्षा से भोजनकाल के बिना हमेशा अनाहारकपना कहा जाये तो तीन समय का नियम घटित नहीं होगा।

शंकाः फिर भी कोई कहता है कि केवली के कवलाहार होता है क्यों कि उनका मनुष्यपना है। जैसे मनुष्य आहार ग्रहण करते हैं वैसे केवली भी आहार ग्रहण करते हैं।

समाधानः यह कहना भी अनुचित है क्योंकि पूर्वकाल के मनुष्यों की सर्वज्ञता नहीं है। राम-रावण आदि पुरुषों के क्या विशेष सामर्थ्य नहीं है ? क्या वे वर्तमान मनुष्य के समान हैं। ऐसा नहीं है क्योंकि छद्मस्थ साधुओं के भी सप्तधातु से रहित परम औदारिक शरीर का अभाव होने पर **छट्टोत्ती पळमस** इस प्रकार आगम वचन होने से प्रमत्तसंयत गुणस्थानवर्ती के आहार ग्रहण होता है फिर भी यह आहार ज्ञान ध्यान सिद्धी के लिए वे लेते हैं। देह के ममत्व के लिये नहीं। काय को

स्थिर रखने के लिए ही अथवा ज्ञान के लिए आहार लेते हैं और कर्म विनाश के लिये ज्ञान की आवश्यकता होती है। कर्म विनाश से परम सुख की प्राप्ति होती है। परंतु उन केवली भगवान के ज्ञान संयम और ध्यान गुण स्वाभाविक होते हैं इसलिए उन्हें आहार के माध्यम से शक्ति प्राप्त करने की आवश्यकता नहीं है। यदि देह के ममत्व से आहार भ्रमण करते हैं तो वे केवलज्ञानी छद्मस्थ से भी हीन अवस्था को प्राप्त हो जायेंगे अतः उन केवलज्ञानी के विशेष अतिशय प्रकट हो जाने के कारण से कवलाहार का कोई प्रसंग नही आता है। यदि आता है तो परम औदारिक शरीर होने से उनके भुक्ती का अभाव होने का प्रसंग क्यों नहीं आता है। यदि यहां पर प्रच्छन्न भुक्ती मानी जाये तो मायाचारी और दीनवृत्ती का प्रसंग आता है और पिंड शुद्धि अर्थात् आहारसंबंधी बहुत सारे दोषों का प्रसंग केवली के आ जाता है। इस व्याख्या से यह सिद्ध हो जाता है कि केवली का कवलाहार नहीं होता है।

यदि पुनरूच्यते भवद्भि- मिथ्यादृष्टयादिसयोगकेवलिपर्यन्तास्त्रयोदशगुणस्थानवर्तिनो जीवा आहारका भवन्तीत्याहारकमार्गणायामागमे भणितमास्ते ततः कारणात् केवलिमाहारोऽस्तीति। तदप्ययुत्कम्। परिहारः णोकम्म-कम्महारो कवलहारो ये लेप्यमाहारो। ओजमणो वि य कमसो आहारो छव्विहो णेयो॥ इति गाथाकथितक्रमेण यद्यपि षट् प्रकार आहारो भवति तथापि नोकर्माहारापेक्षया केवलिनामाहारकत्वमबोद्धव्यम्। न च कवलहारापेक्षया। तथाहि-सूक्ष्माः सुरसाः सुगन्धा अन्यमनुजानामसंभविनः कवालाहारं विनापि किंचिदूनपूर्वकोटिपर्यन्तं शरीरस्थितिहेतवः सप्तधातुरहितपरमौदारिकशरीरकर्माहारयोग्या लाभान्तरायकर्मनिरवशेष-क्षयात् प्रतिक्षणं पुद्गला आस्रवन्तीति नवकेवलिलब्धिव्याख्यानकाले भणितं तिष्ठति। ततो ज्ञायते नोकर्माहारपेक्षया केवलिमाहारकत्वम्। अथ मतम् भवदीयकल्पतया आहारनाहारकत्वं नोकर्माहारापेक्षया न च कवलाहारापेक्षया चेति कथं ज्ञायते। नैवम्। एकं द्वौ त्रीन् वानाहारकः इति तत्वार्थे कथितमास्ते। अस्य सूस्यार्थः कथ्यते - भवाङ्गगमनकाले विग्रहगतौ शरीराभावे सति नूतनशरीरधारणार्थं त्रयाणां शरीराणां षण्णां पर्याप्तीनां योग्यपुद्गलपिण्डग्रहणं नोकर्माहार उच्यते। स च विग्रहगतौ कर्माहारे विद्यमानेऽप्येकद्वित्रिसमय पर्यन्त नास्ति। ततो नोकर्माहारापेक्षयाऽऽ-हारा नाहारकत्वमागमे ज्ञायते। यदि पुनः कवलाहारापेक्षया तर्हि भोजनकालं विहाय सर्वदैवानाहारक एव, सममत्रयनियमो न घटते। अथमतम् - केवलिनां कवलाहारोऽस्ति मनुष्यात्वाम् वर्तमान मनुष्यवत् तदप्युत्कम्। तर्हि पूर्वकाल पुरुषाणां सर्वज्ञत्वं नास्ति, रामरावणादिपुरुषाणां च विशेष सामर्थ्य नास्ति वर्तमानमनुष्यवत्। न च तथा। किंच छद्मस्थतपोधना अपि सप्तधातुरहितपरमौदरिकशरीराभावे छट्ठो त्ति पढमसणा इति वचनात् प्रमत्तसंयतषष्ठगुणस्थानवर्तिनो यद्यप्याहारं गृहणन्ति तथापि ज्ञानसंयमध्यानसिद्ध्यर्थं न च देहममत्वार्थम्। उक्तं च कायस्थित्यर्थमाहारः कायो ज्ञानार्थमिष्यते। ज्ञानं कर्मविनाशाय तन्नाशे परं सुखं॥ ण बलाउसाहणट्ठं ण शरीरस्स य चयट्ठ तेजट्ठं। णाणट्ठ संजमट्ठं झाणट्ठं चेव भुंजति॥ तस्य भगवतो ज्ञानसंयमध्यानादिगुणाः स्वभावैनैव तिष्ठन्ति न चाहारबलेन। यदि पुनर्देहममत्वेनाहारं गृहणाति तर्हि छद्मस्थेभ्योऽप्यसौ हीनः प्राप्नोति। अथोच्यते-तस्या-तिशयविशेषात्प्रकटा भुक्तिर्नास्ति प्रच्छन्ना विद्यते। तर्हि परमौदरिक शरीरत्वाद्भक्तिरेव नास्त्ययमेवातिशयः किं न भवति। तत्र तु प्रच्छन्नभुक्तौ मायास्थानंदैन्यवृत्तिः अन्येऽपि पिण्डशुद्धिकथिता दोषा बहवो भवन्ति।

समस्या पूर्ति प्रतियोगिता
जुलाई 2025
ये साधना है सम्यक् पथ की

प्रथम-

मिथ्या मत में भूल रहा सब
ज्ञान सम्पदा छूटी
राह भटकता फिर सही तूँ
शिव सुख आशा टूटी
नहीं समाधि मिली साधना
रूकी गति शिव रथ की
जिन मूरत का दर्शन सोचो
ये साधना सम्यक् पथ की

श्रीमती रजनी जैन, राहतगढ़

द्वितीय-

अतृप्त नयन बस लखते रहते
वीतराग मुद्र जिनवर की
दर्शन सफल सदा होते ही
ये साधना है सम्यक् पथ की

श्रीमती अनीता जैन, इंदौर

तृतीय-

आओ अवलोकन अब कर लो
कहाँ शांत मूरत हे ऐसी
राग द्वेष से परे देव यह
ओज तेजमय सूरज जैसी
जिन बिम्बों की बड़ी श्रृंखला
राह दिखती सच्चे सुख की
नयन सफल मेरे हो जाते
साधना है सम्यक् पथ की

राजेश जैन, गंजबासौदा

वर्ग पहेली क्र. 308
जून 2025 के विजेता

प्रथम : ममता जैन, भोपाल
द्वितीय : आशा जैन, कोलकाता
तृतीय : निर्मला जैन, इंदौर

माथा पच्ची

निम्न अक्रमबद्ध वर्णों कोक्रमबद्ध बनाकर रिक्त स्थान में एक सार्थक शब्द बनाइए।

1. आ द् अ द्द अ द्ढ ण् आ अ ल् अ र् ष् द्द
2. ई ओ अ स् आ क् अ र् अ प् र् व् न् त् त् र् सं
3. क् इ ओ त् इ आ य् ग् त् इ आ इ न् द् ए द् श प्र
4. स् अ र् अ आ आ ट् आ स् अ व् इ र् अ उ र् प् अ व् द् य् ग वि
5. अ स् क् आ र् अ आ स् ग् अ र् सं

परिणाम :
अगस्त 2022: (1) संस्कार सागर (2) जैन संदेश (3) कुन्दकुन्द वाणी (4) अर्हत वचन (5) शोधादर्श

पुराण प्रेरणा

भवितव्यता दुर्निवार

दुर्निवार हि भवितव्यता

भवितव्यता दुर्निवार है।

अगाढे व्याप्यनागाढे मरणे समुपास्थिते।
न मुह्याति जना जातु जिनशासनभाविताः ।।

जो मनुष्य जिनशासन की भावना से युक्त हैं वे सम्भावित और असम्भावित किसी भी प्रकार का मरण उपस्थित होने पर कभी मोह को प्राप्त नहीं होते।

परस्यापकृतिं कुर्वन कुर्यादेकत्र जन्मानि।
पापी परवधं स्वस्य जन्तुर्जन्मानि जन्मनि ।।

दूसरे का उपकार करने वाला पापी मनुष्य दूसरे का वध तो एक जन्म में कर पाता है पर उसके फलस्वरूप अपना वध जन्म-जन्म में करता है।

कषायवशगः प्राणी हन्ता स्वस्य भवे भवे।
संसारवर्धनोऽन्येषा भवेद्धा वध को न वा ।।

यह प्राणी दूसरों का वध कर सके अथवा न कर सके परंतु कषाय के वशीभूत हो अपना वध तो भव-भव में करता है तथा अपने संसार को बढ़ाता है।

परं हन्मीति संध्यातं लोहपिण्डमुपाददत्।
दहत्यात्मानमेवादौ कषायवशगस्तथा ।।

जिस प्रकार तपाये हुये लोहे के पिण्ड को उठाने वाला मनुष्य पहले अपने आपको जलाता है पश्चात् दूसरे को जला सके अथवा नहीं । उसी प्रकार कषाय के वशीभूत हुआ प्राणी दूसरे का घात करूँ इस विचार के उत्पन्न होते ही पहले अपने आपका घात करता है पश्चात दूसरे का घात कर सके या नहीं कर सके।

केरियर

कामधेनु फैशन डिजाइनिंग

फैशन डिजाईनिंग में कोर्स करने के लिए, आपको कपड़े, सामग्री रंग, बुनाई, ड्रेपिंग क्वालिटी और बदलते ट्रेंड के बारे में जानकारी होनी चाहिए। इसके साथ तत्परता, कुलर, शेड, और टोन का अच्छा सेंस, रचनात्मक आईडिया और नयापन अच्छी बोल-चाल की स्किल, अच्छी काल्पनिक और निरक्षण शक्ती मार्केट की जरूरत और ग्राहक के लाइफ स्टाईल की अच्छी जानकारी ये सब स्किल होना जरूरी है।

कोर्सः बैचलर ऑफ फैशन डिजाइनिंग
बीएससी-फैशन डिजाइनिंग
बैचलर ऑफ फैशन कम्युनिकेशन
डिप्लोमा इन फैशन डिजाइनिंग

अवधिः एक साल से चार साल तक

फीसः 50000 रूपये से लेकर 70000 रूपये है।

नौकरीः फैशन डिजाइनर वे पेशेवर होते हैं जो किसी फैशन ब्रांड के लिए डिजाइनर कपड़े बनाते है । कुछ फैशन डिजाइनर खुद का एक स्वतंत्र फैशन लेबल लांच करते हैं।

सैलरीः सालाना 1250000 से 725000 के बीच
या 35000 प्रतिमाह

इंस्टीट्यूटः लखोटिया कॉलेज ऑफ डिजाईन- हैदराबाद
जे.डी. इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी-नागपुर
कलाकौशल इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन डिजाईन- अकोला

दुनिया भर की बातें

■ **1 जून**

- यूक्रेन ने रूस के 41 जंगी जेट ड्रोन हमला कर नष्ट किये।

- डाटने का मतलब आत्महत्या के लिए उकसाना नहीं है यह कहकर सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी को बरी किया।

- असम की 10 प्रमुख नदियाँ खतरे से ऊपर बह रही हैं।

■ **2 जून**

- सिक्कमः सैन्य कैम्प भूस्खलन की चपेट में आने से 3 जवान शहीद हुए।

- पराग्वे के राष्ट्रपति सेंटियागो पेना पलासिओस भारत आये पहलगाम हमले पर संवेदना जतायी।

- आई.आई. टी. प्रवेश परीक्षा में रजित गुप्ता टॉपर रहे।

■ **3 जून**

- रूस को क्रीमिया से जोड़ने वाले पुल को यूक्रेन ने उड़ाया।

- जेश कमांडर मौलाना अजीज की मौत पाकिस्तान में हुई।

- फिरोजाबाद (यू.पी.) 12 वर्षीय अंश को क्रिकेट खेलते समय छाती में गेंद लगने से उसकी मौत हुई।

■ **4 जून**

- बेंगलूरः आर.सी.बी विक्ट्री परेड में भीड़ भगदड़ में 11 लोगों की मौत हुए 27 घायल हुए।

- जाति जनगणना के साथ 1 मार्च 27 से जनगणना शुरु होने की घोषणा केन्द्र सरकार ने की।

- थांदला (म.प्र.) बेन पर तेज रफ्तार बाला ट्राला पलटा 9 लोगों की मौत हुई।

■ **5 जून**

- एक करोड़ का इनामी नक्सली सुधाकर ढेर हुआ।

- रीवाः आटो रिक्शा पर ट्रक पलटा 7 की मौत 3 घायल हुए।

- गुवाहटीः असम में 21 जिले बाढ़ से घिरे 7 लाख लोग प्रभावित हुए।

■ **6 जून**

- चिन्ना स्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ मामले में आरसीबी और प्रबंधन कम्पनी के 4 अधिकारी गिरफ्तार किये गये।

- गण चिरोलीः मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडनवीस के सामने 12 नक्सलियों ने आत्म समर्पण किया।

- मिसाईल ड्रोन से रूस ने यूक्रेन पर हमला किया 3 मरे 200 से अधिक घायल हुए।

■ **7 जून**

- बीजापुर (छत्तीसगढ़) 5 नक्सली मुठभेड़ में ढेर हुए।

- गंगटोकः भूस्खलन प्रभावित छातेन से 16 सैन्यकर्मी को हवाईमार्ग से निकाला।

- भारत ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता हुआ।

■ **8 जून**

- इंफालः मैतई समुदाय के नेता अरम्बाई तेंगगोल की गिरफ्तारी से माहौल बिगड़ा।

- लास्एजिसः डोनाल्ड ट्रम्प का जोरदार विरोध 2 हजार सेना के जवान तैनात हुए।

- नेत्रहीन वकील अंचल भाटेजा ने सुप्रीम कोर्ट में जिरह की।

■ **9 जून**

- मुंबईः दो लोकल ट्रेन में लटके यात्री एक दूजे से टक्कराये 4 मरे 9 घायल हुए।

- छत्तीसगढ़ में माओवादी नक्सली द्वारा डाली भूसुरंग विस्फोट में अति एस.पी. आकाश राव शहीद हुए।

- इंदौरः राजा रघुवंशी की हत्या का मामला खुला पत्नी सोनम ने सुपारी देकर हत्या कराई हत्यारों ने कबूल किया।

■ **10 जून**

- आस्ट्रिया के एक स्कूल में गोलीबारी हुई।

- हमलवार सहित 12 जन की मृत्यु हुई 28 घायल हुए।

- कोच्ची (केरल) समुद्र में एक मालवाहक जहाज में आग लगी। 2 गंभीर 18 लोगों को बचाया।

- तेहरानः आई एस के 18 आतंकियों को मौत की सजा सुनाई गई।

■ **11 जून**

- रूस के यूक्रेन पर 85 ड्रोन हमलों में 3 लोग मरे।

- सहायता सामग्री लेते हुए इजरायली हमले में 36 फिलतीस्तानी मारे गये 207 लोग घायल हुए।

- मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि भारत में निष्पक्ष मतदाता सूची बनाना दुनिया का सबसे बड़ा काम है।

■ **12 जून**

- अहमदाबादः विमान दुर्घटना में 265 लोगों की मौत हुई एयर इंडिया के विमान ने लंदन के लिए उड़ान भरी 2 मिनट में दुर्घटना ग्रस्त हुआ 5 मंजिल मेडिकल कालेज से टकराया।

- मुरैनाः विधवा बहु के द्वारा पुनर्विवाह का विरोध करने पर बहु की हत्या ज्ञानसिंह गूर्जर ने की।

■ **13 जून**

- ईरान के परमाणु ऊर्जा केन्द्र पर इजरायल ने हवाई हमला किया सैन्य अधिकारी सहित 78 जन मरे।

- अहमदाबादः जेदी हॉस्टल के छत से ब्लैक बॉक्स मिला।

- गाजा पर बिना शर्त युद्ध विराम का प्रस्ताव पर संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत तटस्थ रहा।

■ **14 जून**

- दुबईः 67 मंजिला पेनकॉल मरीन में आग लगी 8000 लोगों को बचाया गया जनहानि नहीं हुई।

- बालाघाटः तीन महिला सहित 4 नक्सली ढेर हुए।

- नीट यूजी परीक्षा राजस्थान का महेश कुमार भारत में सर्वप्रथम उत्तीर्ण हुआ।

■ **15 जून**

- मावल तहसील में प्रसिद्ध कुंडमला में इंद्रायणी नदी का पुल टूटने से 4 लोगों की मौत हुई 38 घायल हुए पर्यटकों की भीड़ ज्यादा थी।

-देहरादूनः केदारनाथ में हैलीकॉप्टर हादसा में 7 लोग मरे।

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सायप्रस यात्रा पर गये।

■ **16 जून**

- सायप्रस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सर्वोच्च सम्मान नगरी से सम्मानित किया।

- प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा पर नये मामले में ईडी ने समन्स जारी किया।

- इजरायल और ईरान ने एक दूसरे पर हवाई हमले किये ईरान 224 और इजरायल 28 लोग मारे गये।

■ **17 जून**

- एयर इंडिया ने ड्रीम लायनर की 4 उड़ाने रद्द की।

- जी-7 सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कनाड़ा यात्रा पर गये।

- मुरैनाः ट्रक बाइक भिडन्त में पिता पुत्र की मृत्यु हुई।

■ **18 जून**

- अरण्य ऋषी पद्मश्री मारूति चित पल्ली का निधन हुआ वे 93 वर्ष के थे।

- महाराष्ट्र में पहली कक्षा से हिन्दी भाषा अनिवार्य करने की घोषणा हुई। राज ठाकरे ने विरोध किया।

- ईरान प्रमुख आयातुल्लहा खुमेनी ने कहा कि ईरान अमेरिका के सामने सरेन्डर करने वाला नहीं है।

■ **19 जून**

- क्यू एस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी में दिल्ली आई.आई टी का प्रथम स्थान निश्चित हुआ।

- गाजियाबादः पुलिस थाने के बाहर रवि शर्मा की हत्या गोली मारकर मोंटू व अजय ने की। विवाद गाड़ी हटाने को लेकर हुआ।

■ **20 जून**

- डकारः नायजेरिया देश में आतंकी हमले में 34 सैनिक मारे गये 34 से अधिक घायल हुए।

- ईरान ने युद्ध के चलते भारत के लिए हवाई क्षेत्र खोले।

- एयर इंडिया की पुनः 8 उड़ानें रद्द हुई।

■ **21 जून**

- विशाखापट्टनः योग दिवस के दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शांती के लिए योग आवश्यक है। योग दिवस पर 3 लाख 3 हजार लोगों ने योग किया।

- नागरिक उड्डयन संचालनालय ने एयर इंडिया के 3 अधिकारियों को हटाने के निर्देश दिये।

- पंजाब पुलिस ने बब्बर खालसा का सदस्य ओंकार सिंह को गिरफ्तार किया।

■ **22 जून**

- इजरायल ईरान की जंग की बीच अमेरिका कूँदा ईरान के 3 परमाणु ठिकानों पर बमबारी की।

- पहलगाम हमले आतंकियों को पनाह देने वालों परवेज और बशीर को एन आई ए ने गिरफ्तार किया।

- छतरपुर (म.प्र.) महिला और बच्चों का अपहरण दिन दहाड़े हुआ 12 लोगों ने गोलीबारी की जिसमें महिला पति घायल हुआ यह ग्राम सुमेड़ी की है।

■ **23 जून**

- कॉग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वैश्विक मंच पर भारत के लिए अहं पूंजी है।

- ईरान के फोर्डो पर अमेरिका ने फिर हमला किया।

- कॉंग्रेस प्रदेशाध्यक्ष (गुजरात) के शक्ति सिंह गोहिल ने हार की जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दिया।

■ **24 जून**

- इजरायल और ईरान के बीच युद्ध विराम घोषित हुआ।

- देवासः एक ही परिवार के 4 सदस्यों ने प्रेम प्रसंग मामले में जहर खाया राधेश्याम रंगू बाई आशा की मृत्यु हुई। रेखा आई सी यू में है।

- गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में वाराणसी में 25वीं बैठक हुई।

■ **25 जून**

- अखिलेश यादव ने अपमानित कथावाचकों का सम्मान किया।

- नैनीतालः उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड ने दौरा किया।

- मुस्लिम युवती ने हिन्दू युवक से शादी की।

■ **26 जून**

- चीन में आयोजित शंघई सहयोग संगठन के सांझा वयान में पहलगाम हमले का जिक्र नहीं होने पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हस्ताक्षर करने से मना किया।

- शुभम शुक्ला सहित 3 अन्य अंतरीक्ष यात्री अंतर्राष्ट्रीय अंतरीक्ष स्टेशन पहुँचे।

- हिमाचल में बादल फटने से 3 मृत 8 लापता हुए जम्मू कश्मीर के राजौर पुंछ डोडा में अचानक आई बाढ दो बच्चों सहित 3 मरे चार को बचाया।

■ **27 जून**

- रतलामः म.प्र. के मुख्यमंत्री की 19 गाडियों में डोसी गाँव के एक पेट्रोल पंप में पानी मिला डीजल भरा गया गाडिया बंद हुई डॉ. मोहन यादव का काफिला रूका। पेट्रोल पंप सील हुआ।

- कोलकाताः लॉ कालेज की छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार मामले में मनोजित मिश्र जैव अहमद और प्रमित मुखर्जी गिरफ्तार हुए।

- अहमदाबादः जगन्नाथ यात्रा मे हाथी बिफेर भगदड़ मची।

■ **28 जून**

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा प्राकृत भाषा विश्व की सबसे प्राचीन भाषा है यह बयान आचार्य विद्यानंद जी के शताब्दी कार्यक्रम में दिया।

- आई.पी.एस पराग जैन रॉ के प्रमुख बने।

- पेशाबरः खेबर पख्तून प्रांत में आत्मघाती हमले में 13 सैनिक मरे 24 घायल हुए।

■ **29 जून**

- पुरी (उड़ीसा) रथयात्रा में मची भगदड़ 3 भक्त मरे 50 घायल हुए दुर्घटना के लिए मुख्यमंत्री ने माफी मांगी।

- जमशेदपुर (झारखंड) मूसलाधार वर्षा से 162 छात्रा का जीवन बचाया गया।

- न्यूजर्सीः 20 जून को गई सिमरन नाम की युवती लापता हुई भारतीय युवती विवाह हेतु अमेरिका गई थी।

■ **30 जून**

- सांगारेड्डी (तेलंगना) एक केमिकल फैक्ट्री में विस्फोट हुआ 12 कर्मचारी मरे 27 घायल हुए।

- पाकिस्तान 1 माह के लिए सुरक्षा परिषद का अध्यक्ष बना।

- सेना के जवानों ने एक अरिफ मोहम्मद घुसपैठिया को गिरफ्तार किया और मदद करने वाले चार आतंकी पकड़े गये यह पाकी नागरिक है।

दिशा बोध

बंधुता

1. केवल बन्धुत्व में ही विपत्ति के दिनों में स्नेह में स्थिरता रहती है।
2. यदि मनुष्य बन्धुगणों से सौभाग्यशाली है और बन्धुगणों का प्रेम उसके लिए घटता नहीं है, तो उसका ऐश्वर्य कभी बढ़ने से नहीं रुक सकता।
3. जो मनुष्य अपने सम्बन्धियों के साथ सहयतापूर्वक नहीं मिलता है और उनका स्नेह नहीं पाता है, वह उस सरोवर के समान है, जिसकी मोरी में अवरोध हो और जिसका पानी उससे दूर बह जाता है।
4. अपने नातेदारों को एकत्रित कर उन्हें अपने स्नेह-बन्धन में बांधना ही ऐश्वर्य का लाभ और उद्धेश्य है।
5. यदि एक आदमी की वाणी मधुर है और वह उदारहस्त है, तो उसके सम्बंधी उसके पास पंक्ति बांधकर एकत्रित हो जाएँगे।
6. जो मनुष्य बिना रोक-टोक के खूब दान करता है और कभी क्रोध नहीं करता, उससे बढ़कर जगद्‌बन्धु कौन है ?
7. कौआ अपने भाइयों से अपने भोजन को स्वार्थ से छिपाता नहीं है, बल्कि प्यार से उसको बाँटकर खाता है। बंधुत्व का एश्वर्य ही प्रकृति के लोगों के साथ रहेगा।
8. यह अच्छा है, यदि राजा अपने सभी सम्बन्धियों के साथ एक सा-व्यवहार नहीं करता, परन्तु प्रत्येक के साथ ही उसकी योग्यतानुसार भिन्न-भिन्न व्यवहार करता है । क्योंकि ऐसे भी बहुत से है, जो विशेषाधिकार को एकाकीरूप से भोगना पसन्द करते हैं।
9. एक सम्बन्धि का मनमुटाव सरलता से दूर हो जाता है। यदि उदासीनता का कारण हटा दिया जाए, तो वह तुम्हारे पास वापिस आ जायेगा।
10. जब एक सम्बन्धि, जिसका सम्बंध तुमसे टूट गया हो और तुम्हारे पास किसी प्रयोजन के कारण वापिस आता है, तो तुम उसे सतर्कता के साथ स्वीकार करो।

इसे भी जानिये

जाने अमेरिका के राष्ट्रपति

1.	हैरी ट्रुमन	1945-1953
2.	ड्वाईट आयसेनहॉवर	1953-1961
3.	जॉन एफ केनेडी	1961-1963
4.	लिंडन जॉन्सन	1963-1969
5.	रिचर्ड निक्सन	1969-1974
6.	गेराल्ड फोर्ड	1974-1977
7.	जिमि कार्टर	1977-1981
8.	रोनाल्ड रेगन	1981-1989
9.	जॉर्ज एच डल्बु बुश	1989-1993
10.	बिल क्लिंटन	1993-2001
11	जॉर्ज डल्बु बुश	2001-2009
12	बराक ओबामा	2009-2016
13	डोनाल्ड ट्रम्प	2016-2020
14	ज्यो बायडेन	2020-2024
15	डोनाल्ड ट्रम्प	2024 अभी जारी

कविता

जयति जयति जय पार्श्वनाथ जी

संस्कार फीचर्स

जयति जयति जय पार्श्वनाथ, अंतरिक्ष प्रभु पार्श्वनाथ
शिरपुर वाले पार्श्वनाथ जी, चिन्तामणि श्री पार्श्वनाथ जी
मनहर स्वामी पार्श्वनाथ जी,वीतराग प्रभु पार्श्वनाथ जी
पूर्ण दिगम्बर पार्श्वनाथ जी, सत्य विधाता पार्श्वनाथ जी
विश्वचक्षु प्रभु पार्श्वनाथ जी, करूणा निधि श्री पार्श्वनाथ जी
भाग्य विधाता पार्श्वनाथ जी, संकटहर्ता पार्श्वनाथ जी
श्वांस श्वांस भज पार्श्वनाथ जी, शिव सुखदाता पार्श्वनाथजी
तत्त्वोपदेशक पार्श्वनाथ जी, जन जन के प्रभु पार्श्वनाथ जी
जन जन के प्रभु पार्श्वनाथ जी, भवदधि तारक पार्श्वनाथजी
नगर बनारस पार्श्वनाथ जी, सम्मेद शिखर के पार्श्वनाथजी
वाम सुत श्री पार्श्वनाथ जी।

नैनागिरि जैन तीर्थ

कला, सिद्धशिला, बज्रशिला, चरण चिन्ह, शैलचित्र और गुफाएँ

❊ सुरेश जैन (आई.ए.एस), भोपाल ❊

देश के सुप्रसिद्ध पुरातत्वविद् डॉ. नारायण व्यास और हमारी सतत प्रेरणा से डॉ. विकास सक्सेना, सौमैया विद्याविहार विश्वविद्यालय, मुंबई द्वारा नैनागिरि जैन तीर्थ की कला, सिद्धिशिलाश्वज्रशिला, चरण चिह्न, शैलचित्र और गुफाओं की गहन शोध कर सर्वोत्कृष्ट स्तर का शोध पत्र- **स्टडी ऑफ रॉक आर्ट एट नैनागिरि मध्यप्रदेश,** 92 रंगीन और सुन्दरतम चित्रों के साथ अंग्रेजी भाषा में तैयार किया गया है। यह शोध पत्र एनल्स ऑफ दी भण्डारकर ओरियंटल रिसर्च इंस्टीट्यूट पुणे में वर्ष 2023 में प्रकाशित किया गया है।

इस शोध पत्र में छतरपुर जिले का चित्र, नैनागिरि, वरदत्त तपोवन तथा सिद्धशिला का सेटेलाईन चित्र, जैन मंदिर समूह, सिद्धशिला और छीपानाला साईट की तुलनात्मक दूरी के चित्र, संबद्ध गुफाओं के चित्र मानव और मानव जैसी आकृतियों के चित्र नैनागिरि के मंदिरों के चित्र, एक हजार वर्ष प्राचीन शिलालेख, पांचों मुनिवरों के सत्रहवीं शताब्दी में निर्मित-चरण चिह्नों के माप के साथ-चित्र, गजराज बज्रघोष शिला (बज्रशिला) के चित्र मुद्रित किए गये हैं। छीपा नाला पुल के समीपस्थ गुफाओं में स्थित शैलकला का वैज्ञानिक ढंग से सर्वेक्षण कर जानकारी संकलित की गई है। शैलकला को प्रदर्शित करते हुए खड़े और दौड़ते हिरणों, जंगही वराह (सुअर) भाला लिए शिकारी तथा विविध पशुओं और मानवों के चित्र दिए गये हैं। सभी चित्रों की गहन शोधात्मक टिप्पणियां दी गई हैं। संबंधित शिलाओं के चित्रों को रंगीन पाइ चार्ट और डायग्राम के माध्यम से प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया है।

हमें यह उल्लेख करते हुए प्रसन्नता है कि डॉ. सक्सेना ने नैनागिरि पर केन्द्रित हमारी सभी पुस्तकों और आलेखों का गहराई से अध्ययन किया है। अपने दल के साथ संबंधित स्थलों का पुनः पुनः निरीक्षण और सर्वेक्षण किया है। विविध विषयों पर हमारा और हमारे सहायकों का साक्षात्कार लिया है। सबका यथास्थान संदर्भ दिया गया है। जो भी विद्वान शोध करना चाहे, उनका नैनागिरि में स्वागत है। नैनागिरि तीर्थ प्रबंधन द्वारा उन्हें आवास, भोजन, अध्ययन एवं सर्वेक्षण के लिए पूर्ण सहयोग प्रदान किया जावेगा। हमारे द्वारा विरचित/संपादित निम्नांकित पुस्तकों से शोधार्थियों को नैनागिरि तीर्थ की विस्तृत जानकारी उपलब्ध हो सकती है-

1. नैनागिरि जैन तीर्थः पुरातन से अद्यतन, 2. नैनागिरि का जैन पुरातत्व, 3. गोम्मटरसार, जीवकाण्ड छंदोदय, 4. बाबा दौलतराम वर्णी की सोलह रचनाएँ, 5. भाषालोकेः नैनागिरि, 6. जैन तीर्थ नैनागिरि और आचार्य विद्यासागर 7.पूज्य गणिनी श्री ज्ञानमति जी के व्यक्तित्व के विविध आयाम, 8. नैनागिरि पूजा, 9. नैनागिरि मूल से मिलन, 10. नैनागिरि दर्शन।

यह सराहनीय है कि सिंघई सतीशचन्द्र केशरदेवी जैन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य श्री सुमति प्रकाश जैन और तीर्थ के प्रबंधक श्री शिखरचन्द्र जैन शोधकर्त्ताओं को सहयोग देने के लिए उनके साथ संबंधित स्थलों पर जाने के लिए सदैव तत्पर रहते है।

असली माँ

❊ डॉ. महेन्द्रकुमार जैन (मनुज) इंदौर ❊

सुभद्रदत्त मगधदेश का रहने वाला था। उसके अतिगुणवती सुशील दो स्त्रियाँ थी। एक वसुदत्ता तथा दूसरी वसुमित्रा। इन दोनों का बहुत समय तक कोई पुत्र नहीं हुआ। काफी समय व्यतीत होने पर वसुमित्रा से एक सुन्दर बालक उत्पन्न हुआ।

सुभद्रदत्त के पास अपार धन था, उसे धन की कोई कमी न थी, फिर भी वह और धन कमाने के उद्देश्य से देशाटन को निकल पड़ा। विभिन्न देशों से धनार्जन करते-करते वह सपरिवार राजगृह नगर पहुंचा। वहाँ वह धनार्जन करते हुए सुख पूर्वक रहने लगा। कुछ दिन उपरान्त काललब्धि समाप्त होने पर सुभद्रदत्त का देहासवासन हो गया। उसकी दोनों स्त्रियों को दुख हुआ। लेकिन मृत्यु से मनुष्य को कोई नहीं बचा सकता है।

जब तक सुभद्रदत्त जीवित था, दोनों स्त्रियों में प्रगाढ़ प्रेम था। एक साथ निवास, खान-पान, शयन आदि सब क्रिया -कलाप करती थी। पुत्र से भी दोनों बहुत प्रेम करती थीं। यहां तक कि बालक को भान नहीं कि मेरी जन्मदात्री मां कौन है ? सेठ सुभद्रदत्त के जीते जी दोनों में कभी नहीं खटकी थी। सुभद्रदत्त ने ऐसा कभी सोचा भी ना था कि मेरे मरने के बाद इन दोनों में कलह होने लगेगा। अन्यथा वह स्वयं इन दोनों का बंटवारा कर अलग-अलग दायरे में बांध देता।

वसुमित्रा और वसुदत्ता में कभी धन को लेकर कलह होता, तो वे कभी बालक को लेकर विवाद करती। धन पर कम बालक पर ज्यादा झगड़ा होता। इनके रोज-रोज के झगड़े को देखकर नगर के बड़े-बड़े सेठों को एकत्रित होना पड़ा, क्योंकि जिस सेठी की नगर क्या पूरे मगध में अच्छी खासी प्रतिष्ठा थी, उसी के घर में आज कलह हो। उन लोगों ने वसुमित्रा और वसुदत्ता को आपस में झगड़ा न करने के लिए बहुत समझाया पर उन पर कोई असर नहीं पड़ा। निर्णायकों को समझ में नहीं आ रहा था कि वे कैसे निपटारा करें ? क्योंकि बालक को दोनों अपना होने का दावा कर रही थीं। नगर के किसी भी व्यक्ति को पता ना था कि बालक की असली मां कौन है ?

झगड़ा दिन प्रतिदिन बढ़ता ही गया। आखिर निपटारा के लिए वे दोनों राजगृह के राजा के पास गयी। राजा के दोनों की बात सुनी। उन्होंने भय, गुस्सा दिखाकर बालक की असली मां ज्ञात करनी चाही, किन्तु उनके सारे प्रयत्न व्यर्थ गये। राजा पसोपेश में पड़ गया। उनके पास ऐसा विचित्र मामला कभी नहीं आया था। उसने बुद्धिमान युवराज अभयकुमार को बुलाकर दोनो के फैसले का भार उन पर सौंप दिया।

युवराज अभयकुमार ने वसुदत्ता तथा वसुमित्रा को अलग-अलग एकान्त में लेजाकर

पूछा, किन्तु दोनों ने ही अपने को बालक की जन्मदात्री मां बतलाया। तीक्ष्ण बुद्धि वाला अभयकुमार भी एक बार परास्त होता सा लगा। राजा, मंत्री, सभाजन, अपनी अपनी उत्सुक निगाहों से युवराज को देख रहे थे। यह विवाद क्या ? अभयकुमार को अपनी बुद्धि की परीक्षा की बेला अनुभूत हुई। युवराज कुमार ने उन स्त्रियों को बहुत समझाया और कई तरकीबों से वास्तविकता जानने की कोशिश की , किन्तु सब तरकीबें नाकामयाव रहीं।

अभयकुमार को गुस्सा आ गया। उन्होंने बालक को जमीन पर लिटा दिया और तलवार उठा बालक के पेट पर सटाकर रखते हुए कहा-स्त्रियों । अब आप लोग घबड़ाएँ नहीं, मैं एक क्षण में फैसला करता हूँ। इस बालक के तलवार से दो टुकड़े किये देता हूँ, तुम लोग एक-एक टुकड़ा लेकर अपने-अपने घर चली जाना। कौन माँ अपनी आंखों के सामने, अपनी कोख से उत्पन्न पुत्र को मरते देख सकती है ? पुत्र के टुकड़े-टुकड़े किए जाने की बात सुनकर वसुमित्रा के मन पर मानों कुठराघात पड़ा। उसके नयनों से अविरल अश्रुधारा वह निकली। उसने रोते हुए कुमार अभय से कहा- मत करो इस बालक के टुकडे। यह बालक वसुदत्ता का है, मेरा नहीं। इसे वसतुदत्ता को दे दो। युवराज अभय को असलियत ज्ञात हो गयी। उन्होंने बालक वसुमित्रा को दिया तथा वसुदत्ता को राज्य से निकाल दिया। नकली मां को अपने कपट भाव रूप अनधिकार चेष्ठा का समुचित दण्ड मिल गया। मगधेश तथा सभागत सब असली मां का मातृत्व तथा अभयकुमार का न्यायचातुर्य देखकर चकित रह गये।

कविता

उपकार

✻संस्कार फीचर्स ✻

माँ घर की दीवार पिता घर का आधार
दोनों के कंधों पर रखा परिवार का भार
जोड़ तोड़ करते हैं मेहनत मजदूरी करते हैं
सुखी संसार का करते है साकार
जीने का कसम मौत से जूझे
औलाद को पालते कई उपास सूझे
एक नाव में सवार विश्वास के साथ
थामे एक दूजे का हाथ
इसी तरह चलता है आदर्श परिवार
संतान नहीं भूलेगी साथ नहीं छोडेगी
अपने माता पिता किया गया उपकार

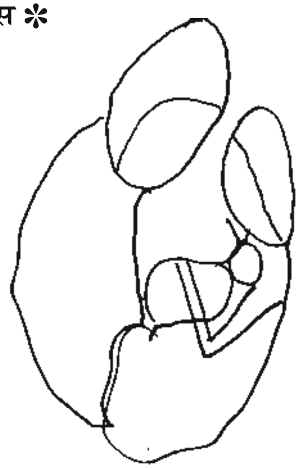

सिद्धांत चक्रवर्ती आचार्य श्री विद्यानंद जी महाराज शताब्दी वर्ष पर

✻ श्रीमती सुषमा जैन, भिलाई ✻

शैले शैले न माणिक्यं, मौक्तिकं न गजे गजे।
साधवो न हि सर्वत्र, चंदनं न वने वने ।।

हर पर्वत पर माणिक रत्न नहीं मिलते, हर हाथी के मस्तक में गज मोती नहीं होते, हर वन में चंदन के वृक्ष नहीं होते, उसी प्रकार सभी जगह साधु नहीं होते। हमारा भारत देश सदा से साधु संतों की चरण रज से पवित्र एवं अध्यातम और धर्म की धारा से ओतप्रोत रहा है। जैन श्रमण संस्कृति ने प्राचीन काल से भारतीय संस्कृति को प्रभावित किया है। जहाँ चौबीसों तीर्थंकर भगवंतों के सभी कल्याणक भूमि होने का गौरव उत्तर भारत की धरा को प्राप्त हुआ, वहीं जैन दर्शन के सभी पूर्वाचार्यों का जन्म दक्षिण भगवंतों की चरण रज से दक्षिण भारत की धरा धन्य हुई।

कर्नाटक के सुरम्य एवं प्राकृतिक वातावरण, कृष्णा नदी से थोड़ी दूरी पर शेडवाल से दस मील दूर दानवाड़ ग्राम में धर्म निष्ठ श्रेष्ठी श्री कालप्पा आण्णपा और सरल स्वभावी सरस्वती के घर 22 अप्रैल 1925 को बालक का जन्म हुआ। बालक का नाम सुरेन्द्र रखा गया, गाँव के निकट वेदगंगा और दूधगंगा नदियों का संगम स्थल होने से बालसखाओं के साथ खेलते नदी में तैरते बीता। किसे पता था कि अंधेरी अमावस की रात जन्मा बालक जीवन भर अज्ञान, अधर्म और अनीति के अंधकार से निकलकर प्रकाश पुंज बनकर सभी का मार्गदर्शन करेगा। माँ सरस्वती की कोख को सार्थक करते हुए जीवन भर माँ जिनवाणी की आराधना करके अपनी अनमोल कृतियों से सरस्वती भंडार को भी समृद्ध करेगा। उनकी शिक्षा दानवाड़ में हुई। उनकी रूचि पढ़ने से ज्यादा खेलने में थी। वे सहनशील, स्वाभिमानी, साहसी और बचपन से ही दृढ़ संकल्पी थे, जो ठान लेते वही करते। भाषाओं के अध्ययन मे उनकी बहुत रूचि थी, दानवाड में प्राथमिक शिक्षा मराठी भाषा में पूर्ण कर शेडवाल में शांतिसागर आश्रम में आगे की शिक्षा प्राप्त की। वहाँ कभी बागवानी सीखी कभी तैराकी में निपुण हुए, संगीत की शिक्षा ली, पूना की आयुध फैक्टरी में काम किया। पूना में रहते उनका दृष्टिकोण आजीविका से आगे राष्ट्र और आत्म कल्याण तक का विचार करने लगा, 1942 मे भारत छोड़ो आंदोलन के समय में एक रात्रि को सुरेन्द्र ने अपने कुछ साथियों के साथ गांव की चौपाल पर तिरंगा फहरा दिया। उनके इस देश प्रेम से परिवार पर कोई विपत्ति न आये इस लिए चुपचाप घर छोड़ कर एक शक्कर के कारखाने में दूसरे नाम से नौकरी कर ली।

यहीं ऐनापुर के पाटिल परिवार के संपर्क में उन्हें कुछ धर्म ग्रंथों को पढ़ने का अवसर मिला। इसी बीच में सुरेन्द्र को मोतिजिरा (टाइफाईड) हो गया, रोग की तीव्र पीड़ा मे उन्होंने संकल्प लिया प्रभों आप ही मुझे इस पीड़ा से बचायेंगे और यदि मैं बच गया तो आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत धारण करूँगा, गांधी जैसा मेरा वंश होगा। धर्म और राष्ट्र की सेवा ही मेरे जीवन का लक्ष्य होगा शेडवाल में 1946 में आचार्य महावीर कीर्ति जी का चातुर्मास हुआ, सुरेन्द्र जी को अनायास

मिले इस सुयोग का उन्होंने भरपूर लाभ लिया। उनकी ज्ञान पिपासा, निष्ठा और जिज्ञासा से आचार्य श्री भी प्रभावित हुए एक दिन सुरेन्द्र जी ने आचार्य श्री से क्षुल्लक दीक्षा के लिए निवेदन किया, आचार्य श्री ने उन्हें समझाया कि दीक्षा के लिए माता पिता की अनुमति आवश्यक है, प्रयास करने पर अनुमति न मिल सकी। चातुर्मास के बाद जब संघ का बिहार हुआ तो सुरेन्द्र जी भी माता पिता से अंतिम बिदा लेते हुए आचार्य श्री के साथ हो लिए और गुरु के समक्ष दीक्षा का निवेदन दोहराते रहे। 15 अप्रैल सन् 1946 में फाल्गुन शुक्ला त्रयोदशी को सुरेन्द्र जी की क्षुल्लक दीक्षा आचार्य श्री महावीर कीर्ति जी के करकमलों से संपन्न हुई। अब वे क्षुल्लक पार्श्वकीर्ति जी हो गये, स्वाध्याय और साधना का उनका लक्ष्य हो गया। कोण्णूर में 1947 का चातुर्मास होने के बाद आचार्य श्री ने क्षुल्लक पार्श्वकीर्ति जी को शांतिसागर छात्रावास का अधिष्ठाता पद ग्रहण करने का आदेश दिया, जिसे उन्होंने 1948 से 1956 तक आठ वर्ष तक बड़ी ही निष्ठा एवं कर्मठता से सम्हाला। 1957 में पार्श्व कीर्ति जी का चातुमार्स हुमचा में हुआ। क्षुल्लक जी ने तीर्थ को व्यवस्थित रूप देकर वहाँ के सरस्वती भंडार के सारे ग्रंथ सूची बद्ध कर दिये। मठ के भट्टारक स्वामी देवेन्द्र कीर्ति जी उनसे बहुत प्रभावित हुए। वहाँ से क्षुल्लक जी की उत्तर भारत की यात्रा प्रारंभ हुई 1958 और 1959 के दो चातुर्मास सुजानगढ़ में संपन्न हुए। वहीं से पार्श्व कीर्ति जी ने हिन्दी पढ़ने लिखने का अभ्यास किया। यहाँ पार्श्व कीर्ति जी ने संस्कृत के माध्यम से पंडित मनोहर लाल जी से हिन्दी सीखी, हिन्दी के प्रसिद्ध लेखक श्री वीरेन्द्र कुमार जैन की कृति मुक्तिदूत बहुत सहायक रही। अन्य भाषाओं का भी अभ्यास किया। सुजानगढ़ में प्रथम बार पर्यूषण पर्व पर दक्षिण के विद्वानों को उत्तर भारत में बुलाया, क्षुल्लक जी का विद्वानों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करना उनका सार्वजनिक अभिनंदन कराना अत्यंत प्रिय था। क्षुल्लक अवस्था में इनके 17 चातुर्मास संपन्न हुए, आप नियमित समयसार जी का स्वयं स्वाध्याय करते और विद्वानों के साथ चर्चा करके शंका का समाधान भी करते थे।

आचार्य श्री देशभूषण जी के चरण सान्निध्य में 1962 में दिल्ली में मुनि दीक्षा लिए निवेदन किया, आचार्य श्री ने 25 जुलाई 1963 में दिल्ली के सुभाष मैदान में अपार जनसमूह के समक्ष क्षुल्लक पार्श्वकीर्ति जी को जैनेश्वरी दीक्षा देकर मुनि विद्यानंद बना दिया। बाल ब्रह्मचारी साधक 38 वर्ष की उम्र में मुनि बनते ही अपने नये नाम को सार्थक करने में संलग्न हो गये, संस्कृत, प्राकृत और उत्कृष्ट हिन्दी का ज्ञान उनके व्याख्यानों, वार्ताओं और लेखन को बहुत ही गंभीर और रूचिकर बनाने लगा, उनकी सभा में तीस चालीस हजार का जनसमूह एकत्रित होना सामान्य बात थी। मुनि श्री विद्यानंद जी ने भगवान महावीर के सिद्धांतों के परिप्रेक्ष्य में विश्वधर्म की व्यापक प्रभावना की, दक्षिण से हिमालय तक की उनकी पद यात्राओं से धर्म प्रचार और जिन शासन का प्रभाव फैला। श्री नगर में उनका एक चातुर्मास भी हुआ, उसके बाद मालवा में 1971 में इंदौर में मुनि विद्यानंद जी का ऐतिहासिक चातुर्मास संपन्न हुआ। विश्व धर्म में अहिंसा की प्रतिष्ठा जैन शासन की प्रभावना और महावीर के अनुयायियों के बीच समन्व के प्रयास तत्कालीन पीढ़ी को मुनि विद्यानंद जी की अनुपम देन है। भगवान महावीर के 2500 वें निर्वाण महोत्सव

वर्ष की शानदार सफलता में उनके मार्गदर्शन की महती भूमिका रही, इसलिए उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए दिल्ली की जैन समाज ने उन्हें उसी वर्ष उपाध्याय पद से विभूषित किया। मुनि श्री की प्रेरणा से जैन भजनों के ग्रामोफोन रिकार्ड्स का निर्माण समयसार, द्रव्यसंग्रह छहढाला आदि के कैसेट तैयार करानेका उल्लेखनीय कार्य हुआ। जैन ध्वज और जैन प्रतीक का निर्माण, धर्म चक्र का प्रवर्तन, जनमंगल कलश का प्रवर्तन आदि अनेकों महत्त्वपूर्ण कार्य आपकी प्रेरणा और मार्गदर्शन से संपन्न हुए। इसी बीच उन्हें एलाचार्य उपाधि से अलंकृत किया गया। श्रवण बेलगोल में बाहुबली प्रतिष्ठापना सहस्राबदी एवं महामस्तकाभिषेक महोत्सव की योजना में आपका मार्गदर्शन प्रमुख रहा। श्रवणबेलगोला में भट्टारक स्वस्ति श्री चारूकीर्ति स्वामजी की ने स्वयं दिल्ली आकार एलाचार्य जी से महोत्सव के लिए श्रवणबेलगोला पधारने की प्रार्थना की। इसी दक्षिण प्रवास के समय 1979 में महाराज का दूसरा चातुर्मास इंदौर में हुआ, यहाँ जनमानस ने अपनी भक्ति स्वरूप दिव्यावदान आलेख उन्हें समर्पित किया। सर्वप्रथम यहीं उनके लिए सिद्धांत चक्रवर्ती सम्बोधन का प्रयोग उनके भक्तों ने किया। आचार्य श्री के निर्देशन, मार्गदर्शन और सान्निध्य में श्रवणबेलगोला का 1981 का महोत्सव संपन्न हुआ, आगे भी 1993, 2006 के महामस्तकाभिषेक में भी आपका आशीष एवं मार्गदर्शन मिलता रहा। इंदौर मे गोम्मटगिरि की रचना आपकी ही देन है। मथुरा चौरासी में भगवान जम्बूस्वामी की विशाल प्रतिमा की स्थापना, धर्मस्थल में भगवान बाहुबली की प्रतिमा की स्थापना एवं महामस्तकाभिषेक कुंद-कुंद भारती मे भरत चैत्यालय एवं मानस्तंभ की स्थापना कुंदकुंद भारती नई दिल्ली में कातंत्र कालाप ग्रंथालय की स्थापना, शौरसेनी प्राकृत संसद की स्थापना आदि अनेक उल्लेखनीय कार्य परम पूज्य विद्यानंद जी की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुई।

आपकी लेखनी से विश्वधर्म से लेकर सैद्धांतिक एतिहासिक, पौराणिक, सामाजिक एवं सामायिक आदि विषयों पर 50 से अधिक पुस्तकें लिखी गई। आपकी प्रेरणा से कई संस्थाओं का निर्माण कई ग्रंथों का प्रकाशन एवं 12 पुरुस्कार भी दिये जाते रहे हैं। आचार्य श्री के उल्लेखनीय आत्मकाल्याण एवं जनकल्याण के कार्यों में एक और कड़ी जुड़ गयी है। जब 2010 में केन्द्र सरकार द्वारा मयूर पंख पर प्रतिबंध लगाने वाले अध्यादेश के विरोध में केन्द्र सरकार को पत्र लिखवाकर और साथ मे आगम के अनेक प्रमाण पुरातत्व से प्राप्त अनेक चित्र आदि प्रामाणिक सामग्री भेजकर यह सिद्ध किया कि यह मयूर पंख धार्मिक चिह्न के रूप में मान्य हैं। जब सरकारी अध्यादेश वापिस हुआ, इस बीच महाराज के विदेश में रहने वाले भक्तों ने श्वेत मयूर पंख दिल्ली भेजे। श्वेत मयूर पंखों की पिच्छि का आचार्य श्री को भक्तों ने भेंट करी, तभी से उन्हें श्वेत पिच्छाचार्य भी कहा जाने लगा। आचार्य श्री विद्यानंद जी ने अपनी शारीरिक शिथिलता एवं आयु को दृष्टि मे रखते हुए 16 जून 1999 में बड़ौत में नियम सल्लेखना ग्रहण कर ली। साथ ही उन्होने निर्देश दिया कि मेरी उपस्थित में या उसके बाद मेरी किसी भी प्रकार की प्रतिमा, चरण चिह्न, आदि न बनाये जाए और ना ही मेरे नाम से किसी संस्था, भवन आदि का नामकरण किया जाए। दिल्ली में 19 सितम्बर 2019 में आपकी समाधि हुई।

मेरा सौभाग्य है कि ऐसे महामना तपस्वी के दर्शन अपने पिता स्व. पंडित नीरज जी जैन के साथ कई बार किये। 1979 में खंडवा में प्रथम दर्शन किये। उन्होंने प्रवचन में जनसामान्य के लिए संयम के संबंध में कहा अपने भोजन को संयमित रखें। 1981 में गोमटेश्वर में महामस्तकाभिषेक में दर्शन करे। कुंदकुंद भारती में कई बार दर्शन का सौभाग्य मिला। 2002 में श्री नीरज जी को दिल्ली में आचार्य श्री विद्यानंद जी के सान्निध्य में श्री साहू अशोक जैन स्मृति पुरुस्कार प्रदान किया गया। साथ ही उन्हें कलावारिधि की उपाधि भी दी गई। इस अवसर पर मुझे भी 3 दिन तक आचार्य श्री की धर्म चर्चा, वार्ता सुननें का सौभाग्य मिला। यह लेख जब आपके हाथों में होगा तब सारा देश, पूरा विश्व सिद्धांत चक्रवर्ती आचार्य श्री विद्यानंद जी का जन्म शताब्दी वर्ष महोत्सव मना रहा होगा। मैं आचार्य श्री के पावन पुनीत चरणों में अपनी विनम्र विनयांजलि समर्पित हुए उन्हें शत् शत् नमन करती हूँ।

कविता

कुण्डलिया-छंद

✻ ब्र. सुदेश कोठिया ✻

नहीं होयँ अरिहंत के, निम्न अठारह दोष।
क्षुधा-तृषा-आश्चर्य-भय, मोह-राग अरू द्वेष॥
मोह-राग अरूद्वेष, अरति-निद्रा-चिन्तायें।
शोक-स्वेद अरू खेद, बुढ़ापा-मरण न जन्में॥
अहंकार नहिं रोग, दोष ये प्रभु ने कही।
परमेष्ठी अरिहंत, वीतराग प्रभु में नहीं॥

उत्तम क्षमा स्वभाव है, क्रोध कषाय विभाव।
क्रोध नरक का मूल है, क्षमा सुगति-सदुपाव॥
क्षमा सुगति सदुपाव, क्रोध का कारण होवे।
फिर भी करे न क्रोध, भले ही सक्षम होवे॥
कह 'सुदेश' समझाय, जु जागे मन में क्षमा।
शत्रु दिखे निज मीत, तभी हो उत्तम क्षमा॥

पकड़ सूंड से फेक दे, धरती देहिं पछाड़।
पैरों के तल मसल दे, कर भगायँ चिंघाड॥
कर भगायँ चिंघाड़, हाथी बलशाली महाँ।
करें न ते प्रतिकार, कूकर भोंकत देख कर॥
छुद्रनि देत नकारँ, 'सुदेश' ज्ञानी मनुज त्यों।
रखें न क्रोध विकार, धर्म मार्ग रखते पकड़॥

कहानी

10^{th} फेल

लेखकः 105 एलक श्री सिद्धांतसागर जी महाराज

बेगमगंज मध्य प्रदेश के रायसेन जिले का एक सुंदर सा शहर है यहाँ पर भव्य जिनालय दो रूप में बटा है जिसे बोला जाता है उस मंदिर के दो भाग है समाज की कषाय के कारण से दो विभाग बने हुए हैं लेकिन प.पू मुनियों ने आचार्यों ने मिलकर उसे एक बनाने की कोशिश की इसी मंदिर के पास में एक परिवार सुंदरलाल जी का रहता था यह परिवार छोटा तीन भाई थे इनमें एक भाई बहुत अच्छा था जिसका नाम पवन था वह पवन अपने जीवन को उन्नति की ओर ले जाने की कोशिश कर रहा था। तीनों भाइयों में पवन सबसे छोटा था लेकिन विद्यार्थी जीवन से ही कुशाग्र बुद्धि होने के बाबजूद भी पढाई में पिछड़ता चला गया। इसी को लेकर उसने बहुत मेहनत की और मेहनत करने के बाद वह सी.ए. भी बन गया। जब पवन दीपावली के दिन अपने बेगमगंज आया तो बेगमगंज में आने के बाद उसके लिये दीपावली के बाजार घूमने का मन हुआ जब चारों तरफ भीड़ ही भीड़ थी और पवन अपने बेगमगंज नगर को कई जिलों में घूम करके भी इतना सुंदर शहर नहीं मिल पाया क्योंकि मातृभूमि सबको बहुत अच्छी लगती है। और मातृभूमि अच्छी लगने के कार ण से वह प्रायः बहुत सुंदर से नगर को पसंद करने के बाद मुंबई में रहने के बाद भी उसे जितना आनंद मुंबई में नहीं आता है उससे ज्यादा अधिक आनंद उसे अपने शहर में आता है।

अपने शहर में आने के बाद वह ऐसा महसूस करता है जैसे उसका घर हो लेकिन एक बात उसकी सबसे बड़ी प्रायः समझ में आती रही कि हम बहुत अच्छे जीवन को अगर प्राप्त कर सकते हैं तो बेगमगंज में ही कर सकते हैं उसके जीवन में बहुत सुंदर सा काम मिला और वह सुंदरलाल का बेटा जिस बेटे का नाम पवन रखा गया वहीं पावन आ जब बेगमगंज में घूम रहा था उसके मित्र वगैरा भी उससे मिलते और उससे हाल चाल पूछ रहे थे कई दुकानों पर खड़े होकर पवन ने अपने मित्रों से चर्चायें की उनमें एक प्रदीप पुलिया भी पक्का मित्र था प्रदीप पुलिया से पूछा प्रदीप भाई कहाँ हो तुम कहाँ रहते हो क्या करते हो प्रदीप पुलिया ने कहा कि अपन अपनी जिंदगी किसी अपनी तरह से काट रहे हैं हमें किसी की कोई जरूरत नहीं तो पवन ने कहा प्रदीप भाई कहीं तो अच्छी सी नौकरी कर सकते हो और अच्छे आदमी भी बन सकते हो तो प्रदीप ने कह दिया देखो भाई पवन मैं अपने मन का राजा हूँ मैं किसी की बात सुन नहीं सकता क्योंकि मैं

सुना सकता हूँ सुन नहीं सकता।

पवन ने कहा प्रदीप भैया देखो अगर जीवन में सफलता प्राप्त करना है तो सफलता प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को धैर्य रखना पड़ेगा जिसके पास सुनने की क्षमता होती है वही आगे बढ़ता है मुझे भी तो बहुत कुछ सुनना पड़ा मैं आपके लिए एक बात पता होगा सब मुझे किस नाम से पुकारते थे ये भी आपको पता होगा तो प्रदीप ने हंसकर ने कहा यार मुझे भी पता है लेकिन अब वो नाम मैं नही ले सकता क्योंकि अब तुम बहुत ऊचाईयाँ प्राप्त कर चुके हो जब पवन प्रदीप पुलिया से बात करके आगे बढ़ रहा था तभी उसके सामने एक ऊंचे और हट्टे कट्टे से सफेद बालों वाले एक टीचर सामने से आ रहे थे पवन ने कहा प्रदीप खरे साहब आ रहे हैं और खरे साहब के लिए मुझे बहुत अच्छे से प्रणाम करना होगा क्योंकि विनम्रता ही किसी भी सफलता का साधन है वृक्ष जब फूलों फलों से लद जाता है तो वह नीचे झुक जाता है और जो नीचे झुकता है विनम्र बनता है वह विनम्र व्यक्ति ही उन्नति और अधिक करता है क्योंकि उन्नति करने की बाद अगर विनम्रता नहीं आई प्रदीप भाई तो अपनी उन्नति करने से कोई मतलब नहीं निकलता प्रदीप बोला मैं तो देव शास्त्र गुरु के सामने झुकता हूँ और किसी के सामने नहीं झुकता हूँ ऐसे टीचर बहुत आते रहते हैं चले जाते हैं मैं किसी को कुछ नहीं मानता परंतु प्रदीप की बात पर फिर एक बार पवन उखड़ा और बोला देखा प्रदीप यही तो बात गलत है जिसने अपने ऊपर उपकार किया है उस उपकारी का उपकार अपन को अवश्य मानना चाहिए। जब यह बात चल रही थी कि उसी समय आकर के खरे साहब खड़े हुए वो बोले भाई पवन तुम कब आए तुम हमारे मोहल्ले में रहने के बाद भी तो हमसे मिलने नहीं आते पवन बोला सर मैं कल ही आया हूँ और थका हुआ था इसलिए मैं आपके पास नहीं आ पाया मैं आपसे मिले बिना कभी भी जा नहीं सकता क्योंकि आपने मेरे जीवन को सुधारने और घड़ने का एक बहुत बड़ा काम किया है क्योंकि (गुरु कुम्हार है शिष्य कुम्भ है गडी गडी काटे खोट। भीतर हाथ संभालें दे बाहर मारे चोट) तो पवन ने कहाँ खरे साहब से सर आपने जो हमें दिशा निर्देश दिया वो दिशा निर्देश और कोई हमें दे नहीं सकता है क्योंकि आपकी बात मुझे कुछ जीवन में लग गई। जिस बात को मैं सुनकर के ही दंग रह जाता था क्योंकि आप जब मुझे शुरु से यह बात करते थे कि पवन तू पढ़ या ना पढ़ परंतु मुझे तो तनखा पूरी ही मिलेगी पर में यह चाहता हूँ कि तू मेरी बात को समझ कर के पढ़े मैं अर्थशास्त्र का लेक्चरार रहा हूँ अर्थशास्त्र के धन के विज्ञान में अर्थ के बिना सब कुछ व्यर्थ होता है।

जिसने जीवन में अर्थ नहीं समझा वह कुछ नहीं कर सकता दुकानदारी करना हर आदमी के लिए आम बात होती है लेकिन योग्यता प्राप्त करके चाहे दुकानदारी करे चाहे वो योग्यता प्राप्त करके दुकान ना करके नौकरी करे कुछ भी करे लेकिन उसके लिये सबसे पहली चीज ये होती है कि स्किल्स होना चाहिए मैं पवन तुझसे एक ही बात हमेशा कहा करता था पवन स्किल्स तुम्हारे अंदर आ सकती है तुम्हारे अंदर बुद्धि प्रखर है लेकिन मेहनत करने वाले के लिये योग्यता प्राप्त होती ही है कोशिश करने वाले की हार नहीं होती है और लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती है जब विपत्ति किसी के पास भी आती है पवन तो वो विपत्ति या प्रतिकूलतायें व्यक्ति को बहुत महान बनाती हैं क्योंकि वो नई चीज सीखने का एक अवसर है मौका है यही बात मैं तुमसे कहा करता था ना पवन ने कहा जी सर आपकी बात को सुनकर

के मैंने बारहवी क्लास के बाद मेहनत करना शुरु की और सर आप को तो एक बात पता होगी की बारहवीं क्लास के बाद कोई भी पढ़ने की बात सोचे तो उसे बहुत दिक्कत जाती है मैंने कभी सपने मे भी नहीं सोचा था कि मैं सी.ए बन जाऊंगा। लेकिन सर आपने जो मुझे प्रेरणा दी कि इंदौर जाने के बाद पढ़ाई कर लेकिन मेरे पूरे परिवार के लोग मेरे इंदौर जाने के लिये सहमत नहीं थे सर बात क्या थी असल में मैंने एक बात जो समझी है वो यह समझी है सर कि तत्काल का लाभ छोड़ा नहीं जाता है और तत्काल का लाभ छोड़े बिना कोई भी व्यक्ति बड़ा बन नहीं सकता है। ये आप जो बात कहते थे कि पहले छोटा काम छोड़ो बाद में बड़ा काम मिलता है मैंने आपके इसी सूत्र को पकड़ के रखा और इसी को पकड़ने के बाद मैंने मेरे भाई माँ और पिताजी तीनों से विद्रोह किया। और विद्रहो की जानकारी आपको मिली थी क्योंकि मेरे भाई राजीव ने आपसे कहा था सर उसे समझाओं के वह कहीं न जाए तो आपने मुझे बिल्कुल एक अलग ही बात कही कि बेटा तुम किसी की बात मत मानो तुम इंदौर जाओगे जो गृह को त्याग देता है गाँव का विद्वान सिर्फ गाँव में पूजा जाता है गाँव का श्रेष्ठी गाँव में ही पूजा जाता है लेकिन जो घर छोड़ करके चला जाता है और हमेशा लक्ष्य पर ध्यान रखता है उसकी इज्जत रहती है क्योंकि नीतिकारण का अर्थशास्त्र जब हम पढ़ते हैं तो उस अर्थशास्त्र से हमें एक बात मिलती है चाणक्य नीति से भी मिलती है और जितनी नीतियों का अध्ययन किया है चाहे वह नीति बिदुर की हो चाहे वह नीति विष्णु शर्मा की हो चाहे वह चाणक्य नीति हो चाहे तो सोमदेव सूरी का भी एक नीति ग्रंथ है तुमने पढ़ा क्या कभी पवन ने बड़े विनम्र शब्द से कहा सर मैंने नहीं पढ़ा है तो उन्होंने कहा कि उनका नीति वाक्यामृत नाम का ग्रंथ है और नीति वाक्यामृत नामक ग्रंथ में भी यही बातें लिखी है जो निश्रेयस् होता है वह समय को देखता है अर्थात् निश्रेयस् से ही जितना हम सच्चे सुख की प्राप्ति करना चाहते है वो सुख प्राप्त करने के लिए सदैव श्रम करना पड़ता है।

खरे सर की यह बात सुनकर के पवन ने कहा की सर इस बात को तो हमारे आचार्य श्री भी कहते हैं आचार्य श्री ने अभी तक हथकरघा का प्रोजेक्ट सामने लाया है सर वो हथकरघा का प्रोजेक्ट मैंने जो आचार्य श्री के पास में गया तो मैंने एक बात आचार्य श्री के सामने रखी कि आज के इस प्रगतिशील जमाने में लूम चह रहे हैं फटाफट प्रोडक्शन होता है और प्रोडक्क्शन के उपरांत मार्केटिंग भी मिलती है हथकरघा का क्या भविष्य है मैंने आचार्य श्री के सामने जब यह बात तो नहीं रख पाया इतनी हिम्मत तो नही हुई लेकिन उनके शिष्य एलक श्री सिद्धांत सागर जी मेरे से बहुत ज्यादा जुड़े हुए है उनके पास मैं गया और उनके पास यह बात मैंने रखी तो उन्होंने मेरे से एक बात कही कि पवन भैया देखो आचार्य श्री का एक सूत्र है हथकरघा क्यों अपनाना चाहते हैं हथकरघा इसीलिए अपनाना चाहते समाज के लिए ही वो अपने लिए कहाँ चाहते हैं आज जो भी समाज के व्यापार जो हैं ना धीरे-धीरे विदेशी की और बढ़ रहे हैं और इस चीज को मुंबई में जा करके देखा। मैंने सारी चीजों को देखा तो मुझे भी एक बात समझ में आयी की सुपर मार्केट के सामने तो छोटे-छोटे दुकानदार क्या करेंगे इस बात की चिंता प.पू. आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज को जब हुई कि अगर श्रावक के हाथ में स्वावलंबी स्वधीनता नहीं होगी या स्वावलंबन का रोजगार नहीं होगा स्वावलंबी भारत कभी बन नहीं सकता है स्वावलंबी भारत अगर बनाना है तो

स्वावलंबी रोजगार भी चाहिए।

पवन की बात में एक दम था जो खरे साहब ने सिर हिलाकर के कहा बिलकुल पवन तुम्हारे आचार्य श्री सही बात कहते है कि बिना श्रम के कल्याण नहीं होता है क्योंकि श्रम उत्पादन का मुख्य साधन है और बिना उत्पादन के कोई भी व्यक्ति वितरण की ओर नहीं बढ़ जाता है अर्थशास्त्र के मूल सिद्धांत यही है इसीलिए उपभोक्ता के लिये मांग के आधार पर ही बात होती है आचार्य विद्यासागर जी महाराजजी ने हथकरघा जेलों में खोला तिहाड़ जेल सागर जेल, मिर्जापुर जेल, और अनेक जेलों में इसके साथ अनेक स्थानों पर उसका सिर्फ ए क ही कारण रहा कि वास्तव में आचार्य श्री ने अपने श्रावकों के लिए स्वावलंबी बनाने का प्रयास किया है।

जब कोई एक हथरकरघा में निरीक्षण करने गया सर तो वहाँ पर हमने जब चर्चा सुनी एक कारीगर से बात की तुम कितने रूपये कमाते हो तो उसने बोला तीस हजार रूपये महीना कमाता हूँ मैं दंग रह गया एक हथकरघा का व्यक्ति टोटल मिलाकर के तीस हजार कमा लेता है । तीस हजार रूपया बहुत बड़ी चीज होती है। खरे साहब ने कहा देखो पवन तुम्हारे आचार्य विद्यासागर जी का एक बहुत गंभीर और दूर दृष्टि भरा सोच है जिसे समाज आज नहीं समझेगी वो कभी और समझेगी पर पवन तुमने खूब मेहनत की है तुमने इतना बड़ा काम किया है जिस काम के लिए कोई कर नहीं सकता है और मुझे तुम्हें देखकर के मुझे बहुत खुशी होती है परंतु एक बात बताओ बेटा तुम किस कंपनी में काम कर रहे हो पवन ने हाथ जोड़कर के कहा सर के अब मैं किसी कंपनी में काम नहीं कर रहा हूँ मैंने एक लाख पैतीस हजार महीने की नौकरी छोड़ दी यार बेटा ये तो तुमने बहुत गलत किया। क्या करते हो बेटा पवन बोला मैं इससे भी ज्यादा कमा ले रहा हूँ मैंने अपनी खुद की कंपनी डाल ली है उस कंपनी के साथ सर मैंने पैतीस सी.ए. अपने बंधन में बंधे हैं और मेरे पास एक हजार से ज्यादा क्लाइंट है खरे साहब ने पवन की पीठ को तीन बार जोर जोर से ठोका और पवन हाथ जोड़े सर के सामने मस्तक झुकाए खड़ा रहा। लोग सारे देख रहे थे कि भाई क्या बात को गई गुरु शिष्य का इतना बाद प्रेम क्यू उमड़ा है पवन ने कहा देखो सर हम तो पुंगा तलते थे और पुंगा तलने के बाद सौ दौ सौ रूपये तक रोज कमा लेते थे मेरे परिवार के लोगों के सर ऐसा लगता था कि पवन जितना कमा रहा है उतना कोई नहीं कमा रहा है और मेरा पढ़ाई में बिलकुल भी ध्यान नहीं जाता था लेकिन सर आपकी प्रेरणा से मैंने पढ़ाई पर ध्यान दिया मगर ध्यान तो दिया मगर फिर भी रात को मेवया तलना पड़ते थे सुबह छत पर सुखने डालने पड़ते थे फिर उनको बच्चों के द्वारा एक-एक थैली में भरवाता था और एक -एक थैली में भरने के बाद फिर मैं जो उसे लादकर गैरतगंज सुल्तानगंज और गाँवों में बेचने जाता था और बेचने के बाद दौ सौ तीन सौ रूपये मिलते थे जिससे मेरे घर के लोग मेरे से बहुत खुश रहते थे वो यह कहते थे पवन बहुत अच्छा है तुम्हें कही भी नहीं जाना चाहिए इतने पैसे कहाँ मिलेंगे तुम तीन सौ रूपये रोज कमाते हो महीन मे नौ हजार रूपये हो गये ओर उस जमाने सन् 2000 के पहले जब इतना कमा लेता था तो हमारे घर के लोग एक बात कहते थे कहाँ इंदौर जाने की जरूर है लेकिन सर आपने बहुत बहुत बार प्रेरणा दी की पवन घर से निकल जा और तू पढ़ाई करने जा आपकी प्रेरणा के कारण से मैंने वो एक रिस्क ली क्योंकि मैंने एक बात सोची सर की अगर मान लीजिए कुछ नहीं बनता पढ़ने

के बाद तो यह पुंगे का धंध तो जब चाहे तब कर लेंगे कभी यह धंधा हम सकते हैं इस धंधे को कोई छीन नहीं सकता मेरे से लेकिन अगर किस्मत जागी और कुछ बन गए तो बहुत अच्छा है सर इसी रिस्क को लेकर के हम आगे बढ़े और आगे बढ़ने के बाद हमने एक बात तय कर ली अब हमें पुंगा का धंधा छोड़ना हैं और छोटी नौकरी कोई भी नहीं करना और मैंने सी.ए. की पढ़ाई प्रारंभ की तो मुझे ऐसा लगा की क्या पता मैं कर पाऊंगा या नहीं कर पाऊंगा तो एक संजय भाई इंदौर में बहुत अच्छे थे वो आचार्य श्री के बहुत अच्छे शिष्य हैं उन्होंने मेरे लिये बहुत मेरा हौसला बढ़ाया और मेरा साथ भी दिया यहाँ तक की उन्होंने मेरे लिए सब कुछ बिलकुल फ्री करके कह दिया कि पवन भैया तुम्हें जितनी भी पढ़ाई करना है करो मेरा आपके लिए हमेशा सहयोग रहेगा उनको भी मैं कभी भूल नहीं सकता हूँ। और मैं एक बात बताता हूँ सर वो आज इस दुनिया में भले ही नहीं हों संजय जी लेकिन एक अच्छे इंसान थे और किसी के लिये कुछ भी हो मैं तो नहीं कह सकता हूँ लेकिन एक बात जरूर है मेरे लिये तो वो बहुत अच्छे थे और उन्होंने मेरे लिये जितना कुछ भी किया कभी भी उन्हों ने ये नहीं कहा कि तुम बेटा मेरा ये काम कर दो या कुछ भी काम हो वो कुछ भी नहीं कहते थे अपना काम कभी नहीं कराया उन्होंने मुझे इंदौर में रहने की व्यवस्था दी उन्होंने मुझे वहाँ पर भोजन व्यवस्था भी दिलाई और स्कॉलरशिप की भी बात की थी लेकिन हमने उनसे स्कॉलरशिप तो नहीं ली लेकिन एक बात अवश्य है कि हमने उनसे एक बात सीखी की उन्होंने मुझसे हमेशा कहा कि बेटा एक बात ध्यान रखना समाज में उसी की इज्जत होती है जो व्यक्ति समाज के लिये कुछ देता है जो समाज के लिए कुछ नहीं दे पाता उसकी इज्जत नहीं होती है और सर मैंने मुंबई में एक बार मंदिर बनवाने का संकल्प लिया और मैंने संकल्प लिया जब मुंबई में मंदिर बनवाने का तो सर बहुत सफल रहा और मेरी कॉलोनी के भीतर आधा किलोमीटर की दूरी पर मैंने मंदिर बनवा लिया और सर मैंने एक फ्लैट ले लिया दूसरा फ्लेट भी बहुत अच्छा ले लिया और ऑफिस का किराया नब्बे हजार रूपया देता हूँ इसके बाद बहुत बचा लेता हूँ।

खरे साहब ने कहा पवन तेरी इस जिंदगी की सब चीजों को देखकर के मुझे लगा आज कि मैंने एक आदमी के लिए बहुत अच्छी सलाह दी और उस सलाह वाले व्यक्ति ने मेरी बात मान ली तो मेरी बात मानने के कारण से मैं जो हूँ ना आज सफल भी हुआ हूँ तो इस आधार पर मैं यह कह सकता हूँ पवन हर बच्चे के लिये अच्छी सलाह देना चाहिए और मैंने अपनी जिंदगी में जितने भी बच्चों को मैंने पढ़ाया है वो फ्री में ही पढ़ाता था और फ्री में पढ़ने के कारण से मेरे बच्चे जो हैं पढ़ करके बहुत अच्छे बन गये और मैंने देखा कि मेरा पवन भी आज मुंबई में जा करके सफल हो गया है तो मैं पवन तेरे लिये कितना कुछ कहूँ जितना भी कहूँ उतना कम होगा पवन ने कहा सर लेकिन एक बात मुझे याद आ रही है जब मैं दसवी में फेल हो गया था तो हमारे लिये ऐसा लगा अब मैं जिंदगी में सिर्फ पुंगा बेचने के सिवा कुछ नहीं कर सकता हूँ तो आज मैं आपके आशीर्वाद से सी.ए. बना और दसवीं फेल कोई व्यक्ति सी.ए. बन गया और सी.ए. में भी खुद की कंपनी स्थापित कर ले सर यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि हैं मैं आपके आशीर्वाद को और अपने गुरु आचार्य विद्यासागर के ही आशीर्वाद मानता हूँ और मेरे एलक सिद्धांतसागर जी भी इसमें प्रेरणादायी रहे हैं।

हमारे गौरव

पं. अजितकुमार शास्त्री

स्वार्थ की संकीर्णता से मुक्त होकर जब मानवचेतना अखिल विश्व के स्तर पर मांगलिक विधान करती है तब वह मानवीयता का प्रतिनिधि होती है। उसी से करूणा, दया, परोपकार जैसे जर्जर होते मूल्यों को संबल मिलता है।

पंडित प्रवर अजितकुमार जी शास्त्री का जन्म चावली (आगरा) उत्तरप्रदेश में विक्रम संवत् 1977 में माघ शुक्ला अष्टमी को उस समय हुआ जब देश प्लेग रोग से संघर्षरत था। ढाई वर्ष की अवस्था में माता-पिता के साथ सम्मेदशिखर जी की यात्रा ने आपके धार्मिक संस्कारों को संयोजित किया और पर्वत जैसी आडिगता व अटलता आपके अंदर स्थापित हो गयी। शैशवकाल में ही माता-पिता के सुख से वंचित हो बड़े भाई इन्द्रप्रसाद जी के संरक्षण और दादी सीताबाई की गोद में क्रमशः बढ़े और खड़े हुए।

शिक्षाः सात वर्ष की आयु में आपने विद्याध्ययन आरंभ किया। सन् 1911 से आप दिगम्बर जैन महाविद्यालय चौरीसी मथुरा में चार वर्ष तक पढ़े। पण्डित श्री राजेन्द्र कुमार जी और पंडित कैलाशचंद्र जी जैसे मेधावी साथियों के साथ कुछ समय तक बनारस में भी रहने का अवसर मिला। बाद में माणिकचन्द्र दिगम्बर जैन परीक्षालय बम्बई से शास्त्री परीक्षा पास की। इसके साथ ही आपने राजकीय परीक्षा में न्यायमध्यमा उत्तीर्ण की। न्यायतीर्थ परीक्षा की तैयारी तो की पर देशव्यापी असहयोग आंदोलन के कारण परीक्षा नहीं दी। सन् 1944 में पंजाब विश्वविद्यालय से प्रभाकर परीक्षा के साथ प्रवेशिका (मेट्रिक) परीक्षा भी उत्तीर्ण की। इस प्रकार शिक्षा को प्राप्त कर आपने-अपने जीवन को योग्य एवं गतिशील बनाया।

कर्मक्षेत्रः सन् 1920 से ही आप कर्मक्षेत्र में आगे आ गये। आजीविका कोपार्जन हेतु सन् 1924 में मुल्तान आकर बसे और अध्यापक बन गये। 1925 में दुकान का शुभारंभ किया और 1934 में अकलंक नाम से प्रेस की नींव डाली। 16 जुलाई 1947 को जब देश के विभाजन की योजना बनी, तब आपको भी मुल्तान छोड़कर सहारनपुर आना पड़ा। यहां लाला हुलासराय जी ने आपको और मुद्णालय दोनों को समुचित स्थान दिया। 10 माह तक यहां रहे, प्रेस के व्यवसाय के योग्य क्षेत्र न होने से आपको दिल्ली आना पड़ा। दिल्ली में अभय प्रेस सदर बाजार में खोला और अपनी एक दयामयी भूल से सन् 1950 में प्रेस से स्वामित्व खो बैठे। सन् 1956 में आपने पुनः उसे सुदृढ स्थिति में पहुंचाया। सन् 1966 श्री महावीर जी को आपने अपना आवास स्थान बनाया

सम्पादन कार्य : भारतवर्षीय दिगम्बर जैन संघ के मुख्यपत्र जैन दर्शन का आपने 9 वर्ष तक सम्पादन किया। बाद में 2 वर्ष तक सिद्धांत संरक्षिणी सभा के जैन दर्शन के सम्पादन प्रकाशन में हाथ बंटाया। सन् 1950 से 1968 तक जैन गजट के सम्पादन व प्रकाशन में हाथ बंटाया। सन्

1950 से 1968 तक जैन गजट के सम्पादन का श्रेय आपको है। सन् 1966 से शांतिवीर नगर महावीर जी के श्रेयोमार्ग का सम्पादन भी आपके ही करकमलों द्वारा संपन्न हुआ।

साहित्य सेवाः सन् 1968 में ब्र. ज्ञानानन्द जी की प्रेरणा से आपने अपनी लेखनी को साहित्य के क्षेत्र में प्रवेश कराया। सर्वप्रथम मानव जीवन की सफलता नामक निबन्ध को लिखकर पर्याप्त यश प्राप्त किया। छात्र जीवन मे भी आपने कभी-कभी एक दो लेख लिखे थे, जो पद्मावती पुरवाल नामक पत्रिका में कलकत्ता से प्रकाशित भी हुए थे। आपकी प्रमुख रचनाओं में सत्यार्थ दर्पण, सत्यपथ प्रदर्शन, जैन धर्म परिचय, अनेकान्त परिचय, दैनिक जीवन चर्या, स्वास्थ्य विज्ञान, आर्य समाज की गप्पाष्ट आदि के नाम उल्लेखनीय हैं। आपने कुछ ऐसे भी ग्रंथ लिखे हैं, जिन पर नाम नहीं दिया, किन्तु शैली व भाषा की विशेषताओं से वह आपकी ही रचनायें सिद्ध होती है। आपने पत्रों के माध्यम से भी करीब चार-पांच हजार पृष्ठों की सामग्री समाज को प्रदान की।

सामाजिक अवदानः आप परोपकार एवं आदर्श सिद्धांतवादी होने के साथ ईमानदार व सेवाभाव में किसी से कम नहीं थे। आपके जीवन में अनेक ऐसी घटनायें घटित हुई, जिनसे आपके इन गुणों की मिशाल स्पष्ट होती है, इसी तरह समाजसेवा के कार्यों में भी आप कभी पीछे नहीं रहे। शास्त्री परिषद् के मंत्री पद पर आपने जो सेवायें प्रदान की उनका उल्लेख होना अनिवार्य है। सच्चे अर्थों में मानवता के इस पुजारी ने श्री महावीर जी के शांत व स्वच्छ वातावरण में 20 मई सन् 1966 को अंतिम सांस लेकर चिरविश्राम हेतु प्रयाण किया।

आपका सेवाकार्य एवं जुझारूपन युवा पीढ़ी के लिये सदैव उत्साहित करने वाला तथा समाज व देश के लिए गौरवपूर्ण रहेगा।

कविता

प्राचीन है दिगम्बर

प्राचीन है दिगम्बर समीचीन है दिगम्बर
शांतिपथ विधाता इंद्रिय कषाय विजेता
ध्यान लीनता के लिए निर्विघ्न स्वाध्याय के लिए
गर चाहते हो मुक्ति तो दिगम्बरत्व है सद्युक्ति
निर्भयता पाता है संत दिगम्बर
न वस्त्र का धोना ना साथ में विछोना
स्वाधीनता का साथी परिग्रह का त्यागी
अचेलक का व्रत धारी अगुप्त बल धारी
शुद्ध संयमी होता है दिगम्बर
कर्म को खोता है दिगम्बर, निशंक होता है दिगम्बर
प्रकृति का निर्दोष भेष है दिगम्बर

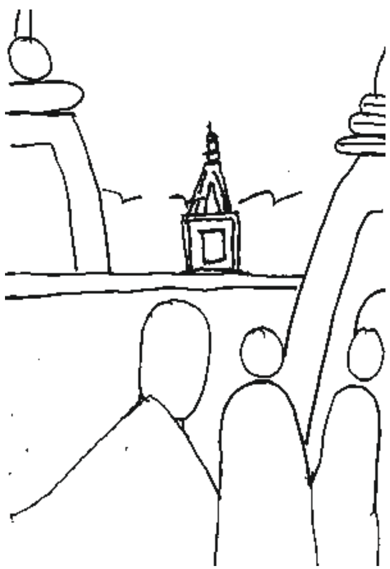

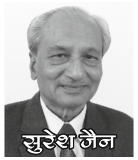

क्रमांक-53 वरिष्ठ नागरिक

अपने आप को कभी फालतू न समझे

बुढ़ापे की सबसे बड़ी समस्या, अपने आपको फालतू समझने से पैदा हुई उदासी है। सिर्फ फालतू व्यक्तियों को ही यह समस्या पेश आती है। जो इस उम्र में भी अपने आपको किसी काम में लगाए रखते हैं और सक्रिय रहते हैं, उन्हें यह समस्या नहीं आती।

लम्बी और स्वस्थ्य जिंदगी कोई चमत्कार नहीं होती। यह अच्छी आदतों पर अधिक निर्भर रहती है। सही जीवन शैली से आप अपनी उम्र में दस वर्ष तक की वृद्धि कर सकते हैं, पूरे विश्व में बहुत से ऐसे लोग हैं जो लम्बा तथा स्वस्थ जीवन जीते हैं। विडम्बना की बात यह है कि लम्बी जीवन दर वाले देशों की लिस्ट में भारत का नाम नहीं है।

परंतु यहाँ कुछ ऐसी शख्सियतें है जो लम्बी आयु होने पर भी युवाओं की तरह सक्रिय हैं और सबके लिए प्रेरणा स्तोत्र हैं। सदाबहार अभिनेता देव आनंद इस संबंध में कहते हैं काम के प्रति चाहत ही मुझे प्रेरित करती है मेरे लिए अभी इतने काम पूरे करने बाकी हैं कि उन्हें पूरा करने हेतु एक जिंदगी तो बहुत छोटी हैं।

सुप्रसिद्ध स्तंभकार, 6 बच्चों की माँ, गृहिणी तथा फैशन डिजाइनर शोभा डे के. व्यक्तित्व से एक अवर्णनीय ऊर्जा की झलक मिलती है। वह उन लोगों के लिए एक आशा जाती हैं जो 58 वर्ष की आयु में रिटायर हो जाते हैं और इस बात से अनजान होते हैं कि जिंदगी में आ चुके खालीपन को कैसे भरा जाए।

पूरे भारत के कई हिस्सो में पैदल यात्रा कर चुके लेजेंडरी चित्रकार एम.एफ हुसैन 93 वर्ष की आयु में भी सक्रिय रहकर हब सबको प्रेरणा देते थे, इतनी अधिक आयु में भी सक्रिय और जोश किसी भी 30 वर्षीय युवा को शर्मिदा कर सकता था।

इसी तरह उद्योगपति विजयपत सिंधानिया 70 वर्ष की आयु में अटलांटिक को उड़ान द्वारा पार कर चुके हैं। वह एक महान ट्रैवलर तथा एडवैंचर के तौर पर सदा सक्रिय रहे।

हमारे पूर्व राष्ट्रपति महामहिम डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम वैज्ञानिक बुद्धि सदा ही ज्ञान प्राप्ति के लिए तरसती रही वह स्कूली बच्चों तथा युवाओं को अपना संचित ज्ञान लगातार बाँटते रहे।

इन सब लेजेंडरी पर्सनैलिटीज से यही सबक सीखने को मिलता है कि जीवन में एक उद्देश्य तथा सही संतुलन हो। संयम सब बातों की कुंजी है एवं जिस भी परिस्थिति में हो हर समय परमात्मा का शुक्र अदा करना चाहिए। एक पंजाबी की कहावत है।

हसो खेडो ते रौवो न, दौड़ो भज्जो ते थक्को न, खो पियो ते रज्जो न।

यानि खुश रहें, क्रिया शील रहें, अच्छा आहार लें ओर कम बोलें व ज्यादा सुनें भूख से कम खायें, भजन बंदगी करने, कम सोने, स्वयं को व्यस्त रखने से व्यक्ति बड़ी उम्र में भी जवान रहता है। कभी मन में नकारात्मक विचार न आने दें इससे शुगर, ब्लडप्रेशर व दिल की बीमारियाँ व्यक्ति को जल्द घेर लेती हैं। अधिक वर्षों तक जीने से ही कोई वृद्ध नहीं हो जाता। लोगों पर बुढ़ापा तभी आता है जब वे अपनी इच्छा शक्ति को तिलांजलि दे देते हैं पर जीवन का उत्साह आजीवन ठंडा नहीं होता। अपने आप को कभी फालतू न समझें तथा कुछ न कुछ सक्रिय रूप से करते जायें। ऐसा करने से आप देखेगे कि आप के जीवन में एक नई उमंग आ गई है तथा जीवन के प्रति आपका नजरिया ही बदल गया है।

समाचार

दीक्षायें सम्पन्न

टोंक- आचार्य श्री वर्धमानसागर जी महाराज के करकमलों से क्षुल्लक श्री विशालसागर महाराज जी के मुनि दीक्षा 27 जुलाई 2025 को दोप. 1.35 बजे दी गई जिनका नाम मुनि श्री विशालसागर जी महाराज रखा गया।

सागवाडा (राजस्थान)- आर्यिका श्री विकाम्याश्री माताजी के करकमलों से ब्र. शकुन्तला देवी को क्षुल्लिका दीक्षा सागवाडा राजस्थान में 13 जुलाई 2025 को दी गई जिनका नाम क्षुल्लिका श्री विचैत्याश्री माता जी रखा गया।

नागपुर- मुनि श्री सुप्रभसागर महाराज जी के करकमलों से प्रतिभा शाह, सोलापुर को 14 जुलाई 2025 को क्षुल्लिका दीक्षा दी गई जिनका नाम क्षुल्लिका श्री सुप्रतिभाश्री माता जी रखा गया।

अहमदाबाद- आचार्य श्री सुनील सागर महाराज जी के करकमलों से क्षुल्लक पुर्णतीर्थ सागर महाराज जी को मुनि दीक्षा 12 जुलाई 2025 को दी गई जिनका नाम मुनि श्री प्रज्ञासागर जी महाराज रखा गया।

पथरिया- आचार्य श्री विशुद्धसागर महाराज जी के करकमलों से सुनील जैन मुंबई को 23 जुलाई 2025 को मुनि दीक्षा दी गई जिनका नाम मुनि श्री निसर्गसागर महाराज जी रखा गया था।

पथरिया-आचार्य श्री विशुद्धसागर महाराज जी के करकमलों से दमोह की श्राविका को आर्यिका दीक्षा 26 जुलाई 2025 को दी गई जिनका नाम विशांताश्री माता जी रखा गया।

समाधिमरण

टोंक- आचार्य श्री वर्धमानसागर महाराज जी के ससंघ सान्निध्य में उनके ही शिष्य मुनि श्री विशालसागर महाराज जी का समाधिमरण 27 जुलाई 2025 को दोप. 3 बजे हुआ।

नागपुर-मुनि श्री सुप्रभसागर महाराज जी के ससंघ सान्निध्य में क्षुल्लिका सुप्रतिभा श्री माता जी का समाधिमरण 16 जुलाई 2025 को हुआ।

अहमदाबाद- आचार्य श्री सुनीलसागर महाराज जी के ससंघ सान्निध्य में उनके ही शिष्य मुनि प्रज्ञासागर महाराज जी का समाधिमरण 12 जुलाई 2025 को हुआ।

दिल्ली-आचार्य श्री सुरत्नसागर महाराज जी के ससंघ सान्निध्य में मुनि श्री सरलसागर महाराज जी की शिष्या क्षुल्लिका वीरमति माताजी का समाधिमरण 21 जुलाई 2025 को कीर्तिनगर दिल्ली में हुआ।

पथरिया-आचार्य श्री विशुद्धसागर महाराज जी के ससंघ सान्निध्य में उनके ही शिष्य मुनि श्री निसर्गसागर महाराज जी का समाधिमरण 25 जुलाई 2025 को विरागोदय तीर्थ पथरिया में हुआ।

पथरिया- विशुद्धसागर महाराज जी के ससंघ सान्निध्य में उनके ही शिष्या आर्यिका श्री विशांताश्री माताजी का समाधिमरण 27 जुलाई 2025 को विरागोदय तीर्थ पथरिया में हुआ।

हास्य तरंग

1. स्कूल में एडमीशन लेने आये छात्र से पूंछा- आपका नाम क्या है, छात्र चन्द्रप्रकाश, शिक्षक- पिताजी का नाम- सूरज प्रकाश, शिक्षक ने कहा इसे अंग्रेजी में बताओ- छात्र- सर माई नेम इज मून लाइट एंड फादर नेम- इस सन लाइट।

2. टीचर- तुम दोनों ने एक दूसरे की नकल की है, नहीं मेडम जी, टीचर- तो फिर तुम दोनों का गाय का निबंध एक सा क्यों है ? मेडम जी- शायद हम दोनों की गाय एक ही है।

3. महिला- 108 नम्बर पर एम्बुलेन्स के लिए फोन करती है वहाँ से आवाज आती है और पूंछता है क्या घटना हुई ? महिला मेरे पैर में मोच आ गई है। अधिकारी- एम्बुलेंस की सेवा इस कार्य के लिए उपलब्ध नहीं होती। महिला- पूरी बात तो सुनिये, मेरे पति ने मुझे धक्का दिया था जिससे मोच आ गई है। अब एम्बूलेंस उनके लिए चाहिए।

4. पत्नी मायके गई थी जवान पति के हृदय में दर्द होने से अस्पताल में हृदय का बाईपास ऑपरेशन किया गया। पत्नी को खबर मिलते ही सीधे अस्पताल जाकर शंका में डॉक्टर से पूछा क्या ? पति के दिन में और कोई थी, डॉक्टर- हाँ अब सब ठीक है उसी का बाईपास किया गया है।

5. भावित-स्कूल में शिक्षक एक्सर साइज करते हुए साइकिल चलाने का कहा, कुछ देर में उसने पैर चलाने बंद कर दिये। शिक्षक ने अचानक देखकर पूंछा पैर क्यों नही चला रहे हो ? भावित सर मेरे साइकिल ढलान पर है।

संकलनः जिनेन्द्र कुमार जैन, गौरीनगर

पाक कला

रसमलाई

सामग्री

गाय का दूध (छेना बनाने) एक किलो

1 किलो फुल क्रीम दूध

शक्कर दो कटोरी लगभग (केसरी दूध में मिलाने के लिये व पानी में पकाने के लिये)

फिटकरी पौना चम्मच

केशर दस पत्तियाँ

विधि- 1 किलो गाय के दूध या टोन्ड दूध को उबाल लीजिये। फिर नींबू रस या फिटकरी से पनीर बना लीजिये। बिल्कुल वही तरीका जो रसगुल्ले का है। उसी तरीके से फाड़ना है। दूध में उबाल आते ही फिटकरी का पानी डाल लीजिये व पनीर फटते ही एक गिलास ठंडा पानी डालिये व छेना की पोटली से निकालकर बिखेर लीजिये मक्खन जैसा हो जायेगा। अब एक तरफ कुकर में तीन कटोरी पानी व एक कटोरी शक्कर डालकर उबाल लीजिये।

एक किलो फुल क्रीम दूध में केशर डालकर पकाये व शक्कर डालिये उसमें 1/2 आधा कटोरी जब पक जाये गैस बंद करिये। उसमें 1/2 कटोरी जब पक जाये गैस बंद करिये। आपका केसरी दूध तैयार है अब इसे ठंडा होने रख दीजिये।

जैसे ही कुकर में पानी उबल जाये, तब उसमें छेना की छोटी-छोटी टिक्की या बॉल्स बना कर डालें व कुकर को बंद करके दो सीटी लगा दे। कुकर में सीटी लगायें और कुकर खुलने पर इन टिक्कियों को केसर वाले दूध में डाल ले। स्वादिष्ट रसमलाई तैयार है। ऊपर से पिस्ता बादाम बुरक कर सजा लीजिये। यदि शक्कर नहीं डालनी है तो मत डालिये फीकी भी चला सकते है।

बाल कहानी

धीरज खोया

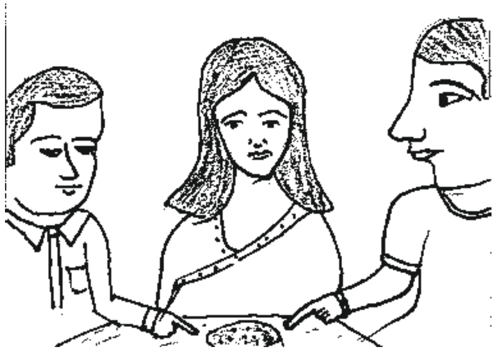

बैंगलुरु सिटी के एक कोने में बलराज का परिवार रहता था बलराज पहले पार्सल डिलेवरी का काम करता था परंतु समय के करवट लेते ही बलराज ने ऑनलाईन डिलेवरी का काम प्रारंभ कर दिया था 8 अक्टूबर को एक कस्टमर ने केक की बुकिंग कराई थी किन्तु उसने अपनी बुकिंग एन वक्त पर केंसल कर दिया बलराज ने अपने बॉस से पूँछा कि केक का क्या करना है वॉस ने कहा खानेकी वस्तु खाओ पिओ मौज करो कहाँ वापिस भेजेंगे जब तक केक कम्पनी में वापिस जायेगा तब तक तो वह खराब हो जायेगा बलराज केक को घर ले गया और अपने बेटे धीरज को कहा आओ बेटा तुम भी केक खाओ और आनंद लो। 8 अक्टूबर रात में केक खाने के बाद सब सो गये रात को दो बजे से धीरज को उल्टी दस्त होना शुरु हो गये बलराज जब तक धीरज को संभालने में लगा तब तक उसकी पत्नी कोमल को भी उल्टी दस्त शुरु हो गये।

बलराज का पूरा परिवार बीमार हो गया उसने अपने कई मित्रों को कॉल किया लेकिन किसी ने भी बलराज का फोन अटेंड नहीं किया जब कोमल ने अपनी सहेलियों को लगाया उनमें से भारती पटिल ने फोन उठाया और वह अपने पति के साथ बलराज के घर पहुँच गई भारती के पति सुरेश ने तुरंत उपचार के लिए सबको अस्पताल ले जाने का प्रबंध किया किन्तु धीरज की हालत ज्यादा ही बिगड़ रही थी। सुरेश ने एम्बूलेंस गाड़ी बुलाई और तीनों को आपात निगारानी केन्द्र की ओर ले जाते समय धीरज की उल्टी श्वांस चलना प्रारंभ हो गई बलराज और कोमल को आई.सी.यू में ले गये।

कोमल और बलराज का इलाज तो शुरु हो गया परंतु धीरज ने आई सी यू में जाने के पहले ही दम तोड़ दिया। तीन चार दिन बाद कोमल ओर बलराज को बताया गया कि आपके बेटे धीरज को आप खो चुके हैं। भारती कहा यदि आप लोग रात में भोजन का त्याग किये होते तो आप इतनी बढ़ी विपत्ति में नहीं फँसते आपको अपना बेटा धीरज भी नहीं खोना पड़ता बलराज ने रात्री में भोजन न करने की दृढ़ता दिखाई।

संस्कार गीत

जरूरी संघर्ष

गर न्याय चाहते हो तो संघर्ष करना होगा
अन्याय से सदा ही हमको ही लड़ना होगा
1.
शक्ति है पास जिसके उसके है मित्र सारे
कमजोर कान कोई सार्थ बने तारे
शक्ति बढ़ाओ खुदकी
संग-साथ रहना होगा
2.
अन्याय मत करो तुम
कमजोर को कभी न सताओ
सत्य अहिंसा जीवन दान करें हम
सच्चा पथ अपनाओ
कमजोर मनुज को हर पल का
शोषण सहना होगा
3.
ज्ञानी बनो ध्यानी बनो बलवान भी बनो
पीढ़ी हो संस्कारवान तो
तीर्थ रक्षक अभियान गढ़ो
मानवता को रहें समर्पित
ज्ञान ध्यान में रमना होगा

बाल कविता

स्वास्थ्य सूत्र

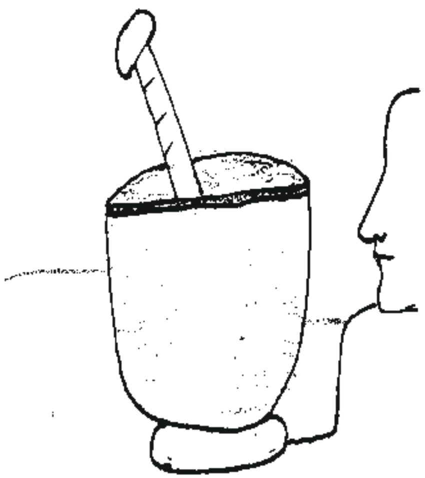

सावन में तुम हरी न खाना
भाद्र मास में छाछ न पीना
कुंवार मास में नहीं करेला
कार्तिक में नहीं दही भरेला
नहीं अगहन में जीरा खाना
नहीं पोष में धना चबाना
माघ मास में मिश्री नहीं खाना
फाल्गुन मास में चना नहीं
चैत्र में गुड वैशाख में तेल
जेठ में महुआं आषाढे बेल
स्वाद नहीं स्वास्थ्य को खाना
तन मन अपना स्वस्थ्य बनाना

वर्ग पहेली 310

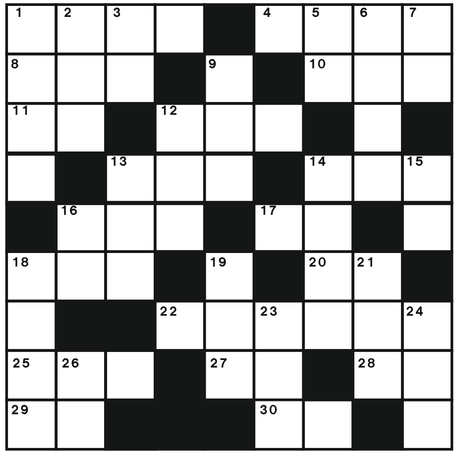

बाये से दाये

1. भगत सिंह के साथ रहने वाले शहीद का नाम, सुख का देवता -4
4. राजाओं का गुरु, प्रसिद्ध शहीद -4
8. गम, काऊचौक -3
10. कारण हेतु -3
11. शराबखाना, मधुशाला, पब -2
12. जमा राशि, -3
13. गिरने का भाव -3
14. तल से रहित -3
16. सहारा, आसरा -3
17. सूर्य, अरूण, भानू -2
18. हिन्दुस्तान आर्यावर्त -3
20. समय बेला -2
22. ऐ. सिद्धांतसागरजी के पिता का नाम -6
25. खान -3
27. संध्या, सांझ -2
28. मेढ़क की बोली, हठ जिद -2
29. डमरू की आवाज -2
30. गर्तक, जादूगर -2

ऊपर से नीचे

1. अप्सरा, देवी -4
2. समाचार, न्यूज -3
3. बिलम्ब -2
5. जिस समय काल वाचक अव्यम -2
6. नरेन्द्र मोदी का गृह प्रदेश -4
7. आत्मा (उर्दू) में -2
9. शब्द, वादा कथन -3
13. वह लेयर -3
14. विकार रहित निर्विकार -4
15. शर्म लाज हिझक -2
16. तालाब सरोवर जलाशय -2
18. संगीत की स्वरलिपीकार -4
19. कलश, मटक घड़ा -3
21. माथा, मस्तिष्क -3
23. जन्म, जमने का भाव, दही बनाने का साधन -3
24. लड़का बच्चा -3
26. शक्ति, ताकत, श्वास -2

वर्ग पहेली 309 का हल

1 नं	2 दी	श्व	3 र	■	4 स	द	5 ल	6 गा
7 द	म	■	8 व	स	न	■	9 त	था
10 न	क	11 सी	र	■	12 क	13 म	■	■
व	■	ता	■	14 रा	■	15 त	ख	16 त
17 न	18 च	ना	■	19 स	लि	ल	■	ल
■	20 क	ला	■	■	■	21 ब	22 सा	■
23 त	म	■	24 वा	25 च	26 ना	■	27 ता	28 श
29 र	क	30 म	■	31 म	ना	32 ली	■	ह
स	■	33 न	म	न	■	34 न	ज	र

....सदस्यता क्र. ....
पता : ....
....

संस्कार सागर सदस्यता

श्री दिगंबर जैन पंचबालयति मंदिर, विद्यासागर नगर, बॉम्बे हॉस्पिटल के पास,
ए.बी. रोड, इंदौर-10 (म.प्र.) फोन : 0731-4003506,8989505108

आपका सहयोग संस्कृति निर्माण अभियान में नींव का पत्थर साबित हो

* संस्कार सागर संस्कार निर्माण के उद्देश्य को लिए हुए दिगंबर जैन युवक संघ का मुखपत्र है। यह आपकी अपनी पत्रिका है। हर वर्ग, हर आयु के व्यक्ति की पठनीय सामग्री संस्कार सागर में मिलती है।

* इसका हर अंक संग्रहणीय होता है। सम्पूर्ण जैन समाज को जोड़ने का सदैव प्रयास करने वाली यह पत्रिका पंथवाद से ऊपर उठकर विचार प्रस्तुत करती है। संस्कार रोपण की इस प्रक्रिया में आपका सहयोग मूल्यवान होगा। अतः संस्कार सम्प्रेषण के अभियान में आप भी सम्मिलित होवें।

* संस्कार सागर पत्रिका में लेख, कविता, कहानी आकर्षण एवं ज्ञानवर्धक होते हैं। प्राचीन आचार्य परंपरा, साहित्य, तीर्थ, समाज गौरव को परिलक्षित करने में संस्कार सागर अग्रणी सिद्ध हुआ है। स्वास्थ्य, रोजगार, कॅरियर, पर्व व्रत मुहूर्त जैसी समस्याओं का समाधान देने के लिए बीस स्तंभ हर अंक में होते हैं।

नाम .... उपनाम ....

पता...

शहर .... राज्य .... पिनकोड ....

एसटीडी .... फोन (कार्यालय) .... (घर) ....

क्र.	सदस्यता	अवधि	निश्चित राशि
(1)	परम संरक्षक सदस्य	सदैव	15001 रुपए
(2)	परम सम्माननीय	सदैव	11000 रुपए
(3)	संरक्षक	सदैव	5001 रुपए
(4)	आजीवन	15 वर्ष	2100 रुपए

(जो सदस्यता ग्रहण करनी हो कृपया उसके आगे सही का निशान लगाएँ)

हस्ताक्षर सदस्य — नाम, सील एवं हस्ताक्षर प्राप्तकर्ता

नोट :- सदस्यता शुल्क मनी ऑर्डर/ड्राफ्ट/फोनपे/ चेक अथवा क्यूआर कोड स्केन कर द्वारा भेज सकते हैं।

संस्कार सागर - स्टेट बैंक ऑफ इन्दौर : खाता क्रमांक 63000704338